अगाथे चुइस्टी

गुप्त विरोधी

अगाथा क्रिस्टी

अगाथा क्रिस्टी

गुप्त विरोधी

विषयवस्तुः

गुप्त विरोधी

द्वारा

अगाथा क्रिस्टी
www.freeclassicebooks.com

विषयवस्तु:
प्रस्तावना
.....
4
अध्याय I. युवा साहसी, लिमिटेड
..... 6
अध्याय II. श्री व्हिटिंगटन का प्रस्ताव
.....15
अध्याय III. एक झटका
.....

अध्याय IV. जेन फिन कौन है?
.....31
अध्याय V. श्री जूलियस पी. हर्शाइमर
.....40
अध्याय VI. अभियान की योजना
.....46
अध्याय VII. सोहो का घर
.....54
अध्याय VIII. टॉमी के कारनामे
.....60
अध्याय IX. टप्पेन्स घरेलू नौकरानी के रूप में काम करने लगती
है.....69
अध्याय X. सर जेम्स पील एडगरटन का
आगमन.....78
अध्याय XI. जूलियस एक कहानी सुनाता
है.....85
अध्याय XII. ज़रूरत में एक
दोस्त.....
अध्याय XIII.
निगरानी.....
अध्याय XIV. एक
परामर्श.....
अध्याय XV. टप्पेन्स को एक प्रस्ताव मिलता
है.....130
अध्याय XVI. टॉमी के आगे के
कारनामे.....138
अध्याय XVII.
एनेट.....
अध्याय XVIII. द टेलीग्राम
.....16
अध्याय XIX. जेन फिन
.....
अध्याय XX. बहुत देर हो चुकी है
.....188
अध्याय XXI. टॉमी को एक खोज मिलती है
.....195
अध्याय XXII. डाउनिंग स्ट्रीट में

.....201
अध्याय XXIII. समय के विरुद्ध दौड़
.....207
अध्याय XXIV. जूलियस हाथ बढ़ाता है
.....214
अध्याय XXV. जेन की कहानी
.....
अध्याय XXVI. मिस्टर
ब्राउन.....
अध्याय XXVII. सैवॉय में
रात्रिभोज.....245
अध्याय XXVIII. और उसके
बाद.....

प्रस्तावना

7 मई, 1915 की दोपहर के 2 बजे थे। लुसिटानिया पर लगातार दो टॉरपीडो से हमला हुआ था और वह तेज़ी से डूब रही थी, जबकि नावों को पूरी तेज़ी से पानी में उतारा जा रहा था। महिलाएं और बच्चे अपनी बारी का इंतज़ार करते हुए कतार में खड़े थे। कुछ अभी भी अपने पतियों और पिताओं से कसकर चिपकी हुई थीं; कुछ ने अपने बच्चों को सीने से लगा रखा था। एक लड़की बाकियों से थोड़ी अलग अकेली खड़ी थी। वह काफी छोटी थी, अठारह साल से ज़्यादा की नहीं। वह डरी हुई नहीं लग रही थी, और उसकी गंभीर, स्थिर आँखें सीधे आगे देख रही थीं।

"मैं क्षमा चाहता हूँ।"

उसके बगल में एक आदमी की आवाज़ सुनकर वह चौंक गई और मुड़ गई। उसने बोलने वाले को प्रथम श्रेणी के यात्रियों के बीच कई बार देखा था। उसके बारे में कुछ रहस्यमय सा था जिसने उसकी कल्पना को आकर्षित किया था। वह किसी से बात नहीं करता था। अगर कोई उससे बात करता तो वह तुरंत बात को टाल देता था। साथ ही, वह घबराकर बार-बार पीछे मुड़कर संदेह भरी नज़र से देखता था।

अब उसने गौर किया कि वह बहुत घबराया हुआ था। उसके माथे पर पसीने की बूँदें थीं। वह स्पष्ट रूप से अत्यधिक भयभीत था। फिर भी वह उसे ऐसा व्यक्ति नहीं लगा जो मृत्यु से डरता हो!

"जी?" उसकी गंभीर निगाहें जिज्ञासा से उसकी ओर मुड़ीं।
वह हताशा और अनिश्चितता के भाव से उसे देखता रहा।
"ज़रूर होगा!" उसने मन ही मन बुदबुदाया। "हाँ—यही एकमात्र तरीका है।" फिर अचानक ज़ोर से बोला: "क्या तुम अमेरिकी हो?"
"हाँ।"
"एक देशभक्तिपूर्ण?"
लड़की का चेहरा लाल हो गया।
"मुझे लगता है कि आपको ऐसा सवाल पूछने का कोई अधिकार नहीं है! बिल्कुल है!"
"बुरा मत मानना। अगर तुम्हें पता होता कि कितना कुछ दांव पर लगा है, तो तुम बुरा नहीं मानते। लेकिन मुझे किसी पर तो भरोसा करना ही होगा - और वह एक महिला ही होनी चाहिए।"
"क्यों?"
"क्योंकि 'महिलाओं और बच्चों को प्राथमिकता' है।" उसने चारों ओर देखा और अपनी आवाज़ धीमी कर ली। "मेरे पास कुछ कागज़ात हैं—अत्यंत महत्वपूर्ण कागज़ात। ये युद्ध में मित्र देशों के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं। समझे? इन कागज़ात को बचाना ही होगा! मेरे पास रहने की तुलना में आपके पास इनके सुरक्षित रहने की संभावना अधिक है। क्या आप इन्हें लेंगे?"
लड़की ने अपना हाथ आगे बढ़ाया।
"रुको—मुझे तुम्हें चेतावनी देनी होगी। अगर मेरा पीछा किया गया हो तो खतरा हो सकता है। मुझे नहीं लगता कि मेरा पीछा किया गया है, लेकिन कौन जानता है। अगर ऐसा है, तो खतरा होगा। क्या तुममें इसे अंजाम देने की हिम्मत है?"
लड़की मुस्कुराई।
मैं इसे पूरा कर लूंगी। और चुने जाने पर मुझे बहुत गर्व है! बाद में मैं इनका क्या करूंगी?
"अखबारों पर नज़र रखें! मैं टाइम्स के व्यक्तिगत कॉलम में 'शिपमेट' शीर्षक से विज्ञापन दूंगा। तीन दिन के भीतर अगर कुछ नहीं हुआ तो समझ लेना कि मैं कंगाल हो गया हूँ। फिर उस पैकेट को अमेरिकी दूतावास ले जाकर राजदूत को सौंप देना। क्या यह बात स्पष्ट है?"
"बिल्कुल साफ़।"

"तो तैयार हो जाओ—मैं अलविदा कहने जा रहा हूँ।" उसने उसका हाथ अपने हाथ में लिया। "अलविदा। तुम्हें शुभकामनाएँ," उसने ऊँची आवाज़ में कहा।
उसका हाथ उसकी हथेली में पड़े तेल से सने पैकेट पर जा लगा।
लुसिटानिया जहाज दाईं ओर अधिक झुककर स्थिर हो गया। एक त्वरित आदेश के जवाब में, लड़की नाव में अपनी जगह लेने के लिए आगे बढ़ी।

अध्याय I. द यंग एडवेंचरर्स, लिमिटेड।

"टॉमी, बूढ़े!"
"दो पेंस, दोस्त!"
दोनों युवकों ने एक-दूसरे को स्नेहपूर्वक अभिवादन किया और ऐसा करते हुए क्षण भर के लिए डोवर स्ट्रीट ट्यूब स्टेशन का निकास द्वार अवरुद्ध कर दिया। "बूढ़ा" विशेषण भ्रामक था। उनकी संयुक्त आयु निश्चित रूप से पैंतालीस नहीं होती।
“तुम्हें तो सदियों से देखा ही नहीं,” युवक ने आगे कहा। “कहाँ जा रहे हो? आओ मेरे साथ एक बन खा लो। हम यहाँ थोड़े अलोकप्रिय हो रहे हैं—जैसे रास्ता रोक रहे हों। चलो यहाँ से निकल चलते हैं।”
लड़की की सहमति से वे डोवर स्ट्रीट से होते हुए पिकाडिली की ओर चलने लगे।
"तो अब," टॉमी ने कहा, "हम कहाँ जाएँगे?"
उनकी आवाज़ में छिपी हल्की सी घबराहट मिस प्रूडेंस काउली के तेज़ कानों से नहीं बच पाई, जिन्हें उनके करीबी दोस्त किसी रहस्यमय कारण से "टप्पेन्स" के नाम से जानते थे। उन्होंने तुरंत ही इस बात को पकड़ लिया।
"टॉमी, तुम एकदम पत्थर दिल हो!"
"बिल्कुल नहीं," टॉमी ने अविश्वास भरे लहजे में कहा। "मेरे पास तो बहुत पैसा है।"
"तुम हमेशा से ही बेहद झूठे रहे हो," टप्पेन्स ने सख्ती से कहा, "हालांकि एक बार तुमने सिस्टर ग्रीनबैंक को यह यकीन दिला दिया था कि डॉक्टर ने तुम्हें टॉनिक के तौर पर बीयर दी थी, लेकिन चार्ट पर लिखना भूल गए थे। क्या तुम्हें याद है?"
टॉमी खिलखिलाकर हंस पड़ा।
"मुझे तो लगता है मैंने किया था! जब उस बूढ़ी बिल्ली को पता चला तो वह कितनी गुस्से में थी! वैसे तो वह बुरी बिल्ली नहीं थी, बूढ़ी मदर ग्रीनबैंक! अच्छा-खासा अस्पताल—शायद बाकी सब चीजों की तरह ही बंद हो गया?"

टप्पेन्स ने आह भरी।
"हां तुम भी?"
टॉमी ने सिर हिलाया।
"दो महीने पूर्व।"
"उपहार?" टप्पेन्स ने इशारे से पूछा।
"खर्च किया गया।"
"ओह, टॉमी!"
नहीं, बुढ़िया, इस तरह की अय्याशी में नहीं। ऐसा भाग्य नहीं! आजकल साधारण या बगीचे में रहने का खर्च, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, अगर आपको नहीं पता तो—"
"मेरे प्यारे बच्चे," टप्पेन्स ने बीच में टोकते हुए कहा, "मुझे जीवन यापन के खर्च के बारे में सब कुछ पता है। हम यहाँ लायंस के घर पर हैं, और हम में से हर कोई अपने-अपने खर्च का भुगतान करेगा। बस!" और टप्पेन्स आगे-आगे सीढ़ियों से ऊपर चली गई।
वह जगह पूरी तरह से भरी हुई थी, और वे एक मेज की तलाश में इधर-उधर भटक रहे थे, और इस दौरान उन्हें बातचीत के कुछ अंश सुनाई दे रहे थे।
और—क्या आपको पता है, जब मैंने उसे बताया कि उसे फ्लैट नहीं मिल सकता, तो वह बैठकर फूट-फूटकर रोने लगी। "यह तो सचमुच एक बढ़िया सौदा था, मेरी प्यारी! बिलकुल वैसा ही जैसा मेबल लुईस पेरिस से लाई थी।"
"कभी-कभी अजीबोगरीब बातें सुनने को मिल जाती हैं," टॉमी ने धीरे से कहा। "आज मैंने सड़क पर दो लड़कों को जेन फिन नाम की किसी महिला के बारे में बात करते हुए देखा। क्या तुमने कभी ऐसा नाम सुना है?"
लेकिन उसी क्षण दो बुजुर्ग महिलाएं उठीं और पार्सल इकट्ठा करने लगीं, और टप्पेन्स ने चतुराई से खुद को खाली सीटों में से एक पर बैठा लिया।
टॉमी ने चाय और बन्स का ऑर्डर दिया। टप्पेन्स ने चाय और मक्खन लगे टोस्ट का ऑर्डर दिया।
"और ध्यान रहे कि चाय अलग-अलग केतलियों में आती है," उसने सख्ती से कहा।
टॉमी उसके सामने बैठ गया। उसके सिर पर लगे खुले बालों में पीछे की ओर कंघी किए हुए लाल बाल साफ दिख रहे थे। उसका चेहरा देखने में थोड़ा अजीब था, लेकिन साथ ही साथ एक सज्जन और खिलाड़ी का चेहरा भी। उसका भूरा सूट अच्छी तरह

सिला हुआ था, लेकिन लगभग फटने की कगार पर था।
वहाँ बैठे हुए वे दोनों देखने में आधुनिक लग रहे थे। टप्पेन्स दिखने में भले ही खूबसूरत न हो, लेकिन उसके छोटे से चेहरे की कोमल रेखाओं में एक अलग ही आकर्षण था, जिसमें दृढ़ ठुड्डी और बड़ी-बड़ी, दूर-दूर फैली हुई भूरी आँखें थीं जो सीधी, काली भौहों के नीचे से धुंधली सी झाँक रही थीं। उसने अपने काले बॉब कट बालों पर एक छोटी सी चमकीली हरी टोपी पहन रखी थी, और उसकी बेहद छोटी और कुछ हद तक मैली सी स्कर्ट से उसकी बेहद खूबसूरत टखने दिखाई दे रही थीं। उसका पहनावा स्मार्ट दिखने का एक साहसिक प्रयास था।
अंततः चाय आ गई, और टप्पेन्स ने ध्यानमग्न अवस्था से बाहर निकलते हुए उसे परोसा।
"तो चलिए," टॉमी ने बन का एक बड़ा टुकड़ा खाते हुए कहा, "चलिए कुछ ताज़ा बातें जान लेते हैं। याद है ना, मैंने आपको 1916 में अस्पताल में भर्ती होने के बाद से नहीं देखा है।"
"बहुत बढ़िया।" टप्पेन्स ने मक्खन लगे टोस्ट को बड़े चाव से उठाया। सफ़ोक के लिटिल मिसेंडेल के आर्चडीकन काउली की पाँचवीं पुत्री मिस प्रूडेंस काउली की संक्षिप्त जीवनी। मिस काउली ने युद्ध की शुरुआत में ही अपने गृहस्थ जीवन के सुख-सुविधाओं (और कठिनाइयों) को त्यागकर लंदन आ गईं, जहाँ उन्होंने एक अधिकारी अस्पताल में प्रवेश लिया। पहला महीना: प्रतिदिन छह सौ अड़तालीस प्लेटें धोईं। दूसरा महीना: प्लेटों को सुखाने का काम सौंपा गया। तीसरा महीना: आलू छीलने का काम सौंपा गया। चौथा महीना: ब्रेड और मक्खन काटने का काम सौंपा गया। पाँचवाँ महीना: एक मंजिल ऊपर पदोन्नत होकर पोछा और बाल्टी के साथ वार्डमेड का काम सौंपा गया। छठा महीना: मेज पर सेवा करने का काम सौंपा गया। सातवाँ महीना: उनकी आकर्षक सूरत और अच्छे व्यवहार ने उन्हें सिस्टर्स की सेवा करने के लिए पदोन्नत कर दिया! आठवाँ महीना: करियर में थोड़ी सी रुकावट आई। सिस्टर बॉन्ड ने सिस्टर वेस्थेवन का अंडा खा लिया! बड़ा झगड़ा हुआ! वार्डमेड ही दोषी थी! इतने महत्वपूर्ण मामलों में लापरवाही की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। फिर से पोछा और बाल्टी! कैसे महान लोग गिर पड़े! नौवाँ महीना: झाड़ू लगाने का काम सौंपा गया। बाहरी वार्ड में, मुझे अपने बचपन का एक दोस्त लेफ्टिनेंट थॉमस बेरेसफोर्ड (वाह, टॉमी!) मिला, जिसे मैंने पाँच साल से नहीं देखा था। यह मुलाकात बहुत भावुक कर

देने वाली थी! दसवाँ महीना: एक मरीज़, यानी लेफ्टिनेंट थॉमस बेरेसफोर्ड के साथ सिनेमा देखने जाने पर मैट्रन ने मुझे डाँटा। ग्यारहवाँ और बारहवाँ महीना: पार्लरमेड के कर्तव्यों को पूरी सफलता के साथ फिर से शुरू किया। साल के अंत में मैंने शान से अस्पताल छोड़ा। उसके बाद, प्रतिभाशाली मिस काउली ने एक के बाद एक व्यापारिक डिलीवरी वैन, एक मोटर-लॉरी और एक जनरल की गाड़ी चलाई! आखिरी वाला सबसे सुखद था। वह वाकई एक युवा जनरल थे!

"इससे ज़्यादा शर्मनाक क्या हो सकता था?" टॉमी ने पूछा। "यह तो सरासर घिनौना था कि कैसे वे बड़े अधिकारी युद्ध कार्यालय से सैवॉय तक और फिर सैवॉय से युद्ध कार्यालय तक गाड़ी चलाकर गए!"

"अब तो मुझे उसका नाम याद नहीं है," टप्पेन्स ने स्वीकार किया। "संक्षेप में कहूँ तो, वह एक तरह से मेरे करियर का शिखर था। इसके बाद मैंने एक सरकारी दफ्तर में काम करना शुरू किया। वहाँ हमने कई मज़ेदार चाय पार्टियाँ कीं। मैंने अपने करियर के अंत में लैंड गर्ल, पोस्टवुमन और बस कंडक्टर बनने का इरादा किया था—लेकिन युद्धविराम आड़े आ गया! मैं कई महीनों तक उस दफ्तर से चिपकी रही, लेकिन अफ़सोस, आखिरकार मुझे निकाल दिया गया। तब से मैं नौकरी की तलाश में हूँ। अब —आपकी बारी।"

टॉमी ने अफसोस जताते हुए कहा, "मेरे काम में तरक्की के ज़्यादा मौके नहीं हैं, और काम में विविधता भी बहुत कम है। जैसा कि आप जानते हैं, मैं फिर से फ्रांस गया था। फिर उन्होंने मुझे मेसोपोटामिया भेज दिया, और वहाँ मुझे दूसरी बार चोट लगी और अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। फिर युद्धविराम तक मैं मिस्र में फंसा रहा, वहाँ कुछ और समय बिताया, और जैसा कि मैंने आपको बताया, आखिरकार मुझे सेना से छुट्टी मिल गई। और दस लंबे, थका देने वाले महीनों से मैं नौकरी ढूंढ रहा हूँ! कोई नौकरी है ही नहीं! और अगर होती भी, तो मुझे नहीं देते। मेरा क्या फायदा? मुझे व्यापार के बारे में क्या पता? कुछ नहीं।"

टप्पेन्स ने उदास भाव से सिर हिलाया।

"उपनिवेशों का क्या होगा?" उसने सुझाव दिया।

टॉमी ने अपना सिर हिलाया।

मुझे उपनिवेश पसंद नहीं आने चाहिए—और मुझे पूरा यकीन है कि उन्हें भी मैं पसंद नहीं आऊंगा!

"अमीर रिश्तेदार?"
टॉमी ने फिर से अपना सिर हिलाया।
"अरे टॉमी, परदादी भी नहीं?"
"मेरा एक बूढ़ा चाचा है जो लगभग मौज-मस्ती कर रहा है, लेकिन वह किसी काम का नहीं है।"
"क्यों नहीं?"
"एक बार वे मुझे गोद लेना चाहते थे। मैंने मना कर दिया।"
"मुझे लगता है मैंने इसके बारे में सुना था," टप्पेन्स ने धीरे से कहा। "तुमने अपनी माँ की वजह से मना कर दिया था----"
टॉमी का चेहरा लाल हो गया।
"हाँ, इससे थोड़ी परेशानी तो होती। जैसा कि आप जानते हैं, मैं ही उसका सब कुछ था। वो उससे नफरत करता था—मुझे उससे दूर करना चाहता था। बस थोड़ी सी बदले की भावना से।"
"तुम्हारी माँ मर चुकी है, है ना?" टप्पेन्स ने धीरे से कहा।
टॉमी ने सिर हिलाया।
टप्पेन्स की बड़ी-बड़ी धूसर आँखें नम लग रही थीं।
"तुम एक अच्छे इंसान हो, टॉमी। मुझे हमेशा से पता था।"
"बकवास!" टॉमी ने जल्दी से कहा। "खैर, यही मेरी स्थिति है। मैं लगभग हताश हो चुका हूँ।"
"मैं भी! जितना हो सका, मैंने इंतज़ार किया। मैंने हर जगह लोगों से संपर्क किया। मैंने विज्ञापनों के जवाब दिए। मैंने हर संभव कोशिश की। मैंने हर तरह से फायदा उठाया, पैसे बचाए और हड़बड़ी की! लेकिन कोई फायदा नहीं। मुझे घर जाना ही पड़ेगा!"
"क्या आप नहीं चाहते?"
"बिल्कुल नहीं! भावुक होने का क्या फायदा? पिताजी बहुत प्यारे हैं—मैं उनसे बहुत प्यार करती हूँ—लेकिन आपको अंदाज़ा भी नहीं है कि मैं उन्हें कितना परेशान करती हूँ! उनका वो पुराना विक्टोरियन ज़माने का नज़रिया है कि छोटी स्कर्ट पहनना और सिगरेट पीना अनैतिक है। आप सोच सकते हैं कि मैं उनके लिए कितनी बड़ी मुसीबत हूँ! जब युद्ध के कारण मैं घर से दूर चली गई, तो उन्होंने राहत की साँस ली। देखिए, घर में हम सात लोग हैं। कितना बुरा हाल है! सारा घर का काम और माताओं की

बैठकें! मैं हमेशा से ही घर में अलग-थलग रही हूँ। मैं वापस नहीं जाना चाहती, लेकिन —ओह, टॉमी, और क्या करूँ?"
टॉमी ने उदास होकर सिर हिलाया। कुछ देर सन्नाटा छा गया, फिर टप्पेन्स अचानक बोल पड़ी:
"पैसा, पैसा, पैसा! मैं सुबह, दोपहर और रात पैसे के बारे में सोचता रहता हूँ! मैं शायद इसे लालच कहूँ, लेकिन यही सच है!"
"मैं भी यही सोचता हूँ," टॉमी ने भावुक होकर सहमति जताई।
"मैंने इसे पाने के हर मुमकिन तरीके पर सोच-विचार कर लिया है," टप्पेन्स ने आगे कहा। "सिर्फ़ तीन ही तरीके हैं! विरासत में मिलना, शादी करना या खुद कमाना। पहला तरीका तो नामुमकिन है। मेरे कोई अमीर बुज़ुर्ग रिश्तेदार नहीं हैं। मेरे जितने भी रिश्तेदार हैं, वे सब बुज़ुर्ग महिलाओं के घरों में रहते हैं! मैं हमेशा बुज़ुर्ग महिलाओं को नदी पार कराने में मदद करती हूँ और बुज़ुर्ग सज्जनों के पार्सल उठाती हूँ, कहीं वे सनकी करोड़पति न निकल जाएँ। लेकिन उनमें से किसी ने भी मुझसे मेरा नाम नहीं पूछा—और कई लोगों ने तो 'धन्यवाद' भी नहीं कहा।"
कुछ देर का विराम रहा।
"बेशक," टप्पेन्स ने बात जारी रखते हुए कहा, "शादी ही मेरे लिए सबसे अच्छा मौका है। मैंने बहुत कम उम्र में ही तय कर लिया था कि मुझे पैसे वाले से शादी करनी है। कोई भी समझदार लड़की यही करेगी! मैं भावुक नहीं हूँ, आप जानते हैं।" वह थोड़ी देर रुकी। "अरे, आप मुझे भावुक नहीं कह सकते," उसने तीखे स्वर में कहा।
"बिल्कुल नहीं," टॉमी ने जल्दी से सहमति जताते हुए कहा। "तुम्हारे साथ भावनाओं का कोई ख्याल ही नहीं आएगा।"
"ये तो शिष्टाचार के विरुद्ध है," टप्पेन्स ने उत्तर दिया। "लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि आप ये बात सही कह रही हैं। ठीक है, बात ये है! मैं तैयार हूँ और इच्छुक भी—पर मुझे कभी कोई अमीर आदमी नहीं मिला! मेरे जान-पहचान के सारे लड़के मेरी ही तरह तंगहाली में जी रहे हैं।"
"जनरल का क्या हुआ?" टॉमी ने पूछा।
"मुझे लगता है कि शांति के समय में वह साइकिल की दुकान चलाता होगा," टप्पेन्स ने समझाया। "नहीं, यही तो बात है! अब तुम किसी अमीर लड़की से शादी कर सकते हो।"

मैं भी तुम्हारी तरह ही हूँ। मैं किसी को नहीं जानता।
"इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप हमेशा किसी न किसी से जान-पहचान बना सकते हैं। अब, अगर मैं किसी आदमी को फर कोट पहने हुए रिट्ज़ होटल से बाहर आते हुए देखूं, तो मैं उसके पास दौड़कर नहीं जा सकता और कह सकता हूं: 'देखिए, आप अमीर हैं। मैं आपसे मिलना चाहता हूं।'"
"क्या आपका सुझाव है कि मुझे ऐसा ही किसी समान पोशाक वाली महिला के साथ करना चाहिए?"
"मूर्खता मत करो। उसके पैर पर पैर रख दो, या उसका रूमाल उठा लो, या कुछ ऐसा ही करो। अगर उसे लगेगा कि तुम उसे जानना चाहते हो, तो वह खुश होगी और किसी न किसी तरह तुम्हारे लिए यह कर दिखाएगी।"
"तुम मेरे मर्दाना आकर्षण को जरूरत से ज्यादा आंकते हो," टॉमी ने धीरे से कहा।
"दूसरी ओर," टप्पेन्स ने आगे कहा, "मेरा करोड़पति शायद अपनी जान बचाकर भाग जाएगा! नहीं—शादी मुश्किलों से भरी होती है। आखिर बचा है—पैसा कमाना!"
"हमने वह कोशिश की थी, और असफल रहे," टॉमी ने उसे याद दिलाया।
"हमने सभी पारंपरिक तरीके आजमा लिए हैं, हाँ। लेकिन मान लीजिए कि हम अपरंपरागत तरीके आजमाते हैं। टॉमी, चलो कुछ नया करने की कोशिश करते हैं!"
“ज़रूर,” टॉमी ने खुशी से जवाब दिया। “हम शुरुआत कैसे करें?”
"यही तो मुश्किल है। अगर हम खुद को मशहूर कर लें, तो लोग हमें अपने लिए अपराध करने के लिए काम पर रख सकते हैं।"
"बहुत बढ़िया," टॉमी ने टिप्पणी की। "खासकर जब यह बात एक पादरी की बेटी से सुनने को मिले!"
टप्पेन्स ने कहा, "नैतिक दोष उनका होगा - मेरा नहीं। आपको यह मानना होगा कि अपने लिए हीरे का हार चुराने और उसे चुराने के लिए किसी के द्वारा काम पर रखे जाने में अंतर होता है।"
"अगर तुम पकड़े भी गए तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा!"
"शायद नहीं। लेकिन मुझे पकड़ा नहीं जाना चाहिए। मैं बहुत चालाक हूँ।"
"विनम्रता हमेशा से तुम्हारा सबसे बड़ा दोष रहा है," टॉमी ने टिप्पणी की।
"मजाक मत करो। सुनो टॉमी, क्या हम सच में ऐसा करें? क्या हम व्यापारिक साझेदारी करें?"

"हीरे के हार चुराने के लिए एक कंपनी बनाएं?"
"वह तो सिर्फ एक उदाहरण था। चलिए, इसे लेखा-जोखा में क्या कहते हैं?"
"पता नहीं। मैंने कभी कुछ किया ही नहीं।"
"मैंने किया था—लेकिन मैं हमेशा उलझन में पड़ जाता था, और क्रेडिट एंट्री को डेबिट में और डेबिट को क्रेडिट में डाल देता था—इसलिए उन्होंने मुझे निकाल दिया। ओह, मुझे याद आया—एक संयुक्त उद्यम! पुराने आंकड़ों के बीच यह शब्द सुनकर मुझे बहुत रोमांटिक लगा। इसमें एलिज़ाबेथन युग की झलक है—गैलियन और डबलोन की याद आती है। एक संयुक्त उद्यम!"
"यंग एडवेंचर्स लिमिटेड के नाम से व्यापार करना? क्या यह तुम्हारा विचार है, टप्पेन्स?"
"हंसना तो ठीक है, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें कुछ सच्चाई हो सकती है।"
आप अपने संभावित नियोक्ताओं से किस प्रकार संपर्क करने का प्रस्ताव रखते हैं?
"विज्ञापन," टप्पेन्स ने तुरंत जवाब दिया। "क्या आपके पास कागज और पेंसिल है? पुरुषों के पास आमतौर पर होते हैं। जैसे हमारे पास हेयरपिन और पाउडर-पफ होते हैं।"
टॉमी ने एक काफी जर्जर हरी नोटबुक टप्पेन्स को दी, और टप्पेन्स तेजी से लिखने लगी।
"क्या हम शुरुआत करें: 'युवा अधिकारी, युद्ध में दो बार घायल--'"
"हरगिज नहीं।"
"ओह, बहुत खूब, मेरे प्यारे बेटे। लेकिन मैं तुम्हें यकीन दिला सकती हूँ कि इस तरह की बात किसी बुजुर्ग अविवाहित महिला के दिल को छू सकती है, और वह तुम्हें गोद ले सकती है, और फिर तुम्हें एक युवा साहसी बनने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं होगी।"
मैं गोद लिया जाना नहीं चाहता/चाहती।
"मैं भूल ही गया था कि तुम्हें इससे आपत्ति है। मैं तो बस मज़ाक कर रहा था! अखबार तो इस तरह की खबरों से भरे पड़े हैं। अब सुनो—ये कैसा रहेगा? 'किराए पर दो नौजवान साहसी चाहिए। कुछ भी करने को तैयार, कहीं भी जाने को तैयार। तनख्वाह अच्छी होनी चाहिए।' (हम इसे शुरू से ही स्पष्ट कर देते हैं।) फिर हम ये भी जोड़ सकते हैं: 'कोई भी उचित प्रस्ताव ठुकराया नहीं जाएगा'—जैसे फ्लैट और फर्नीचर।"

मुझे लगता है कि इसके जवाब में हमें जो भी प्रस्ताव मिलेगा, वह काफी अनुचित होगा!
"टॉमी! तुम तो जीनियस हो! ये तो बहुत ही शानदार है। 'अगर अच्छी सैलरी मिले तो कोई भी अनुचित प्रस्ताव ठुकराया नहीं जाएगा।' कैसा लगा?"
"मुझे वेतन का जिक्र दोबारा नहीं करना चाहिए। यह कुछ ज्यादा ही उत्सुकतापूर्ण लगता है।"
"यह उतना उत्सुक नहीं दिख सकता जितना मैं महसूस कर रहा हूँ! लेकिन शायद आप सही हैं। अब मैं इसे पूरा पढ़ लेता हूँ। 'किराए पर दो युवा साहसी। कुछ भी करने को तैयार, कहीं भी जाने को तैयार। वेतन अच्छा होना चाहिए। कोई भी अनुचित प्रस्ताव अस्वीकार नहीं किया जाएगा।' अगर आप इसे पढ़ते तो आपको कैसा लगता?"
"मुझे लगता है कि यह या तो एक धोखा है, या फिर किसी पागल व्यक्ति द्वारा लिखा गया है।"
"यह उस चीज़ के मुकाबले कुछ भी नहीं है जो मैंने आज सुबह पढ़ी थी, जिसकी शुरुआत 'पेटुनिया' से हुई थी और जिस पर 'बेस्ट बॉय' के हस्ताक्षर थे।" उसने पन्ना फाड़कर टॉमी को दे दिया। "ये लो। टाइम्स, मुझे लगता है। फलां-फलां बॉक्स को जवाब। मुझे लगता है कि यह लगभग पाँच शिलिंग होगा। ये लो मेरा आधा क्राउन।"
टॉमी सोच-विचार करते हुए कागज को पकड़े बैठा था। उसका चेहरा और भी लाल हो गया था।
"क्या हम सचमुच इसे आज़माएं?" उसने अंत में कहा। "क्या हम ऐसा करें, टप्पेन्स? बस मजे के लिए?"
"टॉमी, तुम तो कमाल हो! मुझे पता था! चलो सफलता की खुशी में जाम उठाते हैं।" उसने चाय के बचे हुए ठंडे अंश दोनों कपों में डाले।
"हमारे संयुक्त उद्यम के लिए शुभकामनाएं, और यह खूब फले-फूले!"
"द यंग एडवेंचर्स, लिमिटेड!" टॉमी ने जवाब दिया।
उन्होंने प्याले नीचे रख दिए और कुछ अनिश्चित ढंग से हँसे। टप्पेन्स उठ खड़ी हुई। मुझे हॉस्टल में अपने आलीशान सुइट में वापस जाना होगा।
"शायद अब मुझे रिट्ज़ होटल घूमने जाना चाहिए," टॉमी ने मुस्कुराते हुए सहमति जताई। "हम कहाँ मिलेंगे? और कब?"
"कल बारह बजे। पिकाडिली ट्यूब स्टेशन। क्या यह आपके लिए ठीक रहेगा?"

श्री बेरेसफोर्ड ने बड़े ही शानदार ढंग से उत्तर दिया, "मेरा समय मेरा अपना है।"
"तो फिर अलविदा।"
"अलविदा, मेरे प्यारे।"
दोनों युवक विपरीत दिशाओं में चल दिए। टप्पेन्स का छात्रावास दक्षिणी बेलग्राविया नामक एक इलाके में स्थित था। पैसे बचाने के लिए उसने बस नहीं ली।
वह सेंट जेम्स पार्क के आधे रास्ते में ही थी कि पीछे से एक आदमी की आवाज सुनकर वह चौंक गई।
"माफ़ कीजिए," उसने कहा। "लेकिन क्या मैं आपसे एक पल के लिए बात कर सकता हूँ?"

अध्याय II. श्री व्हिटिंगटन का प्रस्ताव

टप्पेन्स तेज़ी से मुड़ी, लेकिन उसके होंठों पर अटके शब्द अनकहे ही रह गए, क्योंकि उस आदमी की शक्ल-सूरत और व्यवहार उसके पहले और सबसे स्वाभाविक अनुमान से मेल नहीं खाते थे। वह झिझकी। मानो उसने उसके मन की बात पढ़ ली हो, उस आदमी ने जल्दी से कहा:
मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि मेरा इरादा किसी का अपमान करने का नहीं है।
टप्पेन्स ने उस पर विश्वास किया। हालाँकि वह स्वभाव से उसे नापसंद करती थी और उस पर भरोसा नहीं करती थी, फिर भी वह उस विशेष इरादे के लिए उसे बरी करने को इच्छुक थी, जिसका उसने पहले उस पर आरोप लगाया था। उसने उसे ऊपर से नीचे तक देखा। वह एक लंबा-चौड़ा आदमी था, जिसकी दाढ़ी साफ थी और उसका जबड़ा भारी था। उसकी आँखें छोटी और धूर्त थीं, और टप्पेन्स की सीधी नज़र पड़ने पर उनकी नज़रें इधर-उधर घूम जाती थीं।
"तो फिर बात क्या है?" उसने पूछा।
उस आदमी ने मुस्कुराया।
"मैंने गलती से लियोन्स में उस युवक के साथ आपकी बातचीत का कुछ हिस्सा सुन लिया।"
"तो फिर इसमें क्या है?"
"कुछ नहीं—सिवाय इसके कि मुझे लगता है कि मैं आपके किसी काम आ सकता हूँ।"

एक और निष्कर्ष ने टप्पेन्स के दिमाग में जबरदस्ती प्रवेश किया:
"तुम मेरे पीछे-पीछे यहाँ तक आए?"
मैंने वह स्वतंत्रता ली।
और आपको क्या लगता है कि आप मेरे लिए किस तरह उपयोगी हो सकते हैं?
उस व्यक्ति ने अपनी जेब से एक कार्ड निकाला और झुककर उसे वह महिला को सौंप दिया।
टप्पेन्स ने उसे उठाया और ध्यान से देखा। उस पर "श्री एडवर्ड व्हिटिंगटन" लिखा हुआ था। नाम के नीचे "एस्टोनिया ग्लासवेयर कंपनी" और एक शहर के कार्यालय का पता लिखा था। श्री व्हिटिंगटन ने फिर कहा:
"यदि आप कल सुबह ग्यारह बजे मुझसे मिलने आएंगे, तो मैं अपने प्रस्ताव का विवरण आपके सामने रखूंगा।"
"ग्यारह बजे?" टप्पेन्स ने संदेह से कहा।
"ग्यारह बजे।"
टप्पेन्स ने अपना मन बना लिया।
"बहुत अच्छा। मैं वहाँ आऊँगा।"
"धन्यवाद। शुभ संध्या।"
उसने शान से अपनी टोपी उठाई और चला गया। टप्पेन्स कुछ मिनट तक उसे देखती रही। फिर उसने अपने कंधों को अजीब तरह से हिलाया, जैसे कोई टेरियर कुत्ता खुद को झटकता है।
“साहसिक कारनामे शुरू हो गए हैं,” उसने मन ही मन बुदबुदाया। “पता नहीं वो मुझसे क्या करवाना चाहता है? मिस्टर व्हिटिंगटन, आपमें कुछ तो ऐसा है जो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं। लेकिन दूसरी तरफ, मुझे आपसे ज़रा भी डर नहीं लगता। और जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, और शायद फिर कहूँगी, छोटी टप्पेन्स अपना ख्याल खुद रख सकती है, धन्यवाद!”
और सिर हिलाकर उसने तेज़ी से आगे बढ़ना शुरू किया। कुछ देर सोचने के बाद, वह सीधे रास्ते से हटकर एक डाकघर में दाखिल हुई। वहाँ उसने कुछ पल सोच-विचार किया, उसके हाथ में एक टेलीग्राम फॉर्म था। पाँच शिलिंग बेवजह खर्च होने की आशंका ने उसे कुछ करने के लिए प्रेरित किया और उसने नौ पेंस खर्च करने का जोखिम उठाने का फैसला किया।

सरकार द्वारा दिए गए नुकीले पेन और गाढ़े काले गुड़ को तुच्छ समझते हुए, टप्पेन्स ने टॉमी की पेंसिल निकाली जो उसने संभाल कर रखी थी और तेज़ी से लिखा: "विज्ञापन मत देना। कल समझा दूंगी।" उसने यह पत्र टॉमी को उसके क्लब के पते पर भेजा, जहाँ से उसे एक महीने के भीतर इस्तीफा देना होगा, जब तक कि भाग्य उसे सदस्यता नवीनीकृत करने की अनुमति न दे दे।

"शायद इससे उसे चोट लग जाए," उसने धीरे से कहा। "खैर, कोशिश करने में क्या हर्ज है।"

काउंटर पर सामान सौंपने के बाद वह तेजी से घर की ओर चल पड़ी, रास्ते में एक बेकरी पर रुककर उसने तीन पैसे के नए बन्स खरीदे।

बाद में, घर के सबसे ऊपरी हिस्से में बने अपने छोटे से कमरे में बैठकर वह बन्स चबा रही थी और भविष्य के बारे में सोच रही थी। एस्टोनिया ग्लासवेयर कंपनी क्या थी, और भला उसे उसकी सेवाओं की क्या ज़रूरत हो सकती थी? उत्साह की एक सुखद लहर ने टप्पेन्स को झनझना दिया। खैर, देहाती पादरी का घर फिर से पीछे छूट गया था। आने वाला कल संभावनाओं से भरा था।

उस रात टप्पेन्स को सोने में काफी देर लग गई, और जब आखिरकार उसे नींद आई, तो उसने सपना देखा कि मिस्टर व्हिटिंगटन ने उसे एस्टोनियाई कांच के बर्तनों का ढेर धोने के लिए कहा था, जो अस्पताल की प्लेटों से अजीब तरह से मिलते-जुलते थे!

जब टप्पेन्स एस्टोनिया ग्लासवेयर कंपनी के दफ्तरों वाले भवन में पहुँची, तब ग्यारह बजने में लगभग पाँच मिनट बाकी थे। समय से पहले पहुँचना जल्दबाजी का संकेत होता। इसलिए टप्पेन्स ने गली के अंत तक चलकर वापस आने का फैसला किया। उसने ऐसा ही किया। ठीक ग्यारह बजते ही वह इमारत के भीतरी हिस्से में घुस गई। एस्टोनिया ग्लासवेयर कंपनी सबसे ऊपरी मंजिल पर थी। वहाँ लिफ्ट थी, लेकिन टप्पेन्स ने पैदल जाना चुना।

थोड़ी हांफती हुई वह जमीन पर बने कांच के दरवाजे के बाहर आकर रुक गई, जिस पर "एस्टोनिया ग्लासवेयर कंपनी" लिखा हुआ था।

टप्पेन्स ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से आई एक आवाज सुनकर उसने हैंडल घुमाया और एक छोटे से, बल्कि गंदे बाहरी दफ्तर में चली गई।

खिड़की के पास एक डेस्क पर बैठे ऊंचे स्टूल से एक अधेड़ उम्र की क्लर्क नीचे उतरी और पूछताछ भरे लहजे में उसकी ओर आई।

"मेरी मिस्टर व्हिटिंगटन से मुलाकात का समय है," टप्पेन्स ने कहा।
"क्या आप इधर आएंगी, कृपया?" वह "प्राइवेट" लिखे हुए एक विभाजन द्वार की ओर बढ़ा, खटखटाया, फिर दरवाजा खोला और उसे अंदर जाने देने के लिए एक तरफ हट गया।
श्री व्हिटिंगटन कागजों से ढकी एक बड़ी मेज के पीछे बैठे थे। टप्पेन्स को लगा कि उसका पहले का अनुमान सही साबित हुआ है। श्री व्हिटिंगटन में कुछ गड़बड़ थी। उनकी दिखावटी समृद्धि और उनकी धूर्त निगाहों का मेल आकर्षक नहीं था।
उसने ऊपर देखा और सिर हिलाया।
"तो आप आ तो गए? बहुत बढ़िया। बैठ जाइए, कृपया?"
टप्पेन्स उनके सामने वाली कुर्सी पर बैठ गई। आज सुबह वह विशेष रूप से छोटी और शर्मीली लग रही थी। वह नम्रता से झुकी हुई निगाहों से वहाँ बैठी रही, जबकि श्री व्हिटिंगटन अपने कागजों को छाँटते और उनमें कुछ ढूंढते रहे। अंत में उन्होंने कागजों को एक तरफ धकेल दिया और मेज पर झुक गए।
"अब, मेरी प्यारी युवती, चलिए काम की बात करते हैं।" उनके विशाल चेहरे पर मुस्कान फैल गई। "आपको काम चाहिए? तो मेरे पास आपके लिए काम है। 100 पाउंड की डाउन पेमेंट और सभी खर्चों के बदले में आप क्या कहेंगी?" श्री व्हिटिंगटन अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए और अपने अंगूठे अपनी जैकेट के बाजूबंद में डाल दिए।
टप्पेन्स ने उसे संदेह भरी नजरों से देखा।
"और काम का स्वरूप क्या है?" उसने पूछा।
"मामूली—बिल्कुल नाममात्र की यात्रा। बस एक सुखद यात्रा, और कुछ नहीं।"
"कहाँ जाना है?"
श्री व्हिटिंगटन फिर मुस्कुराए।
"पेरिस।"
"ओह!" टप्पेन्स ने सोच-विचार करते हुए कहा। मन ही मन उसने कहा: "बेशक, अगर पिताजी को पता चला तो उन्हें बहुत गुस्सा आएगा! लेकिन मुझे नहीं लगता कि मिस्टर व्हिटिंगटन समलैंगिक धोखेबाज की भूमिका में फिट बैठते हैं।"
"हाँ," व्हिटिंगटन ने आगे कहा। "इससे अधिक आनंददायक और क्या हो सकता है? घड़ी को कुछ साल पीछे ले जाना—मुझे यकीन है कि बहुत कुछ साल—और पेरिस में

बहुतायत में मौजूद उन आकर्षक युवा किशोरियों के आवासों में से किसी एक में फिर से प्रवेश करना—"
टप्पेन्स ने उसे बीच में ही रोक दिया।
"बोर्डिंग स्कूल में?"
"बिल्कुल सही। मैडम कोलंबियर एवेन्यू डे न्यूइली में हैं।"
टप्पेन्स उस नाम को अच्छी तरह जानती थी। इससे ज़्यादा चुनिंदा नाम और कोई नहीं हो सकता था। वहाँ उसके कई अमेरिकी दोस्त थे। वह पहले से कहीं ज़्यादा उलझन में थी।
"क्या आप चाहते हैं कि मैं मैडम कोलंबियर के यहाँ जाऊँ? कितने समय के लिए?"
"यह निर्भर करता है। शायद तीन महीने लग सकते हैं।"
"बस इतना ही? और कोई शर्तें नहीं हैं?"
"बिल्कुल नहीं। आप बेशक मेरे संरक्षण में रखे गए व्यक्ति के रूप में ही जाएंगे और अपने दोस्तों से कोई संपर्क नहीं रखेंगे। मुझे फिलहाल पूरी गोपनीयता बनाए रखने का अनुरोध करना होगा। वैसे, आप अंग्रेज हैं, है ना?"
"हाँ।"
"लेकिन आप थोड़ी अमेरिकी लहजे में बोलते हैं?"
"अस्पताल में मेरी सबसे अच्छी दोस्त एक छोटी अमेरिकी लड़की थी। मुझे लगता है कि मैंने यह बीमारी उससे ही सीखी है। मैं जल्द ही इससे उबर सकती हूँ।"
इसके विपरीत, आपके लिए अमेरिकी नागरिक के रूप में पहचान छिपाना शायद आसान होगा। इंग्लैंड में आपके बीते जीवन के बारे में जानकारी को छुपाए रखना अधिक कठिन हो सकता है। हाँ, मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से बेहतर होगा। फिर----
"एक पल रुकिए, श्री व्हिटिंगटन! ऐसा लगता है कि आप मेरी सहमति को स्वाभाविक मान रहे हैं।"
व्हिटिंगटन हैरान दिख रहा था।
"क्या आप मना करने की सोच रहे हैं? मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ कि मैडम कोलंबियर का प्रतिष्ठान अत्यंत उच्च कोटि का और रूढ़िवादी है। और शर्तें भी अत्यंत उदार हैं।"
"बिल्कुल सही," टप्पेन्स ने कहा। "बात बस इतनी सी है। शर्तें कुछ ज़्यादा ही उदार हैं,

मिस्टर व्हिटिंगटन। मुझे समझ नहीं आता कि मैं आपके लिए इतनी बड़ी रकम के लायक कैसे हो सकती हूँ।"
"नहीं?" व्हिटिंगटन ने धीरे से कहा। "अच्छा, मैं आपको बताता हूँ। मैं निस्संदेह बहुत कम कीमत में किसी और को पा सकता हूँ। मैं जिस चीज के लिए भुगतान करने को तैयार हूँ, वह एक ऐसी युवती है जो अपनी भूमिका को बखूबी निभाने के लिए पर्याप्त बुद्धिमान और समझदार हो, और साथ ही इतनी विवेकशील भी हो कि बहुत ज्यादा सवाल न पूछे।"
टप्पेन्स के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई। उसे लगा कि व्हिटिंगटन ने अच्छा स्कोर किया है।
"एक और बात है। अब तक मिस्टर बेरेसफोर्ड का कोई जिक्र नहीं हुआ है। उनका इसमें क्या रोल है?"
"श्री बेरेसफोर्ड?"
"मेरा साथी," टप्पेन्स ने गरिमापूर्ण ढंग से कहा। "आपने हमें कल साथ देखा था।"
"हाँ, बिल्कुल। लेकिन मुझे खेद है कि हमें उनकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं होगी।"
"तो फिर यह रद्द!" टप्पेन्स खड़ी हो गई। "या तो दोनों या कुछ भी नहीं। माफ कीजिए —लेकिन यही नियम है। सुप्रभात, श्रीमान व्हिटिंगटन।"
"एक मिनट रुकिए। देखते हैं कि क्या कुछ हल निकल सकता है। फिर से बैठ जाइए, मिस----" वह प्रश्नवाचक स्वर में रुका।
आर्चडीकन को याद करते ही टप्पेन्स के अंतरात्मा में एक क्षणिक सी झनझनाहट हुई। उसने तुरंत उस पहले नाम को पकड़ लिया जो उसके दिमाग में आया।
"जेन फिन," उसने जल्दी से कहा; और फिर उन दो सरल शब्दों के प्रभाव को देखकर वह अवाक रह गई।
व्हिटिंगटन के चेहरे से सारी सौम्यता गायब हो गई थी। क्रोध से उसका चेहरा बैंगनी पड़ गया था और माथे की नसें उभर आई थीं। और इन सबके पीछे एक प्रकार की अविश्वास भरी निराशा छिपी हुई थी। वह आगे झुका और क्रूरता से फुफकारा:
"तो यही है तुम्हारा छोटा सा खेल, है ना?"
हालांकि टप्पेन्स पूरी तरह से अचंभित थी, फिर भी उसने अपना संयम बनाए रखा। उसे उसके कहने का मतलब ज़रा भी समझ नहीं आया था, लेकिन वह स्वभाव से ही बहुत बुद्धिमान थी और उसने अपनी बात पर कायम रहना अपना कर्तव्य समझा।

व्हिटिंगटन ने आगे कहा:
"तुम मेरे साथ हमेशा से खेल रही हो, बिल्ली-चूहे का खेल? तुम्हें सब पता था कि मैं तुमसे क्या चाहता हूँ, लेकिन तुमने नाटक जारी रखा। बस यही बात है ना?" उसका गुस्सा शांत हो रहा था। उसके चेहरे का लाल रंग धीरे-धीरे कम हो रहा था। उसने उसे गौर से देखा। "कौन बक-बक कर रहा था? रीटा?"
टप्पेन्स ने अपना सिर हिलाया। उसे संदेह था कि वह इस भ्रम को कब तक बनाए रख पाएगी, लेकिन उसे इस बात का एहसास था कि अनजान रीटा को इसमें घसीटना कितना ज़रूरी है।
"नहीं," उसने पूरी सच्चाई से जवाब दिया। "रीटा मेरे बारे में कुछ नहीं जानती।"
उसकी आंखें अब भी उसे भेदने वाली नुकीली चीज की तरह थीं।
"तुम्हें कितना पता है?" उसने झट से पूछा।
"बिल्कुल भी नहीं," टप्पेन्स ने उत्तर दिया और यह देखकर प्रसन्न हुई कि व्हिटिंगटन की बेचैनी कम होने के बजाय और बढ़ गई थी। अगर वह यह दावा करती कि उसे बहुत कुछ पता है, तो शायद उसके मन में संदेह पैदा हो जाता।
"खैर," व्हिटिंगटन गुस्से से बोला, "तुम्हें इतनी जानकारी तो थी कि तुम यहाँ आकर उस नाम को बढ़ा-चढ़ाकर लिख सको।"
"हो सकता है यह मेरा ही नाम हो," टप्पेन्स ने बताया।
"ऐसा संभव है, है ना, कि इस तरह के नाम वाली दो लड़कियां होंगी?"
"या फिर हो सकता है कि मुझे यह संयोग से ही मिल गया हो," सच्चाई की सफलता से मदहोश होकर टप्पेन्स ने आगे कहा।
मिस्टर व्हिटिंगटन ने अपनी मुट्ठी को मेज पर जोर से पटका।
"मज़ाक करना बंद करो! तुम्हें कितना पता है? और तुम कितना चाहते हो?"
आखिरी पाँच शब्द टप्पेन्स को बेहद पसंद आए, खासकर पिछली रात के कम नाश्ते और सिर्फ बन्स के खाने के बाद। उसकी वर्तमान भूमिका साहसिक न होकर रोमांचकारी किस्म की थी, लेकिन उसने इसकी संभावनाओं से इनकार नहीं किया। वह उठ बैठी और ऐसे मुस्कुराई जैसे उसने स्थिति को पूरी तरह से संभाल लिया हो।
"मेरे प्रिय श्री व्हिटिंगटन," उसने कहा, "आइए हम खुलकर अपनी बात रखें। और कृपया इतना क्रोधित न हों। आपने कल मुझे यह कहते सुना था कि मैं अपनी बुद्धि के बल पर जीवन यापन करने का इरादा रखती हूँ। मुझे लगता है कि मैंने अब यह साबित

कर दिया है कि मुझमें जीने लायक बुद्धि है! मैं मानती हूँ कि मुझे एक विशेष नाम की जानकारी है, लेकिन शायद मेरी जानकारी यहीं तक सीमित है।"
"हां—और शायद ऐसा नहीं भी हो," व्हिटिंगटन गुस्से से बोला।
"तुम मुझे गलत समझने पर तुले हुए हो," टप्पेन्स ने कहा और धीरे से आह भरी।
"जैसा कि मैंने पहले भी कहा था," व्हिटिंगटन ने गुस्से से कहा, "मजाक करना बंद करो और मुद्दे पर आओ। तुम मेरे साथ मासूमियत का नाटक नहीं कर सकते। तुम जितना मानना चाहते हो उससे कहीं ज्यादा जानते हो।"
टप्पेन्स ने अपनी सूझबूझ की प्रशंसा करने के लिए एक पल के लिए रुककर धीरे से कहा:
"मैं आपसे असहमत नहीं होना चाहूंगा, श्री व्हिटिंगटन।"
"तो अब हम उसी आम सवाल पर आते हैं - कितना?"
टप्पेन्स दुविधा में थी। अब तक वह व्हिटिंगटन को पूरी तरह से बेवकूफ बनाने में कामयाब रही थी, लेकिन एक असंभव सी रकम का जिक्र करने से उसका शक जाग सकता था। तभी उसके दिमाग में एक विचार कौंधा।
"मान लीजिए कि हम अभी थोड़ी सी बात कर लें और बाद में इस मामले पर विस्तार से चर्चा करें?"
व्हिटिंगटन ने उसे घृणा भरी नजरों से देखा।
"ब्लैकमेल, है ना?"
टप्पेन्स ने प्यारी सी मुस्कान दी।
"अरे नहीं! क्या हम इसे सेवाओं का अग्रिम भुगतान कह सकते हैं?"
व्हिटिंगटन ने घुरघुराहट की आवाज निकाली।
"देखो," टप्पेन्स ने अभी भी मधुर स्वर में समझाया, "मुझे पैसे से बहुत प्यार है!"
"तुम हद के हो, बस यही हो तुम," व्हिटिंगटन ने कुछ अनिच्छुक प्रशंसा के साथ गुर्राते हुए कहा। "तुमने मुझे अपना बना लिया था। मैंने सोचा था कि तुम एक सीधे-सादे बच्चे हो जिसमें मेरे काम के लिए पर्याप्त अक्ल है।"
टप्पेन्स ने नैतिक उपदेश देते हुए कहा, "जीवन आश्चर्यों से भरा है।"
"फिर भी," व्हिटिंगटन ने आगे कहा, "कोई न कोई बात कर रहा है। आप कहते हैं कि यह रीटा नहीं है। क्या यह----? ओह, अंदर आइए।"
क्लर्क ने उसके दबे स्वर में किए गए दस्तक का पीछा करते हुए कमरे में प्रवेश किया

और अपने मालिक की कोहनी के पास एक कागज रख दिया।
"आपके लिए अभी-अभी एक संदेश आया है, महोदय।"
व्हिटिंगटन ने उसे झट से उठाया और पढ़ा। उसके माथे पर शिकन आ गई।
"बस इतना ही काफी है, ब्राउन। तुम जा सकते हो।"
क्लर्क दरवाजा बंद करते हुए चला गया। व्हिटिंगटन ने टप्पेन्स की ओर रुख किया।
"कल इसी समय आना। मैं अभी व्यस्त हूँ। ये लो पचास और।"
उसने जल्दी से कुछ नोट छांटे और उन्हें मेज पर टप्पेन्स की ओर बढ़ा दिया, फिर खड़ा हो गया, जाहिर तौर पर वह उसके जाने के लिए अधीर था।
लड़की ने व्यावसायिक ढंग से नोटों को गिना, उन्हें अपने पर्स में सुरक्षित रखा और उठ खड़ी हुई।
"सुप्रभात, श्रीमान व्हिटिंगटन," उसने विनम्रता से कहा। "कम से कम, अलविदा तो कह ही सकती हूँ।"
"बिल्कुल सही। अलविदा!" व्हिटिंगटन का चेहरा फिर से लगभग सौम्य हो गया, इस बदलाव ने टप्पेन्स के मन में हल्की सी आशंका जगा दी। "अलविदा, मेरी चतुर और आकर्षक युवती।"
टप्पेन्स तेज़ी से सीढ़ियों से नीचे उतरी। वह बेहद खुश थी। पास की घड़ी में बारह बजने में पाँच मिनट बाकी थे।
"चलो टॉमी को सरप्राइज देते हैं!" टप्पेन्स ने धीरे से कहा और एक टैक्सी को रोका। टैक्सी मेट्रो स्टेशन के बाहर आकर रुकी। टॉमी प्रवेश द्वार के ठीक अंदर था। जैसे ही वह टप्पेन्स को उतरने में मदद करने के लिए आगे बढ़ा, उसकी आँखें पूरी तरह खुल गईं। टप्पेन्स ने उसे स्नेह से मुस्कुराते हुए देखा और थोड़ी बनावटी आवाज़ में कहा:
"पैसे दे दो, यार! मेरे पास पाँच पाउंड के नोट से छोटा कुछ नहीं है!"

अध्याय III. एक झटका

वह पल उतना विजयी नहीं रहा जितना होना चाहिए था। सबसे पहले तो, टॉमी की जेब में पैसे कम थे। अंत में किराया मिल गया, महिला ने मामूली दो पेंस का सिक्का दिया, और ड्राइवर, जिसके हाथ में अभी भी सिक्कों का ढेर था, आगे बढ़ने के लिए राजी हो गया, और उसने आखिरी बार कर्कश आवाज में पूछा कि वह सज्जन उसे क्या दे रहा है?

"मुझे लगता है तुमने उसे बहुत कुछ दे दिया है, टॉमी," टप्पेन्स ने मासूमियत से कहा। "मुझे लगता है कि वह इसमें से कुछ वापस करना चाहता है।"
संभवतः इसी टिप्पणी के कारण चालक ने गाड़ी आगे बढ़ा दी।
श्री बेरेसफोर्ड ने आखिरकार अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, "अच्छा, आखिर तुम टैक्सी क्यों लेना चाहते थे?"
"मुझे डर था कि कहीं मुझे देर न हो जाए और आपको इंतजार न करना पड़े," टप्पेन्स ने धीरे से कहा।
"मुझे डर है कि आपको देर हो जाएगी! हे भगवान, मैं हार मानता हूँ!" श्री बेरेसफोर्ड ने कहा।
"और सचमुच," टप्पेन्स ने अपनी आँखें बहुत चौड़ी करते हुए कहा, "मेरे पास पाँच पाउंड के नोट से छोटा कुछ भी नहीं है।"
"तुमने वह हिस्सा बहुत अच्छे से किया, दोस्त, लेकिन फिर भी वह आदमी जरा भी बेवकूफ नहीं बना!"
"नहीं," टप्पेन्स ने सोच-समझकर कहा, "उसे इस पर विश्वास नहीं हुआ। सच बोलने का यही तो अजीब पहलू है। कोई भी इस पर विश्वास नहीं करता। मुझे आज सुबह ही इस बात का पता चला। अब चलिए दोपहर का भोजन करते हैं। सैवॉय कैसा रहेगा?"
टॉमी मुस्कुराया।
"रिट्ज होटल कैसा रहेगा?"
"फिर से सोचने पर, मुझे पिकाडिली ही बेहतर लगता है। यह पास है। हमें दूसरी टैक्सी नहीं लेनी पड़ेगी। चलो।"
"क्या यह हास्य का एक नया रूप है? या तुम्हारा दिमाग सचमुच खराब हो गया है?" टॉमी ने पूछा।
"आपका आखिरी अनुमान बिल्कुल सही है। मुझे अचानक बहुत पैसा मिल गया है, और इस सदमे से मैं उबर नहीं पाया हूँ! इस तरह की मानसिक परेशानी के लिए एक जाने-माने डॉक्टर ने असीमित हॉर्स डी'ओव्रे, लॉबस्टर ए ल'अमेरिकन, चिकन न्यूबर्ग और पेचे मेल्बा खाने की सलाह दी है! चलिए, इन्हें खाने चलते हैं!"
"अरे वाह, तुम्हें आखिर हुआ क्या है?"
"अरे, अविश्वासी!" टप्पेन्स ने अपना बैग झट से खोला। "यहाँ देखो, यहाँ देखो, और यहाँ देखो!"

"हे भगवान यहोशापात! मेरी प्यारी बेटी, फिशर्स को इस तरह ऊपर मत लहराओ!"
"ये फिशर्स नहीं हैं। ये फिशर्स से पांच गुना बेहतर हैं, और ये वाला तो दस गुना बेहतर है!"
टॉमी कराह उठा।
"मुझे लगता है मैंने अनजाने में ही शराब पी ली! क्या मैं सपना देख रहा हूँ, टप्पेन्स, या वास्तव में मैं बड़ी मात्रा में पाँच-पाँच पाउंड के नोटों को खतरनाक तरीके से लहराते हुए देख रहा हूँ?"
"फिर भी, हे राजा! अब, क्या आप आकर दोपहर का भोजन करेंगे?"
मैं कहीं भी आ जाऊँगा। लेकिन तुम क्या कर रहे थे? क्या तुमने बैंक लूटा था?
"सब कुछ सही समय पर होगा। पिकाडिली सर्कस कितनी भयानक जगह है। एक बड़ी बस हमारी तरफ आ रही है। अगर वे पाँच पाउंड के नोट बंद कर दें तो बहुत बुरा होगा!"
"ग्रिल रूम?" टॉमी ने पूछा, जब वे सुरक्षित रूप से दूसरी तरफ के फुटपाथ पर पहुँच गए।
"दूसरा वाला ज्यादा महंगा है," टप्पेन्स ने आपत्ति जताते हुए कहा।
"यह तो सरासर दुष्टतापूर्ण और बेलगाम फिजूलखर्ची है। नीचे आ जाओ।"
"क्या आपको यकीन है कि मुझे वहां वो सारी चीजें मिल जाएंगी जो मैं चाहता हूँ?"
"वह बेहद अस्वास्थ्यकर मेनू जिसका आप अभी जिक्र कर रहे थे? बिल्कुल आप खा सकते हैं - या कम से कम उतना जितना आपके लिए अच्छा हो।"
"और अब मुझे बताओ," टॉमी ने कहा, अपनी दबी हुई जिज्ञासा को और रोक न पाने के कारण, क्योंकि वे टप्पेन्स के सपनों के कई स्वादिष्ट व्यंजनों से घिरे हुए एक शाही माहौल में बैठे थे।
मिस काउली ने उन्हें बताया।
"और सबसे दिलचस्प बात यह है," उसने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, "कि जेन फिन नाम मैंने सचमुच खुद गढ़ा था! मैं अपना असली नाम नहीं देना चाहती थी क्योंकि बेचारे पिताजी—कहीं मैं किसी संदिग्ध मामले में न फंस जाऊं।"
"शायद ऐसा हो," टॉमी ने धीरे से कहा। "लेकिन तुमने इसका आविष्कार नहीं किया।"
"क्या?"
"नहीं। मैंने तुम्हें बताया था। तुम्हें याद नहीं, मैंने कल कहा था कि मैंने दो लोगों को

जेन फिन नाम की एक महिला के बारे में बात करते हुए सुना था? उसी से तुम्हारे दिमाग में यह नाम इतनी आसानी से आया।"
"हाँ, तुमने किया था। मुझे अब याद आया। कितना असाधारण था----" टप्पेन्स चुप हो गई। अचानक वह होश में आई। "टॉमी!"
"हाँ?"
"जिन दो आदमियों के पास से आप गुज़रे, वे कैसे थे?"
टॉमी ने याद करने की कोशिश में माथे पर शिकन डाली।
"उनमें से एक मोटा-ताज़ा आदमी था। मुझे लगता है कि उसकी दाढ़ी साफ थी और वह सांवला था।"
"ये वही है," टप्पेन्स ने व्याकरण की दृष्टि से अटपटी चीख के साथ कहा। "ये व्हिटिंगटन है! दूसरा आदमी कैसा था?"
"मुझे याद नहीं है। मैंने उस पर खास ध्यान नहीं दिया। असल में उसका अजीबोगरीब नाम ही था जिसने मेरा ध्यान खींचा।"
"और लोग कहते हैं कि संयोग नहीं होते!" टप्पेन्स ने खुशी-खुशी अपना पेचे मेल्बा खाया।
लेकिन टॉमी गंभीर हो गया था।
"देखो यहाँ, टप्पेन्स, मेरी प्यारी दोस्त, इसका क्या नतीजा होगा?"
"और पैसे," उसके साथी ने जवाब दिया।
"मुझे पता है। तुम्हारे दिमाग में बस एक ही विचार है। मेरा मतलब है, अगला कदम क्या होगा? तुम खेल को कैसे जारी रखोगे?"
"ओह!" टप्पेन्स ने अपना चम्मच नीचे रख दिया। "तुम सही कह रहे हो, टॉमी, यह थोड़ा पेचीदा काम है।"
"आखिरकार, आप उसे हमेशा के लिए धोखा नहीं दे सकते। देर-सवेर आपसे गलती हो ही जाएगी। और वैसे भी, मुझे बिल्कुल भी यकीन नहीं है कि यह कानूनी कार्रवाई के दायरे से बाहर है - ब्लैकमेल, आप जानते हैं।"
"बकवास। ब्लैकमेल का मतलब होता है कि अगर पैसे न दिए जाएं तो तुम सच बता दोगे। अब, मैं कुछ बता ही नहीं सकता, क्योंकि मुझे सच में कुछ पता ही नहीं है।"
"हम्म," टॉमी ने संशय से कहा। "खैर, आखिर हम क्या करेंगे? व्हिटिंगटन आज सुबह तो तुम्हें जल्दी से निकालना चाहता था, लेकिन अगली बार पैसे देने से पहले वो और

भी बहुत कुछ जानना चाहेगा। वो जानना चाहेगा कि तुम्हें कितना पता है, तुम्हें ये जानकारी कहाँ से मिली, और भी बहुत सी बातें जिनका जवाब देना तुम्हारे बस की बात नहीं। अब तुम क्या करोगे?"
टप्पेन्स ने गंभीर रूप से भौंहें चढ़ाईं।
"हमें सोचना चाहिए। टॉमी, कुछ टर्किश कॉफ़ी मंगवा लो। दिमाग को तेज़ करती है। अरे बाप रे, मैंने कितना कुछ खा लिया!"
"तुमने तो हद ही कर दी! मैंने भी, वैसे तो, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने जो व्यंजन चुने हैं, वे तुम्हारे मुकाबले ज़्यादा समझदारी भरे हैं। दो कॉफ़ी।" (यह वेटर से कहा गया।) "एक तुर्की, एक फ्रेंच।"
टप्पेन्स ने गहरी सोच में डूबे हुए अंदाज में अपनी कॉफी की चुस्की ली और टॉमी के उससे बात करने पर उसे नजरअंदाज कर दिया।
"चुप रहो। मैं सोच रहा हूँ।"
"पेलमैनवाद की झलक!" टॉमी ने कहा और फिर चुप हो गया।
अंततः टप्पेन्स ने कहा, "लो!" "मेरे पास एक योजना है। जाहिर है, हमें इसके बारे में और अधिक जानकारी हासिल करनी होगी।"
टॉमी ने ताली बजाई।
"मज़ाक मत उड़ाओ। हमें यह केवल व्हिटिंगटन के ज़रिए ही पता चल सकता है। हमें पता लगाना होगा कि वह कहाँ रहता है, क्या करता है—असल में, हमें उसकी जासूसी करनी होगी! अब मैं यह नहीं कर सकता, क्योंकि वह मुझे जानता है, लेकिन उसने तुम्हें लायंस में बस एक-दो मिनट के लिए ही देखा था। वह तुम्हें पहचान नहीं पाएगा। आख़िरकार, एक युवक दूसरे युवक से काफ़ी मिलता-जुलता होता है।"
मैं उस टिप्पणी को पूरी तरह से खारिज करता हूं। मुझे पूरा यकीन है कि मेरी आकर्षक विशेषताएं और विशिष्ट रूप-रंग मुझे किसी भी भीड़ से अलग पहचान दिला देंगे।
"मेरी योजना यह है," टप्पेन्स ने शांत भाव से आगे कहा, "मैं कल अकेले जाऊंगी। मैं उसे आज की तरह फिर से टाल दूंगी। अगर मुझे तुरंत और पैसे नहीं मिलते तो कोई बात नहीं। पचास पाउंड से हमारा कुछ दिन का गुजारा हो जाएगा।"
"या इससे भी अधिक समय तक!"
"तुम बाहर ही खड़े रहना। जब मैं बाहर आऊँगी तो तुमसे बात नहीं करूँगी, कहीं वो

देख न रहा हो। लेकिन मैं कहीं आस-पास ही खड़ी हो जाऊँगी, और जब वो इमारत से बाहर आएगा तो मैं एक रुमाल या कुछ और गिरा दूँगी, और तुम चले जाना!"
मैं कहाँ जाऊँ?
"बेशक, उसका पीछा करो, मूर्ख! इस विचार के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?"
"ये तो ऐसी बातें हैं जो किताबों में पढ़ने को मिलती हैं। मुझे लगता है कि असल जिंदगी में घंटों सड़क पर खाली बैठे रहना थोड़ा अजीब लगेगा। लोग सोचेंगे कि मैं क्या कर रहा हूँ।"
"शहर में नहीं। हर कोई इतनी जल्दी में रहता है। शायद कोई आपको देखेगा भी नहीं।"
"तुमने इस तरह की टिप्पणी दूसरी बार की है। कोई बात नहीं, मैं तुम्हें माफ कर देता हूँ। वैसे भी, यह काफी मजेदार होगा। आज दोपहर तुम क्या कर रहे हो?"
"अच्छा," टप्पेन्स ने सोच-विचार करते हुए कहा। "मैंने टोपी के बारे में सोचा था! या शायद रेशमी मोजे! या शायद----"
"जमकर रहो," टॉमी ने चेतावनी देते हुए कहा। "पचास पाउंड की भी एक सीमा होती है! लेकिन हर हाल में आज रात हम डिनर और शो करेंगे।"
"की अपेक्षा।"
दिन सुखद बीता। शाम तो और भी सुखद रही। पाँच पाउंड के दो नोट अब पूरी तरह से बेकार हो चुके थे।
अगली सुबह वे तय समय पर मिले और शहर की ओर चल पड़े। टॉमी सड़क के दूसरी तरफ खड़ा रहा जबकि टप्पेन्स इमारत में घुस गया।
टॉमी धीरे-धीरे गली के अंत तक गया, फिर वापस आ गया। जैसे ही वह इमारत के सामने पहुँचा, टप्पेन्स तेज़ी से सड़क पार कर गई।
"टॉमी!"
"हाँ। क्या हालचाल है?"
"जगह बंद है। मैं किसी को भी अपनी बात सुना नहीं सकता।"
"यह अजीब है।"
"है ना? मेरे साथ आओ, और चलो फिर से कोशिश करते हैं।"
टॉमी उसके पीछे-पीछे गया। जैसे ही वे तीसरी मंजिल की सीढ़ियों से गुज़रे, एक युवा क्लर्क एक दफ्तर से बाहर आया। वह एक पल के लिए झिझका, फिर उसने टप्पेन्स से बात की।

"क्या आप एस्टोनिया ग्लासवेयर खरीदना चाहते थे?"
"जी कहिये।"
"यह बंद हो गया है। कल दोपहर से। वे कह रहे हैं कि कंपनी बंद हो रही है। हालांकि मैंने खुद इसके बारे में कभी नहीं सुना। लेकिन खैर, ऑफिस किराए पर उपलब्ध है।"
"ध--धन्यवाद," टप्पेन्स लड़खड़ाते हुए बोली। "मुझे लगता है कि आपको श्री व्हिटिंगटन का पता नहीं पता?"
मुझे डर है कि मैं नहीं जानता। वे अचानक ही चले गए।
"बहुत-बहुत धन्यवाद," टॉमी ने कहा। "चलो, टप्पेन्स।"
वे फिर से सड़क पर उतरे और एक-दूसरे को खाली निगाहों से देखने लगे।
"बस अब सब कुछ खत्म हो गया," टॉमी ने काफी देर बाद कहा।
"और मुझे इसका कभी शक भी नहीं हुआ," टप्पेन्स ने विलाप करते हुए कहा।
"हिम्मत रखो, दोस्त, कुछ नहीं किया जा सकता।"
"है ना!" टप्पेन्स ने चुनौती भरे अंदाज़ में अपनी छोटी ठुड्डी फुला ली। "क्या तुम्हें लगता है कि यह अंत है? अगर ऐसा है, तो तुम गलत हो। यह तो बस शुरुआत है!"
"किसकी शुरुआत?"
"हमारा रोमांच! टॉमी, क्या तुम नहीं देखते, अगर वे इस तरह डरकर भागने को मजबूर हैं, तो इससे पता चलता है कि जेन फिन के इस मामले में कुछ तो गड़बड़ है! खैर, हम इसकी तह तक जाएंगे। हम उनका पीछा करेंगे! हम पूरी लगन से जासूस बनेंगे!"
"हां, लेकिन अब छानबीन करने के लिए कोई बचा ही नहीं है।"
"नहीं, इसीलिए तो हमें सब कुछ फिर से शुरू करना होगा। मुझे वह पेंसिल का टुकड़ा दो। धन्यवाद। एक मिनट रुको—बीच में मत बोलो। लो!" टप्पेन्स ने पेंसिल वापस कर दी और संतुष्टि भरी नज़र से उस कागज़ के टुकड़े को देखा जिस पर उसने लिखा था।
"यह क्या है?"
"विज्ञापन।"
"आखिरकार तुम वो चीज नहीं लगाने वाले हो?"
"नहीं, यह दूसरी पर्ची है।" उसने उसे पर्ची थमा दी।
टॉमी ने उस पर लिखे शब्दों को जोर से पढ़ा:
जेन फिन के बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी चाहिए। आवेदन करें (युवा वयस्क)।

अध्याय IV. जेन फिन कौन है?

अगला दिन धीरे-धीरे बीता। खर्च कम करना ज़रूरी था। सोच-समझकर खर्च किए गए चालीस पाउंड लंबे समय तक चलेंगे। सौभाग्य से मौसम सुहाना था, और "पैदल चलना सस्ता है," टप्पेन्स ने कहा। पास के एक सिनेमाघर ने उन्हें शाम बिताने का मौका दिया।

निराशा का वह दिन बुधवार था। गुरुवार को विज्ञापन प्रकाशित हो गया। शुक्रवार को टॉमी के कमरे में चिट्ठियाँ आने की उम्मीद थी।

उन्होंने एक सम्मानजनक वादा किया था कि यदि उन्हें ऐसे पत्र मिलते हैं तो वे उन्हें नहीं खोलेंगे, बल्कि नेशनल गैलरी जाएंगे, जहां उनके सहयोगी उनसे दस बजे मिलेंगे। सबसे पहले टप्पेन्स उस मुलाकात स्थल पर पहुंचीं। वह लाल मखमली कुर्सी पर बैठ गईं और टर्नर दंपत्ति को तब तक देखती रहीं जब तक कि उन्होंने उस परिचित व्यक्ति को कमरे में प्रवेश करते नहीं देखा।

"कुंआ?"

श्री बेरेसफोर्ड ने चिढ़ाते हुए जवाब दिया, "अच्छा, तो आपकी पसंदीदा तस्वीर कौन सी है?"

"दुखी मत बनो। क्या कोई जवाब नहीं है?"

टॉमी ने गहरी और कुछ हद तक अतिरंजित उदासी के साथ अपना सिर हिलाया। "मैं तुम्हें सीधे-सीधे बताकर निराश नहीं करना चाहता था, दोस्त। बहुत बुरा हुआ। अच्छे-खासे पैसे बर्बाद हो गए।" उसने आह भरी। "फिर भी, बात यही है। विज्ञापन छप गया है, और—सिर्फ़ दो ही जवाब हैं!"

"टॉमी, तुम शैतान हो!" टप्पेन्स लगभग चिल्लाई। "मुझे दे दो। तुम इतने निर्दयी कैसे हो सकते हो!"

"तुम्हें ज़बान संभालनी चाहिए, टप्पेन्स, ज़बान संभालनी चाहिए! नेशनल गैलरी में तो बहुत सख्ती बरती जाती है। सरकारी प्रदर्शनी है, तुम्हें पता ही है। और याद रखना, जैसा कि मैंने तुम्हें पहले भी बताया है, कि एक पादरी की बेटी होने के नाते----"

"मुझे मंच पर होना चाहिए!" टप्पेन्स ने झट से अपनी बात समाप्त की।

"मेरा ऐसा कहने का इरादा नहीं था। लेकिन अगर आपको यकीन है कि आपने निराशा के बाद मिलने वाली खुशी का पूरा आनंद उठाया है, जो मैंने आपको मुफ्त में प्रदान की है, तो चलिए, कहावत के अनुसार, अपने काम पर लग जाते हैं।"

टप्पेन्स ने बिना किसी औपचारिकता के उससे वे दो कीमती लिफाफे छीन लिए और उन्हें ध्यान से देखा।
"यह मोटे कागज का है। देखने में शानदार लग रहा है। हम इसे आखिर में खोलेंगे और दूसरा पहले खोलेंगे।"
"बिल्कुल सही। एक, दो, तीन, शुरू!"
टप्पेन्स के छोटे अंगूठे ने लिफाफे को फाड़ दिया और उसने उसके अंदर की सामग्री निकाल ली।
"प्रिय महोदय,
"आज सुबह के अखबार में आपके विज्ञापन के संदर्भ में, मैं शायद आपकी कुछ मदद कर सकूँ। हो सकता है कि आप कल सुबह ग्यारह बजे उपरोक्त पते पर मुझसे मिलने आ सकें।"
"भवदीय,
"ए. कार्टर."
"27 कार्शल्टन गार्डन्स," टप्पेन्स ने पते का जिक्र करते हुए कहा। "वो ग्लॉसेस्टर रोड की तरफ है। अगर हम ट्यूब से जाएं तो वहां पहुंचने के लिए काफी समय है।"
टॉमी ने कहा, "यह अभियान की योजना है। अब मेरी बारी है मोर्चा संभालने की। श्री कार्टर के समक्ष लाए जाने पर, हम दोनों ने रिवाज़ के मुताबिक एक-दूसरे को सुप्रभात कहा। फिर उन्होंने कहा: 'कृपया बैठिए, श्रीमान...?' जिस पर मैंने तुरंत और सजीव ढंग से जवाब दिया: 'एडवर्ड व्हिटिंगटन!' यह सुनकर श्री कार्टर का चेहरा शर्म से लाल हो गया और वे हांफते हुए बोले: 'कितने पैसे?' पचास पाउंड की सामान्य फीस जेब में डालकर, मैं बाहर सड़क पर आप लोगों के पास वापस आ गया, और हम अगले भाषण के लिए रवाना हुए और यही प्रक्रिया दोहराई।"
"मज़ाक मत करो, टॉमी। अब दूसरा पत्र देखो। अरे, यह तो रिट्ज़ होटल से है!"
"पचास पाउंड की जगह सौ पाउंड!"
मैं इसे पढ़ूंगा:
"प्रिय महोदय,
"आपके विज्ञापन के संबंध में, मुझे खुशी होगी यदि आप दोपहर के भोजन के समय के आसपास कहीं आ सकें।"
"भवदीय,

जूलियस पी. हर्शाइमर।
"हा!" टॉमी बोला। "क्या मुझे किसी जर्मन की बू आ रही है? या फिर किसी बदकिस्मत खानदान के करोड़पति की? खैर, हम दोपहर के खाने के समय मिलेंगे। अच्छा समय होता है—अक्सर दो लोगों के लिए मुफ्त खाना मिल जाता है।"
टप्पेन्स ने सहमति में सिर हिलाया।
अब बारी है कार्टर की। हमें जल्दी करनी होगी।
कार्शल्टन टेरेस एक ऐसी बेदाग कतार साबित हुई जिसे टप्पेन्स ने "शालीन दिखने वाले घर" कहा था। उन्होंने 27वें मकान की घंटी बजाई और एक साफ-सुथरी नौकरानी ने दरवाजा खोला। वह इतनी सभ्य दिख रही थी कि टप्पेन्स का दिल बैठ गया। टॉमी के मिस्टर कार्टर से मिलने के अनुरोध पर, वह उन्हें भूतल पर बने एक छोटे से अध्ययन कक्ष में ले गई और वहीं छोड़ दिया। हालांकि, एक मिनट भी नहीं बीता था कि दरवाजा खुला और एक लंबा आदमी, जिसका चेहरा बाज जैसा तीखा और थका हुआ लग रहा था, कमरे में दाखिल हुआ।
"श्रीमान वाई. ए.?" उन्होंने कहा और मुस्कुराए। उनकी मुस्कान बेहद आकर्षक थी। "आप दोनों बैठ जाइए।"
उन्होंने आज्ञा का पालन किया। वह स्वयं टप्पेन्स के सामने एक कुर्सी पर बैठ गया और उसे प्रोत्साहन भरी मुस्कान दी। उसकी मुस्कान में कुछ ऐसा था जिसने लड़की की सामान्य तत्परता को गायब कर दिया।
चूंकि वह बातचीत शुरू करने के इच्छुक नहीं लग रहे थे, इसलिए टप्पेन्स को ही पहल करनी पड़ी।
"हम जानना चाहते थे—यानी, क्या आप जेन फिन के बारे में जो कुछ भी जानते हैं, वह बताने की कृपा करेंगे?"
"जेन फिन? आह!" श्री कार्टर ने मानो सोचते हुए कहा। "अच्छा, सवाल यह है कि आप उसके बारे में क्या जानते हैं?"
टप्पेन्स ने खुद को सीधा खड़ा किया।
मुझे नहीं लगता कि इसका इससे कोई लेना-देना है।
"नहीं? लेकिन ऐसा हुआ है, सच में हुआ है।" वह फिर से अपनी थकी हुई मुस्कान के साथ मुस्कुराया और सोच-विचार करते हुए बोला, "तो बात वहीं आ जाती है। आप जेन फिन के बारे में क्या जानते हैं?"

"अब बताओ," उसने कहा, जबकि टप्पेन्स चुप रहा। "तुम्हें कुछ तो पता होगा तभी तुमने इस तरह विज्ञापन दिया?" वह थोड़ा आगे झुका, उसकी थकी हुई आवाज़ में थोड़ी सी समझाने की कोशिश थी। "मान लो तुम मुझे बताओ..."

श्री कार्टर के व्यक्तित्व में कुछ ऐसा आकर्षण था जो बेहद प्रभावशाली था। टप्पेन्स ने बड़ी मुश्किल से खुद को उस आकर्षण से मुक्त किया, जैसा कि उसने कहा:

"हम ऐसा नहीं कर सकते, है ना टॉमी?"

लेकिन उसे आश्चर्य हुआ कि उसके साथी ने उसका साथ नहीं दिया। उसकी निगाहें मिस्टर कार्टर पर टिकी थीं, और जब वह बोला तो उसके लहजे में एक असामान्य सम्मान का भाव था।

"मुझे लगता है कि हमें जो थोड़ी बहुत जानकारी है, वह आपके किसी काम की नहीं होगी, महोदय। लेकिन जो भी जानकारी हमारे पास है, आप उसे ले सकते हैं।"

"टॉमी!" टप्पेन्स ने आश्चर्य से चिल्लाकर कहा।

श्री कार्टर अपनी कुर्सी पर घूम गए। उनकी आँखों में एक सवाल था।

टॉमी ने सिर हिलाया।

"जी हाँ, महोदय, मैंने आपको तुरंत पहचान लिया। जब मैं खुफिया विभाग में था तब मैंने आपको फ्रांस में देखा था। जैसे ही आप कमरे में आए, मैं समझ गया था----"

श्री कार्टर ने अपना हाथ ऊपर उठाया।

"नाम मत बताइए। यहाँ मुझे मिस्टर कार्टर के नाम से जाना जाता है। वैसे, यह मेरी चचेरी बहन का घर है। जब काम पूरी तरह से अनौपचारिक होता है, तो वह कभी-कभी मुझे अपना घर रहने के लिए दे देती है। अच्छा, अब"—उन्होंने एक से दूसरे की ओर देखा—"कौन मुझे कहानी सुनाएगा?"

"आगे बढ़ो, टप्पेन्स," टॉमी ने निर्देश दिया। "कहानी तुम्हारी है।"

"जी हां, छोटी बच्ची, बोल दो।"

और आज्ञाकारी होकर टप्पेन्स ने यंग एडवेंचर्स लिमिटेड के गठन से लेकर पूरी कहानी सुना दी।

श्री कार्टर अपनी थकी हुई मुद्रा में चुपचाप सुनते रहे। बीच-बीच में वे अपने होठों पर हाथ फेरते रहे, मानो अपनी मुस्कान छुपाने की कोशिश कर रहे हों। जब उन्होंने बोलना समाप्त किया तो उन्होंने गंभीरता से सिर हिलाया।

"ज़्यादा कुछ नहीं। लेकिन संकेत ज़रूर देता है। काफी संकेत देता है। अगर आप मेरी

बात का बुरा न मानें तो, आप दोनों एक जिज्ञासु युवा जोड़ा हैं। मुझे नहीं पता—शायद आप वहाँ सफल हो जाएँ जहाँ दूसरे असफल रहे हों... मैं भाग्य में विश्वास करता हूँ, आप जानते हैं—हमेशा से करता आया हूँ..."

वह एक पल के लिए रुका, और फिर आगे बोला।

अच्छा, कैसा रहेगा? तुम रोमांच के शौकीन हो। मेरे लिए काम करना चाहोगे? सब कुछ बिल्कुल अनौपचारिक है, तुम्हें पता है। खर्चे मेरी तरफ से होंगे, और थोड़ा-बहुत मज़ा भी मिलेगा?

टप्पेन्स उसे निहारती रही, उसके होंठ खुले हुए थे और उसकी आँखें और भी चौड़ी होती जा रही थीं।

"हमें क्या करना चाहिए?" उसने धीमी आवाज़ में पूछा।

श्री कार्टर मुस्कुराए।

"आप अभी जो कर रहे हैं, उसे जारी रखें। जेन फिन को ढूंढें।"

"हाँ, लेकिन—जेन फिन कौन है?"

श्री कार्टर ने गंभीरता से सिर हिलाया।

"हां, मुझे लगता है कि आपको यह जानने का पूरा अधिकार है।"

वह अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया, अपने पैरों को क्रॉस किया, अपनी उंगलियों के सिरों को आपस में मिलाया और धीमी, एकरस स्वर में बोलना शुरू किया:

गुप्त कूटनीति (जो वैसे तो लगभग हमेशा ही गलत नीति साबित होती है!) से आपका कोई लेना-देना नहीं है। इतना कहना ही काफी होगा कि 1915 की शुरुआत में एक दस्तावेज़ अस्तित्व में आया। यह एक गुप्त समझौते—संधि—का मसौदा था, आप इसे जो चाहें कह लें। इसे विभिन्न प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर के लिए तैयार किया गया था और अमेरिका में तैयार किया गया था—जो उस समय एक तटस्थ देश था। इसे इस उद्देश्य के लिए चुने गए एक विशेष दूत, डैनवर्स नामक एक युवक के माध्यम से इंग्लैंड भेजा गया था। उम्मीद थी कि इस पूरे मामले को इतना गुप्त रखा गया है कि कुछ भी लीक नहीं होगा। इस तरह की उम्मीदें अक्सर टूट जाती हैं। कोई न कोई हमेशा भेद खोल देता है!

डैनवर्स लुसिटानिया जहाज से इंग्लैंड के लिए रवाना हुए। उन्होंने अपने कीमती कागजात एक चमड़े के थैले में रखे थे जिसे वे अपने शरीर से चिपकाए रखते थे। उसी यात्रा के दौरान लुसिटानिया पर टारपीडो से हमला हुआ और वह डूब गया। डैनवर्स

लापता लोगों की सूची में शामिल थे। अंततः उनका शव किनारे पर बहकर आया और उसकी पहचान निर्विवाद रूप से हो गई। लेकिन चमड़े का थैला गायब था!
सवाल यह था कि क्या वह दस्तावेज़ उससे छीन लिया गया था, या उसने खुद उसे किसी और के हवाले कर दिया था? कुछ ऐसी घटनाएँ थीं जिनसे बाद वाले सिद्धांत की संभावना को बल मिलता था। टॉरपीडो से जहाज पर हमला होने के बाद, नावों को पानी में उतारने के दौरान, डैनवर्स को एक युवा अमेरिकी लड़की से बात करते हुए देखा गया था। किसी ने उसे वास्तव में उस लड़की को कुछ देते हुए नहीं देखा, लेकिन हो सकता है उसने ऐसा किया हो। मुझे लगता है कि उसने कागजात उस लड़की को सौंप दिए होंगे, यह सोचकर कि एक महिला होने के नाते उसके पास उन्हें सुरक्षित रूप से किनारे तक पहुँचाने का अधिक मौका होगा।
"लेकिन अगर ऐसा है, तो वह लड़की कहाँ थी, और उसने उन कागज़ों का क्या किया? अमेरिका से मिली जानकारी के अनुसार, ऐसा लगता था कि डैनवर्स पर रास्ते में कड़ी नज़र रखी गई थी। क्या यह लड़की उसके दुश्मनों के साथ मिली हुई थी? या फिर उस पर भी नज़र रखी गई थी और उसे धोखे से या ज़बरदस्ती उस कीमती पैकेट को सौंपने के लिए मजबूर किया गया था?"
"हमने उसे ढूंढने का काम शुरू किया। यह उम्मीद से कहीं ज्यादा मुश्किल साबित हुआ। उसका नाम जेन फिन था, और यह नाम जीवित बचे लोगों की सूची में मौजूद था, लेकिन वह लड़की पूरी तरह से गायब हो गई थी। उसके बारे में पूछताछ से भी कोई खास मदद नहीं मिली। वह अनाथ थी, और पश्चिम के एक छोटे से स्कूल में प्रशिक्षु शिक्षिका के रूप में काम करती थी। उसका पासपोर्ट पेरिस का था, जहां वह एक अस्पताल के स्टाफ में शामिल होने वाली थी। उसने स्वेच्छा से अपनी सेवाएं देने की पेशकश की थी, और कुछ पत्राचार के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया था। लुसिटानिया से बचाए गए लोगों की सूची में उसका नाम देखकर, अस्पताल के कर्मचारी स्वाभाविक रूप से बहुत हैरान थे कि वह अपने पद पर नहीं पहुंची और उससे किसी भी तरह का कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था।"
"खैर, उस युवती का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास किया गया—पर सब व्यर्थ। हमने पूरे आयरलैंड में उसका पीछा किया, लेकिन इंग्लैंड में कदम रखते ही उसका कोई अता-पता नहीं चला। संधि के मसौदे का कोई उपयोग नहीं किया गया—जबकि यह बहुत आसानी से किया जा सकता था—और इसलिए हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे

कि डैनवर्स ने ही उसे नष्ट कर दिया था। युद्ध एक नए चरण में प्रवेश कर गया, कूटनीतिक पहलू तदनुसार बदल गया, और संधि को कभी दोबारा तैयार नहीं किया गया। इसके अस्तित्व के बारे में फैली अफवाहों का पुरजोर खंडन किया गया। जेन फिन के गायब होने की घटना को भुला दिया गया और पूरा मामला विस्मृति में खो गया।"

श्री कार्टर कुछ देर रुके, और टप्पेन्स ने अधीरता से बीच में ही बात काट दी:

"लेकिन ये सब फिर से क्यों सामने आ गया है? युद्ध तो खत्म हो चुका है।"

मिस्टर कार्टर के हावभाव में सतर्कता का एक संकेत दिखाई दिया।

"क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि वे कागजात वास्तव में नष्ट नहीं हुए थे, और हो सकता है कि आज वे एक नए और घातक महत्व के साथ पुनर्जीवित हो जाएं।"

टप्पेन्स घूरती रही। श्री कार्टर ने सिर हिलाया।

"हाँ, पाँच साल पहले वह संधि का मसौदा हमारे हाथों में एक हथियार था; आज वह हमारे ही विरुद्ध हथियार बन गया है। यह एक बहुत बड़ी भूल थी। अगर इसकी शर्तें सार्वजनिक हो गईं, तो तबाही मच जाएगी... इससे संभवतः एक और युद्ध छिड़ सकता है—इस बार जर्मनी के साथ नहीं! यह एक चरम संभावना है, और मुझे स्वयं इसकी संभावना पर विश्वास नहीं है, लेकिन वह दस्तावेज़ निस्संदेह हमारे कई राजनेताओं को फंसाता है जिन्हें हम इस समय किसी भी तरह से बदनाम नहीं होने दे सकते। लेबर पार्टी के लिए एक नारा बनकर यह बेहद प्रभावी होगा, और मेरी राय में इस समय लेबर सरकार ब्रिटिश व्यापार के लिए एक गंभीर बाधा होगी, लेकिन यह असली खतरे के सामने कुछ भी नहीं है।"

वह रुका, और फिर धीरे से बोला:

"शायद आपने सुना या पढ़ा होगा कि वर्तमान मजदूर आंदोलन की अशांति के पीछे बोल्शेविक प्रभाव काम कर रहा है?"

टप्पेन्स ने सिर हिलाया।

"यही सच है। बोल्शेविकों का धन इस देश में क्रांति लाने के उद्देश्य से भेजा जा रहा है। और एक ऐसा व्यक्ति है, जिसका असली नाम हमें नहीं पता, जो अपने स्वार्थ के लिए छुपकर काम कर रहा है। मज़दूरों के असंतोष के पीछे बोल्शेविक हैं—लेकिन यह व्यक्ति बोल्शेविकों के पीछे है। वह कौन है? हमें नहीं पता। उसे हमेशा 'श्री ब्राउन' के साधारण नाम से पुकारा जाता है। लेकिन एक बात निश्चित है, वह इस युग का सबसे

बड़ा अपराधी है। वह एक अद्भुत संगठन चलाता है। युद्ध के दौरान शांति प्रचार का अधिकांश काम उसी ने शुरू किया और वित्त पोषित किया। उसके जासूस हर जगह हैं।"

"एक ऐसा जर्मन नागरिक जिसने जर्मन नागरिकता प्राप्त कर ली हो?" टॉमी ने पूछा।

इसके विपरीत, मेरे पास यह मानने के सभी कारण हैं कि वह एक अंग्रेज है। वह जर्मन समर्थक था, जैसा कि वह बोअर समर्थक भी होता। वह क्या हासिल करना चाहता है, यह हम नहीं जानते—शायद अपने लिए सर्वोच्च सत्ता, इतिहास में अद्वितीय प्रकार की। हमें उसके वास्तविक व्यक्तित्व का कोई सुराग नहीं है। कहा जाता है कि उसके अपने अनुयायी भी इससे अनभिज्ञ हैं। जहाँ भी हमें उसके बारे में पता चला है, उसने हमेशा गौण भूमिका निभाई है। कोई और मुख्य भूमिका निभाता है। लेकिन बाद में हमें हमेशा पता चलता है कि कोई मामूली व्यक्ति, कोई नौकर या क्लर्क, पृष्ठभूमि में चुपचाप रहा है, और मायावी श्री ब्राउन एक बार फिर हमसे बच निकला है।

"ओह!" टप्पेन्स उछल पड़ी। "मुझे आश्चर्य हो रहा है----"

"हाँ?"

मुझे याद है मिस्टर व्हिटिंगटन के दफ्तर में। क्लर्क—वह उन्हें ब्राउन कहकर बुलाता था। आपको नहीं लगता—"

कार्टर ने सोच-समझकर सिर हिलाया।

"बहुत संभावना है। एक दिलचस्प बात यह है कि नाम का अक्सर जिक्र होता है। प्रतिभा की एक विलक्षणता। क्या आप उनका थोड़ा-बहुत वर्णन कर सकते हैं?"

"मैंने सचमुच ध्यान नहीं दिया। वह बिल्कुल साधारण था - किसी और की तरह ही।"

श्री कार्टर ने अपनी थकी हुई शैली में आह भरी।

"यह तो मिस्टर ब्राउन का हमेशा वाला वर्णन है! क्या वह व्हिटिंगटन नाम के व्यक्ति के लिए टेलीफोन संदेश लेकर आए थे? क्या आपने बाहरी कार्यालय में टेलीफोन देखा?"

टप्पेन्स ने सोचा।

"नहीं, मुझे नहीं लगता कि मैंने ऐसा किया।"

"बिल्कुल सही। वह 'संदेश' श्री ब्राउन का अपने अधीनस्थ को आदेश देने का तरीका था। उन्होंने बेशक पूरी बातचीत सुन ली थी। क्या उसके बाद ही व्हिटिंगटन ने आपको पैसे सौंपे और अगले दिन आने को कहा?"

टप्पेन्स ने सिर हिलाया।

"जी हां, इसमें मिस्टर ब्राउन का ही हाथ है!" मिस्टर कार्टर थोड़ी देर रुके। "देखो, तुम किससे पंगा ले रहे हो? शायद इस युग के सबसे शातिर अपराधी से। मुझे ये बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा। तुम दोनों अभी जवान हो। मैं नहीं चाहता कि तुम्हें कुछ हो।"
"ऐसा नहीं होगा," टप्पेन्स ने उसे पूरे विश्वास के साथ आश्वासन दिया।
"मैं उसका ख्याल रखूंगा, सर," टॉमी ने कहा।
"और मैं तुम्हारा ख्याल रखूंगी," टप्पेन्स ने उस मर्दाना दावे पर नाराजगी जताते हुए जवाब दिया।
"तो फिर, एक दूसरे का ख्याल रखना," श्री कार्टर ने मुस्कुराते हुए कहा। अब चलिए काम की बात पर आते हैं। इस संधि के मसौदे में कुछ रहस्यमय है जिसे हम अभी तक समझ नहीं पाए हैं। हमें इससे साफ़ और स्पष्ट शब्दों में धमकी दी गई है। क्रांतिकारी तत्व लगभग यह घोषणा कर चुके हैं कि यह उनके हाथ में है और वे इसे किसी भी समय पेश करने का इरादा रखते हैं। दूसरी ओर, इसके कई प्रावधानों में उनकी स्पष्ट गलती है। सरकार इसे उनकी ओर से महज़ एक दिखावा मानती है और सही हो या गलत, उन्होंने पूरी तरह से इनकार करने की नीति अपना रखी है। मुझे इतना यकीन नहीं है। कुछ संकेत मिले हैं, कुछ अस्पष्ट इशारे मिले हैं, जिनसे लगता है कि खतरा वास्तविक है। स्थिति कुछ ऐसी है जैसे उन्हें कोई आपत्तिजनक दस्तावेज़ मिल गया हो, लेकिन वे उसे पढ़ नहीं पा रहे क्योंकि वह गुप्त भाषा में है - लेकिन हम जानते हैं कि संधि का मसौदा गुप्त भाषा में नहीं था - प्रकृति के हिसाब से हो ही नहीं सकता - इसलिए यह बात नहीं चलेगी। लेकिन कुछ तो है। बेशक, जेन फिन शायद हमें क्या पता, वो मर चुका हो—लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। हैरानी की बात ये है कि वो हमसे उस लड़की के बारे में जानकारी निकालने की कोशिश कर रहे हैं।
"क्या?"
"हाँ। एक-दो छोटी-मोटी बातें सामने आई हैं। और तुम्हारी कहानी, छोटी बच्ची, मेरे विचार की पुष्टि करती है। उन्हें पता है कि हम जेन फिन को ढूंढ रहे हैं। ठीक है, वे अपनी खुद की एक जेन फिन ढूंढ निकालेंगे—मान लो पेरिस के किसी पेंशन में।"
टप्पेन्स चौंक गई, और मिस्टर कार्टर मुस्कुराए। "किसी को भी नहीं पता कि वह कैसी दिखती है, तो कोई बात नहीं। उसे एक मनगढ़ंत कहानी सुनाई गई है, और उसका असली मकसद हमसे ज़्यादा से ज़्यादा जानकारी निकलवाना है। समझी बात?"
"तो फिर आपको लगता है"—टप्पेन्स ने इस बात को पूरी तरह समझने के लिए थोड़ा

विराम लिया—"कि वे चाहते थे कि मैं जेन फिन के रूप में ही पेरिस जाऊं?"
श्री कार्टर पहले से कहीं अधिक थकी हुई मुस्कान के साथ मुस्कुराए।
उन्होंने कहा, "मैं संयोगों में विश्वास करता हूं, आप जानते हैं।"

अध्याय V. श्री जूलियस पी. हर्शाइमर

"खैर," टप्पेन्स ने खुद को संभालते हुए कहा, "ऐसा लगता है जैसे यह होना ही था।"
कार्टर ने सिर हिलाया।
"मैं समझ गया कि तुम क्या कहना चाहते हो। मैं खुद भी अंधविश्वासी हूँ। किस्मत और इस तरह की बातें। लगता है कि नियति ने तुम्हें ही इस मामले में फंसाने के लिए चुना है।"
टॉमी खिलखिलाकर हंस पड़ा।
अरे वाह! मुझे आश्चर्य नहीं कि व्हिटिंगटन को तब गुस्सा आ गया जब टप्पेन्स ने उस नाम को बढ़ा-चढ़ाकर बताया! मुझे भी आ जाता। लेकिन देखिए महोदय, हम आपका बहुत समय ले रहे हैं। क्या हमारे जाने से पहले आप हमें कुछ सुझाव देना चाहेंगे?
"मुझे नहीं लगता। मेरे विशेषज्ञ, रूढ़िवादी तरीकों से काम करते हुए, असफल रहे हैं। आप इस कार्य में कल्पनाशीलता और खुले दिमाग का इस्तेमाल करेंगे। अगर यह भी सफल न हो तो निराश मत होना। एक बात तो यह है कि काम की गति को जबरदस्ती बढ़ाने की संभावना है।"
टप्पेन्स ने समझ न आने के भाव से भौंहें चढ़ाईं।
"जब आपने व्हिटिंगटन से इंटरव्यू लिया था, तब उनके पास समय था। मुझे जानकारी मिली है कि नए साल की शुरुआत में बड़े तख्तापलट की योजना बनाई जा रही थी। लेकिन सरकार ऐसे विधायी कदम उठाने पर विचार कर रही है जिससे हड़ताल के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्हें जल्द ही इसकी भनक लग जाएगी, अगर अभी तक नहीं लगी है, और संभव है कि इससे मामला और बिगड़ जाए। मैं खुद भी यही उम्मीद करता हूं। उन्हें अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए जितना कम समय मिलेगा, उतना ही अच्छा होगा। मैं बस आपको चेतावनी दे रहा हूं कि आपके पास ज्यादा समय नहीं है, और अगर आप असफल होते हैं तो निराश होने की जरूरत नहीं है। वैसे भी यह कोई आसान काम नहीं है। बस इतना ही।"
दो पेंस गुलाब।

"मुझे लगता है कि हमें व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। श्रीमान कार्टर, हम आपसे वास्तव में किस चीज़ की उम्मीद कर सकते हैं?" श्रीमान कार्टर के होंठ हल्के से हिले, लेकिन उन्होंने संक्षेप में उत्तर दिया: "उचित मात्रा में धनराशि, किसी भी मुद्दे पर विस्तृत जानकारी, और कोई आधिकारिक मान्यता नहीं। मेरा मतलब है कि अगर आप पुलिस के साथ किसी मुसीबत में पड़ते हैं, तो मैं आधिकारिक तौर पर आपकी मदद नहीं कर सकता। आपको खुद ही सब कुछ संभालना होगा।"
टप्पेन्स ने समझदारी से सिर हिलाया।
मैं आपकी बात अच्छी तरह समझता हूँ। सोचने के लिए समय मिलने पर मैं उन चीजों की सूची बना लूँगा जिनके बारे में मुझे जानना है। अभी—पैसे के बारे में—"
"जी हां, मिस टप्पेन्स। क्या आप बताना चाहेंगी कि कितना?"
"बिल्कुल नहीं। फिलहाल तो हमारे पास पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन जब हमें और अधिक की आवश्यकता होगी तो..."
"यह आपका इंतजार कर रहा होगा।"
"हाँ, लेकिन—मुझे यकीन है कि अगर आपका इससे कोई लेना-देना है तो मैं सरकार के बारे में कुछ बुरा नहीं कहना चाहता, लेकिन आप जानते हैं कि इससे कुछ भी हासिल करना कितना मुश्किल है! और अगर हमें एक नीला फॉर्म भरकर भेजना पड़े, और फिर तीन महीने बाद वे हमें एक हरा फॉर्म भेजें, और इसी तरह चलता रहे—तो इससे कोई खास फायदा नहीं होगा, है ना?"
श्री कार्टर खुलकर हंस पड़े।
"चिंता मत कीजिए, मिस टप्पेन्स। आप मुझे यहाँ व्यक्तिगत रूप से एक मांग पत्र भेजेंगी, और नकद राशि नोटों में डाक द्वारा तुरंत भेज दी जाएगी। वेतन के लिए, क्या हम तीन सौ रुपये प्रति वर्ष तय कर लें? और श्री बेरेसफोर्ड के लिए भी उतनी ही राशि, बिल्कुल।"
टप्पेन्स ने मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखा।
"कितना प्यारा! आप बहुत दयालु हैं। मुझे पैसे से बहुत प्यार है! मैं अपने सभी खर्चों का बहुत अच्छे से हिसाब रखूंगी, डेबिट और क्रेडिट दोनों का, और बैलेंस दाईं ओर, और नीचे लाल रेखा खींचकर कुल योग लिखूंगी। मुझे सच में पता है कि यह कैसे करना है, बस मुझे सोचना पड़ता है।"
मुझे पूरा यकीन है कि आप ऐसा करते हैं। अच्छा, अलविदा, और आप दोनों को

शुभकामनाएं।
उन्होंने उनसे हाथ मिलाया, और एक मिनट के भीतर ही वे चक्कर खाते हुए 27 कार्शल्टन टेरेस की सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे।
"टॉमी! मुझे तुरंत बताओ, 'मिस्टर कार्टर' कौन हैं?"
टॉमी ने उसके कान में एक नाम फुसफुसाया।
"ओह!" टप्पेन्स ने प्रभावित होकर कहा।
और मैं आपको बता सकता हूँ, मेरे दोस्त, वही असली हीरो है!
"ओह!" टप्पेन्स ने फिर कहा। फिर उसने सोचते हुए कहा,
"मुझे वो पसंद है, क्या तुम्हें नहीं? वो देखने में बहुत थका हुआ और ऊबा हुआ लगता है, फिर भी अंदर से लगता है कि वो लोहे की तरह मजबूत है, एकदम जोशीला और दमक रहा है। ओह!" वो उछल पड़ी। "मुझे चुटकी काटो, टॉमी, मुझे चुटकी काटो। मुझे यकीन नहीं हो रहा कि ये सब सच है!"
श्री बेरेसफोर्ड ने सहमति दे दी।
"आह! बस करो! हाँ, हम सपना नहीं देख रहे हैं। हमें नौकरी मिल गई है!"
"और क्या शानदार काम है! संयुक्त उद्यम की शुरुआत सचमुच हो चुकी है।"
"यह मेरी उम्मीद से कहीं अधिक सम्मानजनक है," टप्पेन्स ने सोच-समझकर कहा। "खुशकिस्मत हो कि मुझे अपराध करने की तुम्हारी जैसी लत नहीं है! कितना समय हुआ है? चलो दोपहर का खाना खाते हैं--ओह!"
ये विचार उन सभी के मन में आया। टॉमी ने सबसे पहले इसे व्यक्त किया।
जूलियस पी. हर्शाइमर!
"हमने मिस्टर कार्टर को उनसे हुई बातचीत के बारे में कभी नहीं बताया।"
"खैर, बताने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था—जब तक हम उसे देख नहीं लेते। चलो, हमें टैक्सी ले लेनी चाहिए।"
अब कौन फिजूलखर्ची कर रहा है?
"सारे खर्चे हम उठाएंगे, याद रखना। बस बैठ जाओ।"
"खैर, इस तरह आने से हमारा ज़्यादा असर पड़ेगा," टप्पेन्स ने आराम से पीछे झुकते हुए कहा। "मुझे यकीन है कि ब्लैकमेलर कभी बसों में नहीं आते!"
"हमने ब्लैकमेलर बनना छोड़ दिया है," टॉमी ने बताया।
"मुझे यकीन नहीं है कि मैंने ऐसा किया है," टप्पेन्स ने निराशा भरे स्वर में कहा।

श्री हर्शाइमर के बारे में पूछने पर उन्हें तुरंत उनके कमरे में ले जाया गया। दरवाजे पर नौकर के दस्तक देने पर एक अधीर आवाज ने "अंदर आइए" कहा, और नौकर ने उन्हें अंदर जाने देने के लिए एक तरफ हट गया।

श्री जूलियस पी. हर्शाइमर टॉमी और टप्पेन्स के अनुमान से कहीं अधिक युवा थे। लड़की ने उनकी उम्र पैंतीस वर्ष बताई थी। उनकी लंबाई मध्यम थी और उनका शरीर उनके जबड़े के अनुरूप सुगठित था। उनका चेहरा आक्रामक लेकिन सौम्य था। कोई भी उन्हें अमेरिकी के अलावा कुछ और नहीं समझ सकता था, हालाँकि वे बहुत कम उच्चारण में बोलते थे।

"मेरा संदेश मिला? बैठ जाइए और मुझे तुरंत मेरे चचेरे भाई के बारे में जो कुछ भी जानते हो, बताइए।"

"तुम्हारा चचेरा भाई?"

"ज़रूर। जेन फिन।"

"क्या वह तुम्हारी चचेरी बहन है?"

"मेरे पिता और उनकी माँ भाई-बहन थे," श्री हर्शाइमर ने विस्तार से समझाया।

"ओह!" टप्पेन्स चिल्लाई। "तो तुम्हें पता है कि वह कहाँ है?"

"नहीं!" श्री हर्शाइमर ने मेज पर मुक्का पटका। "मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करूँगा! क्या तुम नहीं करोगे?"

टप्पेन्स ने कड़े शब्दों में कहा, "हमने जानकारी प्राप्त करने के लिए विज्ञापन दिया था, न कि देने के लिए।"

"मुझे लगता है कि मैं यह जानता हूँ। मैं पढ़ सकता हूँ। लेकिन मुझे लगा कि शायद आप उसके अतीत के बारे में जानना चाहते हैं, और आपको पता होगा कि वह अब कहाँ है?"

"खैर, हमें उसके पिछले इतिहास के बारे में सुनने में कोई आपत्ति नहीं होगी," टप्पेन्स ने सावधानी से कहा।

लेकिन श्री हर्शाइमर को अचानक संदेह होने लगा।

"देखो यहाँ," उसने कहा। "यह सिसिली नहीं है! न तो फिरौती माँगो और न ही मना करने पर उसके कान काटने की धमकी दो। ये ब्रिटिश द्वीप समूह हैं, इसलिए ये सब नाटक बंद करो, वरना मैं पिकाडिली में खड़े उस खूबसूरत लंबे-चौड़े ब्रिटिश पुलिसवाले को आवाज़ लगा दूँगा।"

टॉमी ने जल्दी से समझाने की कोशिश की।
"हमने आपकी चचेरी बहन का अपहरण नहीं किया है। इसके विपरीत, हम उसे ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। हमें यही काम सौंपा गया है।"
श्री हर्शाइमर अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गए।
उन्होंने संक्षेप में कहा, "मुझे समझाओ।"
टॉमी ने जेन फिन के लापता होने के बारे में कुछ सावधानीपूर्वक जानकारी देकर और यह संभावना जताकर कि वह अनजाने में किसी "राजनीतिक साजिश" में फंस गई हो, इस मांग को मान लिया। उसने टप्पेन्स और खुद को जेन को खोजने के लिए नियुक्त "निजी जांच एजेंट" बताया और कहा कि इसलिए श्री हर्षाइमर द्वारा दी जाने वाली किसी भी जानकारी से उन्हें खुशी होगी।
उस सज्जन ने सहमति में सिर हिलाया।
"मुझे लगता है कि यह ठीक है। मैं थोड़ी जल्दबाजी में थी। लेकिन लंदन मुझे बिल्कुल पसंद नहीं! मैं तो बस छोटे से न्यूयॉर्क को जानती हूँ। बस अपने सवाल पूछिए, मैं जवाब दे दूंगी।"
फिलहाल इससे यंग एडवेंचरर्स पंगु हो गए, लेकिन टप्पेन्स ने खुद को संभालते हुए जासूसी उपन्यास से ली गई एक याद के साथ साहसपूर्वक इस चुनौती का सामना किया।
"आपने अपने चचेरे भाई को आखिरी बार कब देखा था?"
श्री हर्शाइमर ने जवाब दिया, "मैंने उसे कभी नहीं देखा।"
"क्या?" टॉमी ने अचंभित होकर पूछा।
हर्शाइमर उसकी ओर मुड़ा।
"नहीं, महोदय। जैसा कि मैंने पहले कहा था, मेरे पिता और उनकी माता भाई-बहन थे, ठीक वैसे ही जैसे आप हो सकते हैं"—टॉमी ने उनके रिश्ते के इस दृष्टिकोण को नहीं सुधारा—"लेकिन उनके बीच हमेशा अच्छे संबंध नहीं थे। और जब मेरी चाची ने पश्चिम में रहने वाले एक गरीब स्कूल शिक्षक एमोस फिन से शादी करने का फैसला किया, तो मेरे पिता बहुत क्रोधित हुए! उन्होंने कहा कि अगर वह खूब पैसा कमा लेता है, जैसा कि वह उचित तरीके से कमाता हुआ दिख रहा था, तो मेरी चाची को उसमें से एक पैसा भी नहीं मिलेगा। खैर, नतीजा यह हुआ कि चाची जेन पश्चिम चली गईं और उसके बाद हमने उनसे कभी कोई संपर्क नहीं किया।"

"उस बूढ़े आदमी ने सचमुच खूब पैसा कमाया। उसने तेल, इस्पात और रेलवे में भी हाथ आजमाया, और मैं आपको बता सकता हूँ कि उसने वॉल स्ट्रीट को हिलाकर रख दिया!" वह रुका। फिर उनकी मृत्यु हो गई—पिछली शरद ऋतु में—और मुझे डॉलर मिल गए। यकीन मानिए, मेरा ज़मीर मुझे कचोटने लगा! बार-बार मुझे परेशान कर रहा था: पश्चिम में रहने वाली आपकी चाची जेन का क्या हुआ? मुझे चिंता होने लगी। दरअसल, मुझे समझ आ गया था कि एमोस फिन कभी कामयाब नहीं होगा। वह उस तरह का आदमी नहीं था। नतीजा यह हुआ कि मैंने उसे ढूंढने के लिए एक आदमी को काम पर रखा। नतीजा यह हुआ कि वह मर चुकी थी, और एमोस फिन भी मर चुका था, लेकिन वे एक बेटी—जेन—को छोड़ गए थे, जो पेरिस जाते समय लुसिटानिया जहाज पर हमले में मारी गई थी। वह बच तो गई, लेकिन यहाँ उसके बारे में कोई खबर नहीं मिल रही थी। मुझे लगा कि वे कोई खास कोशिश नहीं कर रहे हैं, इसलिए मैंने सोचा कि मैं भी उनके साथ चला जाऊं और मामले को जल्दी सुलझाऊं। मैंने सबसे पहले स्कॉटलैंड यार्ड और एडमिरल्टी को फोन किया। एडमिरल्टी ने तो मुझे टालमटोल किया, लेकिन स्कॉटलैंड यार्ड बहुत विनम्र था—उन्होंने कहा कि वे पूछताछ करेंगे, यहाँ तक कि आज सुबह एक आदमी को उसकी तस्वीर लेने के लिए भेजा। मैं चलता हूँ। मैं कल पेरिस जा रहा हूँ, बस यह देखने के लिए कि प्रीफेक्चर क्या कर रहा है। मुझे लगता है कि अगर मैं बार-बार जाकर उन्हें परेशान करूँ, तो वे ज़रूर काम में लग जाएँगे!

श्री हर्शाइमर की ऊर्जा अद्भुत थी। सब लोग उनके सामने नतमस्तक हो गए।

"लेकिन मान लो," उसने बात खत्म करते हुए कहा, "तुम उसे किसी बात के लिए नहीं पकड़ रहे हो? अदालत की अवमानना के लिए, या किसी ब्रिटिश मामले के लिए? एक स्वाभिमानी युवा अमेरिकी लड़की को युद्ध के समय तुम्हारे नियम-कानून शायद परेशान करने वाले लगें और वह इनके खिलाफ विद्रोह कर दे। अगर ऐसा है, और इस देश में रिश्वतखोरी जैसी कोई चीज है, तो मैं उसे रिश्वत देकर शांत कर दूंगा।"

टप्पेन्स ने उसे आश्वस्त किया।

"अच्छा है। फिर हम साथ मिलकर काम कर सकते हैं। दोपहर के भोजन के बारे में क्या ख्याल है? क्या हम यहीं ऊपर खाएं या नीचे रेस्तरां में चलें?"

टप्पेन्स ने बाद वाले विकल्प को प्राथमिकता दी, और जूलियस ने उसके फैसले को मान लिया।

ऑयस्टर की जगह सोल कोलबर्ट ने ले ही ली थी कि तभी हर्शाइमर के पास एक कार्ड लाया गया।
"इंस्पेक्टर जैप, सी.आई.डी., स्कॉटलैंड यार्ड। इस बार कोई और आदमी। उसे क्या उम्मीद है कि मैं उसे ऐसी कौन सी बात बताऊँगा जो मैंने पहले वाले को नहीं बताई? मुझे उम्मीद है कि उन्होंने वह तस्वीर नहीं खोई होगी। उस पश्चिमी फोटोग्राफर का दफ्तर जल गया था और उसके सारे नेगेटिव नष्ट हो गए थे - यह उसकी एकमात्र बची हुई प्रति है। मैंने इसे वहाँ के कॉलेज के प्रिंसिपल से लिया था।"
एक अनकहा डर टप्पेन्स पर छा गया।
"क्या आप उस आदमी का नाम नहीं जानते जो आज सुबह आया था?"
"हाँ, मुझे पता है। नहीं, मुझे नहीं पता। बस आधा सेकंड। यह उसके कार्ड पर था। ओह, मुझे याद आया! इंस्पेक्टर ब्राउन। शांत, विनम्र स्वभाव का आदमी।"

अध्याय VI. अभियान की योजना

अगले आधे घंटे की घटनाओं पर पर्दा डालना उचित होगा। इतना कहना ही काफी है कि स्कॉटलैंड यार्ड को "इंस्पेक्टर ब्राउन" नाम के किसी व्यक्ति की जानकारी नहीं थी। जेन फिन की तस्वीर, जो पुलिस के लिए उसे ढूंढने में बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती थी, खो गई और उसे बरामद करना असंभव हो गया। एक बार फिर "मिस्टर ब्राउन" की जीत हुई।
इस झटके का तात्कालिक परिणाम जूलियस हर्शाइमर और यंग एडवेंचरर्स के बीच सुलह कराना था। सारी बाधाएँ धड़ाम से दूर हो गईं, और टॉमी और टप्पेन्स को लगा जैसे वे उस युवा अमेरिकी को जीवन भर से जानते हों। उन्होंने "निजी जांच एजेंटों" की तरह सावधानी बरतने का रवैया छोड़ दिया और उसे संयुक्त उद्यम का पूरा इतिहास बता दिया, जिस पर उस युवक ने कहा कि वह "बेहद खुश" है।
वर्णन समाप्त होने पर उसने टप्पेन्स की ओर रुख किया।
"मेरे मन में हमेशा से यह धारणा रही है कि अंग्रेज़ लड़कियाँ थोड़ी दकियानूसी होती हैं। पुराने ख्यालों वाली और प्यारी, लेकिन नौकर या कुंवारी चाची के बिना बाहर निकलने से डरती हैं। लगता है मैं ज़माने से थोड़ा पीछे हूँ!"
इन गुप्त संबंधों का नतीजा यह हुआ कि टॉमी और टप्पेन्स तुरंत रिट्ज़ होटल में रहने

लगे, ताकि, जैसा कि टप्पेन्स ने कहा, जेन फिन के इकलौते जीवित रिश्तेदार से संपर्क बनाए रख सकें। "और इस तरह से देखा जाए तो," उसने टॉमी से धीरे से कहा, "खर्च देखकर कोई भी हैरान नहीं हो सकता!"

किसी ने ऐसा नहीं किया, और यही सबसे अच्छी बात थी।

पदस्थापन के अगले दिन सुबह उस युवती ने कहा, "और अब काम पर चलते हैं!"

श्री बेरेसफोर्ड ने अपने द्वारा पढ़े जा रहे डेली मेल को नीचे रख दिया और कुछ हद तक अनावश्यक जोश के साथ ताली बजाई। उनके सहकर्मी ने उनसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध किया कि वे ऐसा व्यवहार न करें।

"छोड़ो सब कुछ, टॉमी, हमें अपने पैसे का कुछ तो इस्तेमाल करना ही होगा।"

टॉमी ने आह भरी।

"हाँ, मुझे डर है कि हमारी प्यारी पुरानी सरकार भी हमें हमेशा के लिए रिट्ज़ होटल में आलस्य में रहने के लिए समर्थन नहीं देगी।"

"इसलिए, जैसा कि मैंने पहले कहा था, हमें कुछ करना ही होगा।"

"ठीक है," टॉमी ने डेली मेल को दोबारा उठाते हुए कहा, "करो। मैं तुम्हें नहीं रोकूंगा।"

"देखो," टप्पेन्स ने आगे कहा। "मैं सोच रहा था----"

तालियों की एक और जोरदार गड़गड़ाहट से उनकी बात बीच में ही रुक गई।

"टॉमी, तुम्हारे लिए वहाँ बैठकर मज़ाक करना बहुत अच्छा है। थोड़ा दिमागी काम करने में भी कोई बुराई नहीं है।"

"मेरी यूनियन, टप्पेन्स, मेरी यूनियन! यह मुझे सुबह 11 बजे से पहले काम करने की अनुमति नहीं देती।"

"टॉमी, क्या तुम चाहते हो कि तुम पर कुछ फेंका जाए? यह बिल्कुल आवश्यक है कि हम बिना देरी किए अभियान की योजना तैयार करें।"

"सुन सुन!"

"ठीक है, चलिए करते हैं।"

टॉमी ने आखिरकार अपना कागज एक तरफ रख दिया। "तुममें एक महान बुद्धि की सादगी झलकती है, टप्पेन्स। बोलो, मैं सुन रहा हूँ।"

"सबसे पहले तो," टप्पेन्स ने कहा, "हमारे पास आगे बढ़ने के लिए क्या आधार है?"

"बिल्कुल कुछ नहीं," टॉमी ने खुशी से कहा।

"गलत!" टप्पेन्स ने जोश से उंगली हिलाते हुए कहा। "हमारे पास दो स्पष्ट सुराग हैं।"

"क्या रहे हैं?"
"पहला सुराग, हम गिरोह के एक सदस्य को जानते हैं।"
"व्हिटिंगटन?"
"हां। मैं उसे कहीं भी पहचान लूंगा।"
टॉमी ने संशय से कहा, "हम्म, इसे तो मैं कोई खास सुराग नहीं मानता। तुम्हें पता ही नहीं कि उसे कहाँ ढूँढना है, और गलती से उससे टकराने की संभावना लगभग हज़ार में एक है।"
"मुझे इस बारे में पक्का यकीन नहीं है," टप्पेन्स ने सोच-समझकर जवाब दिया। "मैंने अक्सर देखा है कि एक बार संयोग होने शुरू हो जाएं तो वे बेहद असाधारण तरीके से होते रहते हैं। मुझे लगता है कि यह कोई प्राकृतिक नियम है जिसे हम अभी तक नहीं समझ पाए हैं। फिर भी, जैसा कि आपने कहा, हम इस पर भरोसा नहीं कर सकते। लेकिन लंदन में ऐसी जगहें ज़रूर हैं जहाँ हर कोई कभी न कभी ज़रूर पहुँच जाता है। उदाहरण के लिए, पिकाडिली सर्कस। मेरा एक विचार यह था कि मैं वहाँ हर रोज़ झंडों की ट्रे लेकर खड़ा हो जाऊँ।"
"खाने का क्या होगा?" व्यावहारिक स्वभाव वाले टॉमी ने पूछा।
"बिल्कुल मर्द की तरह! सिर्फ खाने से क्या फर्क पड़ता है?"
"यह सब तो ठीक है। तुमने अभी-अभी ज़बरदस्त नाश्ता किया है। तुमसे ज़्यादा भूख तो किसी की नहीं होती, टप्पेन्स, और चाय के समय तक तो तुम झंडे, पिन और सब कुछ खा जाओगे। लेकिन, सच कहूँ तो, मुझे यह विचार कुछ खास पसंद नहीं आया। व्हिटिंगटन शायद लंदन में है ही नहीं।"
"यह सच है। वैसे, मुझे लगता है कि सुराग नंबर 2 अधिक आशाजनक है।"
"चलो इसे सुनते हैं।"
"यह कोई बड़ी बात नहीं है। बस एक ईसाई नाम है - रीटा। व्हिटिंगटन ने उस दिन इसका जिक्र किया था।"
"क्या आप तीसरा विज्ञापन प्रस्तावित कर रहे हैं: वांछित, महिला अपराधी, जिसका नाम रीटा हो?"
"मैं नहीं हूँ। मैं तार्किक तरीके से तर्क करना चाहता हूँ। वह आदमी, डैनवर्स, रास्ते में पीछा किया गया था, है ना? और यह एक पुरुष की तुलना में एक महिला होने की अधिक संभावना है----"

मुझे ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगता।
"मुझे पूरा यकीन है कि वह एक महिला होगी, और वह भी खूबसूरत," टप्पेन्स ने शांत भाव से उत्तर दिया।
"इन तकनीकी बिंदुओं पर मैं आपके निर्णय को स्वीकार करता हूँ," श्री बेरेसफोर्ड ने धीमी आवाज़ में कहा।
"अब, जाहिर है कि यह महिला, चाहे वह कोई भी हो, बच गई।"
"आप इसे कैसे समझते हैं?"
"अगर वह नहीं होती, तो उन्हें कैसे पता चलता कि जेन फिन को कागजात मिल गए थे?"
"सही है। आगे बढ़ो, हे शर्लक!"
"अब बस एक संभावना है, मैं मानता हूँ कि यह केवल एक संभावना है, कि यह महिला 'रीटा' हो सकती है।"
"और यदि तो?"
"अगर ऐसा है, तो हमें लुसिटानिया के बचे हुए लोगों के बीच तब तक खोजबीन करनी होगी जब तक हम उसे ढूंढ न लें।"
"तो सबसे पहले जीवित बचे लोगों की सूची प्राप्त करनी होगी।"
"मुझे मिल गया। मैंने उन चीजों की एक लंबी सूची बनाई जो मैं जानना चाहती थी, और उसे श्री कार्टर को भेज दिया। मुझे आज सुबह उनका जवाब मिला, और उसमें अन्य बातों के साथ-साथ लुसिटानिया से बचाए गए लोगों का आधिकारिक बयान भी शामिल है। देखो, छोटी सी टप्पेन्स, कितनी चतुर है!"
"मेहनत के लिए पूरे अंक, विनम्रता के लिए शून्य अंक। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या सूची में 'रीटा' नाम का कोई व्यक्ति है?"
"मुझे बस यही नहीं पता," टप्पेन्स ने स्वीकार किया।
"पता नहीं?"
"जी हाँ। यहाँ देखो।" वे दोनों सूची पर झुक गए। "देखो, बहुत कम ईसाई नाम दिए गए हैं। लगभग सभी नाम श्रीमती या कुमारी के रूप में हैं।"
टॉमी ने सिर हिलाया।
"इससे मामला और जटिल हो जाता है," उसने सोच-विचार करते हुए धीरे से कहा।
टप्पेन्स ने अपने विशिष्ट "टेरियर" अंदाज में अपने कुत्ते को हिलाया।

"ठीक है, हमें बस काम शुरू करना है, बस इतना ही। हम लंदन क्षेत्र से शुरू करेंगे। लंदन या उसके आसपास रहने वाली किसी भी महिला का पता नोट कर लें, तब तक मैं अपनी टोपी पहन लेता हूँ।"

पांच मिनट बाद वह युवा जोड़ा पिकाडिली में निकला, और कुछ ही सेकंड बाद एक टैक्सी उन्हें द लॉरेल्स, ग्लेनडॉवर रोड, एन.7 ले जा रही थी, जो श्रीमती एडगर कीथ का निवास स्थान था, जिनका नाम टॉमी के पर्स में रखी सात नामों की सूची में सबसे पहले था।

लॉरेल्स एक जर्जर मकान था, जो सड़क से थोड़ा पीछे खड़ा था और सामने के बगीचे का आभास देने के लिए कुछ मैली-कुचली झाड़ियाँ थीं। टॉमी ने टैक्सी का किराया चुकाया और टप्पेन्स के साथ सामने के दरवाजे की घंटी तक गया। जैसे ही वह घंटी बजाने वाली थी, उसने उसका हाथ पकड़ लिया।

आप क्या कहने वाले हैं?

मैं क्या कहूँ? अरे, मुझे नहीं पता। यह बहुत अजीब है।

“मुझे यही लगा था,” टॉमी ने संतुष्टि से कहा। “बिल्कुल औरत जैसी! दूरदर्शिता बिल्कुल नहीं! अब ज़रा एक तरफ हट जाओ और देखो कि एक साधारण पुरुष कितनी आसानी से इस स्थिति से निपट लेता है।” उसने घंटी बजा दी। टप्पेन्स एक उपयुक्त स्थान पर चली गई।

बेहद गंदे चेहरे और बेमेल आंखों वाले एक मैले-कुचले दिखने वाले नौकर ने दरवाजा खोला।

टॉमी ने एक नोटबुक और पेंसिल निकाली।

"सुप्रभात," उन्होंने फुर्ती और प्रसन्नता से कहा। "हैम्पस्टेड बरो काउंसिल की ओर से। नई मतदाता सूची। श्रीमती एडगर कीथ यहीं रहती हैं, है ना?"

"हाँ," नौकर ने कहा।

"क्रिश्चियन नाम?" टॉमी ने अपनी पेंसिल तैयार रखते हुए पूछा।

"मालकिन की? एलेनोर जेन।"

टॉमी ने लिखा, "एलेनोर।" "क्या आपके कोई बेटे या बेटियां हैं जिनकी उम्र इक्कीस साल से अधिक हो?"

"नहीं।"

"धन्यवाद।" टॉमी ने नोटबुक को झट से बंद कर दिया। "सुप्रभात।"

नौकरानी ने अपनी पहली टिप्पणी स्वयं ही दी:
"मुझे लगा शायद आप गैस के बारे में बात करने आए होंगे," उसने रहस्यमय ढंग से कहा और दरवाजा बंद कर दिया।
टॉमी अपने साथी के पास वापस चला गया।
"देखो, टप्पेन्स," उसने कहा। "पुरुषों के लिए यह बच्चों का खेल है।"
"मुझे यह स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है कि इस बार आपने शानदार स्कोर किया है। मुझे ऐसा कभी नहीं सोचना चाहिए था।"
"अच्छा विचार था, है ना? और हम इसे बिना किसी पूर्व सूचना के दोहरा सकते हैं।"
दोपहर के भोजन के समय, युवा जोड़ा एक गुमनाम सराय में बड़े चाव से स्टेक और चिप्स पर टूट पड़ा। उन्होंने ग्लैडिस मैरी और मार्जोरी नाम की दो महिलाओं को अपने साथ ले लिया था, पते में एक बदलाव से वे उलझन में पड़ गए थे, और उन्हें एक जीवंत अमेरिकी महिला से सार्वभौमिक मताधिकार पर एक लंबा व्याख्यान सुनने के लिए मजबूर होना पड़ा था, जिसका ईसाई नाम सैडी निकला था।
"आह!" टॉमी ने बीयर का एक लंबा घूंट पीते हुए कहा, "मुझे अच्छा लग रहा है। अगला घूंट कहाँ मिलेगा?"
नोटबुक उन दोनों के बीच मेज पर पड़ी थी। टप्पेन्स ने उसे उठा लिया।
"श्रीमती वैंडमेयर," उसने पढ़ा, "20 साउथ ऑडली मेंशन। मिस व्हीलर, 43 क्लैपिंगटन रोड, बैटरसी। जहाँ तक मुझे याद है, वह एक महिला की नौकरानी है, इसलिए शायद वह वहाँ नहीं होगी, और वैसे भी, उसके आने की संभावना नहीं है।"
"तो फिर मेफेयर की महिला स्पष्ट रूप से पहली पसंद के रूप में इंगित की जाती है।"
"टॉमी, मैं निराश हो रहा हूँ।"
हिम्मत रखो, दोस्त। हमें हमेशा से पता था कि यह एक सीमित संभावना है। और वैसे भी, यह तो बस शुरुआत है। अगर लंदन में हमें कोई सफलता नहीं मिली, तो हमारे सामने इंग्लैंड, आयरलैंड और स्कॉटलैंड का एक शानदार दौरा है।
"सच है," टप्पेन्स ने कहा, उसका मुरझाया हुआ मनोबल फिर से जाग उठा। "और सारे खर्चे भी पूरे हो गए! लेकिन, ओह टॉमी, मुझे चीजें जल्दी-जल्दी होते देखना पसंद है। अब तक तो एक के बाद एक रोमांच ही रोमांच रहा है, पर आज सुबह तो बिल्कुल नीरस रही।"
"तुप्पेन्स, तुम्हें इस अश्लील सनसनीखेज लालसा को दबाना होगा। याद रखो कि

अगर मिस्टर ब्राउन वाकई उतने ही बुरे हैं जितना उनके बारे में कहा जा रहा है, तो यह आश्चर्य की बात है कि उन्होंने अब तक हमें जान से नहीं मारा। यह एक अच्छा वाक्य है, इसमें साहित्यिक लहजा साफ झलकता है।"

"तुम मुझसे कहीं ज़्यादा अभिमानी हो—और तुम्हारे पास बहाना भी कम है! खैर! लेकिन यह वाकई अजीब है कि मिस्टर ब्राउन ने अभी तक हमसे बदला नहीं लिया है। (देखो, मैं भी ऐसा कर सकता हूँ।) हम बिना किसी नुकसान के अपने रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।"

"शायद वह हमें नजरअंदाज करता है," युवक ने सीधे-सादे शब्दों में कहा।

टप्पेन्स ने इस टिप्पणी को बहुत ही अप्रिय तरीके से लिया।

"तुम कितने बुरे हो, टॉमी। मानो हम मायने ही नहीं रखते हों।"

"माफ़ करना, टप्पेन्स। मेरा मतलब था कि हम छुपकर काम करते हैं, और उसे हमारी नापाक योजनाओं का ज़रा भी शक नहीं है। हा हा!"

"हा हा!" टप्पेन्स ने उठते हुए सहमति जताते हुए कहा।

साउथ ऑडली मेंशन्स, पार्क लेन से कुछ ही दूरी पर स्थित एक भव्य दिखने वाली फ्लैटों की इमारत थी। फ्लैट नंबर 20 दूसरी मंजिल पर था।

इस समय तक टॉमी में अभ्यास से उपजी वाचालता आ चुकी थी। उसने दरवाज़ा खोलने वाली उस बुज़ुर्ग महिला को झटपट फॉर्मूला बता दिया, जो नौकरानी से ज़्यादा गृहिणी जैसी लग रही थी।

"ईसाई नाम?"

"मार्गरेट।"

टॉमी ने उसे स्पेल किया, लेकिन दूसरे ने उसे बीच में ही रोक दिया।

"नहीं, जी यू ई।"

"ओह, मार्गुराइट; लगता है ये फ्रांसीसी तरीका है।" वह रुका, फिर बेबाकी से बोला। "हमने उसका नाम रीटा वैंडमेयर रखा था, लेकिन मुझे लगता है ये गलत है?"

"उसे ज्यादातर इसी नाम से पुकारा जाता है, महोदय, लेकिन उसका असली नाम मार्गुराइट है।"

"धन्यवाद। बस इतना ही। सुप्रभात।"

अपनी उत्तेजना को मुश्किल से रोकते हुए टॉमी सीढ़ियों से नीचे भागा। मोड़ के कोने पर टप्पेन्स उसका इंतजार कर रही थी।

"क्या तुमने सुना?"
"हाँ। ओह, टॉमी!"
टॉमी ने सहानुभूतिपूर्वक उसकी बांह को हल्के से दबाया।
"मुझे पता है, मेरे दोस्त। मुझे भी ऐसा ही लगता है।"
"इन चीजों के बारे में सोचना कितना अच्छा लगता है—और फिर उन्हें सचमुच होते देखना!" टप्पेन्स ने उत्साह से कहा।
उसका हाथ अभी भी टॉमी के हाथ में था। वे प्रवेश कक्ष में पहुँच चुके थे। ऊपर सीढ़ियों पर कदमों की आहट और कुछ आवाज़ें सुनाई दे रही थीं।
अचानक, टॉमी के पूर्ण आश्चर्य के लिए, टप्पेन्स उसे खींचकर लिफ्ट के किनारे की उस छोटी सी जगह में ले गई जहाँ परछाई सबसे गहरी थी।
"क्या----"
"चुप रहो!"
दो आदमी सीढ़ियों से नीचे आए और प्रवेश द्वार से बाहर निकल गए। टप्पेन्स ने टॉमी की बांह पर अपनी पकड़ और कस ली।
"जल्दी करो—उनका पीछा करो। मेरी हिम्मत नहीं हो रही। वो मुझे पहचान सकता है। मुझे नहीं पता कि दूसरा आदमी कौन है, लेकिन उन दोनों में से जो लंबा था वो व्हिटिंगटन था।"

अध्याय VII. सोहो का घर

व्हिटिंगटन और उसका साथी अच्छी गति से चल रहे थे। टॉमी तुरंत उनके पीछे दौड़ा और उन्हें गली के मोड़ पर मुड़ते हुए देख लिया। उसकी तेज़ चालों ने उसे जल्द ही उनसे आगे निकलने में मदद की और जब तक वह खुद मोड़ पर पहुँचा, उनके बीच की दूरी काफी कम हो चुकी थी। मेफेयर की छोटी गलियाँ अपेक्षाकृत सुनसान थीं, इसलिए उसने उन्हें नज़र में रखते हुए संतुष्ट रहना ही समझदारी समझा।
यह खेल उसके लिए बिल्कुल नया था। उपन्यास पढ़ने के कारण उसे तकनीकी बारीकियों की जानकारी तो थी, लेकिन उसने पहले कभी किसी का पीछा करने की कोशिश नहीं की थी, और उसे तुरंत समझ आ गया कि असल में यह काम बेहद मुश्किलों भरा है। मान लीजिए, अचानक कोई टैक्सी मिल जाए? किताबों में तो बस दूसरी टैक्सी में कूद पड़ते हैं, ड्राइवर को एक सोवरिन (या उसके बराबर कोई और

रकम) देने का वादा करते हैं, और बस! लेकिन असलियत में टॉमी को पहले से ही अंदाज़ा था कि दूसरी टैक्सी मिलने की संभावना बहुत कम है। इसलिए उसे दौड़ना ही पड़ेगा। लंदन की गलियों में लगातार दौड़ते रहने वाले उस नौजवान का असल में क्या हाल होता है? किसी मुख्य सड़क पर तो वह बस पकड़ने का बहाना बना सकता है। लेकिन इन सुनसान, रईसों की गलियों में उसे हमेशा यही डर रहता था कि कोई पुलिसवाला उसे रोककर पूछताछ कर सकता है।

ठीक इसी समय, टॉमी के मन में विचारों का यही दौर चल रहा था कि झंडा लगा हुआ एक टैक्सी सामने वाली गली के मोड़ पर आकर रुकी। टॉमी ने अपनी सांस रोक ली। क्या वे उसे रोकेंगे?

जब उन्होंने उसे बिना किसी रोक-टोक के आगे बढ़ने दिया तो उसने राहत की सांस ली। उनका रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा था, जिसका मकसद उन्हें जल्द से जल्द ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट तक पहुंचाना था। जब आखिरकार वे पूरब की ओर मुड़े, तो टॉमी ने अपनी गति थोड़ी बढ़ा दी। धीरे-धीरे वह उनके करीब आता गया। भीड़भाड़ वाले फुटपाथ पर उनका ध्यान आकर्षित करने की संभावना बहुत कम थी, और वह किसी भी तरह उनकी बातचीत के एक-दो शब्द सुनने के लिए उत्सुक था। लेकिन इसमें वह पूरी तरह नाकाम रहा; वे धीमी आवाज़ में बात कर रहे थे और यातायात के शोर ने उनकी आवाज़ को पूरी तरह दबा दिया था।

बॉन्ड स्ट्रीट ट्यूब स्टेशन से ठीक पहले वे सड़क पार कर गए। टॉमी, किसी की नज़र में आए बिना, उनके पीछे-पीछे चल रहा था, और वे बड़े से लायंस पब में दाखिल हो गए। वहाँ वे पहली मंज़िल पर गए और खिड़की के पास एक छोटी सी मेज़ पर बैठ गए। काफी रात हो चुकी थी और पब में भीड़ कम हो रही थी। टॉमी उनके बगल वाली मेज़ पर बैठ गया, व्हिटिंगटन के ठीक पीछे ताकि कोई उसे पहचान न सके। दूसरी ओर, उसे दूसरे आदमी पर पूरा ध्यान था और वह उसे गौर से देख रहा था। वह गोरा था, उसका चेहरा कमज़ोर और अप्रिय सा था, और टॉमी ने अंदाज़ा लगाया कि वह या तो रूसी होगा या पोलिश। उसकी उम्र लगभग पचास साल थी, बात करते समय उसके कंधे थोड़े झुके हुए थे, और उसकी छोटी और चालाक आँखें लगातार इधर-उधर घूम रही थीं।

दोपहर का भोजन भरपेट करने के बाद, टॉमी ने वेल्श रेयरबिट और एक कप कॉफी मंगवाकर ही संतोष किया। व्हिटिंगटन ने अपने और अपने साथी के लिए भरपेट

भोजन मंगवाया; फिर, जैसे ही वेट्रेस गई, उसने अपनी कुर्सी मेज के थोड़ा पास खिसका ली और धीमी आवाज़ में गंभीरता से बात करने लगा। दूसरा आदमी भी उसमें शामिल हो गया। टॉमी ने सुनने की पूरी कोशिश की, लेकिन उसे इक्का-दुक्का शब्द ही समझ आए; पर सार यह था कि वह बड़ा आदमी अपने साथी को कुछ निर्देश या आदेश दे रहा था, जिनसे उसका साथी बीच-बीच में असहमत होता दिख रहा था। व्हिटिंगटन ने दूसरे को बोरिस कहकर संबोधित किया।

टॉमी ने "आयरलैंड" शब्द कई बार सुना, साथ ही "प्रचार" भी, लेकिन जेन फिन का कोई ज़िक्र नहीं हुआ। अचानक, कमरे के शोरगुल में थोड़ी देर की शांति के दौरान, उसे एक वाक्य पूरा सुनाई दिया। व्हिटिंगटन बोल रहे थे। "अरे, लेकिन आप फ्लॉसी को नहीं जानते। वह कमाल की हैं। एक आर्कबिशप भी कसम खाकर कहेगा कि वह उनकी अपनी माँ हैं। वह हर बार आवाज़ बिल्कुल सही निकालती हैं, और यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।"

टॉमी ने बोरिस का जवाब नहीं सुना, लेकिन उसके जवाब में व्हिटिंगटन ने कुछ ऐसा कहा जो सुनने में कुछ इस तरह था: "बेशक—केवल आपात स्थिति में...."

फिर वह दोबारा बात भूल गया। लेकिन कुछ देर बाद वाक्य फिर स्पष्ट हो गए - चाहे इसलिए कि बाकी दोनों ने अनजाने में अपनी आवाज़ ऊंची कर दी थी, या इसलिए कि टॉमी के कान अब ज़्यादा अभ्यस्त हो रहे थे, वह बता नहीं सकता था। लेकिन दो शब्दों का श्रोता पर निश्चित रूप से बहुत ही उत्तेजक प्रभाव पड़ा। ये शब्द बोरिस ने कहे थे: "मिस्टर ब्राउन।"

व्हिटिंगटन ने उससे कुछ कहने की कोशिश की, लेकिन वह केवल हंस पड़ा।

"क्यों नहीं, मेरे दोस्त? यह एक बहुत ही सम्मानजनक और आम नाम है। क्या उन्होंने इसी कारण से इसे नहीं चुना? आह, मैं उनसे मिलना चाहूंगा - श्री ब्राउन से।"

व्हिटिंगटन की आवाज में दृढ़ता थी जब उसने जवाब दिया:

"कौन जाने? हो सकता है आप उनसे पहले ही मिल चुके हों।"

"अरे!" दूसरे ने पलटकर जवाब दिया। "ये तो बच्चों की बातें हैं—पुलिस के लिए गढ़ी गई एक कहानी। जानते हो मैं कभी-कभी खुद से क्या कहता हूँ? कि ये तो गुप्त गिरोहों द्वारा गढ़ी गई एक कहानी है, हमें डराने के लिए बनाया गया एक भूत। शायद ऐसा ही हो।"

"और ऐसा नहीं भी हो सकता है।"

मुझे आश्चर्य होता है... या क्या यह सच है कि वह हमारे साथ और हमारे बीच में है, केवल कुछ चुने हुए लोगों को ही ज्ञात है? यदि ऐसा है, तो वह अपना रहस्य बखूबी छुपाए रखता है। और यह विचार अच्छा है, हाँ। हम कभी नहीं जान सकते। हम एक-दूसरे को देखते हैं—हममें से एक मिस्टर ब्राउन है—कौन? वह आदेश देता है—लेकिन वह सेवा भी करता है। हमारे बीच—हमारे बीच में। और कोई नहीं जानता कि वह कौन है...।"

रूसी ने बड़ी कोशिश करके अपनी कल्पना की अस्थिरता को दूर किया। उसने अपनी घड़ी देखी।

"हाँ," व्हिटिंगटन ने कहा। "हमें चलना ही चाहिए।"

उसने वेट्रेस को बुलाया और अपना बिल मांगा। टॉमी ने भी ऐसा ही किया और कुछ ही क्षणों बाद वह उन दोनों आदमियों के पीछे सीढ़ियों से नीचे उतर गया।

बाहर, व्हिटिंगटन ने एक टैक्सी रोकी और ड्राइवर को वाटरलू जाने का निर्देश दिया। यहां टैक्सियाँ बहुतायत में थीं, और व्हिटिंगटन की टैक्सी के जाने से पहले ही टॉमी के आदेश का पालन करते हुए एक और टैक्सी सड़क के किनारे आकर रुक गई।

"उस दूसरी टैक्सी का पीछा करो," युवक ने निर्देश दिया। "उसे खोना मत।"

बुजुर्ग ड्राइवर ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। उसने बस हल्की सी आवाज़ निकाली और झंडा नीचे कर दिया। सफर बिना किसी घटना के गुज़रा। टॉमी की टैक्सी व्हिटिंगटन के ठीक बाद प्रस्थान प्लेटफार्म पर आकर रुकी। टॉमी बुकिंग ऑफिस में उसके पीछे था। उसने बॉर्नमाउथ के लिए फर्स्ट क्लास का सिंगल टिकट लिया। जैसे ही वह बाहर निकला, बोरिस ने घड़ी की ओर देखते हुए कहा, "आप जल्दी आ गए हैं। आपके पास लगभग आधा घंटा है।"

बोरिस की बातों ने टॉमी के मन में विचारों की एक नई धारा जगा दी थी। स्पष्ट था कि व्हिटिंगटन अकेले यात्रा कर रहा था, जबकि दूसरा लंदन में ही था। इसलिए उसके पास यह विकल्प था कि वह किसका अनुसरण करे। जाहिर है, वह दोनों का अनुसरण नहीं कर सकता था जब तक कि—बोरिस की तरह, उसने घड़ी की ओर देखा, और फिर ट्रेनों के अनाउंसमेंट बोर्ड पर। बॉर्नमाउथ ट्रेन 3:30 बजे निकलती थी। अब 10 बज चुके थे। व्हिटिंगटन और बोरिस किताबों की दुकान के पास इधर-उधर घूम रहे थे। उसने उन्हें एक संदेह भरी नज़र से देखा, फिर जल्दी से पास के टेलीफोन बूथ में चला गया। वह टप्पेन्स से संपर्क करने की कोशिश में समय बर्बाद करने की हिम्मत नहीं

कर रहा था। पूरी संभावना थी कि वह अभी भी साउथ ऑडली मेंशन के आसपास ही होगी। लेकिन एक और उम्मीद बाकी थी। उसने रिट्ज़ होटल में फोन किया और जूलियस हर्शाइमर से बात करने को कहा। एक क्लिक और एक भिनभिनाहट हुई। काश, वह युवा अमेरिकी अपने कमरे में होता! एक और क्लिक हुई, और फिर तार पर स्पष्ट लहजे में "हैलो" सुनाई दिया।

"क्या आप हर्शाइमर हैं? बेरेसफोर्ड बोल रहा हूँ। मैं वाटरलू में हूँ। मैं व्हिटिंगटन और एक अन्य व्यक्ति के पीछे-पीछे यहाँ आया हूँ। समझाने का समय नहीं है। व्हिटिंगटन 3:30 बजे तक बॉर्नमाउथ के लिए रवाना हो जाएगा। क्या आप तब तक वहाँ पहुँच सकते हैं?"

जवाब संतोषजनक था।

"ज़रूर। मैं पूरी मेहनत करूंगा।"

फोन की घंटी बजी। टॉमी ने राहत की सांस लेते हुए रिसीवर रख दिया। जूलियस की फुर्ती और काम करने की क्षमता पर उसका बहुत भरोसा था। उसे सहज रूप से विश्वास था कि अमेरिकी समय पर पहुँच जाएगा।

व्हिटिंगटन और बोरिस अभी भी वहीं थे जहाँ उसने उन्हें छोड़ा था। अगर बोरिस अपने दोस्त को विदा करने के लिए रुकता, तो सब ठीक होता। फिर टॉमी ने सोच-विचार करते हुए अपनी जेब टटोली। उसे दी गई पूरी छूट के बावजूद, उसे अभी तक अपने साथ कोई बड़ी रकम रखने की आदत नहीं पड़ी थी। बॉर्नमाउथ के लिए फर्स्ट क्लास टिकट लेने के बाद उसकी जेब में बस कुछ ही शिलिंग बचे थे। उम्मीद थी कि जूलियस बेहतर पैसों के साथ आएगा।

इसी बीच, मिनट धीरे-धीरे बीत रहे थे: 3.15, 3.20, 3.25, 3.27। मान लीजिए कि जूलियस समय पर नहीं पहुँचा। 3.29.... दरवाजे ज़ोर से बज रहे थे। टॉमी को निराशा की ठंडी लहरें महसूस हुईं। तभी किसी का हाथ उसके कंधे पर पड़ा।

"लो बेटा, मैं यहाँ हूँ। तुम्हारा ब्रिटिश यातायात तो बेजोड़ है! मुझे तुरंत उन बदमाशों के बारे में बताओ।"

"वो व्हिटिंगटन है—देखो, अभी अंदर आ रहा है, वो बड़ा सा सांवला आदमी। दूसरा वो विदेशी है जिससे वो बात कर रहा है।"

मुझे उनकी पहचान हो गई है। इन दोनों में से मेरी चिड़िया कौन सी है?

टॉमी ने इस प्रश्न के बारे में अच्छी तरह सोच लिया था।

"क्या तुम्हारे पास कुछ पैसे हैं?"
जूलियस ने अपना सिर हिलाया, और टॉमी का चेहरा उतर गया।
"मुझे लगता है कि इस समय मेरे पास तीन या चार सौ डॉलर से ज्यादा नहीं हैं," अमेरिकी ने समझाया।
टॉमी ने राहत की एक हल्की सी चीख निकाली।
"हे भगवान, आप करोड़पति! आप लोग एक ही भाषा नहीं बोलते! नाव पर चढ़ जाइए। ये रहा आपका टिकट। व्हिटिंगटन ही आपका आदमी है।"
"व्हिटिंगटन के लिए मैं!" जूलियस ने गुस्से से कहा। ट्रेन अभी-अभी चलना शुरू ही हुई थी कि वह उसमें चढ़ गया। "अलविदा, टॉमी।" ट्रेन स्टेशन से निकल गई।
टॉमी ने गहरी सांस ली। बोरिस नाम का आदमी प्लेटफार्म पर उसकी ओर आ रहा था। टॉमी ने उसे आगे जाने दिया और फिर से उसका पीछा करने लगा।
वाटरलू से बोरिस ने पिकाडिली सर्कस तक ट्यूब ट्रेन ली। फिर वह शाफ़्ट्सबरी एवेन्यू पर पैदल चला और अंत में सोहो के आसपास की तंग गलियों के भूलभुलैया में मुड़ गया। टॉमी उचित दूरी बनाए रखते हुए उसके पीछे-पीछे चल रहा था।
आखिरकार वे एक छोटे से जर्जर चौक पर पहुँचे। वहाँ के घर अपनी गंदगी और जीर्ण-शीर्ण अवस्था के बीच एक भयावह सा माहौल लिए हुए थे। बोरिस ने चारों ओर देखा, और टॉमी एक दोस्ताना बरामदे की आड़ में वापस चला गया। वह जगह लगभग सुनसान थी। वह एक बंद गली थी, और इसलिए उस तरफ कोई वाहन नहीं गुजरता था। बोरिस के चुपके से चारों ओर देखने के तरीके ने टॉमी की कल्पना को जगा दिया। दरवाजे की आड़ से उसने उसे एक बेहद डरावने दिखने वाले घर की सीढ़ियों पर चढ़ते और एक अजीब लय में दरवाजे पर जोर से दस्तक देते देखा। दरवाजा तुरंत खुल गया, उसने चौकीदार से एक-दो शब्द कहे, फिर अंदर चला गया। दरवाजा फिर से बंद हो गया।
इसी क्षण टॉमी अपना आपा खो बैठा। उसे जो करना चाहिए था, जो कोई भी समझदार व्यक्ति करता, वह यही था कि वह धैर्यपूर्वक वहीं रुका रहता और अपने साथी के बाहर आने का इंतज़ार करता। लेकिन उसने जो किया वह उसकी उस संयमित समझदारी के बिल्कुल विपरीत था, जो आमतौर पर उसका प्रमुख गुण हुआ करती थी। जैसा कि उसने खुद कहा, मानो उसके दिमाग में कुछ टूट गया हो। बिना एक पल भी सोचे-समझे वह भी सीढ़ियों से ऊपर चला गया और जहाँ तक संभव हो

सका, उसने वही अजीब सी दस्तक दोहराई।
दरवाजा पहले की तरह ही तेज़ी से खुल गया। दरवाजे पर छोटे-छोटे बालों वाला एक दुष्ट चेहरे वाला आदमी खड़ा था।
"तो?" उसने धीमी आवाज़ में कहा।
उसी क्षण टॉमी को अपनी मूर्खता का पूर्ण अहसास होने लगा। लेकिन उसने संकोच करने की हिम्मत नहीं की। उसके मन में जो पहला शब्द आया, उसने तुरंत उसे पकड़ लिया।
"श्रीमान ब्राउन?" उसने कहा।
उन्हें आश्चर्य हुआ कि वह आदमी एक तरफ हट गया।
"ऊपर जाइए," उसने अपने कंधे के ऊपर अंगूठा हिलाते हुए कहा, "बाईं ओर दूसरा दरवाजा।"

अध्याय VIII. टॉमी के कारनामे

उस आदमी की बातों से टॉमी स्तब्ध रह गया, फिर भी उसने ज़रा भी संकोच नहीं किया। अगर उसकी हिम्मत ने उसे यहाँ तक पहुँचाया था, तो उम्मीद थी कि वह उसे और भी आगे ले जाएगी। वह चुपचाप घर में दाखिल हुआ और जर्जर सीढ़ियों पर चढ़ गया। घर का हर कोना हद से ज़्यादा गंदा था। दीवारों पर लगे गंदे कागज़, जिनका पैटर्न अब पहचानना मुश्किल था, लटके हुए थे। हर कोने में मकड़ी के जाले का एक भूरा गुच्छा फैला हुआ था।
टॉमी धीरे-धीरे आगे बढ़ा। सीढ़ियों के मोड़ तक पहुँचते-पहुँचते उसने नीचे खड़े आदमी को एक पिछले कमरे में गायब होते हुए सुन लिया था। ज़ाहिर है, अभी तक उस पर कोई शक नहीं था। घर आकर "मिस्टर ब्राउन" के बारे में पूछना एक स्वाभाविक और तर्कसंगत प्रक्रिया लग रही थी।
सीढ़ियों के ऊपर पहुँचकर टॉमी अपनी अगली चाल पर विचार करने के लिए रुक गया। उसके सामने एक संकरा रास्ता था, जिसके दोनों ओर दरवाजे खुलते थे। बाईं ओर के सबसे नज़दीकी दरवाजे से धीमी आवाज़ों की आहट सुनाई दी। उसे इसी कमरे में जाने का निर्देश दिया गया था। लेकिन जिस चीज़ ने उसकी नज़रें अपनी ओर खींचीं, वह उसके ठीक दाईं ओर एक छोटा सा कोना था, जो फटे हुए मखमली पर्दे से आधा ढका हुआ था। यह बाईं ओर के दरवाजे के ठीक सामने था और अपने कोण के

कारण, यहाँ से सीढ़ियों के ऊपरी हिस्से का अच्छा नज़ारा भी दिखता था। एक या, ज़रूरत पड़ने पर, दो आदमियों के छिपने के लिए यह आदर्श जगह थी, क्योंकि यह लगभग दो फीट गहरी और तीन फीट चौड़ी थी। इसने टॉमी को बहुत आकर्षित किया। उसने हमेशा की तरह धीरे-धीरे और सोच-विचार किया और यह निष्कर्ष निकाला कि "मिस्टर ब्राउन" का ज़िक्र किसी व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि संभवतः गिरोह द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक पासवर्ड था। इस पासवर्ड के सही इस्तेमाल से उसे अंदर जाने की अनुमति मिल गई थी। अब तक उस पर किसी को शक नहीं हुआ था। लेकिन उसे जल्द ही अपने अगले कदम के बारे में फैसला करना होगा।

मान लीजिए कि वह हिम्मत करके गलियारे के बाईं ओर वाले कमरे में घुस जाए। क्या घर में प्रवेश मिल जाना ही काफी होगा? शायद एक और पासवर्ड की ज़रूरत पड़े, या कम से कम पहचान का कोई सबूत तो चाहिए ही। चौकीदार ज़ाहिर तौर पर गिरोह के सभी सदस्यों को देखकर नहीं पहचानता था, लेकिन ऊपर की मंज़िल पर स्थिति अलग हो सकती थी। कुल मिलाकर उसे लग रहा था कि अब तक किस्मत ने उसका बहुत साथ दिया है, लेकिन किस्मत पर हद से ज़्यादा भरोसा करना भी ठीक नहीं होता। उस कमरे में जाना एक बहुत बड़ा जोखिम था। वह हमेशा के लिए अपनी भूमिका नहीं निभा सकता था; देर-सवेर उसका पर्दाफ़ाश होना लगभग तय था, और तब वह महज़ मूर्खता में एक अहम मौका गँवा चुका होता।

नीचे के दरवाजे पर फिर से दस्तक की आवाज आई, और टॉमी, जिसने मन बना लिया था, जल्दी से अंदर चला गया और सावधानी से पर्दे को और खींच लिया ताकि वह पूरी तरह से सबकी नजरों से छिप जाए। पुराने कपड़े में कई छेद और दरारें थीं जिनसे उसे सब कुछ साफ दिखाई दे रहा था। वह सारी कार्यवाही देखेगा, और जब चाहेगा, सभा में शामिल हो सकता है, और नए आए व्यक्ति की तरह व्यवहार कर सकता है।

सीढ़ियों से दबे पांव, दबे कदमों से ऊपर आने वाला वह आदमी टॉमी के लिए बिलकुल अनजान था। वह स्पष्ट रूप से समाज के सबसे निचले तबके का था। झुकी हुई भौंहें, अपराधी जैसी ठुड्डी, और पूरे चेहरे की क्रूरता उस नौजवान के लिए बिल्कुल नई थी, हालांकि वह ऐसा व्यक्ति था जिसे स्कॉटलैंड यार्ड एक नज़र में पहचान लेता। वह आदमी हांफते हुए गलियारे से गुजरा। वह सामने वाले दरवाजे पर रुका और संकेत के तौर पर दोबारा खटखटाया। अंदर से किसी ने कुछ पुकारा, और उस आदमी

ने दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया, जिससे टॉमी को अंदर के कमरे की एक झलक मिली। उसने सोचा कि कमरे के अधिकांश हिस्से को घेरे हुए एक लंबी मेज के चारों ओर लगभग चार या पांच लोग बैठे होंगे, लेकिन उसका ध्यान एक लंबे आदमी पर गया जिसके बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे और छोटी, नुकीली, नाभि जैसी दाढ़ी थी, जो मेज के सिर पर कागजों के साथ बैठा था। जैसे ही वह अंदर आया, उसने ऊपर देखा और सही, लेकिन अजीब तरह से सटीक उच्चारण के साथ, जिसने टॉमी का ध्यान आकर्षित किया, पूछा:

"आपका नंबर क्या है, कॉमरेड?"

"चौदह, गवर्नर," दूसरे ने कर्कश आवाज में उत्तर दिया।

"सही।"

दरवाजा फिर से बंद हो गया।

"अगर वो हूण नहीं है, तो मैं डच हूँ!" टॉमी ने मन ही मन कहा। "और हमेशा की तरह, ये लोग बड़े ही सलीके से सब कुछ चला रहे हैं। शुक्र है कि मैं यहाँ नहीं आया। नहीं तो मैं गलत नंबर दे देता और फिर मुझे भारी कीमत चुकानी पड़ती। नहीं, यही जगह मेरे लिए है। हेलो, एक और दस्तक।"

यह आगंतुक पिछले आगंतुक से बिलकुल अलग निकला। टॉमी ने उसमें एक आयरिश सिन फ़ाइनर की झलक देखी। श्री ब्राउन का संगठन वाकई बहुत व्यापक था। आम अपराधी, सभ्य आयरिश सज्जन, पीला पड़ा रूसी और कुशल जर्मन समारोह संचालक! सचमुच एक विचित्र और रहस्यमय जमावड़ा! यह आदमी कौन था जिसने अपनी उंगली में एक अज्ञात श्रृंखला की ये विचित्र रूप से रंगीन कड़ियां पकड़ रखी थीं?

इस मामले में, प्रक्रिया बिल्कुल वैसी ही थी। दस्तक का संकेत, एक नंबर की मांग, और जवाब में "सही"।

नीचे वाले दरवाजे पर जल्दी-जल्दी दो बार दस्तक हुई। पहला व्यक्ति टॉमी के लिए बिल्कुल अनजान था, जिसे उसने नगर निगम का क्लर्क समझा। वह शांत, बुद्धिमान दिखने वाला व्यक्ति था, जिसके कपड़े कुछ फटे-पुराने से थे। दूसरा व्यक्ति मजदूर वर्ग का था, और उसका चेहरा युवक को कुछ जाना-पहचाना सा लगा।

तीन मिनट बाद एक और व्यक्ति आया, जो प्रभावशाली व्यक्तित्व वाला, उत्तम वस्त्र पहने हुए और स्पष्ट रूप से उच्च कुल का था। उसका चेहरा भी देखने वाले के लिए

अपरिचित नहीं था, हालांकि वह उस समय उसका नाम याद नहीं कर पा रहा था। उसके आने के बाद काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। दरअसल, टॉमी को लगा कि सभा अब पूरी हो चुकी है, और वह जैसे ही सावधानी से अपने छिपने की जगह से बाहर निकल रहा था, तभी एक और दस्तक ने उसे वापस छिपने पर मजबूर कर दिया।

यह आखिरी व्यक्ति इतनी खामोशी से सीढ़ियों से ऊपर आया कि टॉमी के सामने उसकी मौजूदगी का एहसास होने से पहले ही वह लगभग उसके बराबर पहुँच गया था।

वह कद में छोटा, बेहद पीला और लगभग स्त्री जैसा सौम्य व्यक्ति था। गालों की बनावट से उसके स्लाव मूल का संकेत मिलता था, अन्यथा उसकी राष्ट्रीयता का कोई संकेत नहीं था। जैसे ही वह आले से गुजरा, उसने धीरे से अपना सिर घुमाया। उसकी अजीब सी चमकीली आँखें पर्दे को भेदती हुई सी लग रही थीं; टॉमी को मुश्किल से विश्वास हो रहा था कि वह आदमी उसे वहाँ देखकर भी नहीं झिझक रहा था और वह काँप उठा। वह अधिकांश युवा अंग्रेजों की तरह कल्पनाशील नहीं था, लेकिन वह इस धारणा से छुटकारा नहीं पा सका कि उस आदमी से कोई असाधारण शक्तिशाली ऊर्जा निकल रही थी। वह प्राणी उसे किसी विषैले साँप की याद दिला रहा था।

कुछ ही क्षणों में उनका अनुमान सही साबित हुआ। नए आने वाले ने भी बाकी सब की तरह दरवाजा खटखटाया, लेकिन उसका स्वागत बिल्कुल अलग था। दाढ़ी वाला आदमी खड़ा हो गया, और बाकी सबने भी उसका अनुसरण किया। जर्मन आगे आया और उसने हाथ मिलाया। उसकी एड़ियों की आपस में टकराने की आवाज़ आई।

उन्होंने कहा, "हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। मुझे डर था कि यह असंभव होगा।"

दूसरे ने धीमी, फुसफुसाती आवाज में उत्तर दिया:

"मुश्किलें थीं। मुझे डर है कि ऐसा दोबारा संभव नहीं होगा। लेकिन एक बैठक बेहद जरूरी है—मेरी नीति तय करने के लिए। श्री ब्राउन के बिना मैं कुछ नहीं कर सकता। क्या वे यहाँ हैं?"

जर्मन व्यक्ति की आवाज में आया बदलाव स्पष्ट था, जब उसने थोड़ी हिचकिचाहट के साथ उत्तर दिया: "हमें एक संदेश मिला है। उनका स्वयं उपस्थित होना असंभव है।" वह रुक गया, मानो उसने वाक्य अधूरा छोड़ दिया हो।

दूसरे व्यक्ति के चेहरे पर धीरे-धीरे मुस्कान फैल गई। उसने चारों ओर बेचैन चेहरों के घेरे की ओर देखा।
आह! मैं समझ गया। मैंने उसके तौर-तरीकों के बारे में पढ़ा है। वह छुपकर काम करता है और किसी पर भरोसा नहीं करता। लेकिन फिर भी, हो सकता है कि वह अभी हमारे बीच ही हो..." उसने फिर चारों ओर देखा, और फिर से वही भय का भाव पूरे समूह पर छा गया। हर कोई अपने पड़ोसी को संदेह भरी निगाहों से देख रहा था।
रूसी ने अपने गाल पर थपथपाया।
"ठीक है। चलिए आगे बढ़ते हैं।"
जर्मन ने खुद को संभाला। उसने मेज के शीर्ष पर अपनी जगह की ओर इशारा किया।
रूसी ने आपत्ति जताई, लेकिन दूसरे ने अपनी बात पर जोर दिया।
उन्होंने कहा, "यह एकमात्र संभव जगह है - नंबर एक के लिए। शायद नंबर चौदह दरवाजा बंद कर देगा?"
अगले ही पल टॉमी एक बार फिर खाली लकड़ी के पैनलों के सामने था, और अंदर की आवाज़ें एक बार फिर धीमी होकर अस्पष्ट फुसफुसाहट में बदल गई थीं। टॉमी बेचैन हो गया। उसने जो बातचीत सुनी थी, उससे उसकी जिज्ञासा बढ़ गई थी। उसे लगा कि चाहे जैसे भी हो, उसे और सुनना ही होगा।
नीचे से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी, और ऐसा लग नहीं रहा था कि चौकीदार ऊपर आएगा। एक-दो मिनट तक ध्यान से सुनने के बाद उसने अपना सिर पर्दे के पीछे से बाहर निकाला। गलियारा खाली था। टॉमी नीचे झुका और अपने जूते उतारे, फिर उन्हें पर्दे के पीछे छोड़कर वह सावधानी से मोज़े पहने हुए बाहर निकला, और बंद दरवाजे के पास घुटने टेककर उसने दरार से कान लगाया। उसे बहुत झुंझलाहट हुई क्योंकि वह कुछ खास नहीं सुन पा रहा था; बस कभी-कभार कोई शब्द सुनाई देता, अगर कोई ऊंची आवाज़ में बोलता, तो उसकी जिज्ञासा और बढ़ जाती।
उसने हिचकिचाते हुए दरवाज़े के हैंडल को देखा। क्या वह इसे धीरे-धीरे इतनी नरमी से घुमा सकता था कि कमरे में मौजूद लोगों को पता ही न चले? उसने तय किया कि बड़ी सावधानी से यह किया जा सकता है। बहुत धीरे-धीरे, एक-एक इंच करके, उसने उसे घुमाया, अत्यधिक सावधानी बरतते हुए अपनी सांस रोक ली। थोड़ा और—थोड़ा और—क्या यह कभी पूरा नहीं होगा? आह! आखिरकार यह और नहीं घूमा।
वह एक-दो मिनट तक उसी स्थिति में रहा, फिर गहरी सांस ली और उसे हल्के से

अंदर की ओर दबाया। दरवाज़ा टस से मस नहीं हुआ। टॉमी चिढ़ गया। अगर उसे ज़्यादा ज़ोर लगाना पड़ता, तो दरवाज़ा ज़रूर चरमरा जाता। उसने तब तक इंतज़ार किया जब तक आवाज़ें थोड़ी तेज़ नहीं हो गईं, फिर उसने दोबारा कोशिश की। फिर भी कुछ नहीं हुआ। उसने दबाव बढ़ा दिया। क्या वह दरवाज़ा अटक गया था? आख़िरकार, हताशा में, उसने अपनी पूरी ताकत से धक्का दिया। लेकिन दरवाज़ा अपनी जगह पर डटा रहा, और अंत में उसे सच्चाई समझ आ गई। वह अंदर से बंद या कुंडी लगा हुआ था।

एक-दो क्षणों के लिए टॉमी का क्रोध उस पर हावी हो गया।

"अरे बाप रे!" उसने कहा। "यह तो बहुत ही घटिया चाल है!"

जैसे ही उसका गुस्सा शांत हुआ, उसने स्थिति का सामना करने की तैयारी की। ज़ाहिर है, सबसे पहले उसे हैंडल को उसकी मूल स्थिति में वापस लाना था। अगर वह उसे अचानक छोड़ देता, तो अंदर मौजूद लोग लगभग निश्चित रूप से उसे देख लेते, इसलिए उसने उतनी ही मेहनत से अपनी पुरानी रणनीति उलट दी। सब ठीक रहा, और राहत की साँस लेते हुए वह युवक खड़ा हो गया। टॉमी में एक दृढ़ निश्चय था, जिसके कारण वह हार मानने को तैयार नहीं था। फिलहाल तो वह मात खा चुका था, लेकिन संघर्ष छोड़ने का उसका कोई इरादा नहीं था। वह अब भी बंद कमरे में चल रही बातों को सुनना चाहता था। एक योजना विफल हो गई थी, इसलिए उसे दूसरी योजना बनानी ही थी।

उसने चारों ओर देखा। गलियारे में थोड़ा आगे बाईं ओर एक दूसरा दरवाजा था। वह चुपचाप उसकी ओर बढ़ा। उसने एक-दो पल ध्यान से सुना, फिर हैंडल को आज़माया। हैंडल खुल गया और वह अंदर चला गया।

वह कमरा खाली था और उसे बेडरूम के रूप में सजाया गया था। घर की बाकी चीजों की तरह, फर्नीचर भी जर्जर हालत में था और गंदगी पहले से कहीं अधिक थी। लेकिन टॉमी की दिलचस्पी उस चीज़ में थी जिसकी उसे तलाश थी - खिड़की के पास बाईं ओर, दोनों कमरों को जोड़ने वाला एक दरवाज़ा। उसने सावधानी से पीछे गलियारे में दरवाज़ा बंद किया और दूसरे दरवाज़े की ओर बढ़कर उसे ध्यान से देखा। कुंडी टूटी हुई थी। वह बहुत जंग लगी हुई थी और साफ़ तौर पर कुछ समय से इस्तेमाल नहीं हुई थी। टॉमी ने उसे धीरे से आगे-पीछे हिलाकर बिना ज़्यादा आवाज़ किए वापस खोलने में कामयाबी हासिल कर ली। फिर उसने हैंडल के साथ वही

तरीका दोहराया - इस बार पूरी तरह से सफल रहा। दरवाज़ा थोड़ा सा खुला - बस एक दरार, एक नगद, लेकिन टॉमी के लिए अंदर की आवाज़ सुनने के लिए काफ़ी था। इस दरवाज़े के अंदर एक मखमली पर्दा लगा था जिससे वह देख नहीं पा रहा था, लेकिन वह आवाज़ों को काफ़ी हद तक पहचान सका।

सिन फ़ाइनर बोल रहे थे। उनकी दमदार आयरिश आवाज़ को पहचानना नामुमकिन नहीं था:

"यह सब तो ठीक है। लेकिन और अधिक धन आवश्यक है। धन नहीं तो परिणाम नहीं!"

एक और आवाज सुनाई दी, जिसे टॉमी ने शायद बोरिस की आवाज समझा:

"क्या आप परिणामों की गारंटी देंगे?"

"अब से एक महीने के भीतर—आपकी इच्छा के अनुसार जल्दी या देर से—मैं आपको आयरलैंड में ऐसा आतंक फैलाने की गारंटी देता हूँ जो ब्रिटिश साम्राज्य की नींव तक हिला देगा।"

कुछ देर का विराम हुआ, और फिर नंबर वन की धीमी, फुसफुसाती हुई आवाज़ सुनाई दी:

"अच्छा! आपको पैसे मिल जाएंगे। बोरिस, आप इसका ध्यान रखना।"

बोरिस ने एक सवाल पूछा:

"आयरिश अमेरिकियों के माध्यम से, और हमेशा की तरह मिस्टर पॉटर के माध्यम से?"

"मुझे लगता है सब ठीक हो जाएगा!" एक नई आवाज़ ने अटलांटिक पार के लहजे में कहा, "हालांकि मैं अभी और यहीं यह बताना चाहूंगा कि हालात थोड़े मुश्किल होते जा रहे हैं। अब वैसी सहानुभूति नहीं रही जैसी पहले थी, और यह प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है कि आयरिश लोग अमेरिका के हस्तक्षेप के बिना अपने मामले खुद सुलझा लें।"

टॉमी को लगा कि बोरिस ने जवाब देते समय अपने कंधे उचका दिए थे:

"क्या इससे कोई फर्क पड़ता है, क्योंकि पैसा तो नाममात्र के लिए ही राज्यों से आता है?"

"सबसे बड़ी दिक्कत गोला-बारूद उतारने में है," सिन फ़ाइनर ने कहा। "पैसा तो आसानी से पहुँच जाता है - हमारे यहाँ मौजूद सहयोगी की बदौलत।"

एक और आवाज, जिसे टॉमी ने उस लंबे, प्रभावशाली दिखने वाले व्यक्ति की आवाज

समझा जिसका चेहरा उसे परिचित लग रहा था, ने कहा:
"ज़रा सोचिए, अगर बेलफ़ास्ट के लोग आपकी बात सुन पाते तो उन्हें कैसा लगता!"
"तो फिर बात पक्की हो गई," फुसफुसाती आवाज़ में कहा गया। "अब, अंग्रेजी अखबार को दिए गए ऋण के मामले में, क्या आपने सभी विवरण संतोषजनक ढंग से व्यवस्थित कर लिए हैं, बोरिस?"
"मुझे भी ऐसा ही लगता है।"
"यह अच्छी बात है। जरूरत पड़ने पर मॉस्को की ओर से आधिकारिक खंडन जारी किया जाएगा।"
कुछ देर का सन्नाटा छा गया, फिर जर्मन की स्पष्ट आवाज ने सन्नाटा तोड़ दिया:
श्री ब्राउन ने मुझे निर्देश दिया है कि मैं विभिन्न यूनियनों की रिपोर्टों का सारांश आपके समक्ष रखूँ। खनिकों की रिपोर्ट अत्यंत संतोषजनक है। हमें रेलवे को रोकना होगा। एएसई के साथ समस्या हो सकती है।
काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा, केवल कागजों की सरसराहट और जर्मन व्यक्ति के कभी-कभार स्पष्टीकरण के शब्दों से ही शांति भंग हुई। तभी टॉमी ने मेज पर उंगलियों की हल्की थपथपाहट सुनी।
"और—तारीख क्या है, मेरे दोस्त?" नंबर वन ने कहा।
"29वां।"
रूसी व्यक्ति इस पर विचार करता हुआ प्रतीत हुआ:
"यह तो काफी जल्दी है।"
"मुझे पता है। लेकिन यह फैसला लेबर पार्टी के प्रमुख नेताओं ने लिया था, और हम इसमें ज्यादा दखल नहीं दे सकते। उन्हें लगता होगा कि यह पूरी तरह से उनका अपना मामला है।"
रूसी व्यक्ति ने धीरे से हँसा, मानो उसे मज़ा आ रहा हो।
“हाँ, हाँ,” उन्होंने कहा। “यह सच है। उन्हें ज़रा भी अंदाज़ा नहीं होगा कि हम उनका इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए कर रहे हैं। वे ईमानदार लोग हैं—और यही हमारे लिए उनका महत्व है। यह अजीब है—लेकिन ईमानदार लोगों के बिना क्रांति संभव नहीं है। जनता की सहज प्रवृत्ति अचूक होती है।” वे रुके, और फिर दोहराया, मानो उन्हें यह वाक्य पसंद आया हो: “हर क्रांति में ईमानदार लोग होते हैं। क्रांति के बाद उन्हें जल्द ही दरकिनार कर दिया जाता है।”

उसकी आवाज में एक भयावह स्वर था।
जर्मन ने फिर से बोलना शुरू किया:
"क्लाइम्स को जाना ही होगा। वह बहुत दूरदर्शी हैं। चौदहवें नंबर वाला व्यक्ति यह सुनिश्चित करेगा।"
एक कर्कश फुसफुसाहट सुनाई दी।
"कोई बात नहीं, राज्यपाल जी।" और फिर एक-दो पल बाद: "मान लीजिए कि मैं पकड़ा गया।"
जर्मन ने शांत भाव से उत्तर दिया, "तुम्हारे बचाव के लिए सर्वश्रेष्ठ कानूनी विशेषज्ञ मौजूद होंगे। लेकिन किसी भी हालत में तुम्हें कुख्यात चोर के उंगलियों के निशान वाले दस्ताने पहनने होंगे। तुम्हें डरने की कोई खास जरूरत नहीं है।"
"ओह, मुझे डर नहीं है, गवर्नर साहब। सब कुछ इस नेक मकसद के लिए है। कहते हैं ना, सड़कें खून से लथपथ हो जाएंगी।" उसने बड़े चाव से कहा। "कभी-कभी तो मैं इसके सपने देखता हूँ। और देखता हूँ कि हीरे-मोती नाली में पड़े हैं, जिन्हें कोई भी उठा सकता है!"
टॉमी को कुर्सी खिसकने की आवाज़ सुनाई दी। फिर नंबर वन बोला:
"तो फिर सब कुछ व्यवस्थित हो गया है। क्या हमें सफलता की गारंटी है?"
"मुझे लगता है ऐसा ही है।" लेकिन जर्मन व्यक्ति ने सामान्य आत्मविश्वास से कम बोलते हुए यह बात कही।
नंबर वन की आवाज में अचानक एक खतरनाक भाव आ गया:
"क्या गड़बड़ हो गई है?"
"कुछ नही पर----"
"क्या पर?"
"लेबर पार्टी के नेता। जैसा कि आप कहते हैं, उनके बिना हम कुछ नहीं कर सकते। अगर वे 29 तारीख को आम हड़ताल की घोषणा नहीं करते हैं तो..."
"वे ऐसा क्यों न करें?"
"जैसा कि आपने कहा, वे ईमानदार हैं। और, सरकार को उनकी नजरों में बदनाम करने के लिए हमने जो कुछ भी किया है, उसके बावजूद मुझे यकीन नहीं है कि उनके मन में सरकार के प्रति कोई दबी हुई आस्था और विश्वास नहीं है।"
"लेकिन----"

"मुझे पता है। वे इसका लगातार दुरुपयोग करते हैं। लेकिन कुल मिलाकर, जनमत सरकार के पक्ष में है। वे इसके खिलाफ नहीं जाएंगे।"
रूसी व्यक्ति की उंगलियां एक बार फिर मेज पर थपथपाने लगीं।
"सीधी बात पर आते हैं, मेरे दोस्त। मुझे बताया गया था कि एक ऐसा दस्तावेज़ मौजूद है जो सफलता सुनिश्चित करता है।"
"यह बिल्कुल सच है। अगर वह दस्तावेज़ नेताओं के सामने रख दिया जाए, तो परिणाम तुरंत सामने आ जाएगा। वे इसे पूरे इंग्लैंड में प्रसारित करेंगे और बिना किसी झिझक के क्रांति की घोषणा कर देंगे। सरकार अंततः और पूरी तरह से ध्वस्त हो जाएगी।"
"तो फिर आपको और क्या चाहिए?"
जर्मन ने सीधे-सीधे कहा, "स्वयं दस्तावेज़ ही।"
"अरे! यह आपके पास नहीं है? लेकिन आपको पता है यह कहाँ है?"
"नहीं।"
"क्या कोई जानता है कि यह कहां है?"
"एक व्यक्ति—शायद। और हमें इस बात का भी यकीन नहीं है।"
"यह व्यक्ती कोन है?"
"एक लड़की।"
टॉमी ने अपनी सांस रोक ली।
"एक लड़की?" रूसी की आवाज़ तिरस्कार से भर उठी। "और तुमने उसे बुलवाया नहीं? रूस में तो लड़कियों को बुलवाने के तरीके होते हैं।"
जर्मन ने उदास स्वर में कहा, "यह मामला अलग है।"
"कितना अलग?" वह एक पल रुका, फिर बोला: "वह लड़की अब कहाँ है?"
"वो लड़की?"
"हाँ।"
"वह है----"
लेकिन टॉमी को इसके बाद कुछ सुनाई नहीं दिया। उसके सिर पर एक जोरदार प्रहार हुआ और चारों ओर अंधेरा छा गया।

अध्याय IX. टप्पेन्स घरेलू कामगार के रूप में काम करने

लगती है

जब टॉमी उन दोनों आदमियों की तलाश में निकला, तो टप्पेन्स ने बड़ी मुश्किल से खुद को रोका कि वह उसके साथ न जाए। फिर भी, उसने जितना हो सके खुद को संभाला, इस सोच से उसे तसल्ली मिली कि घटनाओं ने उसके फैसले को सही साबित कर दिया था। वे दोनों आदमी निस्संदेह दूसरी मंजिल के फ्लैट से आए थे, और "रीटा" नाम के उस छोटे से सुराग ने यंग एडवेंचरर्स को एक बार फिर जेन फिन के अपहरणकर्ताओं के पीछे लगा दिया था।

सवाल यह था कि अब आगे क्या किया जाए? टप्पेन्स को खाली बैठना बिल्कुल पसंद नहीं था। टॉमी पहले से ही काफी व्यस्त था, और शिकार में उसके साथ न जा पाने के कारण टप्पेन्स खुद को खाली महसूस कर रही थी। वह वापस हवेली के प्रवेश कक्ष की ओर चल पड़ी। वहाँ अब एक छोटा सा लिफ्ट-बॉय बैठा था, जो पीतल के फिटिंग्स को पॉलिश कर रहा था और बड़े जोश और सटीकता के साथ नए गाने सीटी बजा रहा था।

उसने टप्पेन्स के प्रवेश पर एक नज़र डाली। उस लड़की में थोड़ी चंचलता थी, और वैसे भी वह छोटे लड़कों के साथ हमेशा अच्छी तरह घुलमिल जाती थी। मानो तुरंत ही एक सहानुभूतिपूर्ण बंधन बन गया हो। उसने सोचा कि दुश्मन के खेमे में मौजूद सहयोगी को तुच्छ नहीं समझा जाना चाहिए।

"अच्छा, विलियम," उसने अस्पताल की सुबह-सुबह की सबसे अच्छी शैली में खुशी से कहा, "क्या तुम अच्छे से चमक रहे हो?"

लड़के ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

"अल्बर्ट, मिस," उसने सुधार किया।

"अल्बर्ट ही ठीक है," टप्पेन्स ने कहा। उसने रहस्यमय ढंग से हॉल में चारों ओर नज़र घुमाई। उसका यह नज़रिया जानबूझकर व्यापक था ताकि अल्बर्ट उसे देख न पाए। वह लड़के की ओर झुकी और धीमी आवाज़ में बोली: "अल्बर्ट, मुझे तुमसे कुछ बात करनी है।"

अल्बर्ट ने फिटिंग पर काम करना बंद कर दिया और अपना मुंह थोड़ा सा खोला।

"देखो! क्या तुम जानते हो यह क्या है?" नाटकीय अंदाज़ में उसने अपने कोट का बायां हिस्सा पीछे की ओर झटका और एक छोटा सा चमकदार बैज दिखाया। यह लगभग असंभव था कि अल्बर्ट को इसके बारे में कोई जानकारी हो—दरअसल, यह

टप्पेन्स की योजनाओं के लिए घातक साबित हो सकता था, क्योंकि यह बैज एक स्थानीय प्रशिक्षण दल का प्रतीक था, जिसकी स्थापना युद्ध के शुरुआती दिनों में आर्चडीकन ने की थी। टप्पेन्स के कोट में यह बैज इसलिए था क्योंकि उसने एक-दो दिन पहले इसे कुछ फूल लगाने के लिए इस्तेमाल किया था। लेकिन टप्पेन्स की नज़रें तेज़ थीं, और उसने अल्बर्ट की जेब से निकले एक तीन पैसे के जासूसी उपन्यास के कोने को देखा था, और उसकी आँखों का तुरंत बड़ा हो जाना उसे समझ आ गया कि उसकी रणनीति कारगर है, और मछली चारा खाएगी।

"अमेरिकन डिटेक्टिव फोर्स!" उसने फुफकारा।

अल्बर्ट इसके झांसे में आ गया।

"हे भगवान!" उसने आनंद से बुदबुदाया।

टप्पेन्स ने उसे इस भाव से सिर हिलाकर सहमति दी मानो उसे सब कुछ अच्छी तरह समझ आ गया हो।

"क्या आप जानते हैं कि मैं किसे ढूंढ रही हूँ?" उसने विनम्रतापूर्वक पूछा।

अल्बर्ट, जिसकी आंखें अभी भी गोल-गोल थीं, हांफते हुए बोला:

"उन फ्लैटों में से एक?"

टप्पेन्स ने सिर हिलाया और अंगूठा ऊपर की ओर सीढ़ियों की तरफ इशारा किया।

"नंबर 20. खुद को वैंडमेयर कहती है। वैंडमेयर! हा! हा!"

अल्बर्ट का हाथ अपने आप उसकी जेब में चला गया।

"एक बदमाश?" उसने उत्सुकता से पूछा।

"एक बदमाश? मुझे तो यही लगता है। अमेरिका में उसे रेडी रीटा कहते हैं।"

"रीटा तैयार हो जाओ!" अल्बर्ट ने उन्माद में दोहराया। "अरे वाह, बिल्कुल तस्वीरों जैसा है!"

ऐसा ही था। टप्पेन्स सिनेमाघर का बहुत शौकीन था।

"एनी हमेशा कहती थी कि वह कितनी बुरी लड़की थी," लड़के ने आगे कहा।

"एनी कौन है?" टप्पेन्स ने लापरवाही से पूछा।

"घर की नौकरानी। वो आज जा रही है। कई बार एनी ने मुझसे कहा है: 'अल्बर्ट, मेरी बात याद रखना, अगर किसी दिन पुलिस उसके पीछे पड़ जाए तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।' बस यूं ही। लेकिन वो देखने में बहुत खूबसूरत है, है ना?"

"वह बड़ी प्यारी है," टप्पेन्स ने लापरवाही से कहा। "उसे अपने लेआउट में यह उपयोगी

लगता है, इसमें कोई शक नहीं। वैसे, क्या उसने कोई पन्ना पहना है?"
"पन्ना? ये तो हरे रंग के पत्थर होते हैं, है ना?"
टप्पेन्स ने सिर हिलाया।
"हम उसे इसीलिए तो ढूंढ रहे हैं। तुम्हें पता है ना बूढ़े राइसडेल?"
अल्बर्ट ने अपना सिर हिलाया।
"पीटर बी. राइसडेल, तेल का बादशाह?"
"यह मुझे कुछ जाना-पहचाना सा लगता है।"
"ये हीरे-जवाहरात उन्हीं के थे। दुनिया में पन्नों का सबसे बेहतरीन संग्रह। दस लाख डॉलर की कीमत!"
"लुम्मे!" अल्बर्ट ने उत्साह से कहा। "यह हर मिनट तस्वीरों जैसा लगता जा रहा है।"
अपने प्रयासों की सफलता से प्रसन्न होकर टप्पेन्स मुस्कुराई।
"हमने अभी तक इसे पूरी तरह से साबित नहीं किया है। लेकिन हम उसके पीछे पड़े हैं। और"—उसने एक लंबी सी आँख मारी—"मुझे लगता है कि इस बार वह सामान लेकर भाग नहीं पाएगी।"
अल्बर्ट ने खुशी जाहिर करते हुए एक और शब्द कहा।
"ध्यान रहे, बेटे, इस बारे में एक शब्द भी मत कहना," टप्पेन्स ने अचानक कहा। "मुझे लगता है कि मुझे तुम्हें पहले से ही ज्ञान नहीं देना चाहिए था, लेकिन अमेरिका में हम एक होशियार लड़के को देखते ही पहचान लेते हैं।"
"मैं एक शब्द भी नहीं बोलूंगा," अल्बर्ट ने उत्सुकता से विरोध किया। "क्या मैं कुछ नहीं कर सकता? शायद थोड़ा पीछा करना, या ऐसा ही कुछ?"
टप्पेन्स ने सोचने का नाटक किया, फिर अपना सिर हिला दिया।
"अभी तो नहीं, लेकिन मैं तुम्हें याद रखूंगा, बेटा। उस लड़की के बारे में क्या बात है जिसके बारे में तुम कह रहे हो कि वह जा रही है?"
"एनी? वे तो नियमित रूप से आते थे। जैसा कि एनी ने कहा, आजकल नौकरों की भी अपनी अहमियत होती है और उनके साथ उसी के अनुसार व्यवहार किया जाना चाहिए, और चूंकि उसने यह बात सबको बता दी है, इसलिए उसे दूसरा नौकर मिलना इतना आसान नहीं होगा।"
"क्या वो ऐसा नहीं करेगी?" टप्पेन्स ने सोच-विचार करते हुए कहा। "मुझे आश्चर्य है----"

उसके दिमाग में एक विचार पनप रहा था। उसने एक-दो मिनट सोचा, फिर अल्बर्ट के कंधे पर थपथपाया।
"देखो बेटा, मेरे दिमाग में एक विचार चल रहा है। अगर तुम कहो कि तुम्हारा कोई छोटा चचेरा भाई है, या तुम्हारे किसी दोस्त का है, जो इस जगह के लिए उपयुक्त हो सकता है, तो कैसा रहेगा? समझ रहे हो ना?"
"मैं वहीं हूँ," अल्बर्ट ने तुरंत कहा। "आप इसे मुझ पर छोड़ दीजिए, महोदया, मैं दो पल में सब कुछ ठीक कर दूंगा।"
"वाह, क्या लड़का है!" टप्पेन्स ने सहमति में सिर हिलाते हुए कहा। "आप कह सकते हैं कि युवती अभी अंदर आ सकती है। आप मुझे बता दीजिएगा, और अगर ठीक रहा तो मैं कल ग्यारह बजे आ जाऊँगा।"
मुझे आपको यह बात कहां बतानी चाहिए?
"रिट्ज़," टप्पेन्स ने संक्षिप्त रूप से उत्तर दिया। "काउली का नाम।"
अल्बर्ट ने ईर्ष्या भरी निगाहों से उसे देखा।
"यह तकनीक का कारोबार वाकई अच्छा होगा।"
"बिल्कुल," टप्पेन्स ने धीमी आवाज़ में कहा, "खासकर तब जब बूढ़ा राइसडेल भी इसमें योगदान दे रहा हो। लेकिन चिंता मत करो, बेटे। अगर सब ठीक रहा, तो तुम्हें शुरुआत से ही मौका मिलेगा।"
इस वादे के साथ उसने अपने नए सहयोगी से विदा ली और सुबह के काम से बेहद संतुष्ट होकर साउथ ऑडली मेंशन से तेज़ी से चली गई।
लेकिन समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं था। वह सीधे रिट्ज़ होटल लौटी और मिस्टर कार्टर को कुछ संक्षिप्त पत्र लिखे। यह पत्र भेजने के बाद, और टॉमी के अभी तक न लौटने पर—जिससे उसे कोई आश्चर्य नहीं हुआ—वह खरीदारी के लिए निकल पड़ी। चाय और तरह-तरह के क्रीमी केक के लिए कुछ देर रुकने के साथ, वह शाम छह बजे के बाद तक खरीदारी करती रही और होटल लौटते समय थकी हुई थी, लेकिन अपनी खरीदारी से संतुष्ट थी। एक सस्ते कपड़ों की दुकान से शुरुआत करते हुए, एक-दो सेकंड-हैंड दुकानों से गुजरते हुए, उसने अपना दिन एक प्रसिद्ध हेयरड्रेसर की दुकान पर समाप्त किया। अब, अपने बेडरूम के एकांत में, उसने अपनी आखिरी खरीदी हुई चीज़ को खोला। पाँच मिनट बाद उसने शीशे में अपनी परछाई को देखकर संतुष्टि से मुस्कुराया। एक अभिनेत्री की पेंसिल से उसने अपनी भौहों की रेखा को

थोड़ा सा बदला था, और ऊपर के सुनहरे बालों की नई घनी वृद्धि के साथ, इसने उसके रूप को इस तरह बदल दिया था कि उसे विश्वास था कि अगर वह व्हिटिंगटन के सामने भी आ जाए तो वह उसे पहचान नहीं पाएगा। वह अपने जूतों में लिफ्ट लगाती थी, और टोपी और एप्रन तो और भी कारगर भेष बदलने का काम करते थे। अस्पताल के अनुभव से वह अच्छी तरह जानती थी कि वर्दी के बिना नर्स को अक्सर उसके मरीज़ पहचान नहीं पाते।

"हाँ," टप्पेन्स ने शीशे में दिख रहे अपने चंचल प्रतिबिंब की ओर सिर हिलाते हुए ज़ोर से कहा, "तुम ठीक हो।" फिर वह अपने सामान्य रूप में लौट आई।

रात का खाना अकेले ही खाया गया। टॉमी के न लौटने पर टप्पेन्स को काफी हैरानी हुई। जूलियस भी अनुपस्थित था—लेकिन लड़की के मन में इसकी व्याख्या करना आसान था। उसकी "हस्तक्षेप" गतिविधियाँ केवल लंदन तक ही सीमित नहीं थीं, और उसके अचानक प्रकट होने और गायब होने को युवा साहसी लोग दिनचर्या का हिस्सा मानते थे। यह पूरी तरह से संभव था कि जूलियस पी. हर्शाइमर अपने चचेरे भाई के लापता होने का सुराग कॉन्स्टेंटिनोपल में मिलने की आशंका में तुरंत रवाना हो गया हो। उस ऊर्जावान युवक ने स्कॉटलैंड यार्ड के कई अधिकारियों का जीवन असहनीय बना दिया था, और एडमिरल्टी की टेलीफोन पर बात करने वाली लड़कियों ने उसके परिचित "हैलो!" को पहचानना और उससे डरना सीख लिया था। उसने पेरिस में प्रीफेक्चर से तीन घंटे तक भागदौड़ की थी, और वहाँ से इस विचार के साथ लौटा था, संभवतः किसी थके हुए फ्रांसीसी अधिकारी से प्रेरित होकर, कि रहस्य का असली सुराग आयरलैंड में मिलेगा।

"मुझे लगता है वो अब तक वहाँ पहुँच गया होगा," टप्पेन्स ने सोचा। "सब ठीक है, लेकिन ये मेरे लिए बहुत उबाऊ है! मैं तो खबरों से भरी पड़ी हूँ, और बताने के लिए कोई है ही नहीं! टॉमी ने शायद तार भेजा होगा, या कुछ और। पता नहीं वो कहाँ है। खैर, जैसा कि कहते हैं, वो 'पता खो' तो नहीं सकता। ये मुझे याद दिलाता है----"

और मिस काउली अपने विचारों में खोई रह गईं और एक छोटे लड़के को बुलाया।

दस मिनट बाद वह महिला अपने बिस्तर पर आराम से लेटी हुई थी, सिगरेट पी रही थी और गार्नाबी विलियम्स के उपन्यास 'द बॉय डिटेक्टिव' को पढ़ने में मग्न थी, जिसे उसने अन्य तीन पैसे की सनसनीखेज कहानियों के साथ खरीदने के लिए भेजा था। उसे लगा, और यह सही भी था, कि अल्बर्ट के साथ आगे संबंध बनाने के तनाव से

पहले, स्थानीय रंग-रूप की अच्छी जानकारी से खुद को मजबूत करना बेहतर होगा।
सुबह श्री कार्टर की ओर से एक नोट आया:
प्रिय मिस टप्पेन्स,
आपने शानदार शुरुआत की है, और मैं आपको बधाई देता हूँ। हालाँकि, मैं आपको एक बार फिर उन जोखिमों के बारे में बताना चाहता हूँ जो आप उठा रहे हैं, खासकर यदि आप अपने बताए रास्ते पर चलते हैं। वे लोग पूरी तरह से हताश हैं और उनमें दया या करुणा का कोई अंश नहीं है। मुझे लगता है कि आप शायद खतरे को कम आंक रहे हैं, इसलिए मैं आपको फिर से चेतावनी देता हूँ कि मैं आपको किसी भी प्रकार की सुरक्षा का आश्वासन नहीं दे सकता। आपने हमें बहुमूल्य जानकारी दी है, और यदि आप अब पीछे हटने का फैसला करते हैं तो कोई भी आपको दोष नहीं देगा। खैर, निर्णय लेने से पहले इस मामले पर अच्छी तरह से विचार कर लें।
"अगर मेरी चेतावनियों के बावजूद आप इसे करने का मन बना लेते हैं, तो आपको सब कुछ व्यवस्थित मिलेगा। आप दो साल तक मिस डफरिन, द पार्सनेज, ल्लैनेली में रह चुके हैं, और श्रीमती वैंडमेयर उनसे सिफारिश के लिए आवेदन कर सकती हैं।"
क्या मैं आपको एक-दो सलाह दे सकता हूँ? यथासंभव सच के करीब रहें—इससे गलतियों की संभावना कम हो जाती है। मेरा सुझाव है कि आप खुद को वैसे ही पेश करें जैसे आप हैं, एक पूर्व वी.ए.डी. (वयोवृद्ध घरेलू सहायक) जिसने घरेलू सेवा को अपना पेशा चुना है। आजकल ऐसे बहुत से लोग हैं। इससे आपकी आवाज़ या व्यवहार में किसी भी तरह की असंगति दूर हो जाएगी, जिससे संदेह पैदा हो सकता है।
आप जो भी फैसला लें, आपको शुभकामनाएं।
"आपका सच्चा मित्र,
"श्रीमान कार्टर।"
टप्पेन्स का मनोबल अचानक बढ़ गया। श्री कार्टर की चेतावनियों को उसने अनसुना कर दिया। उस युवती को अपने आप पर इतना अधिक भरोसा था कि उसने उन चेतावनियों पर ध्यान ही नहीं दिया।
कुछ अनिच्छा के साथ उसने अपने लिए तय की गई दिलचस्प भूमिका को छोड़ दिया। हालाँकि उसे अपनी किसी भी भूमिका को अनिश्चित काल तक निभाने की क्षमता पर कोई संदेह नहीं था, फिर भी उसमें इतनी समझदारी थी कि वह श्री कार्टर के तर्कों की

शक्ति को नकार न सके।
टॉमी की तरफ से अभी भी कोई खबर या संदेश नहीं आया था, लेकिन सुबह की डाक में एक थोड़ा गंदा सा पोस्टकार्ड आया जिस पर "सब ठीक है" लिखा हुआ था।
साढ़े दस बजे, टप्पेन्स ने गर्व से अपने नए सामान से भरे थोड़े जर्जर टिन के बक्से को देखा। उस पर कलात्मक ढंग से रस्सियाँ बंधी हुई थीं। हल्के से शर्माते हुए उसने घंटी बजाई और उसे टैक्सी में रखने का आदेश दिया। वह पैडिंगटन के लिए रवाना हुई और बक्सा क्लोकरूम में छोड़ दिया। फिर वह अपना हैंडबैग लेकर महिलाओं के प्रतीक्षालय में चली गई। दस मिनट बाद, एक बदली हुई टप्पेन्स शालीनता से स्टेशन से बाहर निकली और एक बस में चढ़ गई।
ग्यारह बजकर कुछ मिनट ही हुए थे जब टप्पेन्स ने साउथ ऑडली मेंशन के हॉल में दोबारा प्रवेश किया। अल्बर्ट चौकन्ना था और कुछ बेपरवाही से अपने कर्तव्यों का पालन कर रहा था। उसने टप्पेन्स को तुरंत नहीं पहचाना। लेकिन जब उसने पहचाना, तो उसकी प्रशंसा की कोई सीमा नहीं थी।
"काश मैं तुम्हें पहले से जानता होता! वह सेटअप तो एकदम शानदार है।"
"अल्बर्ट, मुझे खुशी है कि आपको यह पसंद आया," टप्पेन्स ने विनम्रता से उत्तर दिया। "वैसे, क्या मैं आपकी चचेरी बहन हूँ या नहीं?"
"तुम्हारी आवाज़ भी!" लड़के ने खुशी से चिल्लाते हुए कहा। "यह तो बिलकुल अंग्रेज़ी जैसी है!" नहीं, मैंने कहा क्योंकि मेरी एक दोस्त एक युवती को जानती थी। ऐनी ज़्यादा खुश नहीं हुई। उसने आज तक रुकने का फैसला किया है - उसने कहा, "मुआवजा देने के लिए, लेकिन असल में वह तुम्हें यहाँ से बेइज्ज़त करना चाहती है।"
"अच्छी लड़की है," टप्पेन्स ने कहा।
अल्बर्ट को व्यंग्य का कोई संदेह नहीं था।
"उसका पहनावा बहुत ही सलीकेदार है, और वह अपने चांदी के गहनों को बड़े सलीके से रखती है—लेकिन, सच में, उसका गुस्सा बहुत तेज है। क्या आप अब ऊपर जा रही हैं, महोदया? लिफ्ट के अंदर आइए। आपने नंबर 20 कहा था?" और उसने आँख मारी।
टप्पेन्स ने उसे एक तीखी नजर से शांत किया और अंदर चली गई।
जैसे ही उसने 20 नंबर के कमरे की घंटी बजाई, उसे इस बात का एहसास हुआ कि अल्बर्ट की आंखें धीरे-धीरे फर्श के स्तर से नीचे उतर रही हैं।

एक होशियार युवती ने दरवाजा खोला।
"मैं इस जगह के आसपास आया हूँ," टप्पेन्स ने कहा।
"ये बहुत ही घटिया जगह है," उस युवती ने बिना झिझक के कहा। "ये एक आवारा बिल्ली की तरह है—हमेशा दखल देती रहती है। मुझ पर उसके पत्रों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया। मुझ पर! वैसे भी ढक्कन आधा खुला हुआ था। कूड़ेदान में कभी कुछ नहीं होता—वो सब कुछ जला देती है। ये एक बदमाश औरत है, बस यही है। शानदार कपड़े पहनती है, पर कोई तमीज़ नहीं। रसोइया उसके बारे में कुछ जानती है —पर वो बताती नहीं—उससे बहुत डरती है। और शक भी करती है! अगर तुमने किसी से ज़रा सी भी बात की तो वो पल भर में तुम पर नज़र रख लेगी। मैं तुम्हें बता सकती हूँ—"
लेकिन एनी इससे ज्यादा क्या बता सकती थी, यह टप्पेन्स को कभी पता नहीं चल पाएगा, क्योंकि उसी क्षण एक स्पष्ट, विशिष्ट रूप से दृढ़ स्वर वाली आवाज ने पुकारा:
"एनी!"
वह होशियार युवती ऐसे उछल पड़ी जैसे उसे गोली लग गई हो।
"हां मैम।"
"आप बात करने वाले कौन होते हो?"
"मैडम, इस स्थिति के बारे में एक युवती बात कर रही है।"
"तो उसे अंदर आने दो। तुरंत।"
"हां मैम।"
टप्पेन्स को लंबे गलियारे के दाहिनी ओर स्थित एक कमरे में ले जाया गया। चिमनी के पास एक महिला खड़ी थी। वह अब अपनी जवानी के दौर से गुज़र चुकी थी, और उसकी निःसंदेह सुंदरता अब कठोर और खुरदरी हो गई थी। जवानी में वह बेहद आकर्षक रही होगी। उसके हल्के सुनहरे बाल, जिनमें थोड़ी सी कलात्मकता का स्पर्श था, गर्दन तक घुंघराले थे, उसकी तीक्ष्ण नीली आँखें मानो सामने वाले की आत्मा में उतर जाने की क्षमता रखती थीं। नीले रंग के खूबसूरत गाउन ने उसके आकर्षक शरीर की शोभा और बढ़ा दी थी। फिर भी, उसकी मोहक अदाओं और चेहरे की लगभग अलौकिक सुंदरता के बावजूद, सहज रूप से कुछ कठोर और भयावहता का आभास होता था, एक प्रकार की धातु जैसी ताकत जो उसकी आवाज़ के लहजे और उसकी तीखी आँखों में झलकती थी।

पहली बार टप्पेन्स को डर लगा। उसे व्हिटिंगटन से डर नहीं लगा था, लेकिन यह औरत अलग थी। मानो मोहित होकर, वह लाल घुमावदार होंठों की लंबी, क्रूर रेखा को देखती रही, और एक बार फिर उसे घबराहट महसूस हुई। उसका हमेशा वाला आत्मविश्वास गायब हो गया। उसे धुंधला सा एहसास हुआ कि इस औरत को धोखा देना व्हिटिंगटन को धोखा देने से बहुत अलग होगा। मिस्टर कार्टर की चेतावनी उसके दिमाग में गूंज उठी। यहाँ, सचमुच, उसे किसी दया की उम्मीद नहीं करनी चाहिए थी। घबराहट की उस सहज प्रवृत्ति को दबाते हुए, जो उसे बिना देरी किए पीछे मुड़कर भागने के लिए उकसा रही थी, टप्पेन्स ने दृढ़ता और सम्मानपूर्वक उस महिला की ओर देखा।

जैसे कि पहली जांच संतोषजनक रही हो, श्रीमती वैंडमेयर ने एक कुर्सी की ओर इशारा किया।

"आप बैठ जाइए। आपको कैसे पता चला कि मुझे घर की नौकरानी चाहिए?"

"एक दोस्त के ज़रिए पता चला जो यहाँ के लिफ्ट बॉय को जानता है। उसे लगा कि यह जगह मेरे लिए ठीक रहेगी।"

एक बार फिर, बेसिलिस्क की वह तीखी नजर उसे भेदती हुई प्रतीत हुई।

"तुम एक पढ़ी-लिखी लड़की की तरह बोलती हो?"

बड़ी सहजता से, टप्पेन्स ने श्री कार्टर द्वारा सुझाए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार अपने काल्पनिक करियर की रूपरेखा तैयार की। ऐसा करते समय उसे ऐसा लगा कि श्रीमती वैंडमेयर के रवैये का तनाव कुछ कम हो गया है।

"ठीक है," उसने कुछ देर बाद कहा। "क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जिसे मैं सिफारिश के लिए लिख सकूँ?"

"मैं आखिरी बार मिस डफरिन के साथ द पार्सनेज, ल्लैनेली में रहता था। मैं उनके साथ दो साल रहा।"

"तो फिर आपने सोचा कि लंदन आकर आपको ज़्यादा पैसे मिलेंगे, है ना? खैर, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं आपको 50-60 पाउंड दे दूंगा, जितना आप चाहें। आप अभी आ सकते हैं?"

"जी महोदया। आज ही, अगर आप चाहें तो। मेरा बॉक्स पैडिंगटन में है।"

"तो जाओ और टैक्सी से ले आओ। यह आसान जगह है। मेरा तो काफी नुकसान हो गया। वैसे, तुम्हारा नाम क्या है?"

"प्रूडेंस कूपर, महोदया।"
"बहुत खूब, प्रूडेंस। जाओ और अपना डिब्बा ले आओ। मैं दोपहर का खाना खाने जा रहा हूँ। रसोइया तुम्हें सब कुछ बता देगा।"
"धन्यवाद मोहतरमा।"
टप्पेन्स पीछे हट गई। चतुर एनी का कोई अता-पता नहीं था। नीचे हॉल में एक शानदार हॉल पोर्टर ने अल्बर्ट को पृष्ठभूमि में धकेल दिया था। टप्पेन्स ने उसकी ओर एक नज़र भी नहीं डाली और विनम्रता से बाहर निकल गई।
रोमांच की शुरुआत हो चुकी थी, लेकिन सुबह की तुलना में अब वह उतनी उत्साहित नहीं थी। उसके मन में यह ख्याल आया कि अगर अनजान जेन फिन श्रीमती वैंडमेयर के हाथों में पड़ जाती, तो शायद उसके साथ बहुत बुरा बर्ताव होता।

अध्याय X. सर जेम्स पील एडगरटन का प्रवेश

टप्पेन्स ने अपनी नई जिम्मेदारियों में ज़रा भी असहजता नहीं दिखाई। आर्चडीकन की बेटियाँ घरेलू कामों में अच्छी तरह से पारंगत थीं। वे अनुभवहीन लड़कियों को प्रशिक्षित करने में भी माहिर थीं, जिसका स्वाभाविक परिणाम यह होता था कि प्रशिक्षित होने के बाद, अनुभवहीन लड़कियाँ कहीं और चली जाती थीं जहाँ उनके नए ज्ञान के कारण उन्हें आर्चडीकन के सीमित बजट से कहीं अधिक वेतन मिलता था। इसलिए टप्पेन्स को अपनी अक्षमता का ज़रा भी डर नहीं था। श्रीमती वैंडमेयर की रसोइया उसे उलझन में डाल रही थी। ज़ाहिर तौर पर वह अपनी मालकिन से बहुत डरती थी। लड़की को लगा कि शायद उस दूसरी औरत का उस पर कुछ असर था। बाकी, वह एक माहिर शेफ की तरह खाना बनाती थी, जैसा कि टप्पेन्स को उस शाम देखने का मौका मिला। श्रीमती वैंडमेयर रात के खाने पर एक मेहमान के आने की उम्मीद कर रही थीं, और टप्पेन्स ने उसी के अनुसार दो लोगों के लिए खूबसूरती से सजी हुई मेज लगाई। वह इस मेहमान को लेकर मन ही मन थोड़ी परेशान थी। बहुत मुमकिन था कि वह व्हिटिंगटन हो। हालाँकि उसे पूरा भरोसा था कि वह उसे पहचान नहीं पाएगा, फिर भी अगर मेहमान कोई अजनबी होता तो उसे ज़्यादा खुशी होती। खैर, अब बस यही उम्मीद करने के अलावा कोई चारा नहीं था कि सब ठीक हो।
आठ बजकर कुछ मिनट पर सामने के दरवाजे की घंटी बजी, और टप्पेन्स कुछ घबराहट के साथ दरवाजा खोलने गई। उसे यह देखकर राहत मिली कि आने वाला

व्यक्ति उन दो आदमियों में से दूसरा था जिनका पीछा करने का जिम्मा टॉमी ने अपने ऊपर लिया था।
उन्होंने अपना नाम काउंट स्टेपनोव बताया। टप्पेन्स ने उनका नाम पुकारा, और श्रीमती वैंडमेयर खुशी से फुसफुसाते हुए एक नीची सोफे पर अपनी सीट से उठ खड़ी हुईं।
उन्होंने कहा, "आपको देखकर बहुत खुशी हुई, बोरिस इवानोविच।"
"और आप, महोदया!" उसने उनके हाथ पर झुककर प्रणाम किया।
टप्पेन्स रसोई में लौट गई।
"काउंट स्टेपनोव, या कुछ ऐसा ही," उसने कहा, और स्पष्ट और बेबाक जिज्ञासा का भाव दिखाते हुए पूछा: "वह कौन है?"
"मुझे लगता है कि वह एक रूसी सज्जन हैं।"
"क्या तुम यहाँ अक्सर आते हो?"
"कभी-कभार। आप किसलिए जानना चाहते हैं?"
"बस मुझे लगा कि वो मेरी पत्नी को पसंद करता होगा," लड़की ने समझाया और रूठते हुए बोली, "तुमने कैसे किसी की बात मान ली!"
"सौफ़्ले को लेकर मेरा मन पूरी तरह से संतुष्ट नहीं है," दूसरे व्यक्ति ने समझाया।
"कुछ तो बात है," टप्पेन्स ने मन ही मन सोचा, लेकिन ज़ोर से उसने केवल इतना कहा: "अब परोसने जा रही हो? ठीक है।"
टेबल पर इंतज़ार करते हुए, टप्पेन्स ने कही गई हर बात को ध्यान से सुना। उसे याद आया कि यह उन आदमियों में से एक था जिनका टॉमी पीछा कर रहा था जब उसने उसे आखिरी बार देखा था। हालाँकि वह शायद ही यह बात मानती, लेकिन वह अपने साथी को लेकर बेचैन होने लगी थी। वह कहाँ था? उसकी तरफ से कोई खबर क्यों नहीं आई थी? रिट्ज़ होटल छोड़ने से पहले उसने सभी चिट्ठियों या संदेशों को एक विशेष संदेशवाहक के ज़रिए पास की एक छोटी सी स्टेशनरी की दुकान पर तुरंत भेजने का इंतज़ाम किया था, जहाँ अल्बर्ट अक्सर जाया करता था। सच है, कल सुबह ही तो उसकी टॉमी से विदाई हुई थी, और उसने खुद को समझाया कि उसकी तरफ से कोई भी चिंता करना बेतुका होगा। फिर भी, यह अजीब था कि उसने किसी भी तरह की कोई खबर नहीं भेजी थी।
लेकिन, चाहे वह कितना भी ध्यान से सुनती, बातचीत से कोई सुराग नहीं मिला। बोरिस और श्रीमती वैंडमेयर बिल्कुल उदासीन विषयों पर बात कर रहे थे: देखे गए

नाटक, नए नृत्य और समाज की ताज़ा गपशप। रात के खाने के बाद वे छोटे से बेडरूम में चले गए जहाँ श्रीमती वैंडमेयर सोफे पर लेटी हुई पहले से कहीं अधिक आकर्षक लग रही थीं। टप्पेन्स कॉफी और शराब लेकर आई और अनिच्छा से एक तरफ चली गई। ऐसा करते हुए उसने बोरिस को यह कहते सुना:

"नई है ना?"

"वह आज आई थी। दूसरी वाली तो बिल्कुल शैतान थी। यह लड़की ठीक लग रही है। वह अच्छे से इंतजार करती है।"

टप्पेन्स उस दरवाजे के पास थोड़ी देर और रुकी रही जिसे उसने जानबूझकर बंद करना भूल गई थी, और उसने उसे यह कहते हुए सुना:

"काफी सुरक्षित है, मुझे लगता है?"

"सच में, बोरिस, तुम हद से ज़्यादा शंकालु हो। मुझे लगता है कि वह हॉल पोर्टर की चचेरी बहन है, या कुछ इसी तरह की। और किसी को सपने में भी नहीं लगता कि मेरा हमारे साझा मित्र, मिस्टर ब्राउन से कोई संबंध है।"

"भगवान के लिए, सावधान रहो, रीटा। वह दरवाजा बंद नहीं है।"

"तो फिर चुप रहो," महिला हंसते हुए बोली।

टप्पेन्स तुरंत वहां से चली गई।

वह अब और देर तक पीछे के कमरे से बाहर रहने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी, लेकिन उसने अस्पताल में सीखी हुई तेज़ साँसों के साथ सफाई की और हाथ-मुँह धोए। फिर वह चुपचाप बेडरूम के दरवाजे की ओर लौट गई। रसोइया, जो ज़्यादा आराम से काम कर रही थी, अभी भी रसोई में व्यस्त थी और अगर वह उसे नहीं देख पाती, तो वह यही सोचती कि वह बिस्तर ठीक कर रही होगी।

अफसोस! अंदर की बातचीत इतनी धीमी आवाज़ में हो रही थी कि उसे कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा था। उसने दरवाज़ा दोबारा खोलने की हिम्मत नहीं की, चाहे कितनी भी धीरे से क्यों न खोला हो। श्रीमती वैंडमेयर लगभग दरवाज़े के सामने बैठी थीं, और टप्पेन्स अपनी मालकिन की पैनी नज़र का सम्मान करती थी।

फिर भी, उसे लगा कि वह अंदर चल रही बातों को सुनने के लिए कुछ भी देने को तैयार है। शायद, अगर कोई अनहोनी हो गई हो, तो उसे टॉमी की खबर मिल जाए। कुछ पल तक वह बेचैनी से सोचती रही, फिर उसका चेहरा खिल उठा। वह तेज़ी से गलियारे से होते हुए श्रीमती वैंडमेयर के शयनकक्ष की ओर गई, जिसमें लंबी फ्रेंच

खिड़कियाँ थीं जो फ्लैट की पूरी लंबाई में फैली बालकनी की ओर खुलती थीं।
खिड़की से जल्दी से अंदर घुसकर, टप्पेन्स चुपचाप रेंगती हुई शयनकक्ष की खिड़की तक पहुँच गई। जैसा उसने सोचा था, वह थोड़ी खुली हुई थी, और अंदर की आवाज़ें साफ़ सुनाई दे रही थीं।
टप्पेन्स ने ध्यान से सुना, लेकिन ऐसी कोई बात नहीं हुई जिसे तोड़-मरोड़कर टॉमी पर लागू किया जा सके। श्रीमती वैंडमेयर और रूसी महिला किसी बात पर आपस में असहमत लग रही थीं, और अंत में रूसी महिला ने कड़वाहट से कहा:
"तुम्हारी इस निरंतर लापरवाही से अंततः हमारा विनाश हो जाएगा!"
"वाह!" महिला हंस पड़ी। "सही तरह की बदनामी संदेह को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है। आपको एक दिन इसका एहसास जरूर होगा—शायद आपकी सोच से भी जल्दी!"
"इस बीच, आप पील एडगर्टन के साथ हर जगह घूम रहे हैं। वह न केवल शायद इंग्लैंड के सबसे प्रसिद्ध के.सी. हैं, बल्कि उनका विशेष शौक अपराध विज्ञान है! यह तो पागलपन है!"
श्रीमती वैंडमेयर ने शांत भाव से कहा, "मैं जानती हूँ कि उनकी वाक्पटुता ने अनगिनत लोगों को फाँसी से बचाया है। इसमें क्या बुराई है? हो सकता है मुझे भी कभी इस मामले में उनकी सहायता की आवश्यकता पड़े। यदि ऐसा हुआ, तो दरबार में ऐसा मित्र पाकर मैं कितनी भाग्यशाली हूँगी—या शायद यह कहना अधिक उचित होगा कि दरबार के भीतर ऐसा मित्र पाकर मैं और भी खुश हो जाऊँगी।"
बोरिस उठा और इधर-उधर टहलने लगा। वह बहुत उत्साहित था।
"रीटा, तुम एक चतुर महिला हो; लेकिन तुम मूर्ख भी हो! मेरी सलाह मानो और पील एडगर्टन का विचार छोड़ दो।"
श्रीमती वैंडमेयर ने धीरे से अपना सिर हिलाया।
मुझे नहीं लगता।
"तुम इनकार करते हो?" रूसी की आवाज में एक कुरूपता झलक रही थी।
"मैं करता हूं।"
"तो फिर, भगवान की कसम," रूसी ने गुर्राते हुए कहा, "हम देखेंगे----" लेकिन श्रीमती वैंडमेयर भी खड़ी हो गईं, उनकी आँखें गुस्से से चमक रही थीं।
"तुम भूल गए, बोरिस," उसने कहा। "मैं किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हूँ। मैं केवल श्री

ब्राउन से ही आदेश लेती हूँ।"
दूसरे ने हताशा में अपने हाथ ऊपर उठा लिए।
"तुम तो नामुमकिन हो," उसने बुदबुदाते हुए कहा। "नामुमकिन! शायद अब बहुत देर हो चुकी है। कहते हैं पील एडगर्टन अपराधी को सूंघ लेता है! हमें कैसे पता चलेगा कि तुम्हारे प्रति उसकी अचानक दिलचस्पी के पीछे क्या वजह है? शायद अब भी उसे शक हो रहा है। वो अंदाज़ा लगा रहा है----"
श्रीमती वैंडमेयर ने उसे तिरस्कार भरी निगाहों से देखा।
"अपने आप को आश्वस्त कर लो, मेरे प्यारे बोरिस। उसे कुछ भी शक नहीं है। अपनी सामान्य शिष्टता से कमतर व्यवहार करते हुए, तुम यह भूल गए हो कि मुझे आमतौर पर एक खूबसूरत महिला माना जाता है। मैं तुम्हें विश्वास दिलाती हूँ कि पील एडगर्टन को बस इसी बात में दिलचस्पी है।"
बोरिस ने संदेह से अपना सिर हिलाया।
"उन्होंने अपराध का इतना गहन अध्ययन किया है जितना इस राज्य में किसी और ने नहीं किया। क्या आपको लगता है कि आप उन्हें धोखा दे सकते हैं?"
श्रीमती वैंडमेयर की आंखें सिकुड़ गईं।
"अगर वो वाकई वैसा ही है जैसा आप कह रहे हैं—तो मुझे उसे आजमा कर देखना मजेदार लगेगा!"
हे भगवान, रीटा----
"इसके अलावा," श्रीमती वैंडमेयर ने आगे कहा, "वह बेहद अमीर है। मैं पैसे को तुच्छ नहीं समझती। 'युद्ध की ताकत', आप जानते हैं, बोरिस!"
"पैसा—पैसा! यही तो तुम्हारे साथ हमेशा खतरा रहता है, रीटा। मुझे लगता है कि तुम पैसों के लिए अपनी आत्मा भी बेच दोगी। मुझे लगता है—" वह रुका, फिर धीमी, भयावह आवाज़ में धीरे-धीरे बोला: "कभी-कभी मुझे लगता है कि तुम हमें भी बेच दोगी!"
श्रीमती वैंडमेयर मुस्कुराईं और उन्होंने अपने कंधे उचका दिए।
"कीमत तो किसी भी हालत में बहुत ज़्यादा होगी," उसने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा। "इसे चुकाना किसी करोड़पति के सिवा किसी के बस की बात नहीं होगी।"
"आह!" रूसी ने गुस्से से कहा। "देखो, मैं सही था!"
"मेरे प्यारे बोरिस, क्या तुम मजाक भी नहीं समझ सकते?"

"क्या यह मजाक था?"
"बिल्कुल।"
"तो मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि हास्य के प्रति आपके विचार विचित्र हैं, मेरी प्यारी रीटा।"
श्रीमती वैंडमेयर मुस्कुराईं।
"बोरिस, झगड़ा मत करो। घंटी बजाओ। हम कुछ ड्रिंक्स लेंगे।"
टप्पेन्स ने जल्दी से पीछे हट गई। उसने श्रीमती वैंडमेयर के लंबे शीशे में खुद को देखने के लिए एक पल का विराम लिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसकी शक्ल-सूरत में कोई कमी नहीं है। फिर उसने विनम्रता से घंटी का जवाब दिया।
जो बातचीत उसने छुपकर सुनी थी, वह दिलचस्प तो थी क्योंकि उससे रीटा और बोरिस दोनों की मिलीभगत निर्विवाद रूप से साबित हो गई थी, लेकिन उससे वर्तमान चिंताओं पर बहुत कम प्रकाश पड़ा। जेन फिन का नाम तक नहीं लिया गया था।
अगली सुबह अल्बर्ट से हुई संक्षिप्त बातचीत से उसे पता चला कि स्टेशनरी की दुकान पर उसका कुछ भी इंतज़ार नहीं कर रहा था। यह बात अविश्वसनीय लग रही थी कि अगर टॉमी ठीक था, तो उसने उसे कोई संदेश क्यों नहीं भेजा। मानो उसका दिल ठंडे हाथों से जकड़ लिया गया हो... उसने अपने डर को हिम्मत से दबा लिया। चिंता करने का कोई फायदा नहीं था। लेकिन उसने श्रीमती वैंडमेयर द्वारा दिए गए अवसर को तुरंत स्वीकार कर लिया।
"प्रूडेंस, तुम आमतौर पर किस दिन बाहर जाती हो?"
"शुक्रवार मेरा सामान्य दिन है, महोदया।"
श्रीमती वैंडमेयर ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
"और आज शुक्रवार है! लेकिन मुझे लगता है कि आप आज बाहर जाना नहीं चाहेंगे, क्योंकि आप कल ही तो आए थे।"
"मैं आपसे पूछने की सोच रहा था कि क्या मैं ऐसा कर सकता हूँ, महोदया।"
श्रीमती वैंडमेयर ने एक मिनट और उसे देखा, और फिर मुस्कुराईं।
"काश काउंट स्टेपानोव आपकी बात सुन पाते। उन्होंने कल रात आपके बारे में कुछ कहा था।" उनकी मुस्कान बिल्ली जैसी चौड़ी हो गई। "आपका अनुरोध बिल्कुल—आमतौर पर जैसा होता है—वैसा ही है। मैं संतुष्ट हूँ। आप यह सब नहीं समझते—लेकिन आप आज बाहर जा सकते हैं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि मैं घर पर

खाना नहीं खाऊँगी।"
"धन्यवाद मोहतरमा।"
उस महिला की मौजूदगी से दूर होते ही टप्पेन्स को राहत का एहसास हुआ। उसने एक बार फिर खुद से स्वीकार किया कि वह उस खूबसूरत औरत से, जिसकी आंखें क्रूर थीं, बुरी तरह डरी हुई थी।
अपने चांदी के बर्तनों को अंतिम रूप से चमकाते समय, टप्पेन्स को सामने के दरवाजे की घंटी की आवाज से बेचैनी हुई और वह दरवाजा खोलने गई। इस बार आने वाला व्यक्ति न तो व्हिटिंगटन था और न ही बोरिस, बल्कि एक आकर्षक व्यक्तित्व वाला व्यक्ति था।
औसत से थोड़ा ही अधिक कद होने के बावजूद, वह एक विशालकाय व्यक्ति का आभास देता था। उसका साफ-सुथरा और भावहीन चेहरा, सामान्य से कहीं अधिक शक्ति और सामर्थ्य का भाव लिए हुए था। मानो उससे एक चुंबकीय आकर्षण निकलता था।
टप्पेन्स उस समय असमंजस में थी कि उसे अभिनेता के रूप में दर्ज करे या वकील के रूप में, लेकिन उसकी शंकाएं जल्द ही दूर हो गईं जब उसने उसे अपना नाम बताया: सर जेम्स पील एडगर्टन।
उसने नए सिरे से दिलचस्पी से उसकी ओर देखा। ये वही मशहूर के.सी. थे जिनका नाम पूरे इंग्लैंड में जाना जाता था। उसने सुना था कि वे एक दिन प्रधानमंत्री बन सकते हैं। वे अपने पेशे के हित में पद ठुकरा चुके थे और स्कॉटलैंड के एक निर्वाचन क्षेत्र से साधारण सांसद बने रहना पसंद करते थे।
टप्पेन्स सोच-विचार करते हुए अपनी पेंट्री में लौट गई। उस महान व्यक्ति ने उसे प्रभावित किया था। वह बोरिस की बेचैनी समझ गई थी। पील एडगर्टन को धोखा देना आसान नहीं होगा।
लगभग पंद्रह मिनट बाद घंटी बजी और टप्पेन्स आगंतुक को बाहर छोड़ने के लिए हॉल की ओर चल पड़ी। इससे पहले उसने उसे तीखी निगाहों से देखा था। अब, जब उसने उसे उसकी टोपी और छड़ी सौंपी, तो उसे एहसास हुआ कि उसकी निगाहें उसे घूर रही हैं। जैसे ही उसने दरवाजा खोला और उसे बाहर जाने देने के लिए एक तरफ हटी, वह दरवाजे पर ही रुक गया।
"ऐसा करते हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है, है ना?"

टप्पेन्स ने हैरानी से अपनी आँखें ऊपर उठाईं। उसने उसकी नज़र में दयालुता के साथ-साथ कुछ और भी देखा जिसे समझना मुश्किल था।
उसने सिर हिलाया मानो उसने जवाब दे दिया हो।
"शायद V.A.D. और तंगहाली है?"
"क्या श्रीमती वैंडमेयर ने आपको यह बताया था?" टप्पेन्स ने संदेह से पूछा।
"नहीं, बच्चे। तुम्हारे चेहरे के हाव-भाव से ही मुझे पता चल गया। क्या यह जगह अच्छी है?"
"बहुत बढ़िया, धन्यवाद महोदय।"
"लेकिन आजकल अच्छी जगहें तो बहुत हैं। और कभी-कभी बदलाव से कोई नुकसान नहीं होता।"
"क्या आपका मतलब---- है?" टप्पेन्स ने पूछना शुरू किया।
लेकिन सर जेम्स पहले ही सबसे ऊपरी सीढ़ी पर पहुँच चुके थे। उन्होंने अपनी दयालु और चतुर दृष्टि से पीछे मुड़कर देखा।
"बस एक इशारा," उसने कहा। "बस इतना ही।"
टप्पेन्स पहले से कहीं अधिक सोच-विचार करते हुए पेंट्री में वापस गई।

अध्याय **XI.** जूलियस एक कहानी सुनाता है

उचित पोशाक पहनकर, टप्पेन्स अपनी "दोपहर की सैर" के लिए निकल पड़ी। अल्बर्ट फिलहाल कहीं नहीं जा रहा था, लेकिन टप्पेन्स खुद स्टेशनरी की दुकान पर यह सुनिश्चित करने गई कि उसके लिए कुछ आया तो नहीं है। इस बात से संतुष्ट होकर वह रिट्ज़ होटल की ओर चल पड़ी। पूछताछ करने पर उसे पता चला कि टॉमी अभी तक नहीं लौटा है। यही जवाब उसे अपेक्षित था, लेकिन इससे उसकी उम्मीदों पर एक और चोट लग गई। उसने श्री कार्टर से अपील करने का निश्चय किया, उन्हें बताया कि टॉमी कब और कहाँ से अपनी खोज पर निकला है, और उनसे उसे ढूंढने के लिए कुछ करने का अनुरोध किया। उनकी मदद की उम्मीद ने उसके चंचल मन को फिर से जगा दिया, और उसने जूलियस हर्शाइमर के बारे में पूछताछ की। उसे जो जवाब मिला, वह यह था कि वह लगभग आधे घंटे पहले लौटा था, लेकिन तुरंत बाहर चला गया था। टप्पेन्स का मनोबल और भी बढ़ गया। जूलियस से मिलना वाकई दिलचस्प होगा।

शायद वह टॉमी के बारे में पता लगाने का कोई तरीका निकाल सके। उसने जूलियस के बैठक कक्ष में श्री कार्टर के लिए अपना पत्र लिखा और लिफाफे पर पता लिख ही रही थी कि दरवाजा ज़ोर से खुल गया।

"ये क्या बकवास है----" जूलियस ने कहना शुरू किया, लेकिन अचानक रुक गया।

"माफ़ कीजिए, मिस टप्पेन्स। दफ्तर में बैठे उन बेवकूफों का कहना है कि बेरेसफोर्ड अब यहाँ नहीं है—बुधवार से ही नहीं आया है। क्या सच में ऐसा है?"

टप्पेन्स ने सिर हिलाया।

"तुम्हें नहीं पता कि वह कहाँ है?" उसने धीमी आवाज़ में पूछा।

"मैं? मुझे कैसे पता चलेगा? मैंने कल सुबह उसे तार भेजा था, फिर भी मुझे उससे एक शब्द भी नहीं मिला।"

मुझे उम्मीद है कि आपका तार अभी भी कार्यालय में बिना खोला हुआ है।

"लेकिन वह कहाँ है?"

मुझे नहीं पता। मुझे उम्मीद थी कि शायद आपको पता हो।

"मैं आपको बता दूं कि बुधवार को डिपो पर हमसे विदा होने के बाद से मुझे उससे एक शब्द भी सुनने को नहीं मिला है।"

"कौन सा डिपो?"

"वाटरलू। आपका लंदन और साउथ वेस्टर्न रोड।"

"वाटरलू?" टप्पेन्स ने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा।

"जी हां, बिल्कुल। क्या उसने आपको नहीं बताया?"

"मैंने भी उसे नहीं देखा," टप्पेन्स ने अधीरता से जवाब दिया। "वॉटरलू के बारे में बताओ। तुम वहाँ क्या कर रहे थे?"

"उसने मुझे फोन किया। फोन पर। उसने मुझे जल्दी करने और भागदौड़ करने को कहा। उसने कहा कि वह दो बदमाशों का पीछा कर रहा है।"

"ओह!" टप्पेन्स ने आंखें खोलते हुए कहा। "मैं समझ गई। आगे बताओ।"

"मैं तुरंत भागा। बेरेसफोर्ड वहीं था। उसने बदमाशों की ओर इशारा किया। सबसे बड़ा बदमाश मेरा था, वही जिसे तुमने धोखा दिया था। टॉमी ने मेरे हाथ में एक टिकट थमा दिया और मुझे डिब्बों में चढ़ने को कहा। वह दूसरे बदमाश की जासूसी करने जा रहा था।" जूलियस रुका। "मुझे पूरा यकीन था कि तुम्हें यह सब पता होगा।"

"जूलियस," टप्पेन्स ने दृढ़ता से कहा, "इधर-उधर चलना बंद करो। इससे मुझे चक्कर

आने लगते हैं। उस कुर्सी पर बैठ जाओ और मुझे पूरी कहानी कम से कम जटिल शब्दों में सुनाओ।"
श्री हर्शाइमर ने आज्ञा का पालन किया।
"ज़रूर," उसने कहा। "मैं कहाँ से शुरू करूँ?"
"जहाँ आपने छोड़ा था। वाटरलू में।"
“खैर,” जूलियस ने कहना शुरू किया, “मैं आपके प्यारे पुराने ज़माने के ब्रिटिश प्रथम श्रेणी के डिब्बों में से एक में चढ़ गया। ट्रेन अभी-अभी चली थी। देखते ही देखते एक गार्ड आया और उसने मुझे बड़े ही विनम्रता से बताया कि मैं धूम्रपान वाले डिब्बे में नहीं हूँ। मैंने उसे आधा डॉलर दे दिया और बात वहीं खत्म हो गई। मैंने गलियारे में अगले डिब्बे की ओर थोड़ा छानबीन की। व्हिटिंगटन वहीं था। जब मैंने उस बदबूदार जानवर को उसके बड़े, चिकने, मोटे चेहरे के साथ देखा और उसके चंगुल में फंसी बेचारी छोटी जेन के बारे में सोचा, तो मुझे बहुत गुस्सा आया कि मेरे पास बंदूक क्यों नहीं थी। मैं उसे खूब छकाता।”
हम बॉर्नमाउथ ठीक-ठाक पहुँच गए। व्हिटिंगटन ने एक टैक्सी ली और एक होटल का नाम बताया। मैंने भी ऐसा ही किया, और हम एक-दूसरे के तीन मिनट के अंतराल पर वहाँ पहुँचे। उसने एक कमरा बुक किया, और मैंने भी एक। अब तक सब कुछ ठीक चल रहा था। उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि कोई उस पर नज़र रख रहा है। खैर, वह होटल के लाउंज में आराम से बैठा रहा, अखबार पढ़ता रहा वगैरह, जब तक कि खाने का समय नहीं हो गया। उसने खाने के लिए भी कोई जल्दी नहीं की।
"मुझे लगने लगा था कि इसमें कुछ भी नहीं है, वह सिर्फ अपनी सेहत के लिए इस यात्रा पर आया है, लेकिन मुझे याद आया कि उसने रात के खाने के लिए कपड़े नहीं बदले थे, हालांकि यह एक शानदार होटल में ठहरने का एक बहाना था, इसलिए यह काफी संभव लग रहा था कि वह इसके बाद अपने असली काम के लिए बाहर जाएगा।"
"हाँ, लगभग नौ बजे, उसने ऐसा ही किया। उसने कार ली और शहर के उस पार गया —वैसे, जगह बहुत सुंदर है, मुझे लगता है कि जब जेन मिल जाएगी तो मैं उसे कुछ समय के लिए वहाँ ले जाऊँगा—और फिर उसने कर्ज़ चुकाया और चट्टान के ऊपर उन चीड़ के जंगलों की ओर चल पड़ा। मैं भी वहाँ था, आप समझ रहे हैं ना। हम लगभग आधे घंटे तक चले। रास्ते भर बहुत सारे विला थे, लेकिन धीरे-धीरे वे कम होते गए,

और अंत में हम एक ऐसे विला पर पहुँचे जो शायद सबसे आखिरी था। वह एक बड़ा घर था, जिसके चारों ओर चीड़ के पेड़ों से घिरा हुआ मैदान था।"
"वह रात काफी काली थी, और घर तक जाने वाली सड़क एकदम अंधेरी थी। मैं उसे आगे सुन सकता था, हालांकि मैं उसे देख नहीं पा रहा था। मुझे सावधानी से चलना पड़ा, कहीं उसे पता न चल जाए कि कोई उसका पीछा कर रहा है। मैंने एक मोड़ लिया और ठीक समय पर मैंने उसे घंटी बजाते और घर में प्रवेश करते देखा। मैं वहीं रुक गया। बारिश शुरू हो गई थी, और मैं जल्द ही पूरी तरह भीग गया। साथ ही, बहुत ठंड भी थी।"
"व्हिटिंगटन दोबारा बाहर नहीं आया, और धीरे-धीरे मैं बेचैन हो गया और इधर-उधर घूमने लगा। भूतल की सभी खिड़कियाँ कसकर बंद थीं, लेकिन ऊपर, पहली मंजिल पर (यह दो मंजिला घर था) मैंने एक खिड़की देखी जिसमें एक बत्ती जल रही थी और पर्दे नहीं लगे थे।"
"अब, उस खिड़की के ठीक सामने एक पेड़ उग रहा था। वह घर से लगभग तीस फुट दूर था, और मेरे मन में यह ख्याल आया कि अगर मैं उस पेड़ पर चढ़ जाऊं, तो शायद मैं उस कमरे में देख पाऊंगा। बेशक, मुझे पता था कि व्हिटिंगटन के उस कमरे में होने का कोई कारण नहीं था, बल्कि और भी कम कारण था, क्योंकि शर्त यही थी कि वह नीचे के किसी रिसेप्शन रूम में होगा। लेकिन मुझे लगता है कि बारिश में इतनी देर खड़े रहने से मुझे गुस्सा आ गया था, और कुछ न करने से तो कुछ भी करना बेहतर लग रहा था। इसलिए मैं ऊपर चढ़ने लगा।"
"यह इतना आसान नहीं था, बिलकुल भी नहीं! बारिश ने डालियों को बहुत फिसलन भरा बना दिया था, और मुझे पैर जमाने के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन धीरे-धीरे मैंने किसी तरह इसे कर लिया, और आखिरकार मैं खिड़की के बराबर पहुँच गया।"
"लेकिन फिर मुझे निराशा हुई। मैं बहुत बाईं ओर था। मैं कमरे में केवल अगल-बगल ही देख पा रहा था। मेरे पास बस एक छोटा सा पर्दा और एक गज वॉलपेपर ही था। खैर, यह मेरे किसी काम का नहीं था, लेकिन जैसे ही मैं हार मानकर नीचे उतरने वाला था, अंदर किसी ने हलचल मचाई और उसकी परछाईं मेरी उस छोटी सी दीवार पर पड़ी - और हे भगवान, वह व्हिटिंगटन था!"
उसके बाद मेरा खून खौल उठा। मुझे उस कमरे में किसी भी कीमत पर झांकना था।

यह पता लगाना मेरा काम था कि कैसे। मैंने देखा कि पेड़ से एक लंबी शाखा सही दिशा में जा रही थी। अगर मैं उस पर लगभग आधी दूरी तक रेंग पाता, तो समस्या हल हो जाती। लेकिन यह बहुत अनिश्चित था कि वह मेरा वजन सह पाएगी या नहीं। मैंने तय किया कि मुझे जोखिम उठाना ही होगा, और मैं चल पड़ा। बहुत सावधानी से, इंच-इंच करके, मैं रेंगता हुआ आगे बढ़ा। शाखा बुरी तरह से चरमरा रही थी और हिल रही थी, और नीचे गिरने के बारे में सोचना भी ठीक नहीं था, लेकिन आखिरकार मैं सुरक्षित रूप से उस जगह पहुँच गया जहाँ मैं जाना चाहता था।

कमरा मध्यम आकार का था, और उसमें साफ़-सफाई का पूरा ध्यान रखा गया था। कमरे के बीच में एक मेज थी जिस पर एक लैंप रखा था, और उस मेज पर, मेरी ओर मुंह करके, व्हिटिंगटन बैठे थे। वे अस्पताल की नर्स की पोशाक पहने एक महिला से बात कर रहे थे। वह मेरी तरफ पीठ करके बैठी थी, इसलिए मैं उसका चेहरा नहीं देख पा रहा था। हालांकि पर्दे लगे थे, खिड़की बंद थी, इसलिए मैं उनकी बातों का एक शब्द भी नहीं सुन पाया। ऐसा लग रहा था कि व्हिटिंगटन ही सारी बातें कर रहे थे, और नर्स बस सुन रही थी। कभी-कभी वह सिर हिलाती थी, और कभी-कभी अपना सिर हिलाकर मना करती थी, मानो सवालों के जवाब दे रही हो। वे बहुत ज़ोर देकर बोल रहे थे - एक-दो बार उन्होंने मुट्ठी से मेज पर मारा। अब बारिश रुक चुकी थी, और आसमान अचानक से साफ हो रहा था।

"अब जैसे ही उसने अपनी बात खत्म की, वह उठ खड़ा हुआ। वह भी उठ गया। उसने खिड़की की तरफ देखा और कुछ पूछा—शायद यह पूछा कि क्या बारिश हो रही है। खैर, वह भी तुरंत खिड़की के पार आई और बाहर देखने लगी। तभी बादलों के पीछे से चाँद निकल आया। मुझे डर था कि कहीं वह औरत मुझे देख न ले, क्योंकि मैं चाँदनी में पूरी तरह नहाया हुआ था। मैंने थोड़ा पीछे हटने की कोशिश की। मेरे झटके से वह सड़ी हुई पुरानी डाल टूट गई। ज़ोरदार आवाज़ के साथ वह नीचे गिर गई, और उसके साथ जूलियस पी. हर्शाइमर भी गिर गया!"

"ओह, जूलियस," टप्पेन्स ने सांस लेते हुए कहा, "कितना रोमांचक! आगे बढ़ो।"

"खैर, मेरी किस्मत अच्छी थी कि मैं नरम मिट्टी के बिस्तर पर गिरा—लेकिन इससे मैं कुछ समय के लिए बेहोश हो गया। अगली बात जो मुझे याद है, वो ये कि मैं बिस्तर पर लेटा हुआ था, मेरे एक तरफ अस्पताल की नर्स (व्हिटिंगटन वाली नहीं) थी, और दूसरी तरफ सोने के चश्मे पहने, काली दाढ़ी वाला एक छोटा सा आदमी था, जो पूरी

तरह से डॉक्टर लग रहा था। उसने अपने हाथ आपस में रगड़े और जब मैंने उसे घूर कर देखा तो उसने अपनी भौहें ऊपर उठाईं। 'आह!' उसने कहा। 'तो हमारा नौजवान दोस्त फिर से होश में आ रहा है। शानदार। शानदार।'"

मैंने वही घिसा-पिटा नाटक किया। पूछा: 'क्या हुआ है?' और 'मैं कहाँ हूँ?' लेकिन मुझे आखिरी सवाल का जवाब अच्छी तरह पता था। मेरा दिमाग सुन्न नहीं है। 'मुझे लगता है कि अभी के लिए इतना काफी है, बहन,' उस छोटे आदमी ने कहा, और नर्स एक सधे हुए अंदाज में फुर्ती से कमरे से बाहर निकल गई। लेकिन मैंने देखा कि दरवाजे से गुजरते समय वह मुझे गहरी जिज्ञासा भरी नजरों से देख रही थी।

उसकी उस नज़र ने मुझे एक विचार दिया। 'तो फिर, डॉक्टर साहब,' मैंने कहा और बिस्तर पर बैठने की कोशिश की, लेकिन ऐसा करते ही मेरे दाहिने पैर में तेज़ दर्द हुआ। 'हल्की मोच है,' डॉक्टर ने समझाया। 'कोई गंभीर बात नहीं है। आप कुछ दिनों में ठीक हो जाएंगे।'

"मैंने देखा कि तुम लंगड़ाकर चलते हो," टप्पेन्स ने बीच में कहा।

जूलियस ने सिर हिलाया और आगे कहा:

"'यह कैसे हुआ?' मैंने फिर पूछा। उसने रूखेपन से जवाब दिया। 'तुम मेरे एक पेड़ के काफी बड़े हिस्से के साथ मेरे नए लगाए गए फूलों के क्यारियों में से एक में गिर गए।' मुझे वह आदमी पसंद आया। उसमें हास्यबोध झलक रहा था। मुझे पूरा यकीन था कि कम से कम वह तो बिल्कुल ईमानदार होगा। 'ज़रूर, डॉक्टर साहब,' मैंने कहा, 'मुझे पेड़ के लिए खेद है, और नए बल्बों का खर्चा मुझे ही उठाना पड़ेगा। लेकिन शायद आप जानना चाहेंगे कि मैं आपके बगीचे में क्या कर रहा था?' 'मुझे लगता है कि तथ्यों के आधार पर स्पष्टीकरण देना ज़रूरी है,' उसने जवाब दिया। 'खैर, सबसे पहले तो, मैं चम्मचों के पीछे नहीं पड़ा था।'

वह मुस्कुराए। 'मेरी पहली थ्योरी यही थी। लेकिन मैंने जल्द ही अपना विचार बदल दिया। वैसे, आप एक अमेरिकी हैं, है ना?' मैंने उन्हें अपना नाम बताया। 'और आप?' 'मैं डॉ. हॉल हूं, और जैसा कि आप जानते ही होंगे, यह मेरा निजी नर्सिंग होम है।'

"मुझे पता नहीं था, लेकिन मैं उसे सच बताना नहीं चाहता था। मैं बस जानकारी के लिए आभारी था। मुझे वह आदमी पसंद था, और मुझे लगा कि वह ईमानदार है, लेकिन मैं उसे पूरी कहानी नहीं बताने वाला था। एक तो शायद वह इस पर विश्वास ही नहीं करता।"

मैंने पल भर में फैसला कर लिया। 'क्यों, डॉक्टर साहब,' मैंने कहा, 'मुझे लगता है मैं बहुत बड़ा मूर्ख महसूस कर रहा हूँ, लेकिन आपको यह बताना मेरा फर्ज है कि मैं बिल साइक्स का कोई काम नहीं कर रहा था।' फिर मैंने एक लड़की के बारे में कुछ बुदबुदाया। मैंने सख्त अभिभावक होने और मानसिक रूप से टूटने की बात कही, और आखिर में बताया कि मुझे लगा कि मैंने उसे अस्पताल के मरीजों में से किसी एक में पहचान लिया था, इसलिए मेरी रात की हरकतें। मुझे लगता है कि यह ठीक वैसी ही कहानी थी जिसकी उन्हें उम्मीद थी। 'काफी रोमांटिक कहानी है,' उन्होंने मेरे बोलने के बाद सौहार्दपूर्वक कहा। 'अब, डॉक्टर साहब,' मैंने आगे कहा, 'क्या आप मुझसे खुलकर बात करेंगे? क्या आपके यहाँ अभी कोई लड़की है, या कभी भी रही है, जेन फिन?' उन्होंने सोच-विचार करते हुए नाम दोहराया। 'जेन फिन?' उन्होंने कहा। 'नहीं।'
"मुझे शर्मिंदगी महसूस हुई, और शायद मैंने इसे दिखा भी दिया। 'क्या आप निश्चित हैं?' 'बिल्कुल निश्चित, श्री हर्शाइमर। यह एक असामान्य नाम है, और मुझे इसे भूलने की संभावना नहीं थी।'
"वाह, ये तो बिल्कुल सपाट था। इसने मुझे बुरी तरह से गिरा दिया। मुझे लगा था कि मेरी तलाश खत्म हो गई है। 'बस, बात खत्म,' मैंने आखिरकार कहा। 'अब एक और बात है। जब मैं उस डाल को गले लगा रहा था, तो मुझे लगा कि मैंने अपने एक पुराने दोस्त को आपकी एक नर्स से बात करते हुए पहचान लिया।' मैंने जानबूझकर किसी का नाम नहीं लिया क्योंकि, ज़ाहिर है, व्हिटिंगटन यहाँ खुद को कुछ और ही नाम से बुला रहा होगा, लेकिन डॉक्टर ने तुरंत जवाब दिया। 'मिस्टर व्हिटिंगटन, शायद?' 'हाँ, वही आदमी,' मैंने जवाब दिया। 'यहाँ क्या कर रहा है? कहीं उसकी नसें तो खराब नहीं हो गई हैं?'"
डॉ. हॉल हँसे। 'नहीं। वह मेरी एक नर्स, नर्स एडिथ से मिलने आए थे, जो उनकी भतीजी हैं।' 'अरे वाह!' मैंने कहा। 'क्या वह अभी भी यहीं हैं?' 'नहीं, वह लगभग तुरंत ही शहर वापस चले गए।' 'कितनी अफ़सोस की बात है!' मैंने कहा। 'लेकिन शायद मैं उनकी भतीजी से बात कर सकूँ—नर्स एडिथ, क्या आपने उनका नाम यही बताया था?'
लेकिन डॉक्टर ने सिर हिलाया। 'मुझे खेद है कि यह भी असंभव है। नर्स एडिथ आज रात भी एक मरीज के साथ गई हैं।' 'लगता है मैं बहुत बदकिस्मत हूँ,' मैंने कहा। 'क्या आपके पास शहर में मिस्टर व्हिटिंगटन का पता है? मुझे लगता है कि मैं वापस आकर

उनसे मिलना चाहूँगी।' 'मुझे उनका पता नहीं पता। अगर आप चाहें तो मैं नर्स एडिथ को पत्र लिख सकता हूँ।' मैंने उन्हें धन्यवाद दिया। 'जिस किसी को भी पता चाहिए, उसका नाम मत बताना। मैं उन्हें थोड़ा सरप्राइज देना चाहती हूँ।'

"फिलहाल मैं बस इतना ही कर सकती थी। बेशक, अगर वो लड़की सच में व्हिटिंगटन की भतीजी होती, तो शायद वो इतनी भोली होती कि मेरे जाल में न फँसती, लेकिन कोशिश करना तो बनता था। इसके बाद मैंने बेरेसफोर्ड को एक तार लिखा, जिसमें मैंने बताया कि मैं कहाँ हूँ, मेरे पैर में मोच आ गई है और अगर वो व्यस्त न हों तो आ जाएँ। मुझे अपनी बातों को लेकर बहुत सावधान रहना पड़ा। हालाँकि, मुझे उनकी तरफ से कोई खबर नहीं मिली और मेरा पैर जल्दी ही ठीक हो गया। बस उसमें मोच आई थी, असल में मोच नहीं थी, इसलिए आज मैंने उस छोटे डॉक्टर को अलविदा कहा, उनसे कहा कि अगर नर्स एडिथ से कोई खबर मिले तो मुझे बता दें और मैं तुरंत वापस शहर आ गई। सुनो, मिस टप्पेन्स, आप तो बहुत पीली लग रही हैं!"

"ये टॉमी है," टप्पेन्स ने कहा। "उसे क्या हो गया होगा?"

"हिम्मत रखो, मुझे लगता है वो ठीक ही होगा। क्यों न हो? देखो, वो एक विदेशी दिखने वाले आदमी के पीछे पड़ा था। शायद वे विदेश चले गए हों—पोलैंड या कहीं और?"

टप्पेन्स ने अपना सिर हिलाया।

"पासपोर्ट और अन्य दस्तावेजों के बिना वह ऐसा नहीं कर सकता था। वैसे भी, मैंने उस आदमी, बोरिस समथिंग, को बाद में देखा है। उसने कल रात श्रीमती वैंडमेयर के साथ भोजन किया था।"

"श्रीमती कौन?"

मैं भूल गया था। ज़ाहिर है, आपको ये सब पता नहीं होगा।

"मैं सुन रहा हूँ," जूलियस ने कहा और अपनी पसंदीदा कहावत का प्रयोग किया। "मुझे समझाओ।"

इसके बाद टप्पेन्स ने पिछले दो दिनों की घटनाओं का ब्योरा दिया। जूलियस का आश्चर्य और प्रशंसा असीम थी।

"वाह! कमाल है! तुम तो नौकरानी हो! मुझे तो बहुत हंसी आ रही है!" फिर उसने गंभीरता से कहा: "परंतु, मुझे ये बिल्कुल पसंद नहीं है, मिस टप्पेन्स, बिलकुल भी नहीं। तुम बहुत बहादुर हो, पर काश तुम इससे दूर रहतीं। ये बदमाश किसी भी दिन

किसी आदमी की तरह किसी लड़की को भी मार सकते हैं।"
"क्या आपको लगता है कि मैं डरती हूँ?" टप्पेन्स ने गुस्से से कहा, श्रीमती वैंडमेयर की आँखों में मौजूद कठोर चमक की यादों को बहादुरी से दबाते हुए।
मैंने पहले भी कहा था कि तुम बेहद साहसी हो। लेकिन इससे तथ्य नहीं बदल जाते।
"अरे, मुझे परेशान मत करो!" टप्पेन्स ने अधीरता से कहा। "चलिए सोचते हैं कि टॉमी के साथ क्या हुआ होगा। मैंने इस बारे में मिस्टर कार्टर को लिखा है," उसने आगे कहा और उन्हें अपने पत्र का सार बताया।
जूलियस ने गंभीरता से सिर हिलाया।
"मुझे लगता है कि यह ठीक है। लेकिन हमें भी कुछ करना होगा और सक्रिय होना होगा।"
"हम क्या कर सकते हैं?" टप्पेन्स ने उत्साह से पूछा।
"मुझे लगता है कि हमें बोरिस का पता लगाना चाहिए। आपने कहा कि वह आपके घर आया था। क्या उसके दोबारा आने की संभावना है?"
"हो सकता है। मुझे सच में नहीं पता।"
"ठीक है। अच्छा, मुझे लगता है कि मुझे एक कार खरीद लेनी चाहिए, एक शानदार सी, ड्राइवर का वेश बनाकर बाहर घूमना चाहिए। फिर अगर बोरिस आता है, तो आप कोई इशारा कर सकते हैं, और मैं उसके पीछे-पीछे चलूँगा। कैसा रहेगा?"
"शानदार, लेकिन वह हफ्तों तक नहीं आ सकता है।"
"हमें यह जोखिम उठाना पड़ेगा। मुझे खुशी है कि आपको योजना पसंद आई।" वह उठ खड़ा हुआ।
"आप कहां जा रहे हैं?"
"गाड़ी खरीदने के लिए, बिल्कुल," जूलियस ने हैरानी से जवाब दिया। "तुम्हें कौन सी कंपनी पसंद है? मुझे लगता है कि काम खत्म होने से पहले तुम उसमें थोड़ी देर सवारी करोगे।"
"ओह," टप्पेन्स ने धीमी आवाज़ में कहा, "मुझे रोल्स-रॉयस पसंद हैं, लेकिन----"
"ज़रूर," जूलियस ने सहमति जताते हुए कहा। "आप जो कहेंगे वही होगा। मैं एक ले आऊंगा।"
"लेकिन आप इसे तुरंत नहीं कर सकते," टप्पेन्स चिल्लाई। "लोग कभी-कभी सालों तक इंतजार करते हैं।"

श्री हर्शाइमर ने पुष्टि करते हुए कहा, "छोटे जूलियस को नहीं पता। आप चिंता न करें। मैं आधे घंटे में कार से आ रहा हूँ।"
टप्पेन्स उठ खड़ी हुई।
"जूलियस, तुम वाकई बहुत अच्छे हो। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक फीकी सी उम्मीद है। मैं तो पूरी तरह से मिस्टर कार्टर पर ही भरोसा कर रहा हूँ।"
"तो मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए।"
"क्यों?"
"यह मेरा एक विचार है।"
"ओह; लेकिन उसे कुछ तो करना ही होगा। और कोई है ही नहीं। वैसे, मैं आपको आज सुबह हुई एक अजीब घटना के बारे में बताना भूल गया था।"
और उसने सर जेम्स पील एडगर्टन के साथ हुई अपनी मुलाकात के बारे में बताया। जूलियस को इसमें दिलचस्पी थी।
"तुम्हें क्या लगता है, उस आदमी का क्या मतलब था?" उसने पूछा।
"मुझे ठीक से नहीं पता," टप्पेन्स ने सोच-विचार करते हुए कहा। "लेकिन मुझे लगता है कि एक अस्पष्ट, कानूनी और पूर्वाग्रह रहित वकील के अंदाज़ में, वह मुझे चेतावनी देने की कोशिश कर रहा था।"
"उसे ऐसा क्यों करना चाहिए?"
"मुझे नहीं पता," टप्पेन्स ने स्वीकार किया। "लेकिन वह दयालु और बेहद बुद्धिमान लग रहा था। मुझे उसके पास जाकर उसे सब कुछ बताने में कोई आपत्ति नहीं होगी।"
उसे कुछ हद तक आश्चर्य हुआ जब जूलियस ने इस विचार को स्पष्ट रूप से नकार दिया।
उन्होंने कहा, "देखिए, हम इसमें किसी वकील को शामिल नहीं करना चाहते। वह आदमी हमारी किसी भी तरह से मदद नहीं कर सकता।"
"खैर, मुझे लगता है कि वह ऐसा कर सकता है," टप्पेन्स ने हठपूर्वक दोहराया।
"ऐसा मत सोचो। अलविदा। मैं आधे घंटे में वापस आ जाऊँगा।"
पैंतीस मिनट बीत चुके थे जब जूलियस लौटा। उसने टप्पेन्स का हाथ पकड़ा और उसे खिड़की तक ले गया।
"वहाँ है वह।"
"ओह!" टप्पेन्स ने अपनी आवाज में श्रद्धा का भाव लिए कहा, जैसे ही उसने उस

विशाल कार को नीचे देखा।
"मैं आपको बता सकता हूँ, वह वाकई कमाल की पेसमेकर है," जूलियस ने आत्मसंतुष्टि से कहा।
"तुम्हें यह कैसे मिला?" टप्पेन्स ने हांफते हुए पूछा।
"उसे बस किसी बड़े अधिकारी के घर भेजा जा रहा था।"
"कुंआ?"
जूलियस ने कहा, "मैं उसके घर गया। मैंने कहा कि मुझे लगता है कि ऐसी कार बीस हजार डॉलर के हर एक पैसे के लायक है। फिर मैंने उससे कहा कि अगर वह इससे बाहर निकल जाए तो यह मेरे लिए लगभग पचास हजार डॉलर की होगी।"
"तो?" टप्पेन्स ने नशे में कहा।
"ठीक है," जूलियस ने जवाब दिया, "वह बाहर निकल गया, बस इतना ही।"

अध्याय XII. संकट के समय मित्र

शुक्रवार और शनिवार शांतिपूर्वक बीत गए। टप्पेन्स को श्री कार्टर से अपनी अपील का संक्षिप्त उत्तर मिला। उसमें उन्होंने बताया कि युवा साहसी लोगों ने यह काम अपने जोखिम पर किया था और उन्हें खतरों के बारे में पूरी तरह से चेतावनी दी गई थी। अगर टॉमी को कुछ हो जाता तो उन्हें गहरा अफसोस होता, लेकिन वे कुछ नहीं कर सकते थे।
यह एक कड़वी तसल्ली थी। टॉमी के बिना, रोमांच का सारा मज़ा ही किरकिरा हो गया था, और पहली बार टप्पेन्स को सफलता पर संदेह होने लगा। जब तक वे साथ थे, उसने कभी एक पल के लिए भी इस पर सवाल नहीं उठाया था। हालाँकि उसे नेतृत्व करने की आदत थी और वह अपनी बुद्धिमत्ता पर गर्व करती थी, लेकिन असल में वह उस समय जितना समझती थी, उससे कहीं ज़्यादा टॉमी पर निर्भर थी। टॉमी में एक ऐसी सहज गंभीरता और स्पष्टता थी, उसका व्यावहारिक ज्ञान और दूरदर्शिता इतनी अटल थी कि उसके बिना टप्पेन्स खुद को बिना पतवार के जहाज़ की तरह महसूस करती थी। यह अजीब बात थी कि जूलियस, जो निस्संदेह टॉमी से कहीं ज़्यादा होशियार था, उसे वैसा सहारा नहीं देता था। उसने टॉमी पर निराशावादी होने का आरोप लगाया था, और यह निश्चित है कि वह हमेशा उन कमियों और कठिनाइयों को देखता था जिन्हें वह खुद आशावादी होकर नज़रअंदाज़ कर देती थी, लेकिन फिर

भी वह वास्तव में उसके फैसले पर बहुत भरोसा करती थी। वह धीमा हो सकता था, लेकिन वह बहुत आश्वस्त था।

लड़की को ऐसा लगा जैसे पहली बार उसे उस मिशन की भयावहता का एहसास हुआ हो, जिसे उन्होंने इतने हल्के-फुल्के अंदाज़ में शुरू किया था। यह किसी प्रेम कहानी के पन्ने की तरह शुरू हुआ था। अब, इसकी चमक फीकी पड़ चुकी थी और यह एक कड़वी सच्चाई की ओर मुड़ता हुआ प्रतीत हो रहा था। टॉमी—बस वही मायने रखता था। दिन में कई बार टप्पेन्स दृढ़ता से अपनी आँखों से आँसू पोंछती थी। "छोटी मूर्ख," वह खुद को कोसती, "रो मत। बेशक तुम उसे पसंद करती हो। तुम उसे पूरी ज़िंदगी से जानती हो। लेकिन इस बारे में भावुक होने की कोई ज़रूरत नहीं है।"

इस बीच बोरिस का कोई अता-पता नहीं चला। वह फ्लैट पर नहीं आया, और जूलियस और कार व्यर्थ ही उसका इंतज़ार करते रहे। टप्पेन्स नए विचारों में डूब गई। जूलियस की आपत्तियों की सच्चाई को स्वीकार करते हुए भी, उसने सर जेम्स पील एडगर्टन से अपील करने का विचार पूरी तरह नहीं छोड़ा था। दरअसल, उसने रेड बुक में उनका पता भी खोज लिया था। क्या उन्होंने उस दिन उसे चेतावनी देने का इरादा किया था? अगर हाँ, तो क्यों? यकीनन उसे कम से कम स्पष्टीकरण मांगने का तो अधिकार था। उन्होंने उसे इतनी दयालुता से देखा था। शायद वह श्रीमती वैंडमेयर के बारे में कुछ बता सकें जिससे टॉमी के ठिकाने का सुराग मिल सके।

खैर, टप्पेन्स ने अपने कंधे झटकते हुए हमेशा की तरह फैसला किया कि कोशिश करना तो बनता है, और वह कोशिश करेगी ही। रविवार का दिन उसके लिए बाहर घूमने का दिन था। वह जूलियस से मिलेगी, उसे अपने दृष्टिकोण से सहमत कराएगी, और फिर वे शेर को उसकी मांद में चुनौती देंगे।

जब वह दिन आया तो जूलियस को मनाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन टप्पेन्स अपनी बात पर अड़ी रही। वह हमेशा यही कहती थी, "इससे कोई नुकसान नहीं होगा।" आखिरकार जूलियस मान गया और वे कार से कार्लटन हाउस टेरेस की ओर चल पड़े।

एक बेदाग़ बटलर ने दरवाज़ा खोला। टप्पेन्स थोड़ी घबरा गई। आख़िरकार, शायद यह उसकी ओर से बहुत बड़ी गुस्ताखी थी। उसने यह न पूछने का फ़ैसला किया था कि सर जेम्स "घर पर" हैं या नहीं, बल्कि एक अधिक व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाने का। "क्या आप सर जेम्स से पूछेंगे कि क्या मैं उनसे कुछ मिनटों के लिए मिल सकता हूँ?

मुझे उनसे एक महत्वपूर्ण संदेश चाहिए।"
बटलर कुछ देर के लिए सोने चला गया और एक-दो क्षण बाद वापस आ गया।
"सर जेम्स आपसे मिलेंगे। क्या आप इधर आएंगे?"
वह उन्हें घर के पिछले हिस्से में बने एक कमरे में ले गया, जिसे पुस्तकालय की तरह सजाया गया था। किताबों का संग्रह शानदार था, और टप्पेन्स ने देखा कि एक पूरी दीवार अपराध और अपराध विज्ञान से संबंधित पुस्तकों से भरी हुई थी। वहाँ कई गद्देदार चमड़े की आरामकुर्सियाँ थीं, और एक पुराने ज़माने का खुला चूल्हा था। खिड़की के पास कागजों से भरी एक बड़ी फोल्डिंग डेस्क थी, जिस पर घर का मालिक बैठा था।
उनके प्रवेश करते ही वह उठ खड़ा हुआ।
"क्या आपके पास मेरे लिए कोई संदेश है? आह"—मुस्कुराते हुए उसने टप्पेन्स को पहचान लिया—"क्या आप हैं? मुझे लगता है कि आप श्रीमती वैंडमेयर का संदेश लेकर आई हैं?"
"बिल्कुल नहीं," टप्पेन्स ने कहा। "दरअसल, मुझे डर है कि मैंने ऐसा सिर्फ प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए कहा था। वैसे, ये श्री हर्शाइमर हैं, सर जेम्स पील एडगर्टन।"
"आपसे मिलकर खुशी हुई," अमेरिकी ने हाथ बढ़ाते हुए कहा।
"क्या आप दोनों बैठेंगे?" सर जेम्स ने पूछा। उन्होंने दो कुर्सियाँ आगे खींच लीं।
"सर जेम्स," टप्पेन्स ने बेबाकी से कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि आप सोचेंगे कि मेरा इस तरह यहाँ आना बहुत ही गुस्ताखी भरा काम है। क्योंकि ज़ाहिर है, इसका आपसे कोई लेना-देना नहीं है, और आप तो बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं, जबकि टॉमी और मैं तो बिलकुल ही महत्वहीन हैं।" वह साँस लेने के लिए रुकी।
"टॉमी?" सर जेम्स ने अमेरिकी की ओर देखते हुए पूछा।
"नहीं, वो जूलियस है," टप्पेन्स ने समझाया। "मैं थोड़ी घबराई हुई हूँ, और इसी वजह से मैं ठीक से बोल नहीं पा रही हूँ। मैं असल में ये जानना चाहती हूँ कि तुमने उस दिन मुझसे जो कहा था उसका क्या मतलब था? क्या तुम मुझे श्रीमती वैंडमेयर से सावधान करना चाहती थी? हाँ, तुम यही कहना चाहती थी, है ना?"
"मेरी प्यारी युवती, जहाँ तक मुझे याद है मैंने केवल इतना ही कहा था कि अन्य जगहों पर भी उतनी ही अच्छी नौकरियाँ उपलब्ध हैं।"
"हां, मुझे पता है। लेकिन यह एक इशारा था, है ना?"

"खैर, शायद ऐसा ही था," सर जेम्स ने गंभीरता से स्वीकार किया।
"अच्छा, मैं और जानना चाहता हूँ। मैं यह जानना चाहता हूँ कि आपने मुझे संकेत क्यों दिया।"
सर जेम्स ने उसकी गंभीरता पर मुस्कुरा दिया।
"मान लीजिए कि वह महिला मेरे चरित्र हनन के लिए मेरे खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करती है?"
"बिल्कुल," टप्पेन्स ने कहा। "मुझे पता है कि वकील हमेशा बेहद सतर्क रहते हैं। लेकिन क्या हम पहले 'बिना किसी पूर्वाग्रह के' नहीं कह सकते, और फिर जो चाहें कह सकते हैं?"
“खैर,” सर जेम्स ने मुस्कुराते हुए कहा, “बिना किसी पूर्वाग्रह के, अगर मेरी कोई छोटी बहन होती जिसे अपना जीवन यापन करने के लिए मेहनत करनी पड़ती, तो मैं उसे श्रीमती वैंडमेयर की सेवा में देखना पसंद नहीं करता। मैंने आपको बस एक संकेत देना अपना कर्तव्य समझा। यह किसी युवा और अनुभवहीन लड़की के लिए उपयुक्त जगह नहीं है। मैं बस इतना ही कह सकता हूँ।”
"मैं समझ गई," टप्पेन्स ने सोच-समझकर कहा। "बहुत-बहुत धन्यवाद। लेकिन मैं सचमुच अनुभवहीन नहीं हूँ, आप जानते हैं। जब मैं वहाँ गई थी, तब मुझे अच्छी तरह पता था कि वह एक बुरी औरत है—दरअसल, मैं इसीलिए तो गई थी—" वकील के चेहरे पर कुछ हैरानी देखकर वह रुक गई और आगे बोली: "मुझे लगता है कि शायद मुझे आपको पूरी कहानी बता देनी चाहिए, सर जेम्स। मुझे ऐसा लग रहा है कि अगर मैंने सच नहीं बताया तो आपको एक मिनट में पता चल जाएगा, इसलिए बेहतर होगा कि आप शुरू से ही सब कुछ जान लें। आपका क्या ख्याल है, जूलियस?"
"चूंकि आप इस पर अड़े हुए हैं, तो मैं सीधे तथ्यों के साथ आगे बढ़ूंगा," अमेरिकी ने जवाब दिया, जो अब तक चुपचाप बैठा था।
"जी हां, मुझे इसके बारे में सब कुछ बताओ," सर जेम्स ने कहा। "मैं जानना चाहता हूं कि टॉमी कौन है।"
इससे उत्साहित होकर टप्पेन्स ने अपनी कहानी सुनाना शुरू कर दिया और वकील ने बड़ी ध्यान से उसकी बात सुनी।
जब उसने अपनी बात खत्म की, तो उसने कहा, "बहुत दिलचस्प। तुमने मुझे जो कुछ बताया है, उसमें से बहुत कुछ मुझे पहले से ही पता है। जेन फिन के बारे में मेरे अपने

कुछ सिद्धांत हैं। तुमने अब तक बहुत अच्छा किया है, लेकिन यह बहुत बुरा हुआ—तुम उन्हें किस नाम से जानती हो?—मिस्टर कार्टर ने तुम दोनों को इस तरह के मामले में धकेल दिया। वैसे, मिस्टर हर्शाइमर का इसमें क्या रोल था? तुमने यह स्पष्ट नहीं किया?"

जूलियस ने स्वयं उत्तर दिया।

"मैं जेन का चचेरा भाई हूँ," उसने वकील की उत्सुक निगाहों का जवाब देते हुए समझाया।

"आह!"

"ओह, सर जेम्स," टप्पेन्स अचानक बोल पड़ा, "आपको क्या लगता है टॉमी का क्या हुआ होगा?"

"हम्म।" वकील उठे और धीरे-धीरे इधर-उधर टहलने लगे। "जब आप आईं, युवती, मैं अपना सामान समेट रहा था। कुछ दिनों की मछली पकड़ने के लिए रात की ट्रेन से स्कॉटलैंड जा रहा हूँ। लेकिन मछली पकड़ने के भी कई तरीके होते हैं। मेरा मन कर रहा है कि यहीं रुक जाऊं और देखूं कि क्या हम उस नौजवान का पता लगा सकते हैं।"

"ओह!" टप्पेन्स ने खुशी से अपने हाथ जोड़ लिए।

फिर भी, जैसा कि मैंने पहले कहा था, कार्टर का तुम दोनों नासमझों को इस तरह के काम पर लगाना बहुत बुरा है। अब, बुरा मत मानना, मिस...

"काउली। प्रूडेंस काउली। लेकिन मेरे दोस्त मुझे टप्पेन्स कहते हैं।"

"अच्छा, मिस टप्पेन्स, तो मैं निश्चित रूप से आपकी दोस्त बनूंगी। बुरा मत मानिएगा कि मैं आपको जवान समझती हूं। जवानी एक ऐसी कमजोरी है जो बहुत आसानी से दूर हो जाती है। अब, आपके इस छोटे टॉमी के बारे में..."

"हां।" टप्पेन्स ने अपने हाथ जोड़ लिए।

"सच कहूं तो, उसके लिए हालात खराब दिख रहे हैं। वह ऐसी जगह दखल दे रहा था जहां उसकी जरूरत नहीं थी। इसमें कोई शक नहीं। लेकिन उम्मीद मत छोड़ो।"

"और आप सचमुच हमारी मदद करेंगे? लीजिए, जूलियस! वह नहीं चाहता था कि मैं आऊं," उसने स्पष्टीकरण देते हुए कहा।

"हम्म," वकील ने जूलियस पर एक और पैनी नज़र डालते हुए कहा। "और ऐसा क्यों था?"

"मैंने सोचा कि इस तरह के मामूली मामले में आपको परेशान करने का कोई फायदा नहीं होगा।"
"मैं समझ गया।" वह एक पल रुका। "यह मामूली-सी बात, जैसा कि आप इसे कहते हैं, एक बहुत बड़े मामले से सीधे तौर पर जुड़ी है, शायद उससे भी बड़ा जितना आप या मिस टप्पेन्स जानती हैं। अगर यह लड़का ज़िंदा है, तो वह हमें बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दे सकता है। इसलिए, हमें उसे ढूंढना ही होगा।"
"हाँ, लेकिन कैसे?" टप्पेन्स चिल्लाई। "मैंने हर चीज़ के बारे में सोचने की कोशिश की है।"
सर जेम्स मुस्कुराए।
और फिर भी एक व्यक्ति बिल्कुल पास में ही है जो पूरी संभावना है कि जानता है कि वह कहाँ है, या कम से कम वह कहाँ होने की संभावना है।
"वह कौन है?" टप्पेन्स ने हैरानी से पूछा।
"श्रीमती वंदमेयर।"
"हां, लेकिन वह हमें कभी नहीं बताएगी।"
"अहा, यहीं तो मेरी भूमिका शुरू होती है। मुझे लगता है कि मैं श्रीमती वैंडमेयर से वह सब कुछ निकलवाने में सक्षम हो जाऊँगा जो मैं जानना चाहता हूँ।"
"कैसे?" टप्पेन्स ने अपनी आँखें बहुत चौड़ी करते हुए पूछा।
"अरे, बस उससे सवाल पूछकर," सर जेम्स ने सहजता से जवाब दिया। "हम ऐसे ही करते हैं, आप जानते हैं।"
उसने अपनी उंगली से मेज पर थपथपाया, और टप्पेन्स ने एक बार फिर उस व्यक्ति से निकलने वाली तीव्र शक्ति को महसूस किया।
"और अगर वह नहीं बताएगी तो?" जूलियस ने अचानक पूछा।
"मुझे लगता है कि वह मान जाएगी। मेरे पास एक-दो मजबूत तरीके हैं। फिर भी, उस असंभावित स्थिति में, रिश्वतखोरी की संभावना हमेशा बनी रहती है।"
"ज़रूर। और यहीं से मेरी भूमिका शुरू होती है!" जूलियस ने मेज पर मुट्ठी पटकते हुए चिल्लाकर कहा। "ज़रूरत पड़ने पर आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं, मैं आपको दस लाख डॉलर दूंगा। जी हाँ, दस लाख डॉलर!"
सर जेम्स बैठ गए और जूलियस से काफी देर तक पूछताछ की।
अंत में उन्होंने कहा, "श्री हर्शाइमर, यह बहुत बड़ी रकम है।"

"मुझे लगता है कि ऐसा ही करना पड़ेगा। ये ऐसे लोग नहीं हैं जिन्हें छह पेंस दिए जाएं।"
"वर्तमान विनिमय दर के हिसाब से यह ढाई लाख पाउंड से काफी अधिक है।"
"बिल्कुल सही। शायद आपको लगे कि मैं हवा में बातें कर रहा हूँ, लेकिन मैं अपना काम बखूबी कर सकता हूँ, और आपकी फीस के लिए भी काफी पैसे बच जाएँगे।"
सर जेम्स का चेहरा थोड़ा लाल हो गया।
"शुल्क का तो सवाल ही नहीं उठता, श्री हर्शाइमर। मैं कोई निजी जासूस नहीं हूँ।"
"माफ़ कीजिए। मुझे लगता है मैंने थोड़ी जल्दबाजी कर दी, लेकिन मुझे इस पैसे के सवाल पर बुरा लग रहा है। कुछ दिन पहले मैं जेन के बारे में खबर देने वाले को बड़ा इनाम देना चाहता था, लेकिन स्कॉटलैंड यार्ड जैसी आपकी रूढ़िवादी संस्था ने मुझे ऐसा न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह ठीक नहीं है।"
"वे शायद सही थे," सर जेम्स ने रूखेपन से कहा।
"लेकिन जूलियस के बारे में सब ठीक है," टप्पेन्स ने कहा। "वह आपको बेवकूफ नहीं बना रहा है। उसके पास सचमुच बहुत पैसा है।"
“बूढ़े आदमी ने इसे बड़े ही शानदार तरीके से इकट्ठा किया,” जूलियस ने समझाया। “अब चलिए काम की बात करते हैं। आपका क्या विचार है?”
सर जेम्स ने एक-दो क्षण तक विचार किया।
"समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है। जितनी जल्दी हम कार्रवाई करें, उतना ही अच्छा होगा।" उसने टप्पेन्स की ओर मुड़कर पूछा, "क्या तुम्हें पता है कि श्रीमती वैंडमेयर आज रात बाहर खाना खाने जा रही हैं?"
"हां, मुझे ऐसा लगता है, लेकिन वह देर रात तक बाहर नहीं रहेगी। नहीं तो, वह चाबी अपने साथ ले जाती।"
"अच्छा। मैं उससे करीब दस बजे मिलने आऊँगा। आपको कितने बजे लौटना है?"
"लगभग साढ़े नौ या दस बजे, लेकिन मैं इससे पहले भी वापस जा सकता हूँ।"
"ऐसा बिल्कुल मत करना। अगर तुम तय समय तक बाहर नहीं रहे तो शक पैदा हो सकता है। साढ़े नौ बजे तक वापस आ जाना। मैं दस बजे पहुँचूँगा। शायद श्री हर्शाइमर नीचे टैक्सी में इंतज़ार कर रहे होंगे।"
"उसके पास एक नई रोल्स-रॉयस कार है," टप्पेन्स ने परोक्ष गर्व के साथ कहा।
"और भी अच्छा। अगर मैं उससे पता प्राप्त करने में सफल हो जाता हूँ, तो हम तुरंत

वहाँ जा सकते हैं, ज़रूरत पड़ने पर श्रीमती वैंडमेयर को भी साथ ले जा सकते हैं। समझे?"
"हाँ।" टप्पेन्स खुशी से उछलते हुए खड़ी हो गई। "ओह, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है!"
"इस पर ज्यादा जोर मत दीजिए, मिस टप्पेन्स। आराम से चलिए।"
जूलियस ने वकील की ओर रुख किया।
"ठीक है, तो मैं लगभग साढ़े नौ बजे कार में आपको बुलाऊंगा। क्या यह सही समय है?"
"शायद यही सबसे अच्छा उपाय होगा। दो कारों को इंतज़ार में रखना अनावश्यक होगा। अब, मिस टप्पेन्स, मेरी सलाह है कि आप जाइए और बढ़िया खाना खाइए, सचमुच बहुत बढ़िया। और जितना ज़रूरी हो उससे ज़्यादा आगे की मत सोचिए।"
उन्होंने उन दोनों से हाथ मिलाया और कुछ ही देर बाद वे बाहर थे।
"क्या वह बत्तख नहीं है?" टप्पेन्स ने सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए उत्साह से पूछा। "ओह, जूलियस, क्या वह बिल्कुल बत्तख नहीं है?"
"खैर, मैं मानती हूँ कि वह वाकई अच्छा आदमी लगता है। और उसके पास जाना बेकार होगा, यह सोचकर मैं गलत थी। चलो, हम सीधे रिट्ज़ होटल चलें?"
"मुझे लगता है मुझे थोड़ा चलना चाहिए। मैं बहुत उत्साहित महसूस कर रही हूँ। मुझे पार्क में छोड़ दोगे? या तुम भी आना चाहोगे?"
उन्होंने समझाया, "मुझे थोड़ा पेट्रोल चाहिए। और एक-दो तार भेजने हैं।"
"ठीक है। मैं तुमसे सात बजे रिट्ज़ में मिलूंगी। हमें ऊपर ही खाना खाना होगा। मैं इन भड़कीले कपड़ों में बाहर नहीं जा सकती।"
"ज़रूर। मैं फ़ेलिक्स से मेनू चुनने में मदद ले लूँगा। वो तो कमाल का वेटर है। अलविदा।"
टप्पेन्स सर्पेन्टाइन की ओर तेज़ी से चलने लगी, पहले उसने अपनी घड़ी देखी। लगभग छह बज रहे थे। उसे याद आया कि उसने चाय नहीं पी थी, लेकिन वह इतनी उत्साहित थी कि उसे भूख का एहसास ही नहीं हुआ। वह केंसिंग्टन गार्डन्स तक चली और फिर धीरे-धीरे वापस लौट आई, ताज़ी हवा और व्यायाम से उसे बहुत अच्छा महसूस हो रहा था। सर जेम्स की सलाह मानना और शाम की संभावित घटनाओं को दिमाग से निकालना इतना आसान नहीं था। जैसे-जैसे वह हाइड पार्क के कोने के करीब पहुँचती गई, साउथ ऑडली मेंशन्स लौटने का प्रलोभन लगभग अनियंत्रित होता गया।

खैर, उसने फैसला किया, इमारत को जाकर देखने में कोई हर्ज नहीं है। शायद तब वह धैर्यपूर्वक दस बजे का इंतजार करने के लिए तैयार हो जाएगी।
साउथ ऑडली मेंशन हमेशा की तरह बिल्कुल वैसा ही दिख रहा था। टप्पेन्स ने क्या उम्मीद की थी, यह उसे खुद भी ठीक से पता नहीं था, लेकिन उसकी लाल ईंटों की ठोस बनावट ने उसके मन में पनप रही और पूरी तरह से बेवजह की बेचैनी को कुछ हद तक शांत कर दिया। वह मुड़ने ही वाली थी कि उसे एक तीखी सीटी सुनाई दी, और वफादार अल्बर्ट इमारत से दौड़ता हुआ उसके पास आ गया।
टप्पेन्स ने भौंहें चढ़ाईं। पड़ोस में उसकी मौजूदगी पर ध्यान आकर्षित करना कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था, लेकिन अल्बर्ट दबी हुई उत्तेजना से लाल हो रहा था।
"मैंने कहा, महोदया, वह जा रही है!"
"कौन जा रहा है?" टप्पेन्स ने तीखे स्वर में पूछा।
"वह बदमाश। तैयार हो जाओ रीटा। श्रीमती वैंडमेयर। वह अपना सामान पैक कर रही हैं, और उन्होंने मुझे टैक्सी मंगवाने के लिए संदेश भेजा है।"
"क्या?" टप्पेन्स ने अपना हाथ पकड़ लिया।
"यह सच है, महोदया। मुझे लगा शायद आपको इसके बारे में पता नहीं होगा।"
"अल्बर्ट," टप्पेन्स चिल्लाई, "तुम तो बिल्कुल पत्थर के समान हो। अगर तुम न होते तो हम उसे खो देते।"
इस सम्मान को देखकर अल्बर्ट प्रसन्नता से लाल हो उठा।
"समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है," टप्पेन्स ने सड़क पार करते हुए कहा। "मुझे उसे रोकना ही होगा। हर हाल में मुझे उसे यहीं रोकना होगा जब तक कि----" वह रुक गई। "अल्बर्ट, यहाँ एक टेलीफोन है ना?"
लड़के ने अपना सिर हिलाया।
"मैडम, ज्यादातर फ्लैट मालिकों के पास अपनी खुद की पार्किंग है। लेकिन कोने के ठीक बगल में एक छोटा सा कमरा है।"
"तो फिर तुरंत जाओ और रिट्ज़ होटल को फोन करो। मिस्टर हर्शाइमर से बात करो, और जब उनसे बात हो जाए तो उन्हें कहना कि सर जेम्स को बुलाओ और तुरंत आ जाओ, क्योंकि मिसेज़ वैंडमेयर भी इसमें शामिल होने की कोशिश कर रही हैं। अगर उनसे बात न हो पाए तो सर जेम्स पील एडगर्टन को फोन करो, उनका नंबर तुम्हें रजिस्टर में मिल जाएगा, और उन्हें सब कुछ बता दो। नाम तो तुम भूलोगे नहीं ना?"

अल्बर्ट ने बड़ी सहजता से उनकी बातें दोहराईं। "आप मुझ पर भरोसा कीजिए, महोदया, सब ठीक हो जाएगा। लेकिन आपका क्या? क्या आपको उसके साथ खुद पर भरोसा करने में डर नहीं लगता?"
"नहीं, नहीं, कोई बात नहीं। लेकिन जाओ और फोन करो। जल्दी करो।"
एक गहरी साँस लेते हुए, टप्पेन्स हवेली में दाखिल हुई और 20 नंबर के दरवाजे की ओर भागी। उसे नहीं पता था कि वह श्रीमती वैंडमेयर को उन दोनों आदमियों के आने तक कैसे रोकेगी, लेकिन किसी न किसी तरह यह करना ही था, और उसे यह काम अकेले ही पूरा करना था। इस अचानक जाने का कारण क्या था? क्या श्रीमती वैंडमेयर को उस पर शक था?
अटकलें निराधार थीं। टप्पेन्स ने घंटी को मजबूती से दबाया। शायद उसे रसोइए से कुछ सीखने को मिल जाए।
कुछ नहीं हुआ और कुछ मिनट इंतजार करने के बाद, टप्पेन्स ने फिर से घंटी दबाई और कुछ देर तक अपनी उंगली बटन पर रखी। आखिरकार उसे अंदर कदमों की आहट सुनाई दी, और थोड़ी देर बाद श्रीमती वैंडमेयर ने खुद दरवाजा खोला। लड़की को देखकर उन्होंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।
"आप?"
"मुझे थोड़ा सा दांत दर्द हो रहा था, महोदया," टप्पेन्स ने सहजता से कहा। "इसलिए मैंने घर आकर एक शांत शाम बिताने का सोचा।"
श्रीमती वैंडमेयर ने कुछ नहीं कहा, लेकिन वह पीछे हट गईं और टप्पेन्स को हॉल में जाने दिया।
"कितनी दुर्भाग्यपूर्ण बात है तुम्हारे लिए," उसने ठंडे स्वर में कहा। "तुम्हें अब सो जाना चाहिए।"
"ओह, मैं रसोई में ठीक रहूँगा, महोदया। रसोइया..."
श्रीमती वैंडमेयर ने कुछ नाराज़गी भरे लहजे में कहा, "कुक बाहर गई है। मैंने उसे भेजा है। इसलिए बेहतर होगा कि आप लोग सो जाएं।"
अचानक टप्पेन्स को डर लगने लगा। श्रीमती वैंडमेयर की आवाज़ में एक अजीब सी खनक थी जो उसे बिल्कुल पसंद नहीं आई। साथ ही, दूसरी महिला धीरे-धीरे उसे गलियारे में आगे बढ़ा रही थी। टप्पेन्स घबराकर पीछे मुड़ गई।
मैं नहीं चाहता----

फिर, पलक झपकते ही, ठंडे स्टील का एक किनारा उसके कनपटी को छू गया, और श्रीमती वैंडमेयर की आवाज ठंडी और धमकी भरी हो गई:
"अरे मूर्ख! क्या तुम्हें लगता है कि मुझे पता नहीं है? नहीं, जवाब मत दो। अगर तुमने संघर्ष किया या चिल्लाया, तो मैं तुम्हें कुत्ते की तरह गोली मार दूंगा।"
स्टील का किनारा लड़की की कनपटी पर थोड़ा और जोर से दब गया।
"तो अब चलो," श्रीमती वैंडमेयर बोलीं। "इधर आओ—मेरे कमरे में। एक मिनट में, जब मेरा तुमसे काम हो जाएगा, तो तुम बिस्तर पर चले जाओगे जैसा मैंने तुम्हें बताया है। और तुम सो जाओगे—ओह हाँ, मेरे नन्हे जासूस, तुम आराम से सो जाओगे!"
अंतिम शब्दों में एक प्रकार की घिनौनी सौम्यता थी जो टप्पेन्स को बिल्कुल पसंद नहीं आई। फिलहाल कुछ किया नहीं जा सकता था, और वह आज्ञाकारी होकर श्रीमती वैंडमेयर के शयनकक्ष में चली गई। पिस्तौल उसके माथे से हटी नहीं। कमरा पूरी तरह अस्त-व्यस्त था, कपड़े इधर-उधर बिखरे पड़े थे, एक सूटकेस और एक टोपी का डिब्बा, आधा भरा हुआ, फर्श के बीचोंबीच पड़ा था।
टप्पेन्स ने बड़ी मुश्किल से खुद को संभाला। उसकी आवाज़ थोड़ी कांप रही थी, लेकिन उसने हिम्मत से बात की।
"अरे, ऐसा मत कहो," उसने कहा। "यह सब बकवास है। तुम मुझे गोली नहीं मार सकते। अरे, गोली चलने की आवाज तो पूरी इमारत में हर किसी को सुनाई देगी।"
श्रीमती वैंडमेयर ने प्रसन्नतापूर्वक कहा, "मैं यह जोखिम उठा सकती हूँ। लेकिन जब तक तुम मदद के लिए चिल्लाती नहीं हो, तब तक सब ठीक है—और मुझे नहीं लगता कि तुम ऐसा करोगी। तुम बड़ी होशियार हो। तुमने मुझे बखूबी धोखा दिया। मुझे तुम पर ज़रा भी शक नहीं था! इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि तुम अच्छी तरह समझती हो कि यहाँ मैं ऊपर हूँ और तुम नीचे। अब—बिस्तर पर बैठो। अपने हाथ सिर के ऊपर रखो, और अगर तुम्हें अपनी जान प्यारी है तो उन्हें हिलाओ मत।"
टप्पेन्स ने चुपचाप बात मान ली। उसकी समझदारी ने उसे बताया कि स्थिति को स्वीकार करने के अलावा कोई चारा नहीं था। अगर वह मदद के लिए चीखती तो किसी के सुनने की संभावना बहुत कम थी, जबकि श्रीमती वैंडमेयर द्वारा उसे गोली मारे जाने की संभावना काफी अधिक थी। इस बीच, हर मिनट की देरी कीमती थी।
श्रीमती वैंडमेयर ने रिवॉल्वर को वॉशस्टैंड के किनारे पर, अपनी पहुँच के भीतर रख दिया, और टप्पेन्स पर एक चालाक लोमड़ी की तरह नज़र रखते हुए, कहीं वह हिलने

की कोशिश न करे, उन्होंने संगमरमर पर रखी एक छोटी सी ढक्कन लगी बोतल उठाई और उसमें से कुछ तरल पदार्थ एक गिलास में डाला जिसे उन्होंने पानी से भर दिया।
"यह क्या है?" टप्पेन्स ने तीखे स्वर में पूछा।
"कुछ ऐसा जिससे आपको अच्छी नींद आए।"
दो पैसे का रंग थोड़ा फीका पड़ गया।
"क्या तुम मुझे जहर देने वाले हो?" उसने फुसफुसाते हुए पूछा।
"शायद," श्रीमती वैंडमेयर ने सहमति से मुस्कुराते हुए कहा।
"तो मैं इसे नहीं पीऊँगा," टप्पेन्स ने दृढ़ता से कहा। "मैं गोली खाकर मरना ज़्यादा पसंद करूँगा। कम से कम इससे शोर तो होगा, और कोई न कोई सुन भी लेगा। लेकिन मैं किसी मेमने की तरह चुपचाप नहीं मरूँगा।"
श्रीमती वैंडमेयर ने अपना पैर पटका।
"नासमझी मत करो! क्या तुम्हें सच में लगता है कि मैं अपने पीछे हत्या का आरोप लगवाना चाहता हूँ? अगर तुममें थोड़ी भी समझ है, तो तुम्हें पता होगा कि तुम्हें ज़हर देना मुझे बिलकुल भी मंज़ूर नहीं है। ये तो बस एक नींद की दवा है, बस। कल सुबह उठने पर तुम्हें कोई तकलीफ़ नहीं होगी। मैं तुम्हें बाँधने और मुँह बंद करने की झंझट में नहीं पड़ना चाहता। यही दूसरा विकल्प है—और तुम्हें ये बिल्कुल पसंद नहीं आएगा, मैं तुम्हें बता सकता हूँ! मैं चाहे तो बहुत सख़्त हो सकता हूँ। इसलिए इसे अच्छे से पी लो, और तुम्हें कोई तकलीफ़ नहीं होगी।"
अपने मन ही मन में टप्पेन्स को उस लड़की पर विश्वास था। उसके तर्क सही लग रहे थे। उसे कुछ समय के लिए रास्ते से हटाने का यह एक सरल और कारगर तरीका था। फिर भी, लड़की को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई कि उसे बिना किसी आज़ादी की गुहार लगाए चुपचाप सुला दिया जाए। उसे लगा कि एक बार श्रीमती वैंडमेयर उन्हें चकमा देकर चली गईं, तो टॉमी को ढूंढने की आखिरी उम्मीद भी खत्म हो जाएगी।
टप्पेन्स की सोचने-समझने की क्षमता बहुत तीव्र थी। ये सभी विचार एक पल में उसके दिमाग में कौंध गए, और उसने एक अवसर, एक बेहद चुनौतीपूर्ण अवसर, को पहचान लिया, और उसने एक ही प्रयास में सब कुछ दांव पर लगाने का निश्चय कर लिया।
इसके चलते, वह अचानक बिस्तर से उठी और श्रीमती वैंडमेयर के सामने घुटनों के बल गिर पड़ी, और घबराकर अपने स्कर्ट को पकड़ लिया।

"मुझे विश्वास नहीं हो रहा," वह कराहते हुए बोली। "यह ज़हर है—मुझे पता है यह ज़हर है। ओह, मुझे इसे पीने के लिए मजबूर मत करो"—उसकी आवाज़ चीख में बदल गई—"मुझे इसे पीने के लिए मजबूर मत करो!"

श्रीमती वैंडमेयर, हाथ में गिलास लिए, इस अचानक हुए पतन को देखकर अपने होंठ सिकोड़ते हुए नीचे की ओर देखने लगीं।

"उठो, छोटे बेवकूफ! वहाँ बकवास करना बंद करो। मुझे समझ नहीं आता कि तुमने ऐसा करने की हिम्मत कैसे की।" उसने पैर पटका। "उठो, मैं कहती हूँ।"

लेकिन टप्पेन्स लगातार गिड़गिड़ाती रही और सिसकियाँ भरती रही, अपनी सिसकियों के बीच दया की अस्पष्ट गुहार लगाती रही। बीता हुआ हर मिनट उसके लिए कीमती था। इसके अलावा, जैसे-जैसे वह गिड़गिड़ाती रही, वह धीरे-धीरे अपने लक्ष्य के करीब पहुँचती गई।

श्रीमती वैंडमेयर ने अधीरता से एक तीखी आवाज निकाली और लड़की को झटककर घुटनों के बल बिठा दिया।

"इसे तुरंत पी लो!" उसने आदेश देते हुए गिलास लड़की के होठों से लगा दिया।

टप्पेन्स ने आखिरी बार निराशा भरी आह भरी।

"क्या तुम कसम खाकर कह सकते हो कि इससे मुझे चोट नहीं लगेगी?" उसने टालमटोल करते हुए कहा।

"बिल्कुल, इससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं होगा। मूर्ख मत बनो।"

"क्या आप शपथ लेंगे?"

"जी हां," दूसरे ने अधीरता से कहा। "मैं कसम खाता हूँ।"

टप्पेन्स ने कांपते हुए अपने बाएं हाथ से गिलास को छुआ।

"बहुत अच्छा।" उसका मुंह विनम्रता से खुला।

श्रीमती वैंडमेयर ने राहत की सांस ली, पल भर के लिए वह बेफिक्र हो गईं। तभी, पलक झपकते ही, टप्पेन्स ने पूरी ताकत से गिलास को ऊपर की ओर उछाला। गिलास में मौजूद तरल पदार्थ श्रीमती वैंडमेयर के चेहरे पर छिटक गया, और उनकी अवाक रह गई कि टप्पेन्स का दाहिना हाथ तेजी से बढ़ा और उसने वॉशस्टैंड के किनारे पर रखे रिवॉल्वर को पकड़ लिया। अगले ही पल वह एक कदम पीछे हट गईं, और रिवॉल्वर श्रीमती वैंडमेयर के दिल पर तनी हुई थी, उसे पकड़े हुए हाथ में जरा भी घबराहट नहीं थी।

जीत के क्षण में, टप्पेन्स ने कुछ हद तक गैर-खेल भावना वाली जीत का प्रदर्शन किया।

"अब कौन ऊपर है और कौन नीचे?" उसने शेखी बघारते हुए कहा।

दूसरी लड़की का चेहरा गुस्से से लाल हो गया था। एक पल के लिए टप्पेन्स को लगा कि वह उस पर झपट पड़ेगी, जिससे लड़की एक अप्रिय दुविधा में पड़ जाती, क्योंकि वह रिवॉल्वर चलाने से बचना चाहती थी। हालांकि, श्रीमती वैंडमेयर ने बड़ी मुश्किल से खुद को संभाला और अंत में उनके चेहरे पर एक धीमी, शैतानी मुस्कान फैल गई।

"तो फिर तुम मूर्ख तो नहीं हो! तुमने बहुत अच्छा किया, लड़की। लेकिन तुम्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी—हाँ, तुम्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी! मेरी याददाश्त बहुत अच्छी है!"

"मुझे आश्चर्य है कि तुम इतनी आसानी से हार मान गए," टप्पेन्स ने तिरस्कारपूर्वक कहा। "क्या तुम्हें सच में लगा था कि मैं उस तरह की लड़की हूँ जो ज़मीन पर लोट-पोट होकर दया की भीख मांगेगी?"

"हो सकता है तुम ऐसा कर पाओगे—किसी दिन!" दूसरे ने अर्थपूर्ण ढंग से कहा।

उसके व्यवहार की ठंडी दुर्भावना ने टप्पेन्स की रीढ़ में एक अप्रिय सिहरन पैदा कर दी, लेकिन वह इसके आगे झुकने वाली नहीं थी।

"मान लीजिए हम बैठ जाते हैं," उसने प्रसन्नता से कहा। "हमारा वर्तमान रवैया थोड़ा नाटकीय है। नहीं—बिस्तर पर नहीं। मेज के पास एक कुर्सी खींच लीजिए, ठीक रहेगा। अब मैं आपके सामने रिवाल्वर रखकर बैठती हूँ—किसी भी दुर्घटना की स्थिति में। बहुत बढ़िया। अब, चलिए बात करते हैं।"

"क्या हुआ?" श्रीमती वैंडमेयर ने उदास स्वर में कहा।

टप्पेन्स ने एक मिनट तक उसे ध्यान से देखा। उसे कई बातें याद आ रही थीं। बोरिस के शब्द, "मुझे लगता है तुम हमें बेच दोगी!" और उसका जवाब, "कीमत बहुत ज़्यादा होगी," हल्के में कहने पर यह सच था, लेकिन क्या इसमें कुछ सच्चाई छिपी नहीं थी? बहुत पहले, क्या व्हिटिंगटन ने नहीं पूछा था: "कौन बकवास कर रहा है? रीटा?" क्या रीटा वैंडमेयर मिस्टर ब्राउन की कमज़ोरी साबित होगी?

अपनी निगाहें दूसरे के चेहरे पर टिकाए रखते हुए, टप्पेन्स ने धीमी आवाज़ में उत्तर दिया:

"धन----"

श्रीमती वैंडमेयर चौंक गईं। स्पष्ट रूप से, यह जवाब अप्रत्याशित था।
"आपका क्या मतलब है?"
"मैं तुम्हें बताती हूँ। तुमने अभी कहा था कि तुम्हारी याददाश्त बहुत अच्छी है। अच्छी याददाश्त लंबी जेब के मुकाबले कुछ भी नहीं! मुझे यकीन है कि मेरे साथ तरह-तरह के भयानक काम करने की योजना बनाकर तुम्हें काफी राहत मिलती होगी, लेकिन क्या यह व्यावहारिक है? बदला लेना बहुत ही असंतोषजनक होता है। हर कोई यही कहता है। लेकिन पैसा"—टप्पेन्स अपने पसंदीदा सिद्धांत पर अड़ी रही—"खैर, पैसे में कुछ भी असंतोषजनक नहीं है, है ना?"
श्रीमती वैंडमेयर ने तिरस्कारपूर्वक कहा, "क्या आपको लगता है कि मैं उस तरह की महिला हूँ जो अपने दोस्तों को बेच देगी?"
"हां," टप्पेन्स ने तुरंत कहा। "अगर कीमत काफी ज्यादा हो तो।"
"महज एक सौ पाउंड के आसपास!"
"नहीं," टप्पेन्स ने कहा। "मैं सुझाव दूंगी - एक लाख!"
उनकी मितव्ययी प्रवृत्ति ने उन्हें जूलियस द्वारा सुझाए गए पूरे दस लाख डॉलर का उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी।
श्रीमती वैंडमेयर के चेहरे पर लाली छा गई।
"तुमने क्या कहा?" उसने पूछा, उसकी उंगलियाँ घबराहट में उसकी छाती पर लगे ब्रोच से खेल रही थीं। उसी क्षण टप्पेन्स को एहसास हुआ कि मछली काँटे में फँस गई है, और पहली बार उसे अपने धन-लोभी स्वभाव से घृणा हुई। इससे उसे सामने खड़ी महिला के साथ एक भयानक आत्मीयता का अहसास हुआ।
"एक लाख पाउंड," टप्पेन्स ने दोहराया।
श्रीमती वैंडमेयर की आंखों की रोशनी बुझ गई। वह अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गईं।
"अरे!" उसने कहा। "तुम्हें समझ नहीं आया।"
"नहीं," टप्पेन्स ने स्वीकार किया, "मैंने तो नहीं किया है - लेकिन मैं किसी ऐसे व्यक्ति को जानता हूं जिसने किया है।"
"कौन?"
"मेरा एक मित्र।"
"ज़रूर करोड़पति होगा," श्रीमती वैंडमेयर ने अविश्वास से कहा।

"दरअसल, वह अमेरिकी है। वह बिना किसी हिचकिचाहट के आपको वह रकम चुका देगा। आप मुझसे यह बात मान लीजिए कि यह बिल्कुल वास्तविक प्रस्ताव है।"
श्रीमती वैंडमेयर फिर से उठकर बैठ गईं।
"मुझे आपकी बात पर यकीन हो रहा है," उसने धीरे से कहा।
कुछ देर तक दोनों के बीच सन्नाटा छाया रहा, फिर श्रीमती वैंडमेयर ने ऊपर देखा।
"तुम्हारा यह दोस्त क्या जानना चाहता है?"
टप्पेन्स को क्षणिक संघर्ष का सामना करना पड़ा, लेकिन यह जूलियस का पैसा था, और उसके हित सर्वोपरि होने चाहिए।
"वह जानना चाहता है कि जेन फिन कहां है," उसने बेबाकी से कहा।
श्रीमती वैंडमेयर ने कोई आश्चर्य नहीं दिखाया।
"मुझे नहीं पता कि वह इस समय कहां है," उसने जवाब दिया।
"लेकिन क्या आप पता लगा सकते हैं?"
"ओह, जी हाँ," श्रीमती वैंडमेयर ने लापरवाही से जवाब दिया। "इसमें कोई दिक्कत नहीं होगी।"
"फिर"—टप्पेन्स की आवाज़ थोड़ी कांप रही थी—"एक लड़का है, मेरा दोस्त। मुझे डर है कि तुम्हारे दोस्त बोरिस के ज़रिए उसके साथ कुछ हुआ है।"
"उसका नाम क्या है?"
"टॉमी बेरेसफोर्ड।"
मैंने उसके बारे में कभी नहीं सुना। लेकिन मैं बोरिस से पूछूंगा। वह मुझे सब कुछ बता देगा जो उसे पता है।
"धन्यवाद।" टप्पेन्स के मनोबल में ज़बरदस्त उछाल आया। इसने उसे और भी साहसिक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। "बस एक बात और है।"
"कुंआ?"
टप्पेन्स आगे झुकी और अपनी आवाज धीमी कर ली।
"मिस्टर ब्राउन कौन हैं?"
उनकी तेज नजरों ने उस खूबसूरत चेहरे का अचानक पीला पड़ जाना देखा। श्रीमती वैंडमेयर ने बड़ी मुश्किल से खुद को संभाला और अपने पुराने अंदाज में लौटने की कोशिश की। लेकिन यह कोशिश महज़ दिखावा थी।
उसने अपने कंधे उचका दिए।

"अगर आपको यह नहीं पता कि मिस्टर ब्राउन कौन हैं, यह कोई नहीं जानता, तो आप हमारे बारे में ज्यादा कुछ नहीं जान सकते..."
"हाँ," टप्पेन्स ने धीमी आवाज़ में कहा।
एक बार फिर दूसरे के चेहरे का रंग उड़ गया।
"आप ऐसा किस लिए सोचते हो?"
"मुझे नहीं पता," लड़की ने सच कहा। "लेकिन मुझे यकीन है।"
श्रीमती वैंडमेयर काफी देर तक अपने सामने देखती रहीं।
"हाँ," उसने अंततः कर्कश स्वर में कहा, "मुझे पता है। मैं सुंदर थी, आप देख रहे हैं—बहुत सुंदर—"
"तुम अभी भी वैसे ही हो," टप्पेन्स ने प्रशंसा भरे लहजे में कहा।
श्रीमती वैंडमेयर ने अपना सिर हिलाया। उनकी नीली आँखों में एक अजीब सी चमक थी।
“काफी खूबसूरत नहीं,” उसने धीमी, खतरनाक आवाज़ में कहा। “काफी—खूबसूरत—नहीं! और कभी-कभी, आजकल, मुझे डर लगता है... बहुत कुछ जानना खतरनाक होता है!” वह मेज के उस पार झुक गई। “कसम खाओ कि मेरा नाम इसमें नहीं आएगा—कि किसी को कभी पता नहीं चलेगा।”
मैं कसम खाता हूँ। और, एक बार जब वह पकड़ा जाएगा, तो आप खतरे से बाहर हो जाएंगे।
श्रीमती वैंडमेयर के चेहरे पर भय का भाव छा गया।
"क्या मैं ऐसा करूँ? क्या मैं कभी ऐसा कर पाऊँगी?" उसने टप्पेन्स का हाथ पकड़ लिया। "क्या तुम्हें पैसों का पूरा भरोसा है?"
"यकीन के साथ।"
"मुझे यह कब मिलेगा? इसमें देरी नहीं होनी चाहिए।"
"मेरा यह दोस्त अभी यहाँ आ रहा है। उसे शायद कुछ तार भेजने पड़ें, या कुछ ऐसा ही। लेकिन कोई देरी नहीं होगी - वह बहुत ही फुर्तीला है।"
श्रीमती वैंडमेयर के चेहरे पर दृढ़ निश्चय का भाव छा गया।
"मैं कर दूंगी। यह बहुत बड़ी रकम है, और इसके अलावा"—उसने एक अजीब सी मुस्कान दी—"मुझ जैसी औरत को यूं ही छोड़ देना समझदारी नहीं है!"
कुछ क्षणों के लिए वह मुस्कुराती रही और हल्के-हल्के अपनी उंगलियों से मेज पर

थपथपाती रही। अचानक वह चौंक गई और उसका चेहरा पीला पड़ गया।
"वह क्या था?"
मुझे कुछ सुनाई नहीं दिया।
श्रीमती वैंडमेयर ने भयभीत होकर अपने चारों ओर देखा।
"अगर कोई सुन रहा हो तो----"
"बकवास। भला कौन हो सकता है?"
दूसरे ने फुसफुसाते हुए कहा, "दीवारों के भी कान हो सकते हैं। मैं तुम्हें बता रही हूँ, मुझे डर लग रहा है। तुम उसे जानते भी नहीं हो!"
"एक लाख पाउंड के बारे में सोचो," टप्पेन्स ने शांत भाव से कहा।
श्रीमती वैंडमेयर ने अपनी जीभ अपने सूखे होठों पर फेर दी।
"तुम उसे नहीं जानते," उसने कर्कश स्वर में दोहराया। "वह—अरे!"
भय से चीखते हुए वह उछल पड़ी। उसका फैला हुआ हाथ टप्पेन्स के सिर के ऊपर इशारा कर रहा था। फिर वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी।
टप्पेन्स ने यह देखने के लिए चारों ओर देखा कि किस चीज ने उसे चौंका दिया था। दरवाजे पर सर जेम्स पील एडगर्टन और जूलियस हर्शाइमर खड़े थे।

अध्याय XIII. जागरण

सर जेम्स जूलियस के पास से गुजरे और जल्दी से गिरी हुई महिला की ओर झुक गए।
"हार्ट," उसने तीखे स्वर में कहा। "हमें अचानक देखकर उसे ज़रूर झटका लगा होगा। ब्रांडी - और जल्दी, वरना वो हमारे हाथों से फिसल जाएगी।"
जूलियस जल्दी से कपड़े धोने की जगह की ओर भागा।
"वहाँ नहीं," टप्पेन्स ने कंधे के ऊपर से कहा। "डाइनिंग रूम में टैंटलस में। गलियारे में दूसरा दरवाजा।"
सर जेम्स और टप्पेन्स ने मिलकर श्रीमती वैंडमेयर को उठाया और बिस्तर पर ले गए। वहाँ उन्होंने उनके चेहरे पर पानी डाला, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। वकील ने उनकी नब्ज़ जाँची।
"हालात नाजुक हैं," उसने बुदबुदाते हुए कहा। "काश वो नौजवान ब्रांडी जल्दी परोस देता।"
उसी क्षण जूलियस शराब से आधा भरा गिलास लेकर कमरे में वापस आया और

उसने वह गिलास सर जेम्स को दे दिया। जैसे ही टप्पेन्स ने अपना सिर उठाया, वकील ने उसके बंद होठों के बीच थोड़ी सी शराब जबरदस्ती डालने की कोशिश की। आखिरकार महिला ने अपनी आँखें बड़ी कमजोरी से खोलीं। टप्पेन्स ने गिलास उसके होठों से लगा दिया।

"इसे पियो।"

श्रीमती वैंडमेयर ने बात मान ली। ब्रांडी ने उनके गोरे गालों पर फिर से रौनक ला दी और उन्हें अद्भुत ढंग से तरोताज़ा कर दिया। उन्होंने उठने की कोशिश की, फिर कराहते हुए वापस गिर पड़ीं, उनका हाथ उनके बगल में था।

"यह मेरा दिल है," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "मुझे बात नहीं करनी चाहिए।"

वह आंखें बंद करके लेट गई।

सर जेम्स ने अपनी उंगली एक मिनट और उसकी कलाई पर रखी, फिर सिर हिलाकर उसे हटा लिया।

"अब वो ठीक रहेगी।"

तीनों वहां से हट गए और धीमी आवाज़ में आपस में बात करने लगे। सभी को एक तरह की निराशा का एहसास हो रहा था। ज़ाहिर है, फिलहाल उस महिला से पूछताछ करने की कोई भी योजना संभव नहीं थी। वे असमंजस में थे और कुछ कर नहीं पा रहे थे।

टप्पेन्स ने बताया कि श्रीमती वैंडमेयर ने श्री ब्राउन की पहचान उजागर करने की इच्छा जताई थी और जेन फिन के ठिकाने का पता लगाने और उन्हें बताने के लिए भी सहमति दी थी। जूलियस ने उन्हें बधाई दी।

"कोई बात नहीं, मिस टप्पेन्स। बहुत बढ़िया! मुझे लगता है कि सुबह भी वह एक लाख पाउंड उस महिला को उतने ही अच्छे लगेंगे जितने रात भर लगे थे। चिंता की कोई बात नहीं है। वैसे भी, बिना पैसों के तो वह बोलेगी ही नहीं, यकीन मानिए!"

इसमें निश्चित रूप से काफी व्यावहारिकता थी, और टप्पेन्स को थोड़ी राहत महसूस हुई।

"आपकी बात सही है," सर जेम्स ने सोच-विचार करते हुए कहा। "लेकिन मुझे यह स्वीकार करना होगा कि काश हमने उस समय हस्तक्षेप न किया होता। खैर, अब कुछ नहीं किया जा सकता, सुबह तक इंतजार करना ही एकमात्र उपाय है।"

उसने बिस्तर पर लेटी हुई बेजान आकृति पर नजर डाली। श्रीमती वैंडमेयर आंखें बंद

करके एकदम निष्क्रिय अवस्था में लेटी थीं। उसने अपना सिर हिलाया।
"ठीक है," टप्पेन्स ने हंसमुख होने का प्रयास करते हुए कहा, "हमें सुबह तक इंतजार करना होगा, बस इतना ही। लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमें फ्लैट छोड़ना चाहिए।"
"क्या हम आपके उस होशियार लड़के को पहरेदारी पर छोड़ सकते हैं?"
"अल्बर्ट? और मान लो कि वह फिर से होश में आई और उसे फंसा लिया। अल्बर्ट उसे रोक नहीं पाएगा।"
मुझे लगता है कि वह पैसों से दूर भागना नहीं चाहेगी।
"शायद। वह 'मिस्टर ब्राउन' से बहुत डरी हुई लग रही थी।"
"क्या? सचमुच उससे बहुत डरती हो?"
"हां। उसने चारों ओर देखा और कहा कि दीवारों के भी कान होते हैं।"
"शायद उसका मतलब डिक्टाफोन था," जूलियस ने दिलचस्पी से कहा।
"मिस टप्पेन्स सही कह रही हैं," सर जेम्स ने शांत स्वर में कहा। "हमें फ्लैट नहीं छोड़ना चाहिए—कम से कम श्रीमती वैंडमेयर की खातिर तो बिल्कुल नहीं।"
जूलियस उसे घूरता रहा।
"तुम्हें लगता है कि वह उसके पीछे पड़ेगा? आज से लेकर कल सुबह तक। उसे कैसे पता चलेगा?"
सर जेम्स ने रूखेपन से कहा, "आप डिक्टाफोन के अपने ही सुझाव को भूल गए। हमारा दुश्मन बहुत ही खतरनाक है। मेरा मानना है कि अगर हम पूरी सावधानी बरतें, तो उसके हमारे हाथों में आने की काफी संभावना है। लेकिन हमें किसी भी सावधानी में ढिलाई नहीं बरतनी चाहिए। हमारे पास एक महत्वपूर्ण गवाह है, लेकिन उसकी सुरक्षा ज़रूरी है। मेरा सुझाव है कि मिस टप्पेन्स सो जाएं, और आप और मैं, मिस्टर हर्शाइमर, उसकी निगरानी करें।"
टप्पेन्स विरोध करने ही वाली थी, लेकिन संयोगवश बिस्तर की ओर देखने पर उसने श्रीमती वैंडमेयर को देखा, जिनकी आंखें आधी खुली हुई थीं और उनके चेहरे पर भय और दुर्भावना का ऐसा मिश्रित भाव था कि उनके होठों पर शब्द ही जम गए।
एक पल के लिए उसे लगा कि बेहोशी और दिल का दौरा पड़ना शायद एक बड़ा धोखा था, लेकिन चेहरे की भयानक पीली रंगत को याद करके वह इस बात पर यकीन नहीं कर पा रही थी। जैसे ही उसने देखा, चेहरे का भाव जादू की तरह गायब हो गया, और श्रीमती वैंडमेयर पहले की तरह बेजान और गतिहीन पड़ी थीं। एक पल के लिए लड़की

को लगा कि उसने शायद सपना देखा था। लेकिन फिर भी उसने सतर्क रहने का निश्चय किया।
"खैर," जूलियस ने कहा, "मुझे लगता है कि हमें यहाँ से निकल जाना चाहिए।"
बाकी लोग भी उनके सुझाव से सहमत हो गए। सर जेम्स ने एक बार फिर श्रीमती वैंडमेयर की नब्ज़ जाँची।
"बिल्कुल ठीक है," उसने धीमी आवाज़ में टप्पेन्स से कहा। "एक रात आराम करने के बाद वह बिल्कुल ठीक हो जाएगी।"
बिस्तर के पास खड़ी लड़की एक पल के लिए झिझकी। जिस चेहरे पर उसने हैरानी जताई थी, उसकी भाव-भंगिमाओं की तीव्रता ने उसे बहुत प्रभावित किया था। श्रीमती वैंडमेयर ने अपनी पलकें उठाईं। ऐसा लग रहा था जैसे वह बोलने के लिए संघर्ष कर रही हो। टप्पेन्स उसके ऊपर झुक गई।
"मत जाओ----" वह आगे बोलने में असमर्थ लग रही थी, कुछ बुदबुदाते हुए बोली जो "नींद में" जैसी लग रही थी। फिर उसने दोबारा कोशिश की।
टप्पेन्स और भी नीचे झुक गई। बस एक सांस जितनी देर।
"श्रीमान ब्राउन..." आवाज रुक गई।
लेकिन अधबंद आंखें अभी भी एक पीड़ादायक संदेश भेजती हुई प्रतीत हो रही थीं। अचानक आए आवेग से प्रेरित होकर लड़की ने जल्दी से कहा:
मैं फ्लैट से बाहर नहीं निकलूंगा। मैं पूरी रात जागता रहूंगा।
पलकें फिर से बंद होने से पहले राहत की एक झलक दिखाई दी। जाहिर तौर पर श्रीमती वैंडमेयर सो रही थीं। लेकिन उनके शब्दों ने टप्पेन्स के मन में एक नई बेचैनी जगा दी थी। उस धीमी आवाज़ में उन्होंने क्या कहा था: "मिस्टर ब्राउन?" टप्पेन्स ने घबराकर पीछे मुड़कर देखा। बड़ी अलमारी उसकी आँखों के सामने एक भयावह रूप में उभर आई। उसमें किसी आदमी के छिपने के लिए काफी जगह थी... खुद पर थोड़ा शर्मिंदा होते हुए, टप्पेन्स ने उसे खोला और अंदर देखा। कोई नहीं—बिल्कुल! वह नीचे झुकी और बिस्तर के नीचे देखा। छिपने की कोई और जगह संभव नहीं थी।
टप्पेन्स ने हमेशा की तरह कंधे झटक दिए। घबराहट के आगे इस तरह झुक जाना कितना अजीब था! धीरे-धीरे वह कमरे से बाहर चली गई। जूलियस और सर जेम्स धीमी आवाज़ में बातें कर रहे थे। सर जेम्स उसकी ओर मुड़े।
"कृपया बाहर से दरवाजा बंद कर दीजिए, मिस टप्पेन्स, और चाबी निकाल लीजिए।

किसी को भी उस कमरे में प्रवेश करने का कोई मौका नहीं होना चाहिए।"
उनके व्यवहार की गंभीरता ने उन्हें प्रभावित किया, और टप्पेन्स को अपने "घबराहट" के दौरे पर कम शर्म महसूस हुई।
"देखो," जूलियस ने अचानक कहा, "वो टप्पेन्स का होशियार लड़का है। मुझे लगता है मुझे नीचे जाकर उसके मन को शांत करना चाहिए। टप्पेन्स वाकई कमाल का लड़का है।"
"वैसे, तुम अंदर कैसे आए?" टप्पेन्स ने अचानक पूछा। "मैं पूछना भूल गया था।"
"खैर, अल्बर्ट ने मुझे फ़ोन पर तो बात करवा दी। मैं सर जेम्स को बुलाने भागा और हम तुरंत आ गए। लड़का हमारी तलाश में था और उसे ज़रा सी चिंता थी कि कहीं तुम्हारे साथ कुछ हो न गया हो। वह फ्लैट के दरवाज़े के बाहर कान लगाकर सुन रहा था, पर कुछ सुनाई नहीं दिया। खैर, उसने घंटी बजाने के बजाय हमें कोयले वाली लिफ्ट में भेजने का सुझाव दिया। और सच में हम रसोई में उतरे और सीधे तुम्हें ढूंढने आ गए। अल्बर्ट अभी भी नीचे है और इस समय तक तो वह बहुत गुस्से में होगा।"
इतना कहकर जूलियस अचानक चला गया।
"तो फिर, मिस टप्पेन्स," सर जेम्स ने कहा, "आप इस जगह को मुझसे बेहतर जानती हैं। आप क्या सुझाव देती हैं कि हमें कहाँ ठहरना चाहिए?"
टप्पेन्स ने एक-दो पल के लिए विचार किया।
"मुझे लगता है कि श्रीमती वैंडमेयर का शयनकक्ष सबसे आरामदायक होगा," उसने अंत में कहा और वहाँ जाने का रास्ता दिखाने लगी।
सर जेम्स ने चारों ओर देखकर स्वीकृति का भाव व्यक्त किया।
"यह बहुत अच्छा रहेगा, और अब, मेरी प्यारी युवती, बिस्तर पर जाओ और सो जाओ।"
टप्पेन्स ने दृढ़ता से अपना सिर हिलाया।
"मैं ऐसा नहीं कर सकती, धन्यवाद, सर जेम्स। मैं तो पूरी रात मिस्टर ब्राउन के सपने देखती रह जाऊंगी!"
"लेकिन तुम बहुत थक जाओगे, बच्चे।"
"नहीं, मैं नहीं जागूंगा। मैं जागना पसंद करूंगा—सचमुच।"
वकील ने हार मान ली।
कुछ मिनट बाद जूलियस फिर प्रकट हुआ, उसने अल्बर्ट को आश्वस्त किया और

उसकी सेवाओं के लिए उसे भरपूर इनाम दिया। टप्पेन्स को सोने के लिए राजी करने में असफल रहने के बाद, उसने दृढ़ता से कहा:
"खर्च कम से कम अभी तो कुछ खाने को चाहिए। भंडारगृह कहाँ है?"
टप्पेन्स ने उसे निर्देश दिया, और वह कुछ ही मिनटों में एक ठंडी पाई और तीन प्लेटें लेकर लौट आया।
भरपेट भोजन करने के बाद, लड़की को आधे घंटे पहले की अपनी कल्पनाओं को नकारने का मन हुआ। पैसों के लालच का असर तो होना ही था।
"और अब, मिस टप्पेन्स," सर जेम्स ने कहा, "हम आपके कारनामों के बारे में सुनना चाहते हैं।"
"बिल्कुल सही," जूलियस ने सहमति जताई।
टप्पेन्स ने बड़े आत्मविश्वास से अपने कारनामों का वर्णन किया। जूलियस बीच-बीच में प्रशंसा भरे लहजे में "बदमाश" कहता रहा। सर जेम्स ने उसके वर्णन समाप्त होने तक कुछ नहीं कहा, और जब उसने शांत स्वर में "शाबाश, मिस टप्पेन्स" कहा, तो वह खुशी से लाल हो उठी।
जूलियस ने कहा, "एक बात मुझे बिल्कुल समझ नहीं आ रही है। आखिर किस बात ने उसे घर खाली करने के लिए उकसाया?"
"मुझे नहीं पता," टप्पेन्स ने स्वीकार किया।
सर जेम्स ने सोच-विचार करते हुए अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा।
"कमरा बेहद अव्यवस्थित था। ऐसा लगता है जैसे उसका भागना अनियोजित था। मानो उसे किसी ने अचानक जाने की चेतावनी दी हो।"
"मुझे लगता है, मिस्टर ब्राउन," जूलियस ने उपहासपूर्वक कहा।
वकील ने एक-दो मिनट तक जानबूझकर उसकी ओर देखा।
"क्यों नहीं?" उसने कहा। "याद रखो, तुम खुद एक बार उससे हार चुके हो।"
जूलियस झुंझलाहट से लाल हो गया।
"जब मैं सोचती हूँ कि मैंने जेन की तस्वीर उसे एक मासूम भेड़ की तरह सौंप दी थी, तो मुझे बहुत गुस्सा आता है। अगर कभी वो तस्वीर मेरे हाथ लगी, तो मैं उसे ऐसे पकड़ लूँगी जैसे नरक में जाऊँ!"
"ऐसी संभावना बहुत कम है," दूसरे ने रूखेपन से कहा।
"मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं," जूलियस ने स्पष्टवादिता से कहा। "और वैसे भी,

मैं तो असली चीज़ की तलाश में हूँ। आपको क्या लगता है वह कहाँ हो सकती है, सर जेम्स?"
वकील ने अपना सिर हिलाया।
"कहना असंभव है। लेकिन मुझे काफी हद तक अंदाजा है कि वह कहां रही है।"
"तुम्हारे पास है? कहाँ?"
सर जेम्स मुस्कुराए।
"आपकी रात्रिकालीन रोमांचक गतिविधियों का स्थल, बॉर्नमाउथ नर्सिंग होम।"
"वहाँ? असंभव। मैंने पूछा था।"
"नहीं, महोदय, आपने पूछा था कि क्या जेन फिन नाम की कोई महिला वहाँ मौजूद थी। यदि उस लड़की को वहाँ रखा गया होता, तो लगभग निश्चित रूप से उसे किसी छद्म नाम से रखा गया होता।"
"शाबाश!" जूलियस चिल्लाया। "मैंने तो कभी इसके बारे में सोचा ही नहीं था!"
"यह तो काफी स्पष्ट था," दूसरे ने कहा।
"शायद डॉक्टर भी इसमें शामिल है," टप्पेन्स ने सुझाव दिया।
जूलियस ने अपना सिर हिलाया।
"मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे तो उनसे तुरंत ही लगाव हो गया था। नहीं, मुझे पूरा यकीन है कि डॉ. हॉल ठीक हैं।"
"हॉल, क्या आपने यही कहा?" सर जेम्स ने पूछा। "यह तो बहुत अजीब है—सचमुच बहुत अजीब।"
"क्यों?" टप्पेन्स ने पूछा।
"क्योंकि आज सुबह मेरी उससे अचानक मुलाकात हो गई। मैं उसे कुछ सालों से थोड़ा-बहुत जानता हूँ, और आज सुबह सड़क पर मेरी उससे मुलाक़ात हो गई। उसने मुझे बताया कि वह मेट्रोपोल होटल में रुका हुआ है।" वह जूलियस की ओर मुड़ा। "क्या उसने तुम्हें नहीं बताया था कि वह शहर आ रहा है?"
जूलियस ने अपना सिर हिलाया।
"अजीब बात है," सर जेम्स ने सोचा। "आपने आज दोपहर उनका नाम नहीं लिया, वरना मैं आपको उनसे आगे की जानकारी लेने के लिए मेरा कार्ड परिचय पत्र के रूप में देने का सुझाव देता।"
"मुझे लगता है मैं एक मिश्रित नस्ल का हूँ," जूलियस ने असाधारण विनम्रता से कहा।

"मुझे झूठे नाम का हथकंडा अपनाना चाहिए था।"
"उस पेड़ से गिरने के बाद तुम कुछ सोच भी कैसे सकते हो?" टप्पेन्स चिल्लाई। "मुझे यकीन है कि कोई और होता तो तुरंत मर जाता।"
"खैर, मुझे लगता है कि अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता," जूलियस ने कहा। "हमने श्रीमती वैंडमेयर को अपने इशारों पर नचा रखा है, और हमें बस इतना ही चाहिए।"
"हां," टप्पेन्स ने कहा, लेकिन उसकी आवाज में आत्मविश्वास की कमी थी।
पार्टी में सन्नाटा छा गया। धीरे-धीरे रात का जादू उन पर हावी होने लगा। फर्नीचर से अचानक चरमराहट की आवाजें आने लगीं, पर्दों में हल्की सरसराहट सुनाई देने लगी। अचानक टप्पेन्स चीखते हुए उठ खड़ी हुई।
मैं कुछ नहीं कर सकती। मुझे पता है मिस्टर ब्राउन फ्लैट में कहीं हैं! मैं उन्हें महसूस कर सकती हूँ।
"ज़रूर, टप्पेन्स, वो कैसे हो सकता है? ये दरवाज़ा हॉल में खुलता है। सामने वाले दरवाज़े से कोई भी हमारे देखे और सुने बिना अंदर नहीं आ सकता था।"
मैं कुछ नहीं कर सकती। मुझे महसूस होता है कि वह यहीं है!
उसने सर जेम्स की ओर प्रेम भरी निगाहों से देखा, जिन्होंने गंभीरता से उत्तर दिया: "आपकी भावनाओं का सम्मान करते हुए, मिस टप्पेन्स (और मेरी भी), मुझे नहीं लगता कि हमारी जानकारी के बिना किसी का फ्लैट में होना मानवीय रूप से संभव है।"
उस लड़की को उसके आश्रितों से थोड़ी तसल्ली मिली।
"रात को जागते रहना हमेशा थोड़ा डरावना होता है," उसने स्वीकार किया।
"जी हां," सर जेम्स ने कहा। "हम एक प्रेतात्माओं से संपर्क करने की कोशिश कर रहे लोगों की तरह हैं। शायद अगर कोई माध्यम मौजूद हो तो हमें कुछ अद्भुत परिणाम मिल सकते हैं।"
"क्या आप अध्यात्मवाद में विश्वास करती हैं?" टप्पेन्स ने अपनी आँखें चौड़ी करते हुए पूछा।
वकील ने अपने कंधे उचका दिए।
"इसमें कुछ सच्चाई तो है, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन अधिकांश गवाहियाँ अदालत में मान्य नहीं होंगी।"
समय बीतता गया। भोर की पहली हल्की रोशनी के साथ ही सर जेम्स ने पर्दे हटा

दिए। उन्होंने वह दृश्य देखा, जो लंदनवासियों को बहुत कम ही देखने को मिलता है - सोए हुए शहर पर धीरे-धीरे उगता सूरज। किसी तरह, उजाले के आने से पिछली रात के सारे डर और कल्पनाएँ बेतुकी लगने लगीं। टप्पेन्स का मनोबल फिर से सामान्य हो गया।

"वाह!" उसने कहा। "आज का दिन बहुत खूबसूरत होने वाला है। और हम टॉमी को ढूंढ लेंगे। और जेन फिन को भी। और सब कुछ बहुत अच्छा होगा। मैं मिस्टर कार्टर से पूछूंगी कि क्या मुझे डेम की उपाधि नहीं दी जा सकती!"

सात बजे टप्पेन्स ने चाय बनाने के लिए जाने की पेशकश की। वह एक ट्रे लेकर लौटी, जिसमें चायदानी और चार कप थे।

"दूसरा कप किसके लिए है?" जूलियस ने पूछा।

"कैदी, बिल्कुल। मुझे लगता है कि हम उसे कैदी कह सकते हैं?"

जूलियस ने सोच-विचार करते हुए कहा, "उसे चाय पिलाना पिछली रात के मुकाबले कुछ फीका सा लग रहा है।" टप्पेन्स ने माना, "हाँ, ऐसा ही है। लेकिन चलो, चलते हैं। शायद तुम दोनों भी आ जाओ, कहीं वो मुझ पर गुस्सा न कर दे या कुछ और न कह दे। वैसे, हमें नहीं पता कि वो सुबह किस मूड में उठेगी।"

सर जेम्स और जूलियस उन्हें दरवाजे तक छोड़ने गए।

"चाबी कहाँ है? अरे हाँ, मेरे पास ही है।"

उसने उसे ताले में डाला, उसे घुमाया, फिर रुक गई।

"मान लो, आखिरकार वो भाग निकली हो?" उसने फुसफुसाते हुए कहा।

"बिल्कुल असंभव," जूलियस ने आश्वस्त करते हुए उत्तर दिया।

लेकिन सर जेम्स ने कुछ नहीं कहा।

टप्पेन्स ने एक गहरी सांस ली और अंदर दाखिल हुई। श्रीमती वैंडमेयर को बिस्तर पर लेटे देखकर उसने राहत की सांस ली।

"सुप्रभात," उसने प्रसन्नतापूर्वक कहा। "मैं आपके लिए चाय लाई हूँ।"

श्रीमती वैंडमेयर ने कोई जवाब नहीं दिया। टप्पेन्स ने प्याला पलंग के पास वाली मेज पर रख दिया और पर्दे उठाने के लिए आगे बढ़ी। जब वह मुड़ी, तो श्रीमती वैंडमेयर अभी भी बिना हिले-डुले लेटी हुई थीं। अचानक डर से उसका दिल कांप उठा, टप्पेन्स पलंग की ओर दौड़ी। उसने जो हाथ उठाया, वह बर्फ की तरह ठंडा था... श्रीमती वैंडमेयर अब कभी नहीं बोलेंगी...

उसकी चीख सुनकर बाकी लोग भी आ गए। कुछ ही मिनटों में श्रीमती वैंडमेयर की मृत्यु हो गई थी—संभवतः कुछ घंटे पहले ही हुई होगी। जाहिर है, उनकी मृत्यु नींद में ही हुई थी।

"अगर यह सबसे बुरी किस्मत नहीं है तो क्या है?" जूलियस ने निराशा में कहा।

वकील पहले से अधिक शांत था, लेकिन उसकी आंखों में एक अजीब सी चमक थी।

"अगर यह भाग्य की बात है," उसने जवाब दिया।

"आपको ऐसा नहीं लगता—लेकिन मान लीजिए, यह बिल्कुल असंभव है—कि कोई भी अंदर नहीं जा सकता था।"

"नहीं," वकील ने स्वीकार किया। "मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा कर सकते थे। और फिर भी—वह मिस्टर ब्राउन को धोखा देने ही वाली थी कि—उसकी मृत्यु हो गई। क्या यह महज़ संयोग है?"

"आख़िर कैसे----"

"हाँ, कैसे! यही तो हमें पता लगाना होगा।" वह चुपचाप खड़ा रहा, धीरे से अपनी ठुड्डी सहलाता रहा। "हमें पता लगाना होगा," उसने धीमी आवाज़ में कहा, और टप्पेन्स को लगा कि अगर वह मिस्टर ब्राउन होती तो उसे उन सरल शब्दों का लहजा पसंद नहीं आता।

जूलियस की नजर खिड़की पर पड़ी।

"खिड़की खुली है," उसने कहा। "क्या आपको लगता है----"

टप्पेन्स ने अपना सिर हिलाया।

"बालकनी केवल बेडरूम तक ही जाती है। हम वहीं थे।"

"हो सकता है वह चुपके से निकल गया हो----" जूलियस ने सुझाव दिया।

लेकिन सर जेम्स ने उन्हें बीच में ही रोक दिया।

"श्री ब्राउन के तरीके इतने क्रूर नहीं हैं। इस बीच हमें एक डॉक्टर को बुलाना होगा, लेकिन इससे पहले कि हम ऐसा करें, क्या इस कमरे में कुछ ऐसा है जो हमारे लिए उपयोगी हो सकता है?"

तीनों ने जल्दी से तलाशी ली। अंगीठी में जले हुए अवशेषों से संकेत मिला कि श्रीमती वैंडमेयर ने भागने से पहले कागज़ जलाए थे। हालांकि उन्होंने अन्य कमरों की भी तलाशी ली, लेकिन कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं मिला।

"ये रहा," टप्पेन्स ने अचानक दीवार में बने एक छोटे, पुराने ज़माने के तिजोरी की ओर

इशारा करते हुए कहा। "मुझे लगता है कि यह गहनों के लिए है, लेकिन इसमें कुछ और भी हो सकता है।"
चाबी ताले में लगी हुई थी, और जूलियस ने दरवाजा खोलकर अंदर तलाशी ली। उसे इस काम में काफी समय लग गया था।
"अच्छा," टप्पेन्स ने अधीरता से कहा।
जूलियस के जवाब देने से पहले कुछ देर का विराम था, फिर उसने अपना सिर पीछे खींच लिया और दरवाजा बंद कर लिया।
"कुछ नहीं," उसने कहा।
पांच मिनट के भीतर ही एक फुर्तीला युवा डॉक्टर आ पहुँचा, जिसे तुरंत बुलाया गया था। उसने सर जेम्स के प्रति विनम्रता दिखाई, क्योंकि वह उन्हें पहचानता था।
"दिल का दौरा पड़ गया है, या शायद किसी नींद की दवा की अधिक मात्रा ले ली है।" उसने सूंघा। "हवा में क्लोरीन जैसी गंध आ रही है।"
टप्पेन्स को वह गिलास याद आया जो उसने गिरा दिया था। एक नए विचार ने उसे कपड़े धोने की जगह तक पहुँचा दिया। उसने वह छोटी बोतल ढूंढ ली जिससे श्रीमती वैंडमेयर ने कुछ बूँदें डाली थीं।
यह तीन भाग भरा हुआ था। अब—यह बिल्कुल खाली था।

अध्याय XIV. एक परामर्श

सर जेम्स की कुशल व्यवस्था के कारण हर चीज़ इतनी आसानी और सरलता से व्यवस्थित थी कि टप्पेन्स को इससे ज़्यादा आश्चर्य और हैरानी किसी और बात से नहीं हुई। डॉक्टर ने श्रीमती वैंडमेयर के गलती से क्लोरल की अधिक मात्रा लेने की बात को आसानी से मान लिया। उन्हें संदेह था कि क्या जांच की आवश्यकता होगी। यदि ऐसा हुआ, तो वे सर जेम्स को सूचित करेंगे। उन्हें पता चला कि श्रीमती वैंडमेयर विदेश जाने की तैयारी में थीं और नौकर पहले ही जा चुके थे। सर जेम्स और उनके युवा मित्र उनसे मिलने गए थे, तभी अचानक वे बीमार पड़ गईं और उन्हें अकेला छोड़ना उन्हें अच्छा नहीं लगा, इसलिए उन्होंने रात फ्लैट में ही बिताई। क्या वे उनके किसी रिश्तेदार को जानते थे? वे नहीं जानते थे, लेकिन सर जेम्स ने उन्हें श्रीमती वैंडमेयर के वकील से संपर्क करने के लिए कहा।
कुछ ही देर बाद एक नर्स ने कार्यभार संभाला और बाकी लोग उस अशुभ इमारत से

चले गए।
"और अब क्या?" जूलियस ने निराशा भरे भाव से पूछा। "मुझे लगता है कि हम पूरी तरह से हार गए हैं।"
सर जेम्स ने सोच-विचार करते हुए अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा।
"नहीं," उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। "अभी भी संभावना है कि डॉ. हॉल हमें कुछ बता सकें।"
अरे! मैं तो उसे भूल ही गया था।
"मौका बहुत कम है, लेकिन इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। मुझे लगता है मैंने आपको बताया था कि वह मेट्रोपोल होटल में ठहरे हुए हैं। मेरा सुझाव है कि हम उनसे जल्द से जल्द वहीं मिलें। क्या हम नहाने और नाश्ते के बाद मिलें?"
यह तय किया गया था कि टप्पेन्स और जूलियस रिट्ज़ लौटेंगे और कार में सर जेम्स को बुलाएँगे। इस कार्यक्रम का पूरी निष्ठा से पालन किया गया और ग्यारह बजे के कुछ देर बाद वे मेट्रोपोल होटल के सामने पहुँचे। उन्होंने डॉ. हॉल के बारे में पूछा और एक सेवक उन्हें ढूंढने चला गया। कुछ ही मिनटों में नन्हा डॉक्टर उनकी ओर दौड़ता हुआ आ गया।
"क्या आप हमें कुछ मिनट दे सकते हैं, डॉ. हॉल?" सर जेम्स ने विनम्रता से कहा। "मैं आपको मिस काउली से मिलवाता हूँ। श्री हर्शाइमर को, मुझे लगता है, आप पहले से ही जानते हैं।"
डॉक्टर ने जूलियस से हाथ मिलाते समय उसकी आंखों में जिज्ञासा की एक चमक दिखाई दी।
"अरे हाँ, पेड़ वाले प्रसंग का मेरा छोटा दोस्त! टखना ठीक है ना?"
"मुझे लगता है कि आपके कुशल उपचार की बदौलत यह ठीक हो गया है, डॉक्टर साहब।"
और दिल की बीमारी? हा हा!
जूलियस ने संक्षेप में कहा, "अभी भी खोज जारी है।"
"सीधे मुद्दे पर आते हैं, क्या हम आपसे अकेले में बात कर सकते हैं?" सर जेम्स ने पूछा।
"बिल्कुल। मुझे लगता है कि यहाँ एक कमरा है जहाँ हमें बिल्कुल भी कोई बाधा नहीं होगी।"

वह आगे-आगे चलने लगा और बाकी लोग उसके पीछे-पीछे चलने लगे। वे बैठ गए और डॉक्टर ने सर जेम्स की ओर जिज्ञासा भरी नजरों से देखा।
"डॉ. हॉल, मैं एक युवती से बयान लेने के लिए बहुत उत्सुक हूँ। मुझे विश्वास है कि वह कभी न कभी बॉर्नमाउथ स्थित आपके संस्थान में आई होगी। मुझे उम्मीद है कि इस विषय पर आपसे पूछताछ करने में मैं किसी पेशेवर शिष्टाचार का उल्लंघन नहीं कर रहा हूँ।"
"मुझे लगता है कि यह गवाही का मामला है?"
सर जेम्स एक पल के लिए हिचकिचाए, फिर उन्होंने उत्तर दिया:
"हाँ।"
"मैं आपको अपनी जानकारी देने में प्रसन्न होऊंगा। उस युवती का नाम क्या है? मुझे याद है, श्री हर्शाइमर ने मुझसे पूछा था----" वह आधा जूलियस की ओर मुड़ा।
सर जेम्स ने स्पष्ट रूप से कहा, "नाम वास्तव में महत्वहीन है। उसे लगभग निश्चित रूप से किसी फर्जी नाम से आपके पास भेजा जाएगा। लेकिन मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या आप श्रीमती वैंडमेयर को जानते हैं?"
"श्रीमती वैंडमेयर, 20 साउथ ऑडली मेंशन की मालकिन? मैं उन्हें थोड़ा-बहुत जानती हूँ।"
"क्या आपको पता नहीं है कि क्या हुआ है?"
"आपका क्या मतलब है?"
"क्या आपको नहीं पता कि श्रीमती वैंडमेयर की मृत्यु हो चुकी है?"
अरे बाप रे, मुझे तो पता ही नहीं था! ये कब हुआ?
"उसने कल रात क्लोरल की ओवरडोज ले ली।"
"जानबूझकर?"
"ऐसा माना जा रहा है कि यह एक दुर्घटना थी। मैं खुद कुछ कहना नहीं चाहूंगा। खैर, आज सुबह वह मृत पाई गई।"
"बहुत दुखद। एक असाधारण रूप से सुंदर महिला। मुझे लगता है कि वह आपकी दोस्त थी, क्योंकि आप इन सभी विवरणों से परिचित हैं।"
"मुझे सारी जानकारी है क्योंकि—दरअसल, मैंने ही उसे मृत पाया था।"
"जी हां," डॉक्टर चौंकते हुए बोला।
"हां," सर जेम्स ने कहा और सोचते हुए अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा।

"यह बहुत दुखद खबर है, लेकिन अगर मैं कहूँ कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि इसका आपकी जांच के विषय से क्या संबंध है, तो आप मुझे क्षमा करेंगे?"
"इसका इससे इस तरह संबंध है, क्या यह सच नहीं है कि श्रीमती वैंडमेयर ने अपने एक युवा रिश्तेदार को आपकी देखरेख में सौंपा था?"
जूलियस उत्सुकता से आगे की ओर झुका।
"यही बात है," डॉक्टर ने धीमी आवाज़ में कहा।
"के नाम के नीचे----?"
"जेनेट वैंडमेयर। मुझे पता चला कि वह श्रीमती वैंडमेयर की भतीजी हैं।"
"और वह आपके पास आई?"
"जहां तक मुझे याद है, यह घटना जून या जुलाई 1915 में हुई थी।"
"क्या वह मानसिक रोगी थी?"
"अगर आपका मतलब यही है तो वह पूरी तरह से स्वस्थ है। मुझे श्रीमती वैंडमेयर से पता चला कि जब वह दुर्भाग्यपूर्ण जहाज लुसिटानिया डूबा था तब वह लड़की उनके साथ थी और परिणामस्वरूप उसे गहरा सदमा लगा था।"
"मुझे लगता है हम सही रास्ते पर हैं?" सर जेम्स ने चारों ओर देखा।
"जैसा कि मैंने पहले कहा था, मैं एक मिश्रित नस्ल का कुत्ता हूँ!" जूलियस ने जवाब दिया।
डॉक्टर ने उन सभी को उत्सुकता से देखा।
उन्होंने कहा, "आपने उनसे बयान लेने की बात कही थी। मान लीजिए कि वह बयान देने में सक्षम नहीं हैं?"
"क्या? आपने अभी-अभी कहा कि वह पूरी तरह से समझदार है।"
"हाँ, वह है। फिर भी, यदि आप 7 मई, 1915 से पहले की किसी भी घटना के बारे में उससे कोई बयान चाहते हैं, तो वह आपको वह बयान नहीं दे पाएगी।"
वे उस छोटे आदमी को देखकर अचंभित रह गए। उसने प्रसन्नतापूर्वक सिर हिलाया।
उन्होंने कहा, "यह बहुत दुख की बात है। बहुत दुख की बात है, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे पता चला है, सर जेम्स, कि मामला महत्वपूर्ण है। लेकिन बात यही है, वह आपको कुछ नहीं बता सकती।"
"लेकिन क्यों यार? आखिर क्यों?"
उस छोटे कद के व्यक्ति ने अपनी दयालु दृष्टि उस उत्साहित युवा अमेरिकी की ओर

घुमाई।
"क्योंकि जेनेट वैंडमेयर पूरी तरह से स्मृतिहीनता से पीड़ित हैं।"
"क्या?"
"बिल्कुल सही। एक दिलचस्प मामला, बहुत ही दिलचस्प मामला। वास्तव में, उतना असामान्य नहीं जितना आप सोचते हैं। इसके कई जाने-माने उदाहरण हैं। यह अपनी तरह का पहला मामला है जिसे मैंने व्यक्तिगत रूप से देखा है, और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि इसमें मेरी गहरी रुचि रही है।" उस छोटे आदमी की संतुष्टि में कुछ भयावह सा भाव था।
"और उसे कुछ भी याद नहीं है," सर जेम्स ने धीरे से कहा।
"7 मई, 1915 से पहले कुछ भी याद नहीं है। उस तारीख के बाद उनकी याददाश्त आपकी या मेरी तरह ही अच्छी है।"
"तो उसे सबसे पहले क्या याद आता है?"
"वह बचे हुए लोगों के साथ उतर रही है। उससे पहले का सब कुछ उसके लिए खाली है। उसे अपना नाम नहीं पता था, न ही वह कहाँ से आई थी, न ही वह कहाँ थी। वह अपनी ही भाषा भी नहीं बोल सकती थी।"
"लेकिन यह सब तो वाकई बहुत असामान्य है?" जूलियस ने पूछा।
नहीं, महोदय। इन परिस्थितियों में यह बिल्कुल सामान्य है। तंत्रिका तंत्र को गंभीर आघात लगा है। स्मृति हानि लगभग हमेशा एक ही तरह से होती है। मैंने एक विशेषज्ञ से परामर्श करने का सुझाव दिया था। पेरिस में एक बहुत अच्छे विशेषज्ञ हैं जो ऐसे मामलों का अध्ययन करते हैं, लेकिन श्रीमती वैंडमेयर ने इस तरह के परामर्श से होने वाली संभावित प्रसिद्धि का विरोध किया।
"मैं कल्पना कर सकता हूँ कि वह ऐसा करेगी," सर जेम्स ने गंभीर स्वर में कहा।
"मैं उसके विचारों से सहमत हो गया। ऐसे मामलों को लेकर एक खास तरह की बदनामी होती है। और वह लड़की बहुत छोटी थी—शायद उन्नीस साल की। उसकी बीमारी के बारे में बात करना दुखद लग रहा था—इससे उसके भविष्य पर बुरा असर पड़ सकता था। इसके अलावा, ऐसे मामलों में कोई विशेष इलाज नहीं होता। यह तो बस इंतजार करने की बात है।"
"इंतज़ार में?"
"हाँ, देर-सवेर, स्मृति लौट आएगी—ठीक वैसे ही जैसे अचानक गई थी। लेकिन पूरी

संभावना है कि लड़की बीच के समय को पूरी तरह से भूल चुकी होगी, और वहीं से जीवन शुरू करेगी जहाँ उसने छोड़ा था—लुसिटानिया के डूबने के समय से।"
और आपको कब तक इसके होने की उम्मीद है?
डॉक्टर ने अपने कंधे उचका दिए।
"अरे, मैं यह नहीं कह सकता। कभी-कभी यह कुछ महीनों की बात होती है, कभी-कभी यह बीस साल तक भी चल जाती है! कभी-कभी एक और झटका काम कर जाता है। एक झटका दूसरे की कमी को पूरा कर देता है।"
"एक और झटका, है ना?" जूलियस ने सोच-विचार करते हुए कहा।
"बिल्कुल सही। कोलोराडो में एक मामला था----" उस छोटे आदमी की आवाज धीमी, वाचाल और थोड़ी उत्साहपूर्ण थी।
जूलियस मानो सुन ही नहीं रहा था। वह अपने ही विचारों में खो गया था और भौंहें चढ़ाए बैठा था। अचानक वह अपने भूरे रंग के स्टडी रूम से बाहर आया और मेज पर इतनी ज़ोर से मुक्का मारा कि सब चौंक गए, खासकर डॉक्टर।
"मुझे समझ आ गया! डॉक्टर साहब, मैं जो योजना बताने जा रहा हूँ, उस पर आपकी चिकित्सीय राय लेना चाहूँगा। मान लीजिए जेन को फिर से हेरिंग तालाब पार करना पड़े, और वही सब कुछ दोबारा हो। पनडुब्बी, डूबता हुआ जहाज, सबको नावों में सवार होना पड़े—और इसी तरह। क्या इससे काम नहीं बन जाएगा? क्या इससे उसके अवचेतन मन को, या जो भी तकनीकी शब्द हो, एक ज़बरदस्त झटका नहीं लगेगा और वह तुरंत फिर से काम करना शुरू नहीं कर देगा?"
"श्री हर्शाइमर, यह एक बहुत ही दिलचस्प अनुमान है। मेरी राय में, यह सफल होगा। दुर्भाग्य से, आपके सुझाव के अनुसार परिस्थितियाँ दोबारा उत्पन्न होने की कोई संभावना नहीं है।"
"शायद स्वभाव से नहीं, डॉक्टर साहब। लेकिन मैं कला की बात कर रहा हूँ।"
"कला?"
"हाँ, बिल्कुल। इसमें क्या मुश्किल है? एक लाइनर किराए पर ले लो----"
"एक लाइनर!" डॉ. हॉल ने धीमी आवाज़ में कहा।
"कुछ यात्रियों को किराए पर लेना, एक पनडुब्बी किराए पर लेना—बस यही एक मुश्किल है, मुझे लगता है। सरकारें अपने युद्धक हथियारों को लेकर थोड़ी रूढ़िवादी होती हैं। वे पहले आने वाले को कुछ नहीं बेचेंगी। फिर भी, मुझे लगता है कि इसका

समाधान निकाला जा सकता है। क्या आपने कभी 'भ्रष्टाचार' शब्द सुना है, महोदय? खैर, भ्रष्टाचार तो हर बार होता है! मुझे लगता है कि हमें टॉरपीडो दागने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। अगर हर कोई इधर-उधर भागे और इतनी ज़ोर से चिल्लाए कि जहाज़ डूब रहा है, तो जेन जैसी मासूम बच्ची के लिए इतना काफ़ी होगा। जब तक उसे लाइफ बेल्ट पहनाई जाएगी और उसे नाव में बिठाया जाएगा, और डेक पर प्रशिक्षित कलाकारों का एक समूह उन्मादी स्टंट करेगा, तब तक—वह मई 1915 वाली जगह पर वापस पहुँच चुकी होगी। यह संक्षिप्त रूपरेखा कैसी लगी?"

डॉ. हॉल ने जूलियस की ओर देखा। जो कुछ भी वह उस क्षण कहने में असमर्थ थे, वह उनकी उस नज़र में स्पष्ट रूप से व्यक्त हो रहा था।

"नहीं," जूलियस ने जवाब में कहा, "मैं पागल नहीं हूँ। यह बिल्कुल संभव है। अमेरिका में फिल्मों के लिए यह रोज़ाना होता है। क्या आपने स्क्रीन पर ट्रेनों की टक्कर नहीं देखी? एक ट्रेन खरीदने और एक जहाज़ खरीदने में क्या अंतर है? ज़मीनें खरीदो और तुम आगे बढ़ सकते हो!"

डॉ. हॉल को अपनी आवाज़ मिल गई।

"लेकिन खर्चा, मेरे प्रिय महोदय।" उनकी आवाज़ ऊंची हो गई। "खर्चा! यह बहुत ज़्यादा होगा!"

"मुझे पैसे की कोई चिंता नहीं है," जूलियस ने सरल शब्दों में समझाया।

डॉ. हॉल ने सर जेम्स की ओर एक विनम्र चेहरा बनाया, जिस पर सर जेम्स ने हल्की सी मुस्कान दी।

"श्री हर्शाइमर बहुत ही संपन्न हैं—वास्तव में बहुत संपन्न हैं।"

डॉक्टर की निगाहें एक नए और सूक्ष्म भाव के साथ जूलियस पर फिर टिक गईं। अब वह पेड़ों से गिरने की आदत वाला कोई सनकी नौजवान नहीं था। डॉक्टर की आँखों में एक सचमुच धनी व्यक्ति के प्रति सम्मान का भाव था।

"बहुत ही शानदार योजना। वाकई शानदार," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "फ़िल्में—बेशक! सिनेमा के लिए आपका अमेरिकी शब्द। बहुत दिलचस्प। मुझे लगता है कि हम यहाँ अपने तौर-तरीकों में शायद थोड़े पिछड़ गए हैं। और आप वाकई अपनी इस शानदार योजना को अंजाम देने का इरादा रखते हैं।"

"बिल्कुल, मैं ऐसा करता हूँ।"

डॉक्टर ने उसकी बात पर विश्वास किया—जो उसकी राष्ट्रीयता का प्रमाण था। अगर

किसी अंग्रेज ने ऐसी बात कही होती, तो डॉक्टर को उसकी मानसिक स्थिति पर गंभीर संदेह होता।
उन्होंने कहा, "मैं इलाज की गारंटी नहीं दे सकता। शायद मुझे यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर देनी चाहिए।"
"हाँ, कोई बात नहीं," जूलियस ने कहा। "तुम बस जेन को ले आओ, बाकी सब मुझ पर छोड़ दो।"
"जेन?"
"तो फिर, मिस जेनेट वैंडमेयर। क्या हम तुरंत आपके घर के लिए लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ सकते हैं और उनसे उसे ऊपर भेजने के लिए कह सकते हैं; या क्या मैं खुद जाकर उसे अपनी कार से ले आऊं?"
डॉक्टर घूरता रहा।
"श्री हर्शाइमर, मुझे क्षमा करें। मुझे लगा कि आप समझ गए होंगे।"
"क्या समझा?"
"मिस वैंडमेयर अब मेरी देखरेख में नहीं हैं।"

अध्याय XV. टप्पेन्स को एक प्रस्ताव प्राप्त होता है

जूलियस उछल पड़ा।
"क्या?"
मुझे लगा कि आपको इस बात की जानकारी होगी।
"वह कब चली गई?"
"देख लेते हैं। आज सोमवार है, है ना? यह पिछले बुधवार को ही हुआ होगा—क्यों, ज़रूर—हाँ, यह वही शाम थी जब तुम—अह—मेरे पेड़ से गिरे थे।"
"उस शाम? उससे पहले या बाद में?"
"देख लेते हैं—ओह हाँ, बाद में। श्रीमती वैंडमेयर की ओर से एक बहुत ज़रूरी संदेश आया है। वह युवती और उसकी देखभाल करने वाली नर्स रात की ट्रेन से रवाना हो गईं।"
जूलियस वापस अपनी कुर्सी पर बैठ गया।
"नर्स एडिथ—एक मरीज़ के साथ—मुझे याद है," उसने बुदबुदाते हुए कहा। "हे

भगवान! मैं कितना करीब था!"
डॉ. हॉल स्तब्ध दिखाई दिए।
मुझे समझ नहीं आ रहा। क्या वह युवती अपनी चाची के साथ नहीं है?
टप्पेन्स ने सिर हिलाया। वह कुछ बोलने ही वाली थी कि सर जेम्स की चेतावनी भरी नज़र ने उसे चुप करा दिया। वकील उठ खड़ा हुआ।
"हॉल, हम आपके बहुत आभारी हैं। आपने जो कुछ भी बताया, उसके लिए हम आपके बहुत शुक्रगुजार हैं। मुझे खेद है कि अब हमें मिस वैंडमेयर को फिर से ढूंढना होगा। उनके साथ गई नर्स का क्या हुआ? मुझे लगता है कि आपको नहीं पता कि वह कहां है?"
डॉक्टर ने अपना सिर हिलाया।
"हमें उससे कोई खबर नहीं मिली है। मुझे पता चला था कि वह कुछ समय के लिए मिस वैंडमेयर के साथ रहने वाली थी। लेकिन आखिर हुआ क्या होगा? लड़की का अपहरण तो नहीं हुआ होगा।"
"यह तो अभी देखना बाकी है," सर जेम्स ने गंभीरता से कहा।
दूसरा हिचकिचाया।
"क्या आपको नहीं लगता कि मुझे पुलिस के पास जाना चाहिए?"
"नहीं, नहीं। पूरी संभावना है कि वह युवती किसी अन्य रिश्तेदार के साथ है।"
डॉक्टर पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे, लेकिन उन्होंने देखा कि सर जेम्स और कुछ नहीं बोलने के लिए दृढ़ थे, और उन्हें एहसास हुआ कि प्रसिद्ध के.सी. से और अधिक जानकारी निकालने का प्रयास करना व्यर्थ होगा। इसलिए, उन्होंने उन्हें अलविदा कहा और वे होटल से चले गए। कुछ मिनटों तक वे कार के पास खड़े होकर बातें करते रहे।
"कितना गुस्सा दिलाने वाला है," टप्पेन्स चिल्लाई। "यह सोचकर ही गुस्सा आता है कि जूलियस कुछ घंटों के लिए सचमुच उसके साथ एक ही छत के नीचे रहा होगा।"
"मैं बिलकुल बेवकूफ था," जूलियस ने उदास स्वर में बुदबुदाया।
"तुम्हें पता नहीं चल सकता," टप्पेन्स ने उसे दिलासा देते हुए कहा। "क्या उसे पता चल सकता है?" उसने सर जेम्स से विनती की।
"मैं आपको सलाह दूंगा कि आप चिंता न करें," दूसरे व्यक्ति ने विनम्रता से कहा। "बीते दिनों में पछताने से कोई फायदा नहीं है।"
व्यावहारिक दृष्टिकोण रखने वाले टप्पेन्स ने आगे कहा, "सबसे महत्वपूर्ण बात यह है

कि आगे क्या करना है।"
सर जेम्स ने अपने कंधे उचका दिए।
"आप उस नर्स के लिए विज्ञापन दे सकते हैं जो लड़की के साथ गई थी। यही एकमात्र उपाय है जो मैं सुझा सकता हूँ, और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मुझे इससे कोई खास उम्मीद नहीं है। अन्यथा कुछ नहीं किया जा सकता।"
"कुछ नहीं?" टप्पेन्स ने भावहीनता से कहा। "और—टॉमी?"
"हमें अच्छे की उम्मीद रखनी चाहिए," सर जेम्स ने कहा। "हाँ, हमें उम्मीद बनाए रखनी चाहिए।"
लेकिन उसके झुके हुए सिर के ऊपर से उसकी नज़र जूलियस से मिली, और लगभग अनजाने में उसने अपना सिर हिलाया। जूलियस समझ गया। वकील को मामला निराशाजनक लग रहा था। युवा अमेरिकी का चेहरा गंभीर हो गया। सर जेम्स ने टप्पेन्स का हाथ थाम लिया।
"अगर कोई और जानकारी सामने आती है तो मुझे जरूर बताएं। पत्र हमेशा आगे पहुंचा दिए जाएंगे।"
टप्पेन्स ने उसे खाली निगाहों से देखा।
"तुम जा रहे हो?"
मैंने तुमसे कहा था। याद नहीं? स्कॉटलैंड के लिए।
"हां, लेकिन मुझे लगा था----" लड़की हिचकिचाई।
सर जेम्स ने अपने कंधे उचका दिए।
"मेरी प्यारी युवती, मुझे खेद है कि मैं अब और कुछ नहीं कर सकता। हमारे सारे सुराग हवा में गायब हो गए हैं। आप मेरी बात पर विश्वास कर सकती हैं कि अब कुछ नहीं किया जा सकता। यदि कोई समस्या उत्पन्न होती है, तो मैं हर संभव तरीके से आपकी सहायता करने में प्रसन्न रहूंगा।"
उनके शब्दों ने टप्पेन्स को बेहद निराशाजनक अनुभूति कराई।
"मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं," उसने कहा। "खैर, हमारी मदद करने की कोशिश करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अलविदा।"
जूलियस कार पर झुका हुआ था। लड़की के उदास चेहरे को देखते हुए सर जेम्स की पैनी नजरों में क्षण भर के लिए दया का भाव आया।
"इतना उदास मत होइए, मिस टप्पेन्स," उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। "याद रखिए,

छुट्टियों का समय हमेशा मौज-मस्ती का समय नहीं होता। कभी-कभी काम करने का मौका भी मिल जाता है।"
उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिससे टप्पेन्स ने अचानक ऊपर देखा। उसने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया।
नहीं, मैं अब और कुछ नहीं कहूंगा। ज्यादा बोलना बहुत बड़ी गलती होती है। याद रखना। कभी भी सब कुछ मत बताना—यहां तक कि अपने सबसे करीबी दोस्त को भी नहीं। समझे? अलविदा।
वह तेज़ी से चला गया। टप्पेन्स उसे देखती रह गई। वह सर जेम्स के तरीकों को समझने लगी थी। इससे पहले भी एक बार उन्होंने इसी तरह लापरवाही से उसे एक इशारा दिया था। क्या यह कोई इशारा था? उन आखिरी संक्षिप्त शब्दों के पीछे आखिर क्या छिपा था? क्या उनका मतलब यह था कि आखिरकार उन्होंने मामला छोड़ा नहीं था; कि वह चुपके से इस पर काम करते रहेंगे जबकि----
जूलियस ने आकर उसकी ध्यानमग्नता में खलल डाला और उससे "तुरंत काम में जुट जाने" का आग्रह किया।
"तुम कुछ सोच में डूबे हुए लग रहे हो," उसने चलते हुए कहा। "क्या उस बूढ़े आदमी ने कुछ और कहा?"
टप्पेन्स ने अचानक अपना मुंह खोला और फिर बंद कर लिया। सर जेम्स के शब्द उसके कानों में गूंज रहे थे: "जो कुछ भी तुम जानते हो, वह कभी मत बताओ—यहां तक कि उस व्यक्ति को भी नहीं जिसे तुम सबसे अच्छे से जानते हो।" और अचानक उसके मन में एक और याद कौंध गई। फ्लैट में तिजोरी के सामने जूलियस, उसका अपना सवाल और उसके जवाब से पहले का ठहराव, "कुछ नहीं।" क्या सचमुच कुछ नहीं था? या उसे कुछ ऐसा पता चला था जिसे वह अपने तक ही रखना चाहता था? अगर वह आरक्षण कर सकता था, तो वह भी कर सकती थी।
"कुछ खास नहीं," उसने जवाब दिया।
उसने जूलियस को तिरछी नज़र से उसकी ओर देखते हुए महसूस किया, न कि देखा।
"क्या हम पार्क में घूमने चलें?"
"यदि आप चाहते हैं।"
कुछ देर तक वे चुपचाप पेड़ों के नीचे दौड़ते रहे। दिन बहुत खूबसूरत था। हवा में दौड़ने की तीव्र गति ने टप्पेन्स को एक नया रोमांच प्रदान किया।

"सुश्री टप्पेन्स, क्या आपको लगता है कि मैं कभी जेन को ढूंढ पाऊंगा?"
जूलियस ने निराश स्वर में बात की। यह माहौल उसके लिए इतना अपरिचित था कि टप्पेन्स ने मुड़कर उसे आश्चर्य से देखा। उसने सिर हिलाया।
"हाँ, बिल्कुल। मैं इस कारोबार को लेकर काफी निराश हूँ। आज सर जेम्स को बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी, यह मैं देख सकती थी। मैं उन्हें पसंद नहीं करती—हमारा तालमेल कुछ खास नहीं है—लेकिन वो दिखने में काफी आकर्षक हैं, और मुझे लगता है कि अगर सफलता की कोई भी संभावना होती तो वो हार नहीं मानते—है ना?"
टप्पेन्स को काफी असहज महसूस हुआ, लेकिन इस विश्वास पर अडिग रहते हुए कि जूलियस ने भी उससे कुछ छिपाया था, वह दृढ़ रही।
"उसने नर्स के लिए विज्ञापन देने का सुझाव दिया था," उसने उसे याद दिलाया।
"हाँ, उसकी आवाज़ में निराशा का भाव था! नहीं—मैं तंग आ चुका हूँ। मेरा तो अभी अमेरिका वापस जाने का मन कर रहा है।"
"अरे नहीं!" टप्पेन्स चिल्लाई। "हमें टॉमी को ढूंढना होगा।"
जूलियस ने पछतावे भरे लहजे में कहा, "मैं बेरेसफोर्ड को भूल ही गया था। हाँ, ऐसा ही है। हमें उसे ढूंढना ही होगा। लेकिन उसके बाद—खैर, इस यात्रा पर निकलने के बाद से मैं ख्यालों में खोया रहता हूँ—और ये सपने तो बिलकुल बेकार होते हैं। अब तो बस, मिस टप्पेन्स, मुझे आपसे कुछ पूछना है।"
"हाँ?"
"तुम और बेरेसफोर्ड। इसके बारे में क्या ख्याल है?"
"मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही," टप्पेन्स ने गरिमापूर्ण ढंग से उत्तर दिया, और फिर बड़े ही बेतुके ढंग से कहा: "और वैसे भी, आप गलत हैं!"
"क्या आप दोनों के मन में एक-दूसरे के लिए किसी प्रकार की सद्भावना नहीं है?"
"बिल्कुल नहीं," टप्पेन्स ने गर्मजोशी से कहा। "टॉमी और मैं सिर्फ दोस्त हैं - इससे ज्यादा कुछ नहीं।"
"मुझे लगता है कि हर प्रेमी जोड़े ने कभी न कभी यह बात कही होगी," जूलियस ने टिप्पणी की।
"बकवास!" टप्पेन्स ने झल्लाकर कहा। "क्या मैं ऐसी लड़की दिखती हूँ जो हर मिलते ही आदमी से प्यार कर बैठती है?"
"तुम नहीं हो। तुम तो ऐसी लड़की लगती हो जिससे अक्सर लोग प्यार कर बैठते हैं!"

"ओह!" टप्पेन्स ने थोड़ा अचंभित होकर कहा। "मुझे लगता है कि यह एक तारीफ है?"
"ज़रूर। अब चलिए इस पर आते हैं। मान लीजिए कि हमें बेरेसफोर्ड कभी नहीं मिला और--और----"
"ठीक है—कह दो! मैं सच्चाई का सामना कर सकता हूँ। मान लो कि वह—मर गया! तो फिर?"
"और ये सारा मामला अधर में लटक जाता है। अब आप क्या करेंगे?"
"मुझे नहीं पता," टप्पेन्स ने उदास स्वर में कहा।
"बेचारे बच्चे, तुम बहुत अकेले रहोगे।"
"मैं ठीक हो जाऊंगी," टप्पेन्स ने हमेशा की तरह किसी भी तरह की दया के प्रति अपनी नाराजगी के साथ कहा।
"शादी के बारे में क्या ख्याल है?" जूलियस ने पूछा। "इस विषय पर आपके क्या विचार हैं?"
"मैं शादी करना चाहती हूँ, बिल्कुल," टप्पेन्स ने जवाब दिया। "मतलब, अगर"—वह थोड़ी देर रुकी, उसके मन में पीछे हटने की इच्छा जागी, लेकिन फिर उसने हिम्मत से अपनी बात पर अड़ी रही—"मुझे कोई इतना अमीर मिल जाए कि मेरी शादी सार्थक हो सके। ये तो सरासर बात है, है ना? मुझे लगता है कि आप इसके लिए मुझसे नफरत करते होंगे।"
"मैं व्यापारिक सूझबूझ को कभी कम नहीं आंकता," जूलियस ने कहा। "आप किस विशेष आंकड़े की बात कर रहे हैं?"
"आकृति?" टप्पेन्स ने हैरानी से पूछा। "क्या तुम्हारा मतलब लंबा या छोटा है?"
नहीं। राशि--आय।
"ओह, मुझे अभी तक यह पूरी तरह समझ नहीं आया है।"
"मेरा क्या?"
"आप?"
"अवश्य।"
"ओह, मैं नहीं कर सकता!"
"क्यों नहीं?"
मैं आपको बताता हूँ, मैं ऐसा नहीं कर सकता था।
"फिर भी, क्यों नहीं?"

"यह बहुत ही अन्यायपूर्ण लगेगा।"
मुझे इसमें कुछ भी अनुचित नहीं लगता। मैं आपकी चाल समझ गया, बस इतना ही। मिस टप्पेन्स, मैं आपकी बहुत प्रशंसा करता हूँ, जितनी किसी भी लड़की से मैं आज तक मिला हूँ। आप बहुत साहसी हैं। मैं आपको एक शानदार और यादगार समय देना चाहता हूँ। बस एक बार कह दीजिए, और हम तुरंत किसी उच्च श्रेणी के जौहरी के पास जाकर अंगूठी का सौदा पक्का कर लेंगे।
"मैं नहीं कर सकती," टप्पेन्स ने हांफते हुए कहा।
"बेरेसफोर्ड की वजह से?"
"नहीं, नहीं, नहीं!"
"तो ठीक है?"
टप्पेन्स बस अपना सिर जोर-जोर से हिलाती रही।
"आप मुझसे मेरे पास मौजूद पैसों से अधिक की उम्मीद नहीं कर सकते।"
"अरे नहीं, ऐसी बात नहीं है," टप्पेन्स ने लगभग उन्मादी हंसी के साथ हांफते हुए कहा। "लेकिन आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, और बाकी सब बातों के बावजूद, मुझे लगता है कि मुझे मना कर देना चाहिए।"
"अगर आप कल तक इस पर विचार करने की कृपा करें तो मैं आपका आभारी रहूंगा।"
"इसका कोई उपयोग नहीं है।"
"फिर भी, मुझे लगता है कि हम इसे ऐसे ही छोड़ देंगे।"
"बहुत अच्छा," टप्पेन्स ने विनम्रता से कहा।
जब तक वे रिट्ज़ होटल नहीं पहुँच गए, तब तक उनमें से किसी ने भी दोबारा बात नहीं की।
टप्पेन्स अपने कमरे में ऊपर चली गई। जूलियस के उग्र व्यक्तित्व के साथ हुए टकराव के बाद वह मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थी। शीशे के सामने बैठकर वह कुछ मिनटों तक अपनी परछाई को निहारती रही।
"बेवकूफ," टप्पेन्स ने मुंह बनाते हुए धीरे से कहा। "छोटे बेवकूफ। तुम्हें सब कुछ चाहिए—सब कुछ जिसकी तुमने कभी उम्मीद की थी, और तुम एक मूर्ख भेड़ की तरह 'नहीं' बोल देते हो। यह तुम्हारा एकमात्र मौका है। इसे क्यों नहीं लेते? क्यों नहीं पकड़ लेते? क्यों नहीं छीन लेते? तुम्हें और क्या चाहिए?"

मानो अपने ही सवाल का जवाब देते हुए, उसकी नज़र ड्रेसिंग टेबल पर रखे टॉमी के एक छोटे से, जर्जर फ्रेम वाले चित्र पर पड़ी। एक पल के लिए उसने खुद को काबू में रखने की कोशिश की, और फिर होश खोकर उसने उस चित्र को अपने होठों से लगाया और फूट-फूटकर रोने लगी।

"ओह, टॉमी, टॉमी," वह रोते हुए बोली, "मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ—और शायद मैं तुम्हें फिर कभी न देख पाऊँ..."

पांच मिनट बाद टप्पेन्स उठ बैठी, अपनी नाक साफ की और अपने बालों को पीछे किया।

“बस यही बात है,” उसने सख्ती से कहा। “चलो सच्चाई का सामना करते हैं। लगता है मुझे प्यार हो गया है—एक बेवकूफ लड़के से जिसे शायद मेरी ज़रा भी परवाह नहीं है।” यहाँ वह रुकी। “खैर,” उसने फिर कहा, मानो किसी अनदेखे विरोधी से बहस कर रही हो, “मुझे नहीं पता कि उसे मेरी परवाह है भी या नहीं। वह कभी कहने की हिम्मत नहीं करेगा। मैं हमेशा भावनाओं में बह जाती हूँ—और यहाँ मैं सबसे ज़्यादा भावुक हो रही हूँ। लड़कियाँ कितनी बेवकूफ होती हैं! मैंने हमेशा यही सोचा है। लगता है मुझे उसकी तस्वीर तकिए के नीचे रखकर सोना पड़ेगा और रात भर उसके सपने देखने पड़ेंगे। अपने सिद्धांतों के साथ धोखा करने का एहसास कितना भयानक होता है।”

अपनी पिछली गलतियों पर विचार करते हुए टप्पेन्स ने दुख से अपना सिर हिलाया। "मुझे नहीं पता कि जूलियस से क्या कहूँ। ओह, मैं कितना मूर्ख महसूस कर रहा हूँ! मुझे कुछ तो कहना ही पड़ेगा—वह इतना अमेरिकी और हर बात पर बारीकी से ध्यान देने वाला है कि वह कारण जानने पर अड़ा रहेगा। मुझे आश्चर्य है कि क्या उसे उस तिजोरी में कुछ मिला भी था या नहीं----"

टप्पेन्स के चिंतन ने एक नया मोड़ ले लिया। उसने पिछली रात की घटनाओं की सावधानीपूर्वक और निरंतर समीक्षा की। किसी न किसी तरह, वे सर जेम्स के रहस्यमय शब्दों से जुड़ी हुई प्रतीत हो रही थीं...

अचानक वह चौंक गई—उसके चेहरे का रंग उड़ गया। उसकी आँखें, मंत्रमुग्ध होकर, सामने टकटकी लगाए खड़ी थीं, पुतलियाँ फैल गई थीं।

"असंभव," उसने बुदबुदाते हुए कहा। "असंभव! ऐसी बात सोचने मात्र से ही मैं पागल हो रही हूँ..."

भयानक—फिर भी इसने सब कुछ समझा दिया....
कुछ देर सोचने के बाद वह बैठ गई और एक नोट लिखने लगी, हर शब्द को सोच-समझकर लिख रही थी। अंत में उसने संतुष्टि से सिर हिलाया और उसे जूलियस के पते वाले लिफाफे में डाल दिया। वह गलियारे से होते हुए उसके बैठक कक्ष में गई और दरवाजा खटखटाया। जैसा उसने सोचा था, कमरा खाली था। उसने नोट मेज पर रख दिया।
जब वह घर लौटी तो उसके दरवाजे के बाहर एक छोटा सा सेवक उसका इंतजार कर रहा था।
"आपके लिए एक टेलीग्राम है, महोदया।"
टप्पेन्स ने उसे थाली से उठाया और लापरवाही से फाड़ दिया। फिर वह चिल्लाई। टेलीग्राम टॉमी की तरफ से था!

अध्याय **XVI.** टॉमी के आगे के कारनामे

तेज जलन और आग की लपटों से भरे अंधेरे में, टॉमी धीरे-धीरे होश में आया। जब उसने आखिरकार अपनी आँखें खोलीं, तो उसे अपने कनपटी में असहनीय दर्द के अलावा कुछ भी महसूस नहीं हुआ। उसे अपने आस-पास की अपरिचित चीज़ों का हल्का-फुल्का एहसास था। वह कहाँ था? क्या हुआ था? उसने कमज़ोरी से पलकें झपकाईं। यह रिट्ज़ होटल का उसका कमरा नहीं था। और आखिर उसके सिर को क्या हो गया था?
"धत् तेरे की!" टॉमी ने कहा और उठने की कोशिश की। उसे याद आ गया था। वह सोहो के उस भयानक घर में था। उसने एक कराह भरी और वापस गिर पड़ा। लगभग बंद पलकों से उसने चारों ओर ध्यान से देखा।
"उसे होश आ रहा है," टॉमी के कान के बिल्कुल पास से एक आवाज़ आई। उसने तुरंत पहचान लिया कि यह दाढ़ी वाले और कुशल जर्मन की आवाज़ है, और वह कलात्मक रूप से बेसुध पड़ा रहा। उसे लगा कि इतनी जल्दी होश में आना अफ़सोस की बात होगी; और जब तक उसके सिर का दर्द थोड़ा कम नहीं हो जाता, तब तक वह होश में आने में पूरी तरह असमर्थ महसूस कर रहा था। दर्द से कराहते हुए उसने समझने की कोशिश की कि आखिर हुआ क्या था। ज़ाहिर है, जब वह सुन रहा था, तब कोई उसके पीछे से आया होगा और उसके सिर पर ज़ोरदार वार किया होगा। अब

वे उसे जासूस समझ चुके थे, और पूरी संभावना थी कि उसे जल्द ही छोड़ देंगे। निस्संदेह वह मुश्किल में था। कोई नहीं जानता था कि वह कहाँ है, इसलिए उसे किसी बाहरी मदद की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, और उसे पूरी तरह से अपनी बुद्धि पर निर्भर रहना होगा।

"चलो, शुरू करते हैं," टॉमी ने मन ही मन बुदबुदाया और अपनी पिछली बात दोहराई।

"धत् तेरे की!" उसने कहा, और इस बार वह उठकर बैठने में सफल हो गया।

एक मिनट में जर्मन सैनिक आगे बढ़ा और अपने होठों पर गिलास रखते हुए संक्षिप्त आदेश दिया, "पियो।" टॉमी ने आज्ञा का पालन किया। पेय की तीव्रता से उसे खांसी आ गई, लेकिन इससे उसका दिमाग अद्भुत तरीके से साफ हो गया।

वह उस कमरे में सोफे पर लेटा हुआ था जहाँ बैठक हुई थी। उसके एक तरफ जर्मन बैठा था, दूसरी तरफ वही खूंखार चेहरे वाला द्वारपाल जिसने उसे अंदर आने दिया था। बाकी लोग थोड़ी दूरी पर एक साथ खड़े थे। लेकिन टॉमी को एक चेहरा याद आ रहा था। नंबर वन के नाम से मशहूर वह आदमी अब कंपनी में नहीं था।

जर्मन व्यक्ति ने खाली गिलास हटाते हुए पूछा, "अब कैसा लग रहा है?"

"जी हां, धन्यवाद," टॉमी ने प्रसन्नतापूर्वक उत्तर दिया।

"अरे, मेरे नौजवान दोस्त, तुम्हारी खोपड़ी इतनी मोटी है, यह तो तुम्हारी खुशनसीबियत है। अच्छे कॉनरैड ने ज़ोरदार प्रहार किया था।" उसने सिर हिलाकर उस क्रूर चेहरे वाले द्वारपाल की ओर इशारा किया। वह आदमी मुस्कुराया।

टॉमी ने बड़ी कोशिश से अपना सिर घुमाया।

"ओह," उसने कहा, "तो तुम कॉनरैड हो? मुझे लगता है कि मेरी खोपड़ी की मोटाई तुम्हारे लिए भी भाग्यशाली साबित हुई। जब मैं तुम्हें देखता हूँ तो मुझे लगभग अफसोस होता है कि मैंने तुम्हें फांसी से बचने में मदद की।"

उस आदमी ने गुर्राते हुए कहा, और दाढ़ी वाले आदमी ने धीरे से कहा:

"उसे ऐसा कोई जोखिम नहीं उठाना पड़ता।"

"जैसा आपको पसंद हो," टॉमी ने जवाब दिया। "मुझे पता है कि पुलिस को बदनाम करना आजकल फैशन बन गया है। लेकिन मैं खुद उन पर भरोसा करता हूँ।"

उसका व्यवहार हद से ज़्यादा बेपरवाह था। टॉमी बेरेसफोर्ड उन अंग्रेज नौजवानों में से एक था जिनमें कोई खास बौद्धिक क्षमता नहीं होती, लेकिन जो मुश्किल हालात में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। उनका स्वाभाविक संकोच और सावधानी उनमें से

बिल्कुल गायब हो जाती है। टॉमी को भली-भांति पता था कि बचने का एकमात्र रास्ता उसकी अपनी बुद्धि में ही छिपा है, और अपने बेपरवाह अंदाज़ के पीछे वह जी-जान से दिमाग खपा रहा था।

जर्मन भाषा के ठंडे लहजे ने बातचीत को आगे बढ़ाया:

"जासूस होने के आरोप में मौत की सजा दिए जाने से पहले क्या आप कुछ कहना चाहते हैं?"

"बस बहुत सी चीजें," टॉमी ने पहले जैसी ही शालीनता से जवाब दिया।

"क्या आप इस बात से इनकार करते हैं कि आप उस दरवाजे पर छिपकर सुन रहे थे?"

"नहीं, ऐसा नहीं है। मुझे वास्तव में माफी मांगनी चाहिए—लेकिन आपकी बातचीत इतनी दिलचस्प थी कि इसने मेरी झिझक को दूर कर दिया।"

"तुम अंदर कैसे आए?"

"प्रिय कॉनरैड यहाँ है।" टॉमी ने तिरस्कारपूर्ण मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा। "मैं एक वफादार नौकर को पेंशन देने का सुझाव देने में संकोच करता हूँ, लेकिन आपको वास्तव में एक बेहतर रखवाली करने वाला कुत्ता रखना चाहिए।"

कॉनराड ने बेबसी से गुर्राते हुए उदास स्वर में कहा, तभी दाढ़ी वाला आदमी उसकी ओर घूम पड़ा:

"उसने आदेश दिया था। मुझे कैसे पता चलता?"

"हाँ," टॉमी ने बीच में कहा। "उसे कैसे पता चलता? बेचारे को दोष मत दो। उसकी जल्दबाजी में की गई कार्रवाई ने मुझे आप सभी से आमने-सामने मिलने का सौभाग्य दिया है।"

उसे लगा कि उसके शब्दों से समूह में कुछ बेचैनी पैदा हुई है, लेकिन सतर्क जर्मन ने हाथ के इशारे से उसे शांत कर दिया।

"मरे हुए लोग कोई कहानी नहीं सुनाते," उसने शांत भाव से कहा।

"अरे," टॉमी ने कहा, "लेकिन मैं अभी मरा नहीं हूँ!"

"जल्द ही तुम भी वैसे ही हो जाओगे, मेरे युवा मित्र," जर्मन ने कहा।

बाकी लोगों की ओर से सहमति भरी हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी।

टॉमी के दिल की धड़कन तेज हो गई, लेकिन उसका सहज और सौम्य स्वभाव जरा भी नहीं बदला।

उन्होंने दृढ़ता से कहा, "मुझे नहीं लगता। मुझे मरने से सख्त आपत्ति होगी।"

उसने उन्हें असमंजस में डाल दिया था, यह बात उसने अपने बंदी बनाने वाले के चेहरे के भाव से समझ ली थी।
जर्मन ने पूछा, "क्या आप हमें कोई कारण बता सकते हैं कि हम आपको मौत की सजा क्यों न दें?"
"कई सवाल," टॉमी ने जवाब दिया। "देखो, तुम मुझसे बहुत सारे सवाल पूछ रहे हो। चलो, मैं भी एक सवाल पूछता हूँ। मेरे होश में आने से पहले ही तुमने मुझे मार क्यों नहीं डाला?"
जर्मन सैनिक हिचकिचाया, और टॉमी ने इसका फायदा उठाया।
"क्योंकि तुम्हें यह नहीं पता था कि मुझे कितना ज्ञान है और मैंने वह ज्ञान कहाँ से प्राप्त किया। अगर तुम मुझे अभी मार दोगे, तो तुम्हें कभी पता नहीं चलेगा।"
लेकिन यहाँ बोरिस की भावनाएँ उन पर हावी हो गईं। वह बाहें लहराते हुए आगे बढ़े।
"तुम जासूसों के कुत्ते हो,!" वह चिल्लाया। "हम तुम्हें तुरंत सबक सिखाएंगे। इसे मार डालो! इसे मार डालो!"
तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी।
“सुना तुमने?” जर्मन ने टॉमी पर नज़र रखते हुए कहा। “इस बारे में तुम्हारा क्या कहना है?”
"कहना?" टॉमी ने कंधे उचका दिए। "बेवकूफों का झुंड। उन्हें खुद से कुछ सवाल पूछने दो। मैं इस जगह कैसे आया? याद है प्यारे कॉनरैड ने क्या कहा था - अपने पासवर्ड से, है ना? मुझे वो कैसे मिला? कहीं ऐसा तो नहीं कि मैं यूं ही सीढ़ियों से ऊपर चढ़ गया और जो मन में आया वही बोल दिया?"
टॉमी इस भाषण के समापन शब्दों से प्रसन्न था। उसे केवल इस बात का अफसोस था कि टप्पेन्स वहां उपस्थित नहीं थी ताकि वह इसके पूरे प्रभाव का आनंद ले सके।
"यह सच है," मजदूर ने अचानक कहा। "साथियों, हमारे साथ विश्वासघात हुआ है!"
एक अप्रिय फुसफुसाहट फैल गई। टॉमी ने उन्हें प्रोत्साहन देते हुए मुस्कुराया।
"यह बेहतर है। अगर आप अपने दिमाग का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो किसी भी काम में सफल होने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?"
जर्मन ने कहा, "तुम हमें बताओगे कि किसने हमारा विश्वासघात किया है। लेकिन इससे तुम बच नहीं पाओगे—नहीं, बिलकुल नहीं! तुम्हें वह सब बताना होगा जो तुम जानते हो। बोरिस, यहाँ, लोगों से बात निकलवाने के बड़े-बड़े तरीके जानता है!"

"छी!" टॉमी ने पेट में उठ रही एक अजीब सी बेचैनी को दबाते हुए तिरस्कारपूर्वक कहा। "तुम न तो मुझे यातना दोगे और न ही मुझे मारोगे।"
"और क्यों नहीं?" बोरिस ने पूछा।
"क्योंकि तुम सोने के अंडे देने वाली मुर्गी को मार डालोगे," टॉमी ने शांत स्वर में उत्तर दिया।
कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया। ऐसा लगा मानो टॉमी का अटूट आत्मविश्वास अंततः उन पर हावी हो रहा हो। अब वे स्वयं पर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे। फटे-पुराने कपड़े पहने व्यक्ति ने टॉमी को ध्यानपूर्वक देखा।
"वो तुम्हें धोखा दे रहा है, बोरिस," उसने धीमी आवाज़ में कहा।
टॉमी उससे नफरत करता था। क्या उस आदमी ने उसकी असलियत जान ली थी?
जर्मन ने बड़ी मुश्किल से टॉमी की ओर मुड़ा।
"आपका क्या मतलब है?"
"तुम्हें क्या लगता है मेरा मतलब क्या है?" टॉमी ने अपने मन में हताशा से सोचते हुए सवाल को टाल दिया।
अचानक बोरिस आगे बढ़ा और टॉमी के चेहरे के सामने अपनी मुट्ठी हिलाई।
"बोलो, तुम अंग्रेज सूअर—बोलो!"
"इतना उत्तेजित मत हो, मेरे दोस्त," टॉमी ने शांत भाव से कहा। "यही तो तुम विदेशियों की सबसे बुरी आदत है। तुम शांत नहीं रह सकते। अब, मैं तुमसे पूछता हूँ, क्या मैं तुम्हें ऐसा लगता हूँ कि मुझे तुम्हारे द्वारा मारे जाने की ज़रा भी संभावना थी?"
उसने आत्मविश्वास से चारों ओर देखा और उसे खुशी थी कि वे उसके दिल की लगातार धड़कन नहीं सुन सकते थे, जो उसके शब्दों को झूठा साबित कर रही थी।
अंत में बोरिस ने उदास होकर स्वीकार किया, "नहीं, आपको इसकी आवश्यकता नहीं है।"
"भगवान का शुक्र है, वह मन की बात नहीं जान सकता," टॉमी ने सोचा। ज़ोर से उसने अपनी इस चाल का अनुसरण किया:
"और मैं इतना आत्मविश्वासी क्यों हूँ? क्योंकि मुझे कुछ ऐसा पता है जो मुझे सौदे का प्रस्ताव रखने की स्थिति में लाता है।"
"सौदा?" दाढ़ी वाले आदमी ने तीखे स्वर में उससे पूछा।
"हाँ—एक सौदा। मेरी जान और आजादी के बदले—" वह रुक गया।

"किसके विरुद्ध?"
समूह आगे बढ़ता रहा। सन्नाटा इतना गहरा था कि पिन गिरने की आवाज भी सुनाई दे सकती थी।
टॉमी धीरे-धीरे बोला।
"डैनवर्स द्वारा अमेरिका से लुसिटानिया नामक जहाज में लाए गए कागजात।"
उसके शब्दों का असर बिजली की तरह था। सब लोग खड़े हो गए। जर्मन ने सबको वापस खड़े होने का इशारा किया। वह टॉमी की ओर झुका, उसका चेहरा उत्साह से लाल हो गया था।
"हिम्मेल! तो तुमने उन्हें पकड़ लिया?"
टॉमी ने अत्यंत शांत भाव से अपना सिर हिलाया।
जर्मन ने जोर देकर पूछा, "तुम्हें पता है वे कहाँ हैं?"
टॉमी ने फिर से अपना सिर हिलाया। "बिल्कुल नहीं।"
"फिर-फिर----" गुस्से और हैरानी में, उसके मुंह से शब्द नहीं निकल रहे थे।
टॉमी ने चारों ओर देखा। उसने हर चेहरे पर क्रोध और हैरानी देखी, लेकिन उसके शांत आत्मविश्वास ने अपना असर दिखाया था—किसी को भी इस बात पर संदेह नहीं था कि उसके शब्दों के पीछे कोई न कोई रहस्य छिपा था।
"मुझे नहीं पता कि कागजात कहां हैं—लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं उन्हें ढूंढ लूंगा। मेरे पास एक सिद्धांत है—"
"पाह!"
टॉमी ने अपना हाथ उठाया और घृणा की आवाजों को शांत कर दिया।
"मैं इसे एक सिद्धांत कहता हूँ—लेकिन मुझे अपने तथ्यों पर पूरा भरोसा है—ऐसे तथ्य जो मेरे सिवा किसी को नहीं पता। वैसे भी, इसमें आपका क्या नुकसान है? अगर मैं दस्तावेज़ पेश कर दूं—तो बदले में आप मुझे मेरी जान और आज़ादी दे देंगे। क्या यह सौदा फ़ायदेमंद है?"
"और अगर हम मना कर दें तो?" जर्मन ने धीमी आवाज़ में कहा।
टॉमी सोफे पर लेट गया।
उन्होंने सोच-समझकर कहा, "29 तारीख को आने में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है----"
एक पल के लिए जर्मन हिचकिचाया। फिर उसने कॉनरैड को इशारा किया।

"उसे दूसरे कमरे में ले जाओ।"
पांच मिनट तक टॉमी बगल वाले गंदे कमरे के बिस्तर पर बैठा रहा। उसका दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। उसने इस मौके पर सब कुछ दांव पर लगा दिया था। वे क्या फैसला करेंगे? और इस पीड़ादायक सवाल के बीच, वह कॉनरैड से बेपरवाही से बातें करता रहा, जिससे गुस्सैल स्वभाव वाला चौकीदार इतना क्रोधित हो गया कि मानो किसी की हत्या करने पर उतारू हो गया हो।
अंततः दरवाजा खुला, और जर्मन ने कॉनराड को वापस आने के लिए आदेशात्मक लहजे में पुकारा।
टॉमी ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा, "उम्मीद है जज ने अपनी काली टोपी नहीं पहनी होगी।" "जी हां, कॉनरैड, मुझे अंदर ले चलो। कैदी कटघरे में है, सज्जनों।"
जर्मन व्यक्ति एक बार फिर मेज के पीछे बैठ गया। उसने टॉमी को अपने सामने बैठने का इशारा किया।
उन्होंने कड़े स्वर में कहा, "हम कुछ शर्तों पर सहमत हैं। आपको रिहा होने से पहले कागजात हमें सौंपने होंगे।"
"बेवकूफ!" टॉमी ने विनम्रता से कहा। "अगर तुम मुझे यहाँ पैर से बांधे रखोगे तो मैं उन्हें कैसे ढूंढ पाऊंगा?"
तो फिर आप क्या उम्मीद करते हैं?
मुझे अपने तरीके से काम करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।
जर्मन हंस पड़ा।
"क्या आपको लगता है कि हम छोटे बच्चे हैं जो आपको यहां से एक मीठी-मीठी कहानी सुनाकर, वादों से भरी हुई, चले जाने देंगे?"
“नहीं,” टॉमी ने सोच-समझकर कहा। “हालांकि यह मेरे लिए बहुत आसान है, लेकिन मुझे सच में नहीं लगा था कि आप इस योजना से सहमत होंगे। ठीक है, हमें कोई समझौता करना होगा। कैसा रहेगा अगर आप छोटे कॉनरैड को मेरे साथ बांध दें? वह वफादार है और मुक्केबाजी में माहिर है।”
जर्मन ने ठंडे स्वर में कहा, "हम चाहते हैं कि आप यहीं रहें। हमारा एक साथी आपके निर्देशों का बारीकी से पालन करेगा। यदि कार्य जटिल हुआ, तो वह आपको रिपोर्ट लेकर लौटेगा और आप उसे आगे निर्देश दे सकते हैं।"
"तुम लोग मेरे हाथ बांध रहे हो," टॉमी ने शिकायत की। "यह बहुत ही नाजुक मामला

है, और दूसरा आदमी इसे पूरी तरह बिगाड़ देगा, और फिर मैं कहाँ रहूँगा? मुझे नहीं लगता कि तुममें से किसी में भी थोड़ी सी भी समझदारी है।"
जर्मन ने मेज पर जोर से थपथपाया।
"ये हमारी शर्तें हैं। अन्यथा, मौत!"
टॉमी थके हुए अंदाज़ में पीछे की ओर झुक गया।
"मुझे आपका अंदाज़ पसंद है। संक्षिप्त, लेकिन आकर्षक। ठीक है, फिर। लेकिन एक बात ज़रूरी है, मुझे उस लड़की से मिलना होगा।"
"कौन सी लड़की?"
"जेन फिन, बिल्कुल।"
दूसरे ने कुछ मिनटों तक उत्सुकता से उसकी ओर देखा, फिर धीरे-धीरे और मानो सोच-समझकर शब्दों का चुनाव करते हुए बोला:
"क्या तुम्हें नहीं पता कि वह तुम्हें कुछ नहीं बता सकती?"
टॉमी के दिल की धड़कन थोड़ी तेज़ हो गई। क्या वह उस लड़की से आमने-सामने मिलने में कामयाब होगा जिसकी उसे तलाश थी?
"मैं उससे कुछ भी बताने के लिए नहीं कहूंगा," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "मतलब सीधे-सीधे शब्दों में तो नहीं।"
"तो फिर उससे मिलने की क्या जरूरत है?"
टॉमी रुक गया।
अंत में उसने उत्तर दिया, "जब मैं उससे एक सवाल पूछता हूँ तो उसके चेहरे के हाव-भाव देखना।"
एक बार फिर जर्मन की आंखों में एक ऐसा भाव था जिसे टॉमी पूरी तरह से समझ नहीं पाया।
वह आपके प्रश्न का उत्तर नहीं दे पाएगी।
"इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जब मैं उससे यह सवाल पूछूंगा, तब तक मैं उसका चेहरा देख चुका होऊंगा।"
"और तुम्हें लगता है कि इससे तुम्हें कुछ पता चल जाएगा?" उसने हल्की सी अप्रिय हंसी हंसी। टॉमी को पहले से कहीं ज़्यादा महसूस हो रहा था कि कहीं न कहीं कोई ऐसी बात है जिसे वह समझ नहीं पा रहा है। जर्मन ने उसे गौर से देखा। "मुझे आश्चर्य है कि क्या तुम सच में उतना ही जानते हो जितना हम सोचते हैं?" उसने धीरे से कहा।

टॉमी को लगा कि उसकी पकड़ पहले से कमजोर हो गई है। उसका प्रभाव थोड़ा कम हो गया था। लेकिन वह असमंजस में था। उसने आखिर क्या गलत कह दिया था? उसने तो उस क्षण के आवेग में आकर बोल दिया था।

"हो सकता है कि आपको कुछ बातें पता हों जो मुझे नहीं पता। मैंने यह दावा नहीं किया है कि मुझे आपके शो की सारी बातें पता हैं। लेकिन साथ ही, मेरे पास भी कुछ ऐसा है जिसके बारे में आपको पता नहीं है। और यहीं से मैं फायदा उठाना चाहता हूँ। डैनवर्स बहुत ही चालाक आदमी था----" वह रुक गया, मानो उसने कुछ ज्यादा ही बोल दिया हो।

लेकिन जर्मन के चेहरे पर थोड़ी सी चमक आ गई थी।

"डैनवर्स," उसने धीरे से कहा। "मैं समझ गया----" वह एक मिनट रुका, फिर कॉनरैड को इशारा किया। "इसे ले जाओ। ऊपर—तुम्हें पता है।"

"एक मिनट रुको," टॉमी ने कहा। "उस लड़की का क्या हुआ?"

"शायद इसका इंतजाम हो सकता है।"

"ऐसा ही होना चाहिए।"

"हम देखेंगे। इसका फैसला सिर्फ एक ही व्यक्ति कर सकता है।"

"कौन?" टॉमी ने पूछा। लेकिन उसे जवाब पता था।

"मिस्टर ब्राउन----"

क्या मैं उससे मिलूं?

"शायद।"

"आओ," कॉनरैड ने कठोर स्वर में कहा।

टॉमी आज्ञाकारी होकर उठा। दरवाजे के बाहर उसके जेलर ने उसे सीढ़ियों पर चढ़ने का इशारा किया। वह खुद भी उसके पीछे-पीछे चला गया। ऊपर वाली मंजिल पर कॉनरैड ने एक दरवाजा खोला और टॉमी एक छोटे से कमरे में चला गया। कॉनरैड ने एक फुफकारता हुआ गैस बर्नर जलाया और बाहर चला गया। टॉमी ने ताले में चाबी घुमाने की आवाज सुनी।

उसने अपनी कैदखाने का मुआयना शुरू किया। यह नीचे वाले कमरे से छोटा था, और इसके वातावरण में कुछ अजीब सी घुटन थी। तभी उसे एहसास हुआ कि यहाँ कोई खिड़की नहीं है। वह कमरे के चारों ओर घूमा। दीवारें हर जगह की तरह बेहद गंदी थीं। दीवार पर चार तस्वीरें टेढ़ी-मेढ़ी टंगी थीं, जिनमें फॉस्ट के दृश्य दिखाए गए थे। गहनों

के डिब्बे के साथ मार्गुराइट, चर्च का दृश्य, सीबेल और उसके फूल, और फॉस्ट और मेफिस्टोफेल्स। मेफिस्टोफेल्स की तस्वीर ने टॉमी के मन में फिर से मिस्टर ब्राउन की याद दिला दी। इस बंद कमरे में, जिसके भारी और कसकर बंद दरवाजे थे, वह खुद को दुनिया से कटा हुआ महसूस कर रहा था, और उस कुख्यात अपराधी की भयावह शक्ति और भी वास्तविक लग रही थी। चाहे वह कितना भी चिल्लाए, कोई उसे सुन नहीं सकता था। यह जगह एक जीवित कब्र थी...

बड़ी मुश्किल से टॉमी ने खुद को संभाला। वह बिस्तर पर लेट गया और सोचने में मग्न हो गया। उसका सिर बुरी तरह दुख रहा था; साथ ही, उसे भूख भी लगी थी। उस जगह का सन्नाटा उसे निराश कर रहा था।

“खैर,” टॉमी ने खुद को हिम्मत देने की कोशिश करते हुए कहा, “मैं मुखिया से मिलूंगा—रहस्यमय श्री ब्राउन से, और अगर थोड़ी सी भी किस्मत साथ दे तो रहस्यमय जेन फिन से भी मिल लूंगा। उसके बाद—”

उसके बाद टॉमी को यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि भविष्य निराशाजनक लग रहा था।

अध्याय **XVII.** एनेट

लेकिन भविष्य की परेशानियाँ जल्द ही वर्तमान की परेशानियों के सामने फीकी पड़ गईं। और इनमें सबसे तात्कालिक और गंभीर समस्या भूख की थी। टॉमी को अच्छी-खासी भूख लगती थी। दोपहर के भोजन में खाए गए स्टेक और चिप्स अब उसे किसी दूसरे दशक की बात लगते थे। उसने दुख के साथ यह स्वीकार किया कि भूख हड़ताल सफल नहीं होगी।

वह अपनी जेल में इधर-उधर भटकता रहा। एक-दो बार उसने अपनी मर्यादा को त्यागकर दरवाजे पर ज़ोर से दस्तक दी। लेकिन किसी ने भी उसकी पुकार का जवाब नहीं दिया।

“अरे बाप रे!” टॉमी ने गुस्से से कहा। “कहीं उनका इरादा मुझे भूखा मारकर जान से मारने का तो नहीं है!” उसके मन में एक नया डर कौंधा कि कहीं ये कैदी से बात निकलवाने के उन “सुंदर तरीकों” में से एक तो नहीं है, जिनका आरोप बोरिस पर लगाया गया था। लेकिन सोच-विचार करने पर उसने ये विचार छोड़ दिया।

"यह वही बदमिजाज और बदतमीज कॉनरैड है," उसने तय किया। "एक दिन मैं उससे

बदला जरूर लूंगा। यह उसकी तरफ से सिर्फ बदले की भावना है। मुझे पूरा यकीन है।"

और सोचने पर उसे यह ख्याल आया कि कॉनरैड के अंडे जैसे सिर पर ज़ोरदार प्रहार करना कितना सुखद होगा। टॉमी ने अपने सिर को प्यार से सहलाया और कल्पनाओं में खो गया। तभी उसके दिमाग में एक शानदार विचार कौंधा। क्यों न कल्पना को हकीकत में बदल दिया जाए? कॉनरैड निस्संदेह उस घर का किराएदार था। दाढ़ी वाले जर्मन को छोड़कर बाकी सब लोग तो बस उस घर में मिलते थे। तो क्यों न दरवाजे के पीछे कॉनरैड का इंतज़ार किया जाए और जब वह अंदर आए तो उसके सिर पर कुर्सी या कोई पुरानी तस्वीर ज़ोर से पटक दी जाए। हाँ, ध्यान रखना होगा कि ज़ोर से न मारा जाए। और फिर—और फिर, बस बाहर निकल जाओ! अगर रास्ते में कोई मिल जाए तो—मुक्कों से भिड़ने के ख्याल से ही टॉमी का दिल खुश हो गया। ऐसा करना तो आज दोपहर की कहा-सुनी से कहीं ज़्यादा उसके बस की बात थी। अपनी योजना के नशे में चूर टॉमी ने शैतान और फाउस्ट की तस्वीर को धीरे से हटाया और अपनी जगह पर बैठ गया। उसकी उम्मीदें बहुत ऊंची थीं। उसे योजना सरल लेकिन बेहतरीन लग रही थी।

समय बीतता गया, लेकिन कॉनरैड नहीं आया। इस जेल के कमरे में रात और दिन एक जैसे थे, लेकिन टॉमी की कलाई घड़ी, जो काफी हद तक सटीक थी, ने उसे बताया कि शाम के नौ बज रहे थे। टॉमी उदास मन से सोचने लगा कि अगर रात का खाना जल्दी नहीं आया तो नाश्ते का इंतज़ार करना पड़ेगा। दस बजते ही उसकी सारी उम्मीदें टूट गईं और वह नींद में सुकून पाने के लिए बिस्तर पर लेट गया। पाँच मिनट में ही उसके सारे दुख दूर हो गए।

ताले में चाबी घूमने की आवाज़ से टॉमी की नींद टूट गई। टॉमी उन नायकों में से नहीं था जो होश में जागने के लिए मशहूर होते हैं। उसने छत की ओर देखते हुए पलकें झपकाईं और सोचा कि वह कहाँ है। फिर उसे याद आया और उसने अपनी घड़ी देखी। आठ बज रहे थे।

"या तो सुबह की चाय होगी या नाश्ता," उस युवक ने निष्कर्ष निकाला, "और भगवान करे कि नाश्ता ही हो!"

दरवाजा खुल गया। बहुत देर हो चुकी थी, टॉमी को कॉनरैड को मिटाने की अपनी योजना याद आ गई। एक पल बाद उसे खुशी हुई कि उसने ऐसा किया था, क्योंकि

अंदर कॉनरैड नहीं, बल्कि एक लड़की आई थी। वह एक ट्रे लिए हुए थी जिसे उसने मेज पर रख दिया।
गैस बर्नर की हल्की रोशनी में टॉमी ने पलकें झपकाते हुए उसे देखा। उसने तुरंत तय कर लिया कि वह अब तक देखी गई सबसे खूबसूरत लड़कियों में से एक थी। उसके बाल घने, गहरे भूरे रंग के थे, जिनमें सुनहरी चमक बिखरी हुई थी, मानो उनकी गहराई में सूर्य की किरणें कैद हों और छटपटा रही हों। उसके चेहरे पर एक जंगली गुलाब जैसी कोमलता थी। उसकी आंखें दूर-दूर स्थित थीं और सुनहरे भूरे रंग की थीं, जो फिर से सूर्य की किरणों की याद दिलाती थीं।
टॉमी के दिमाग में एक अजीब सा विचार कौंध गया।
"क्या आप जेन फिन हैं?" उसने हांफते हुए पूछा।
लड़की ने आश्चर्य से अपना सिर हिलाया।
"मेरा नाम एनेट है, महोदय।"
वह धीमी, टूटी-फूटी अंग्रेजी में बोलती थी।
"ओह!" टॉमी ने थोड़ा अचंभित होकर कहा। "फ्रेंचाइज़?" उसने पूछा।
"जी जी सर। क्या सर फ्रेंच बोलते हैं?"
“बिल्कुल भी लंबे समय तक नहीं,” टॉमी ने कहा। “क्या? नाश्ता?”
लड़की ने सिर हिलाया। टॉमी बिस्तर से उठा और ट्रे में रखी चीज़ों को देखने आया। उसमें एक रोटी, थोड़ा सा मार्जरीन और एक जग कॉफ़ी थी। उसने आह भरते हुए कहा, "यह ज़िंदगी आलीशान नहीं है। लेकिन जो हमें अंत में मिलने वाला है, उसके लिए प्रभु ने मुझे सचमुच आभारी बना दिया है। आमीन।"
उसने एक कुर्सी खींची और लड़की दरवाजे की ओर मुड़ गई।
"एक मिनट रुको," टॉमी चिल्लाया। "मुझे तुमसे बहुत कुछ पूछना है, एनेट। तुम इस घर में क्या कर रही हो? कहीं तुम कॉनरैड की भतीजी या बेटी तो नहीं हो, क्योंकि मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा है।"
"मैं सेवा प्रदान करता हूँ, महोदय। मेरा किसी से कोई संबंध नहीं है।"
"मैं समझ गया," टॉमी ने कहा। "तुम्हें याद है मैंने अभी तुमसे क्या पूछा था। क्या तुमने कभी वह नाम सुना है?"
"मुझे लगता है मैंने लोगों को जेन फिन के बारे में बात करते सुना है।"
"तुम्हें नहीं पता वो कहाँ है?"

एनेट ने अपना सिर हिलाया।
"उदाहरण के लिए, वह इस घर में नहीं है?"
"ओह नहीं, महोदय। मुझे अब जाना होगा—वे मेरा इंतजार कर रहे होंगे।"
वह जल्दी से बाहर निकल गई। ताले में चाबी घूम गई।
टॉमी रोटी खाते हुए सोचने लगा, "पता नहीं 'ये' कौन हैं। किस्मत अच्छी रही तो शायद वो लड़की मुझे यहाँ से निकलने में मदद कर दे। वो गिरोह की किसी सदस्य जैसी नहीं दिखती।"
एक बजे एनेट एक और ट्रे लेकर दोबारा आई, लेकिन इस बार कॉनरैड भी उसके साथ था।
"सुप्रभात," टॉमी ने सौहार्दपूर्वक कहा। "मुझे लगता है कि आपने पीयर्स साबुन का इस्तेमाल नहीं किया है।"
कॉनराड ने धमकी भरे लहजे में गुर्राया।
"हल्की-फुल्की बातचीत नहीं, है ना, मेरे दोस्त? कोई बात नहीं, खूबसूरती के साथ-साथ दिमाग भी हमेशा नहीं होता। दोपहर के खाने में क्या है? स्टू? मुझे कैसे पता चला? बिलकुल आसान है, मेरे प्यारे वॉटसन—प्याज की गंध को पहचानना आसान है।"
"बोलते रहो," उस आदमी ने धीमी आवाज़ में कहा। "बोलने के लिए तुम्हारे पास बहुत कम समय है।"
यह टिप्पणी अपने आप में अप्रिय थी, लेकिन टॉमी ने इसे नजरअंदाज कर दिया। वह मेज पर बैठ गया।
"हट जाओ, बदमाश," उसने हाथ हिलाते हुए कहा। "अपने से बड़ों के सामने बकवास मत करो।"
उस शाम टॉमी बिस्तर पर बैठा और गहराई से सोचने लगा। क्या कॉनरैड फिर से उस लड़की के साथ जाएगा? अगर वह नहीं गया, तो क्या उसे उसे अपना दोस्त बनाने की कोशिश में जोखिम उठाना चाहिए? उसने फैसला किया कि उसे कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। उसकी स्थिति बेहद गंभीर थी।
आठ बजे चाबी घूमने की जानी-पहचानी आवाज़ सुनकर वह चौंककर उठ खड़ा हुआ। लड़की अकेली थी।
"दरवाजा बंद करो," उसने आदेश दिया। "मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ।" उसने बात

मान ली।
"देखो, एनेट, मैं चाहती हूँ कि तुम मुझे इस मुसीबत से निकलने में मदद करो।" उसने अपना सिर हिलाया।
"असंभव। नीचे वाली मंजिल पर उनमें से तीन हैं।"
"ओह!" टॉमी मन ही मन उस जानकारी के लिए आभारी था। "लेकिन अगर आप मेरी मदद कर सकते तो क्या आप करते?"
"जी नहीं, महोदय।"
"क्यों नहीं?"
लड़की हिचकिचाई।
मुझे लगता है—वे मेरे अपने लोग हैं। तुमने उन पर जासूसी की है। तुम्हें यहाँ रखना उनका बिल्कुल सही फैसला है।
"ये लोग बहुत बुरे हैं, एनेट। अगर तुम मेरी मदद करोगी, तो मैं तुम्हें इन सबसे दूर ले जाऊँगा। और तुम्हें शायद अच्छी खासी रकम भी मिल जाएगी।"
लेकिन लड़की ने सिर्फ अपना सिर हिलाया।
"मैं ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता, महोदय; मुझे उनसे डर लगता है।"
वह मुँह फेरकर चली गई।
"क्या तुम किसी दूसरी लड़की की मदद करने के लिए कुछ भी नहीं करोगे?" टॉमी चिल्लाया। "वो भी तुम्हारी ही उम्र की है। क्या तुम उसे उनके चंगुल से नहीं बचाओगे?"
"आपका मतलब जेन फिन से है?"
"हाँ।"
"क्या आप उसे ही ढूंढने आए थे? हाँ?"
"इतना ही।"
लड़की ने उसकी तरफ देखा, फिर अपना हाथ अपने माथे पर फेर लिया।
"जेन फिन। मैं हमेशा यह नाम सुनती हूँ। यह जाना-पहचाना सा लगता है।"
टॉमी उत्सुकता से आगे आया।
"तुम्हें उसके बारे में कुछ तो पता होगा?"
लेकिन लड़की अचानक मुँह फेरकर चली गई।
"मुझे कुछ नहीं पता—सिर्फ़ नाम पता है।" वह दरवाज़े की ओर बढ़ी। अचानक उसने

चीख मारी। टॉमी देखता रह गया। उसकी नज़र उस तस्वीर पर पड़ गई थी जिसे उसने पिछली रात दीवार पर टांगा था। एक पल के लिए उसकी आँखों में डर दिखा। फिर अचानक राहत में बदल गया। और फिर वह कमरे से बाहर चली गई। टॉमी कुछ समझ नहीं पाया। क्या उसे लगा कि वह उस तस्वीर से उस पर हमला करना चाहता था? बिलकुल नहीं। उसने सोच-विचार करते हुए तस्वीर को वापस दीवार पर टांग दिया।
तीन और दिन नीरस निष्क्रियता में बीत गए। टॉमी को अपने तंत्रिका तंत्र पर तनाव का गहरा असर महसूस होने लगा। उसे कॉनरैड और एनेट के अलावा कोई नहीं दिखाई दिया, और एनेट बिल्कुल चुप हो गई थी। वह केवल एक-एक शब्द बोलती थी। उसकी आँखों में एक तरह का गहरा संदेह सुलग रहा था। टॉमी को लगा कि अगर यह एकांतवास और अधिक समय तक चला तो वह पागल हो जाएगा। कॉनरैड से उसे पता चला कि वे "मिस्टर ब्राउन" के आदेशों का इंतजार कर रहे हैं। शायद, टॉमी ने सोचा, वह विदेश में या कहीं दूर गए हुए हैं, और उन्हें उनके लौटने का इंतजार करना पड़ रहा है।
लेकिन तीसरे दिन की शाम एक कड़वी सच्चाई लेकर आई।
अभी मुश्किल से सात बजे थे कि उसे बाहर गलियारे में कदमों की आहट सुनाई दी। एक मिनट के भीतर ही दरवाजा ज़ोर से खुल गया। कॉनरैड अंदर आया। उसके साथ खतरनाक दिखने वाला नंबर 14 भी था। उन्हें देखते ही टॉमी का दिल बैठ गया।
“शुभ संध्या, गवर्नर,” उस आदमी ने मुस्कुराते हुए कहा। “क्या तुम्हारे पास वो रस्सियाँ हैं, दोस्त?”
शांत खड़े कॉनरैड ने एक पतली रस्सी निकाली। अगले ही पल, नंबर 14 के हाथ, अविश्वसनीय रूप से कुशल होकर, रस्सी को उसके अंगों के चारों ओर लपेट रहे थे, जबकि कॉनरैड उसे पकड़े हुए था।
"ये क्या बकवास है----?" टॉमी ने शुरू किया।
लेकिन मौन कॉनराड की धीमी, भावहीन मुस्कान ने उसके होठों पर ही शब्दों को जमा दिया।
नंबर 14 ने बड़ी कुशलता से अपना काम जारी रखा। एक मिनट के भीतर टॉमी एक असहाय गठरी जैसा हो गया। फिर अंत में कॉनरैड बोला:
"सोचा था तुमने हमें धोखा दे दिया, है ना? जो तुम जानते थे और जो तुम नहीं जानते थे, उन दोनों बातों से। हमसे सौदेबाजी की! और हर बार ये सब धोखा ही था! धोखा!

तुम्हें एक बिल्ली के बच्चे से भी कम अक्ल है। लेकिन अब तुम्हारा खेल खत्म हो गया है, कमीने।"

टॉमी चुपचाप लेटा रहा। कहने को कुछ नहीं था। वह असफल हो गया था। किसी न किसी तरह सर्वशक्तिमान श्री ब्राउन ने उसके दिखावे को भांप लिया था। अचानक उसके मन में एक विचार आया।

"बहुत बढ़िया भाषण, कॉनरैड," उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा। "लेकिन ये बंधन और बेड़ियाँ क्यों? क्यों न इस भले आदमी को बिना देरी किए मेरा गला काट देने दिया जाए?"

"अरे बाप रे!" नंबर 14 ने अचानक कहा। "क्या तुम्हें लगता है कि हम इतने अनुभवहीन हैं कि तुम्हें यहीं मार देंगे और पुलिस को इधर-उधर मंडराने देंगे? बिलकुल नहीं! हमने कल सुबह आपके लिए गाड़ी मंगवा ली है, लेकिन इस बीच हम कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, समझे!"

टॉमी ने कहा, "तुम्हारे शब्दों से ज्यादा स्पष्ट कुछ नहीं हो सकता - सिवाय तुम्हारे चेहरे के।"

"इसे छुपा दो," नंबर 14 ने कहा।

"खुशी से," टॉमी ने जवाब दिया। "तुम एक बड़ी गलती कर रहे हो—लेकिन नुकसान तुम्हारा ही होगा।"

"अब दोबारा इस तरह से हमें बेवकूफ मत बनाओ," नंबर 14 ने कहा। "तुम ऐसे बात कर रहे हो जैसे अभी भी किसी आलीशान होटल में ठहरे हो, है ना?"

टॉमी ने कोई जवाब नहीं दिया। वह इस बात को लेकर परेशान था कि मिस्टर ब्राउन को उसकी पहचान कैसे पता चली। उसने अनुमान लगाया कि टप्पेन्स घबराहट में पुलिस के पास गया होगा, और उसके लापता होने की बात सार्वजनिक होने पर गिरोह ने तुरंत ही सारी बातें समझ ली होंगी।

दोनों आदमी चले गए और दरवाजा जोर से बंद हो गया। टॉमी अपने विचारों में खो गया। उसके विचार सुखद नहीं थे। उसके हाथ-पैर जकड़े हुए और अकड़े हुए महसूस हो रहे थे। वह पूरी तरह से असहाय था और उसे कहीं कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही थी।

लगभग एक घंटा बीत चुका था जब उसने चाबी के धीरे से घूमने की आवाज़ सुनी और दरवाज़ा खुल गया। सामने एनेट थी। टॉमी का दिल थोड़ा तेज़ धड़कने लगा। वह उस

लड़की को भूल ही गया था। क्या यह संभव था कि वह उसकी मदद करने आई हो? अचानक उसे कॉनरैड की आवाज सुनाई दी:
"एनेट, इस झंझट से बाहर निकलो। आज रात उसे खाना नहीं चाहिए।"
"हां, हां, मुझे अच्छी तरह पता है। लेकिन मुझे दूसरी ट्रे लेनी होगी। हमें उस पर रखी चीजों की जरूरत है।"
"अच्छा, जल्दी करो," कॉनरैड गुर्राया।
टॉमी की तरफ देखे बिना लड़की मेज के पास गई और ट्रे उठाई। उसने हाथ उठाकर लाइट बंद कर दी।
"तुम्हें लानत हो!"—कॉनराड दरवाजे पर आ गया—"तुमने ऐसा क्यों किया?"
"मैं इसे हमेशा बुझा देता हूँ। आपको मुझे बताना चाहिए था। क्या मैं इसे फिर से जला दूँ, महाशय कॉनराड?"
"नहीं, इससे बाहर आ जाओ।"
"प्यारे छोटे साहब," एनेट ने अंधेरे में बिस्तर के पास रुकते हुए कहा। "आपने इसे अच्छे से बांधा है, है ना? यह तो बंधे हुए मुर्गे जैसा लग रहा है!" उसके लहजे में छिपी हंसी लड़के को चुभ गई; लेकिन उसी क्षण, उसे आश्चर्य हुआ जब उसने महसूस किया कि उसका हाथ हल्के से उसकी जंजीरों पर फिरा और कोई छोटी सी ठंडी चीज उसकी हथेली पर दब गई।
"चलो, एनेट।"
"लेकिन मैं यहाँ हूँ।"
दरवाजा बंद हो गया। टॉमी ने कॉनरैड को कहते सुना:
इसे ताला लगा दो और मुझे चाबी दे दो।
कदमों की आहट धीमी पड़ गई। टॉमी अचरज से जम गया। एनेट ने उसके हाथ में जो चीज़ थमाई थी, वह एक छोटा सा चाकू था, जिसकी धार खुली हुई थी। जिस तरह से उसने जानबूझकर उसकी तरफ देखने से परहेज किया था और रोशनी के साथ उसके हावभाव से, उसने यह निष्कर्ष निकाला कि कमरे में कोई नज़र रख रहा था। दीवारों में कहीं न कहीं झाँकने के लिए छेद ज़रूर होगा। उसे याद आया कि वह हमेशा कितनी सतर्क रहती थी, इसलिए उसे लगा कि शायद हर समय उस पर नज़र रखी जा रही थी। क्या उसने कुछ ऐसा कहा था जिससे उसकी पहचान उजागर हो जाए? शायद नहीं। उसने भागने की इच्छा और जेन फिन को खोजने की चाहत तो ज़ाहिर की थी,

लेकिन ऐसा कुछ नहीं जिससे उसकी अपनी पहचान का कोई सुराग मिल सके। यह सच है कि एनेट से पूछे गए उसके सवाल से यह साबित हो गया था कि वह जेन फिन को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता था, लेकिन उसने कभी ऐसा होने का दिखावा नहीं किया था। अब सवाल यह था कि क्या एनेट को वाकई कुछ ज़्यादा पता था? क्या उसके इनकार मुख्य रूप से सुनने वालों के लिए थे? इस बिंदु पर वह किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच सका।

लेकिन एक और भी ज़रूरी सवाल था जिसने बाकी सभी सवालों को पीछे धकेल दिया। क्या वह, बंधे होने के बावजूद, अपने बंधन काट पाएगा? उसने सावधानी से खुली हुई ब्लेड को अपनी दोनों कलाइयों को बांधने वाली रस्सी पर ऊपर-नीचे रगड़ने की कोशिश की। यह एक मुश्किल काम था, और जैसे ही चाकू उसकी कलाई में लगा, उसके मुंह से दर्द भरी दबी हुई "आउच" निकली। लेकिन धीरे-धीरे और दृढ़ता से वह आगे-पीछे आरी चलाता रहा। उसने मांस को बुरी तरह काट दिया, लेकिन आखिरकार उसने रस्सी को ढीला होते हुए महसूस किया। हाथ आज़ाद होने के बाद, बाकी काम आसान हो गया। पांच मिनट बाद, अपने अंगों में ऐंठन के कारण वह कुछ मुश्किल से सीधा खड़ा हो पाया। सबसे पहले उसने अपनी खून बहती कलाई पर पट्टी बांधी। फिर वह सोचने के लिए बिस्तर के किनारे बैठ गया। कॉनरैड ने दरवाजे की चाबी ले ली थी, इसलिए वह एनेट से ज़्यादा मदद की उम्मीद नहीं कर सकता था। कमरे से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता दरवाजा ही था, इसलिए उसे मजबूरी में तब तक इंतजार करना पड़ा जब तक कि दोनों आदमी उसे लेने वापस नहीं आ गए। लेकिन जब वे आए... टॉमी मुस्कुराया! अँधेरे कमरे में अत्यंत सावधानी से आगे बढ़ते हुए, उसने प्रसिद्ध चित्र को ढूँढ़ा और उसे अलग किया। उसे इस बात का सुखद अहसास हुआ कि उसकी पहली योजना व्यर्थ नहीं गई। अब प्रतीक्षा करने के अलावा और कोई चारा नहीं था। उसने प्रतीक्षा की।

रात धीरे-धीरे गुज़री। टॉमी को मानो अनंत घंटे बीत गए हों, लेकिन आखिरकार उसे कदमों की आहट सुनाई दी। वह सीधा खड़ा हुआ, गहरी सांस ली और तस्वीर को कसकर पकड़ लिया।

दरवाजा खुला। बाहर से हल्की रोशनी अंदर आई। कॉनरैड सीधे गैस जलाने के लिए आगे बढ़ा। टॉमी को बहुत अफसोस हुआ कि वह पहले अंदर आया था। कॉनरैड से बदला लेना कितना अच्छा होता। नंबर 14 उसके पीछे आया। जैसे ही उसने दहलीज

पार की, टॉमी ने तस्वीर को ज़ोर से अपने सिर पर पटक दिया। नंबर 14 टूटे हुए कांच के ज़ोरदार धमाके के साथ नीचे गिर गया। एक मिनट में टॉमी चुपके से बाहर निकला और दरवाजे तक पहुँच गया। चाबी ताले में थी। उसने उसे घुमाया और निकाला ही था कि कॉनरैड गालियों की बौछार करते हुए अंदर से दरवाजे पर टूट पड़ा।

एक पल के लिए टॉमी झिझक गया। नीचे वाले तल पर किसी के हिलने-डुलने की आवाज़ आई। फिर सीढ़ियों से जर्मन की आवाज़ सुनाई दी।

"गॉट इम हिममेल! कॉनरैड, क्या बात है?"

टॉमी को महसूस हुआ कि किसी ने उसका हाथ थाम लिया है। उसके बगल में एनेट खड़ी थी। उसने एक जर्जर सीढ़ी की ओर इशारा किया जो जाहिर तौर पर किसी अटारी की ओर जाती थी।

"जल्दी--ऊपर आओ!" वह उसे खींचकर सीढ़ी पर ले गई। अगले ही पल वे लकड़ी के लट्ठों से भरे एक धूल भरे अटारी कमरे में खड़े थे। टॉमी ने चारों ओर देखा।

"यह ठीक नहीं है। यह एक पक्का जाल है। इससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है।"

"चुप रहो! रुको।" लड़की ने अपनी उंगली होठों पर रखी। वह सीढ़ी के ऊपर रेंगकर गई और सुनने लगी।

दरवाजे पर ज़ोर-ज़ोर से दस्तक और मार पड़ रही थी। जर्मन और एक अन्य व्यक्ति दरवाजा जबरदस्ती खोलने की कोशिश कर रहे थे। एनेट ने दबी आवाज़ में समझाया: "वे सोचेंगे कि तुम अभी भी अंदर हो। वे कॉनरैड की बातें नहीं सुन सकते। दरवाजा बहुत मोटा है।"

"मुझे लगा कि आप कमरे में चल रही बातें सुन सकते हैं?"

"अगले कमरे में झाँकने के लिए एक छेद है। आपका अनुमान लगाना चतुराई भरा था। लेकिन वे इस बारे में नहीं सोचेंगे - वे तो बस अंदर जाने के लिए बेताब हैं।"

"हाँ—लेकिन यहाँ देखो—"

"इसे मुझ पर छोड़ दो।" वह नीचे झुकी। टॉमी को आश्चर्य हुआ जब उसने देखा कि वह एक बड़े, टूटे हुए जग के हैंडल में एक लंबी डोरी का सिरा बांध रही थी। उसने उसे ध्यान से व्यवस्थित किया, फिर टॉमी की ओर मुड़ी।

"क्या आपके पास दरवाजे की चाबी है?"

"हाँ।"

"इसे मुझे दे दो।"

उसने वह चीज़ उसे सौंप दी।
"मैं नीचे जा रहा हूँ। क्या आप आधा रास्ता जा सकते हैं और फिर सीढ़ी के पीछे से खुद को नीचे उतार सकते हैं, ताकि वे आपको देख न सकें?"
टॉमी ने सिर हिलाया।
"सीढ़ी के नीचे छाया में एक बड़ी अलमारी है। उसके पीछे खड़े हो जाओ। इस रस्सी का एक सिरा अपने हाथ में लो। जब मैं बाकी रस्सियों को बाहर निकाल दूं—तो खींचो!"
इससे पहले कि वह उससे कुछ और पूछ पाता, वह फुर्ती से सीढ़ी से नीचे उतर गई और जोर से चिल्लाते हुए समूह के बीच में पहुँच गई:
"हे भगवान! हे भगवान! यह क्या है?"
जर्मन महिला ने उसे अपशब्द कहते हुए फटकार लगाई।
"यहाँ से निकलो। अपने कमरे में जाओ!"
टॉमी ने बड़ी सावधानी से सीढ़ी के पिछले हिस्से से नीचे उतरना शुरू किया। जब तक वे मुड़कर नहीं देखते, तब तक सब ठीक था। वह अलमारी के पीछे छिप गया। वे अभी भी उसके और सीढ़ियों के बीच में थे।
"आह!" एनेट किसी चीज़ से ठोकर खाकर गिर पड़ी। वह झुकी। "हे भगवान, यह क्या है!"
जर्मन ने उससे वह छीन लिया। उसने दरवाजा खोला। कॉनरैड लड़खड़ाते हुए बाहर निकला और गालियां देने लगा।
"वह कहाँ है? क्या तुमने उसे पकड़ लिया है?"
जर्मन ने तीखे स्वर में कहा, "हमने किसी को नहीं देखा।" उसका चेहरा पीला पड़ गया। "तुम्हारा मतलब किससे है?"
कॉनराड ने एक और शपथ व्यक्त की।
वह भाग निकला।
"असंभव। वह हमसे आगे निकल जाता।"
उसी क्षण, टॉमी ने खुशी से मुस्कुराते हुए रस्सी खींची। ऊपर अटारी से बर्तनों के गिरने की आवाज़ आई। पलक झपकते ही दोनों आदमी एक-दूसरे को धकेलते हुए जर्जर सीढ़ी पर चढ़ गए और ऊपर अंधेरे में गायब हो गए।
पलक झपकते ही टॉमी अपने छिपने की जगह से कूदा और लड़की को अपने साथ

खींचते हुए सीढ़ियों से नीचे भागा। हॉल में कोई नहीं था। उसने कुंडी और जंजीर खोलने की कोशिश की। आखिरकार, दरवाजा खुल गया। वह मुड़ा। एनेट गायब हो चुकी थी।

टॉमी स्तब्ध खड़ा रहा। क्या वह फिर से ऊपर भाग गई थी? उसे कौन सा पागलपन सवार हो गया था! वह अधीरता से आग बबूला हो रहा था, लेकिन वह अपनी जगह पर डटा रहा। वह उसके बिना नहीं जाएगा।

और अचानक ऊपर से एक चीख सुनाई दी, जर्मन की ओर से एक विस्मयबोधक आवाज, और फिर एनेट की स्पष्ट और ऊँची आवाज:

"अरे बाप रे, वो भाग निकला! और वो भी जल्दी से! किसने सोचा होगा?"

टॉमी अभी भी जड़वत खड़ा था। क्या यह उसके लिए जाने का आदेश था? उसे लगा कि शायद यही आदेश था।

और फिर, और भी तेज़ आवाज़ में, शब्द उसके पास गूंजने लगे:

"यह घर बहुत भयानक है। मैं मार्गुराइट के पास वापस जाना चाहता हूँ। मार्गुराइट के पास। मार्गुराइट के पास!"

टॉमी दौड़कर सीढ़ियों की ओर वापस चला गया। वह चाहती थी कि वह उसे छोड़कर चला जाए। लेकिन क्यों? हर हाल में उसे उसे अपने साथ ले जाना ही था। तभी उसका दिल बैठ गया। कॉनरैड उसे देखते ही चीखते हुए सीढ़ियों से नीचे कूद रहा था। उसके पीछे बाकी लोग भी आ गए।

टॉमी ने अपनी मुट्ठी से सीधा वार करके कॉनरैड के हमले को रोक दिया। वार उसके जबड़े पर लगा और वह लकड़ी के लट्ठे की तरह गिर पड़ा। दूसरा आदमी उसके शरीर से टकराकर गिर गया। सीढ़ियों के ऊपर से एक तेज़ रोशनी चमकी और एक गोली टॉमी के कान को छूकर निकल गई। उसे एहसास हुआ कि इस घर से जल्द से जल्द निकल जाना उसकी सेहत के लिए अच्छा होगा। एनेट के मामले में वह कुछ नहीं कर सकता था। उसने कॉनरैड से बदला ले लिया था, जो एक तरह की संतुष्टि थी। वार अच्छा हुआ था।

वह दरवाजे की ओर झपटा और उसे जोर से बंद कर दिया। चौक सुनसान था। घर के सामने एक बेकरी की वैन खड़ी थी। जाहिर है, उसे उसी वैन में लंदन से बाहर ले जाया जाना था और उसका शव घर से कई मील दूर सोहो में मिलना था। ड्राइवर फुटपाथ पर कूद गया और टॉमी का रास्ता रोकने की कोशिश की। टॉमी ने फिर से मुक्का मारा

और ड्राइवर फुटपाथ पर गिर पड़ा।
टॉमी अपनी जान बचाने के लिए भागा—और यह सही समय पर हुआ। सामने का दरवाजा खुला और गोलियों की बौछार उसके पीछे पड़ गई। सौभाग्य से, कोई भी गोली उसे नहीं लगी। वह चौक के कोने पर मुड़ गया।
"एक बात तो तय है," उसने मन ही मन सोचा, "वे गोलीबारी जारी नहीं रख सकते। अगर उन्होंने ऐसा किया तो पुलिस उनके पीछे पड़ जाएगी। मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने वहां ऐसा करने की हिम्मत कैसे की।"
उसे अपने पीछे पीछा करने वालों के कदमों की आहट सुनाई दी और उसने अपनी गति दोगुनी कर दी। एक बार इन तंग रास्तों से निकल जाने पर वह सुरक्षित हो जाएगा। कहीं न कहीं कोई पुलिसवाला ज़रूर होगा—हालांकि अगर संभव हो तो वह पुलिस की मदद लेना नहीं चाहता था। इसका मतलब था स्पष्टीकरण देना और असहज स्थिति पैदा करना। अगले ही पल उसे अपनी किस्मत पर शुक्र मनाने का मौका मिला। वह एक ज़मीन पर गिरे हुए व्यक्ति से टकरा गया, जो डर के मारे चीखते हुए उठा और गली में भाग गया। टॉमी एक दरवाजे के पीछे छिप गया। एक मिनट के भीतर उसे अपने दो पीछा करने वालों को देखने का सौभाग्य मिला, जिनमें से एक जर्मन था, जो बड़ी लगन से उस भ्रामक सुराग का पीछा कर रहे थे!
टॉमी चुपचाप दरवाजे पर बैठ गया और कुछ पल रुककर अपनी सांसें संभलने लगा। फिर वह धीरे-धीरे दूसरी दिशा में चल पड़ा। उसने अपनी घड़ी देखी। साढ़े पाँच बज रहे थे। उजाला तेज़ी से बढ़ रहा था। अगले मोड़ पर उसकी मुलाकात एक पुलिसवाले से हुई। पुलिसवाले ने उसे शक की नज़र से देखा। टॉमी को थोड़ा बुरा लगा। फिर उसने अपने चेहरे पर हाथ फेरते हुए हँस दिया। उसने तीन दिन से दाढ़ी नहीं बनाई थी और न ही नहाया था! वह कैसा दिख रहा होगा!
बिना देर किए वह एक तुर्की स्नानघर में चला गया, जिसके बारे में उसे पता था कि वह रात भर खुला रहता है। सुबह की चहल-पहल में बाहर निकलते ही वह फिर से तरोताज़ा महसूस कर रहा था और योजनाएँ बनाने के लिए तैयार था।
सबसे पहले, उसे भरपेट भोजन करना होगा। उसने कल दोपहर से कुछ नहीं खाया था। वह एक एबीसी दुकान में गया और अंडे, बेकन और कॉफी मंगवाई। खाते समय, उसने अपने सामने रखे अखबार को पढ़ा। अचानक वह चौंक गया। अखबार में क्रामेनिन पर एक लंबा लेख था, जिसे रूस में "बोल्शेविज़्म का सूत्रधार" बताया गया

था, और जो अभी-अभी लंदन पहुंचा था - कुछ लोगों का मानना था कि वह एक अनौपचारिक दूत था। उसके जीवन का संक्षिप्त विवरण दिया गया था, और यह दृढ़ता से कहा गया था कि रूसी क्रांति का सूत्रधार वह था, न कि नाममात्र के नेता।
पृष्ठ के मध्य में उनका चित्र था।
"तो यही है नंबर 1," टॉमी ने अंडे और बेकन से भरा मुंह लिए कहा। "इसमें कोई शक नहीं, मुझे आगे बढ़ना ही होगा।"
उसने नाश्ते का भुगतान किया और व्हाइटहॉल के लिए रवाना हो गया। वहाँ उसने अपना नाम और यह संदेश भेजा कि मामला अत्यावश्यक है। कुछ ही मिनटों बाद वह उस व्यक्ति के समक्ष था जिसे यहाँ "श्री कार्टर" के नाम से नहीं जाना जाता था। उसके चेहरे पर शिकन थी।
"देखो, तुम्हें इस तरह मुझसे पूछने का कोई हक नहीं है। मुझे लगा था कि यह बात तुम्हें अच्छी तरह समझ आ गई होगी?"
"जी हां, महोदय। लेकिन मैंने समय बर्बाद न करना ही उचित समझा।"
और उन्होंने यथासंभव संक्षिप्त और सटीक शब्दों में पिछले कुछ दिनों के अनुभवों का विस्तार से वर्णन किया।
बातचीत के बीच में ही, श्री कार्टर ने फोन पर कुछ अस्पष्ट आदेश देने के लिए उसे बीच में ही रोक दिया। उनके चेहरे से अब असंतोष का कोई निशान नहीं बचा था। टॉमी के बात खत्म करने पर उन्होंने पूरे जोश से सिर हिलाया।
बिल्कुल सही। हर पल कीमती है। डर है कि कहीं बहुत देर न हो जाए। वे इंतज़ार नहीं करेंगे। तुरंत निकल जाएंगे। फिर भी, हो सकता है कि उन्होंने कुछ ऐसा पीछे छोड़ दिया हो जो सुराग बन सके। आपने कहा कि आपने नंबर 1 को क्रामेनिन के रूप में पहचाना है? यह महत्वपूर्ण है। हमें उसके खिलाफ कुछ ठोस सबूत चाहिए ताकि कैबिनेट उसे आसानी से पदच्युत न कर ले। बाकी लोगों का क्या? आपने कहा कि दो चेहरे आपको जाने-पहचाने लगे? आपको लगता है कि उनमें से एक लेबर पार्टी का आदमी है? बस इन तस्वीरों को देखिए और पता लगाइए कि वह कौन है।
एक मिनट बाद, टॉमी ने एक चीज़ ऊपर उठाई। श्री कार्टर ने कुछ आश्चर्य व्यक्त किया।
"अरे, वेस्टवे! मुझे तो ऐसा सोचना ही नहीं चाहिए था। खुद को उदारवादी दिखाता है। जहाँ तक दूसरे आदमी की बात है, मुझे लगता है मैं सही अंदाज़ा लगा सकता हूँ।"

उसने टॉमी को एक और तस्वीर दी और उसकी हैरानी भरी बात सुनकर मुस्कुराया। "तो मैं सही था। वो कौन है? आयरिश है। एक प्रमुख यूनियनवादी सांसद। ज़ाहिर है, सब एक छलावा है। हमें शक था - लेकिन कोई सबूत नहीं मिला। हाँ, तुमने बहुत अच्छा किया, नौजवान। 29 तारीख, जैसा कि तुमने बताया। इससे हमारे पास बहुत कम समय बचता है - सचमुच बहुत कम समय।"

"लेकिन----" टॉमी हिचकिचाया।

श्री कार्टर ने उनके विचारों को पढ़ लिया।

"मुझे लगता है हम आम हड़ताल के खतरे से निपट सकते हैं। यह एक अनिश्चित स्थिति है—लेकिन हमारे पास जीतने का अच्छा मौका है! लेकिन अगर वह संधि का मसौदा सामने आ गया—तो हमारा काम तमाम हो जाएगा। इंग्लैंड अराजकता में डूब जाएगा। अरे, यह क्या? कार? चलो, बेरेसफोर्ड, हम चलते हैं और तुम्हारा यह घर देखते हैं।"

सोहो स्थित घर के सामने दो कांस्टेबल ड्यूटी पर थे। एक इंस्पेक्टर ने धीमी आवाज़ में मिस्टर कार्टर को सूचना दी। मिस्टर कार्टर ने टॉमी की ओर रुख किया।

"पक्षी उड़ चुके हैं—जैसा हमने सोचा था। हम इसके ऊपर से जा सकते हैं।"

उस वीरान घर का मुआयना करना टॉमी को किसी सपने जैसा लग रहा था। सब कुछ वैसा ही था जैसा पहले था। टेढ़ी-मेढ़ी तस्वीरों वाला जेल का कमरा, अटारी में टूटा हुआ घड़ा, लंबी मेज वाला बैठक कक्ष। लेकिन कहीं भी कागज़ों का नामोनिशान नहीं था। उस तरह की हर चीज़ या तो नष्ट हो गई थी या गायब हो गई थी। और एनेट का भी कोई अता-पता नहीं था।

श्री कार्टर ने कहा, "आपने लड़की के बारे में जो बताया, उससे मैं उलझन में पड़ गया हूँ। क्या आपको लगता है कि वह जानबूझकर वापस गई थी?"

"ऐसा ही लगता है, महोदय। जब मैं दरवाजा खोल रहा था, तभी वह ऊपर की ओर भाग गई।"

"हम्म, तो वो ज़रूर गिरोह की सदस्य होगी; लेकिन औरत होने के नाते, उसने एक भले-बुरे नौजवान को मरते हुए देखना ठीक नहीं समझा। लेकिन ज़ाहिर है वो उनके साथ मिली हुई है, वरना वापस नहीं जाती।"

"मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि वह सचमुच उनमें से एक है, महोदय। वह—बिल्कुल अलग लग रही थी—"

"खूबसूरत है ना?" श्री कार्टर ने मुस्कुराते हुए कहा, जिससे टॉमी शर्म से लाल हो गया। उसने कुछ शर्मिंदगी के साथ एनेट की खूबसूरती को स्वीकार किया।
"वैसे," श्री कार्टर ने कहा, "क्या आप मिस टप्पेन्स से मिल चुके हैं? वह आपके बारे में मुझे लगातार पत्र लिख रही हैं।"
"टप्पेन्स? मुझे डर था कि वह थोड़ी घबरा जाएगी। क्या वह पुलिस के पास गई?"
श्री कार्टर ने अपना सिर हिलाया।
"फिर मुझे आश्चर्य होता है कि उन्हें मेरे बारे में कैसे पता चला।"
श्री कार्टर ने जिज्ञासा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा, और टॉमी ने समझाया। दूसरे ने सोच-समझकर सिर हिलाया।
"हाँ, यह एक अजीब बात है। कहीं रिट्ज़ का ज़िक्र अनजाने में तो नहीं हुआ था?"
"हो सकता है, महोदय। लेकिन उन्हें मेरे बारे में अचानक किसी न किसी तरह पता चल गया होगा।"
श्री कार्टर ने चारों ओर देखते हुए कहा, "अच्छा, अब यहाँ और कुछ नहीं किया जा सकता। क्या आप मेरे साथ दोपहर का भोजन करना चाहेंगे?"
"बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदय। लेकिन मुझे लगता है कि मुझे वापस जाकर टप्पेन्स को खदेड़ना चाहिए।"
"ज़रूर। उसे मेरा प्रणाम कहना और उससे कहना कि अगली बार वह इतनी आसानी से मारे जाने की उम्मीद न करे।"
टॉमी मुस्कुराया।
"मैं बहुत हत्याएं झेलता हूँ, महोदय।"
श्री कार्टर ने रूखेपन से कहा, "मुझे ऐसा ही लगता है। अच्छा, अलविदा। याद रखना, अब तुम निशाने पर हो, और अपना उचित ध्यान रखना।"
"धन्यवाद महोदय।"
जल्दी से एक टैक्सी बुलाकर टॉमी उसमें बैठ गया, और टप्पेन्स को चौंकाने की सुखद उम्मीद के साथ वह तेजी से रिट्ज़ होटल की ओर चल पड़ा।
"पता नहीं वो क्या कर रही होगी। शायद रीटा का पीछा कर रही होगी। वैसे, मुझे लगता है कि एनेट का मतलब मार्गुराइट से रीटा ही था। उस समय मुझे समझ नहीं आया था।" यह सोचकर उसे थोड़ा दुख हुआ, क्योंकि इससे लगता था कि श्रीमती वैंडमेयर और उस लड़की के बीच घनिष्ठ संबंध थे।

टैक्सी रिट्ज़ होटल के सामने आकर रुकी। टॉमी उत्सुकता से उसके पवित्र द्वार में घुस गया, लेकिन उसकी उत्सुकता पर पानी फिर गया। उसे बताया गया कि मिस काउली पंद्रह मिनट पहले ही बाहर जा चुकी हैं।

अध्याय XVIII-- टेलीग्राम

कुछ पल के लिए असमंजस में पड़ा टॉमी रेस्तरां में दाखिल हुआ और उसने बेहद स्वादिष्ट भोजन का ऑर्डर दिया। चार दिन की कैद ने उसे अच्छे भोजन का महत्व फिर से सिखा दिया था।

वह सोल ए ला जेनेट का एक बेहतरीन टुकड़ा अपने मुंह में डाल ही रहा था कि तभी उसकी नज़र जूलियस पर पड़ी जो कमरे में दाखिल हो रहा था। टॉमी ने खुशी से मेनू लहराया और जूलियस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। टॉमी को देखते ही जूलियस की आंखें मानो फटी रह गईं। वह तेज़ी से आगे बढ़ा और टॉमी का हाथ ज़ोर से पकड़ लिया, जो टॉमी को बिल्कुल अनावश्यक लगा।

"हे भगवान!" वह चिल्लाया। "क्या सचमुच तुम हो?"

"बिल्कुल है। क्यों नहीं होना चाहिए?"

"ऐसा क्यों नहीं होना चाहिए? अरे यार, क्या तुम्हें पता नहीं कि तुम्हें मृत मान लिया गया है? मुझे लगता है कि कुछ ही दिनों में तुम्हारे लिए एक गंभीर शोक सभा आयोजित की गई होती।"

"किसने सोचा था कि मैं मर गया हूँ?" टॉमी ने पूछा।

"दो पेंस।"

"शायद उसे वह कहावत याद आ गई थी कि अच्छे लोग कम उम्र में मर जाते हैं। मुझमें कुछ न कुछ पाप तो जरूर है, तभी मैं बच पाया। वैसे, टप्पेन्स कहाँ है?"

"क्या वह यहाँ नहीं है?"

"नहीं, ऑफिस के लोगों ने कहा कि वह बस बाहर गई थी।"

"शायद शॉपिंग करने गई थी। मैंने उसे करीब एक घंटे पहले कार से यहाँ छोड़ा था। लेकिन, ज़रा अपना वो शांत स्वभाव छोड़ो और काम की बात बताओ? आखिर इतने समय से क्या कर रही थी?"

टॉमी ने जवाब दिया, "अगर आप यहीं खाना खा रहे हैं, तो अभी ऑर्डर कर दीजिए। यह एक लंबी कहानी होने वाली है।"

जूलियस ने मेज के दूसरी तरफ एक कुर्सी खींची, पास खड़े वेटर को बुलाया और अपनी इच्छाएँ बताईं। फिर वह टॉमी की ओर मुड़ा।
"आगे बढ़ो। मुझे लगता है कि तुमने कुछ रोमांचक कारनामे किए हैं।"
"एक या दो," टॉमी ने विनम्रता से उत्तर दिया और अपना गायन शुरू कर दिया।
जूलियस मंत्रमुग्ध होकर सुनता रहा। उसके सामने परोसे गए आधे व्यंजन वह खाना भूल गया। अंत में उसने एक लंबी आह भरी।
"शाबाश! बिल्कुल सस्ते उपन्यास की तरह लगता है!"
"और अब घर की बात करते हैं," टॉमी ने आड़ू लेने के लिए अपना हाथ बढ़ाते हुए कहा।
"हाँ," जूलियस ने धीमी आवाज़ में कहा, "मुझे यह स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है कि हमने भी कुछ रोमांचक अनुभव किए हैं।"
उन्होंने बारी-बारी से कथावाचक की भूमिका निभाई। बॉर्नमाउथ में अपनी असफल खोजबीन से शुरू करते हुए, उन्होंने लंदन लौटने, कार खरीदने, टप्पेन्स की बढ़ती चिंताओं, सर जेम्स से मुलाकात और पिछली रात की सनसनीखेज घटनाओं का वर्णन किया।
"लेकिन उसे किसने मारा?" टॉमी ने पूछा। "मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा है।"
जूलियस ने रूखेपन से जवाब दिया, "डॉक्टर ने खुद को यह कहकर दिलासा दिया कि उसने खुद ही गोली ली थी।"
और सर जेम्स? उन्होंने क्या सोचा?
"कानून के विद्वान होने के नाते, वे एक बहुउपयोगी व्यक्ति हैं," जूलियस ने उत्तर दिया। "मुझे कहना चाहिए कि उन्होंने 'निर्णय सुरक्षित रखा'।" इसके बाद उन्होंने सुबह की घटनाओं का विस्तृत वर्णन किया।
“उसकी याददाश्त चली गई है, है ना?” टॉमी ने दिलचस्पी से कहा। “अरे वाह! इसी वजह से जब मैंने उससे पूछताछ करने की बात कही तो सब मुझे अजीब नज़रों से देख रहे थे। मेरी तरफ से थोड़ी सी गलती हो गई! लेकिन यह ऐसी बात नहीं थी जिसका कोई अंदाज़ा लगा सके।”
"उन्होंने आपको जेन के ठिकाने के बारे में कोई सुराग नहीं दिया?"
टॉमी ने खेदपूर्वक अपना सिर हिलाया।
"एक शब्द भी नहीं। जैसा कि आप जानते हैं, मैं थोड़ा बेवकूफ हूँ। मुझे किसी न किसी

तरह उनसे और अधिक जानकारी हासिल करनी चाहिए थी।"
"मुझे लगता है कि आप यहाँ आकर खुद को भाग्यशाली समझते हैं। आपका वो झांसा वाकई कमाल का था। आपने इतनी आसानी से ये सब कैसे सोच लिया, ये मेरी समझ से परे है!"
टॉमी ने सरल शब्दों में कहा, "मैं इतना निराश था कि मुझे कुछ न कुछ सोचना ही पड़ा।"
कुछ क्षणों के विराम के बाद, टॉमी श्रीमती वैंडमेयर की मृत्यु के विषय पर लौट आया। "इसमें कोई शक नहीं कि यह क्लोरल था?"
"मुझे तो ऐसा नहीं लगता। कम से कम वे इसे ओवरडोज से प्रेरित हृदय गति रुकना या कुछ इसी तरह का बेतुका नाम तो देते हैं। ठीक है। हम किसी जांच के झंझट में नहीं पड़ना चाहते। लेकिन मुझे लगता है कि मैं, टप्पेन्स और यहाँ तक कि विद्वान सर जेम्स भी यही सोचते हैं।"
"मिस्टर ब्राउन?" टॉमी ने जोखिम उठाते हुए पूछा।
"अवश्य।"
टॉमी ने सिर हिलाया।
फिर भी, उन्होंने सोच-समझकर कहा, "मिस्टर ब्राउन के पास पंख नहीं हैं। मुझे समझ नहीं आता कि वह अंदर कैसे गए और बाहर कैसे आए।"
"क्या हम कोई उच्चस्तरीय विचार हस्तांतरण का करतब दिखा सकते हैं? कोई ऐसा चुंबकीय प्रभाव जिसने श्रीमती वैंडमेयर को आत्महत्या करने के लिए अप्रतिरोध्य रूप से प्रेरित किया हो?"
टॉमी ने आदरपूर्वक उसकी ओर देखा।
"अच्छा, जूलियस। वाकई बहुत अच्छा। खासकर आपकी शब्दावली। लेकिन इससे मुझे कोई खास फर्क नहीं पड़ा। मुझे असली मिस्टर ब्राउन की याद आ रही है, जो हाड़-मांस का बना हो। मुझे लगता है कि प्रतिभाशाली युवा जासूसों को काम पर लग जाना चाहिए, हर प्रवेश और निकास द्वार का अध्ययन करना चाहिए और तब तक अपने माथे पर उभरे हुए धब्बों को थपथपाना चाहिए जब तक कि उन्हें रहस्य का हल न मिल जाए। चलो अपराध स्थल पर चलते हैं। काश हम टप्पेन्स को पकड़ पाते। रिट्ज़ होटल को इस सुखद मिलन का तमाशा देखकर बहुत खुशी होती।"
कार्यालय में पूछताछ करने पर पता चला कि टप्पेन्स अभी तक वापस नहीं लौटी थी।

"खैर, मुझे लगता है कि मैं ऊपर जाकर देख लेता हूँ," जूलियस ने कहा। "हो सकता है वह मेरे बैठक कक्ष में हो।" वह गायब हो गया।
अचानक टॉमी के बगल में खड़े एक छोटे लड़के ने बोलना शुरू किया:
"वह युवती—मुझे लगता है वह ट्रेन से चली गई है, महोदय," उसने शरमाते हुए धीरे से कहा। "क्या?" टॉमी उसकी ओर मुड़ा।
वह छोटा लड़का पहले से भी ज्यादा गुलाबी हो गया।
"टैक्सी, महोदय। मैंने उसे ड्राइवर से 'चारिंग क्रॉस' कहते हुए सुना और उसे सतर्क रहने के लिए कहते हुए सुना।"
टॉमी उसे घूरता रहा, आश्चर्य से उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। हिम्मत पाकर वह छोटा लड़का बोला, "मैंने भी तो यही सोचा था, क्योंकि मैंने एक ए.बी.सी. और एक ब्रैडशॉ माँगा था।"
टॉमी ने उसे बीच में ही रोक दिया:
"उसने ए.बी.सी. और ब्रैडशॉ कब मांगे थे?"
"जब मैंने उसे टेलीग्राम दिया था, महोदय।"
"एक टेलीग्राम?"
"जी श्रीमान।"
"वह कब था?"
"लगभग साढ़े बारह बजे, महोदय।"
"मुझे ठीक-ठीक बताओ कि क्या हुआ था।"
छोटे लड़के ने एक लंबी सांस ली।
"मैंने 891 नंबर पर एक टेलीग्राम भेजा—वहाँ एक महिला थी। उसने उसे खोला और चौंक गई, फिर उसने बड़े ही हंसमुख अंदाज में कहा: 'मेरे लिए एक ब्रैडशॉ और एक ए.बी.सी. लाना, और हेनरी, जल्दी आना।' मेरा नाम हेनरी नहीं है, लेकिन----"
टॉमी ने अधीरता से कहा, "तुम्हारे नाम की चिंता मत करो। बोलो।"
"जी हाँ, महोदय। मैं उन्हें लेकर आया था, और उसने मुझे रुकने को कहा और कुछ देखने लगी। फिर उसने घड़ी की तरफ देखा और बोली, 'जल्दी करो।' 'उन्हें कहो कि मेरे लिए टैक्सी बुलाएँ,' और वह शीशे के सामने अपनी टोपी को धकेलने लगी, और दो पल में ही नीचे उतर गई, लगभग उतनी ही तेज़ी से जितनी तेज़ी से मैं उतरा था, और मैंने उसे सीढ़ियों से नीचे उतरकर टैक्सी में बैठते देखा, और मैंने उसे वही कहते

सुना जो मैंने आपको बताया था।"
छोटा लड़का रुका और गहरी सांस ली। टॉमी उसे घूरता रहा। उसी क्षण जूलियस उसके पास वापस आ गया। उसके हाथ में एक खुला पत्र था।
"मैं कहता हूँ, हर्शाइमर,"—टॉमी उसकी ओर मुड़ा—"टप्पेन्स अकेले ही जासूसी करने निकल गई है।"
"अरे यार!"
"हाँ, वो गई है। टेलीग्राम मिलते ही वो टैक्सी से जल्दी में चैरिंग क्रॉस के लिए निकल गई।" उसकी नज़र जूलियस के हाथ में मौजूद चिट्ठी पर पड़ी। "ओह; उसने तुम्हारे लिए एक नोट छोड़ा है। कोई बात नहीं। वो कहाँ जा रही है?"
लगभग अनजाने में ही उसने पत्र लेने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन जूलियस ने उसे मोड़कर अपनी जेब में रख लिया। वह थोड़ा शर्मिंदा लग रहा था।
"मुझे लगता है इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह किसी और चीज़ के बारे में है - जिसके बारे में मैंने उससे कहा था कि वह मुझे बताएगी।"
"ओह!" टॉमी उलझन में दिख रहा था और ऐसा लग रहा था कि वह और जानकारी का इंतजार कर रहा है।
"देखो," जूलियस ने अचानक कहा, "तुम्हें पहले ही बता दूं। मैंने आज सुबह मिस टप्पेन्स से शादी का प्रस्ताव रखा है।"
"ओह!" टॉमी ने बेजान भाव से कहा। वह स्तब्ध रह गया। जूलियस के शब्द बिल्कुल अप्रत्याशित थे। पल भर के लिए उनका दिमाग सुन्न हो गया।
जूलियस ने आगे कहा, "मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मिस टप्पेन्स को इस तरह की कोई बात कहने से पहले, मैंने यह स्पष्ट कर दिया था कि मैं उनके और आपके बीच किसी भी तरह से दखल नहीं देना चाहता था।"
टॉमी ने खुद को संभाला।
“कोई बात नहीं,” उसने जल्दी से कहा। “टप्पेन्स और मैं सालों से दोस्त हैं। इससे ज़्यादा कुछ नहीं।” उसने हल्के से कांपते हाथ से सिगरेट जलाई। “बिल्कुल ठीक है। टप्पेन्स हमेशा कहती थी कि वह मेरा ख्याल रख रही थी----”
वह अचानक रुक गया, उसका चेहरा लाल हो गया, लेकिन जूलियस जरा भी विचलित नहीं हुआ।
"ओह, मुझे लगता है कि डॉलर ही काम आएंगे। मिस टप्पेन्स ने मुझे यह बात तुरंत

समझा दी थी। वह बिल्कुल भी कपटी नहीं हैं। हम दोनों का साथ बहुत अच्छा चलेगा।"

टॉमी ने एक मिनट तक उत्सुकता से उसकी ओर देखा, मानो कुछ बोलने ही वाला हो, फिर उसने अपना इरादा बदल दिया और कुछ नहीं बोला। टप्पेन्स और जूलियस! भला क्यों नहीं? क्या उसने इस बात पर अफ़सोस नहीं जताया था कि वह किसी अमीर आदमी को नहीं जानती? क्या उसने खुलेआम यह नहीं कहा था कि अगर उसे कभी मौका मिला तो वह पैसे के लिए शादी करेगी? उस युवा अमेरिकी करोड़पति से उसकी मुलाक़ात ने उसे यह मौका दे दिया था—और यह मुमकिन नहीं था कि वह इसे भुनाने में देर करे। वह पैसे के पीछे पड़ी थी। उसने हमेशा यही कहा था। अपने उसूलों पर खरी उतरने के लिए उसे क्यों दोष दिया जाए?

फिर भी, टॉमी ने उसे दोषी ठहराया। वह तीव्र और पूरी तरह से अतार्किक आक्रोश से भरा हुआ था। ऐसी बातें कहना तो ठीक था—लेकिन एक सच्ची लड़की कभी पैसे के लिए शादी नहीं करती। टप्पेन्स पूरी तरह से निर्मम और स्वार्थी थी, और अगर वह उसे फिर कभी न देखे तो उसे बहुत खुशी होगी! और यह दुनिया कितनी बुरी है!

इन ध्यान साधनाओं के बीच जूलियस की आवाज ने खलल डाला।

"हाँ, हम दोनों की आपस में अच्छी बनेगी। मैंने सुना है कि एक लड़की हमेशा एक बार मना करती है—यह एक तरह की परंपरा है।"

टॉमी ने उसका हाथ पकड़ लिया।

"इनकार करता है? क्या आपने इनकार किया कहा?"

"ज़रूर। क्या मैंने तुम्हें बताया नहीं था? उसने बिना किसी वजह के सीधे 'ना' कह दिया। हूण लोग इसे स्त्रीत्व की शाश्वत प्रवृत्ति कहते हैं, मैंने सुना है। लेकिन वो मान जाएगी। शायद, मैंने उसे थोड़ा बहला-फुसला लिया है----"

लेकिन टॉमी ने शिष्टाचार की परवाह किए बिना बीच में ही दखल दिया।

"उसने उस नोट में क्या लिखा था?" उसने गुस्से से पूछा।

दयालु जूलियस ने उसे वह वस्तु सौंप दी।

"इससे कोई सुराग नहीं मिलता कि वह कहां गई है," उसने टॉमी को आश्वस्त करते हुए कहा। "लेकिन अगर तुम्हें मेरी बात पर यकीन नहीं है, तो तुम खुद जाकर देख लो।"

टप्पेन्स की जानी-पहचानी स्कूली बच्चे वाली लिखावट में लिखा वह नोट इस प्रकार

था:
प्रिय जूलियस,
"चीजों को लिखित रूप में रखना हमेशा बेहतर होता है। जब तक टॉमी मिल नहीं जाता, तब तक मुझे शादी के बारे में सोचने की कोई ज़रूरत नहीं है। तब तक के लिए इसे छोड़ देते हैं।"
आपका स्नेहपूर्वक,
"टप्पेन्स।"
टॉमी ने उसे लौटा दिया, उसकी आँखें चमक रही थीं। उसकी भावनाओं में तीव्र परिवर्तन आया था। अब उसे लग रहा था कि टप्पेन्स ही सच्ची नेक और निस्वार्थता की मूर्ति है। क्या उसने जूलियस को बिना किसी संकोच के मना नहीं किया था? सच है, उस नोट में कमजोरी के संकेत थे, लेकिन वह इसे नज़रअंदाज़ कर सकता था। वह लगभग जूलियस को टॉमी को खोजने के प्रयासों में आगे बढ़ने के लिए रिश्वत जैसा लग रहा था, लेकिन उसे लगा कि उसका इरादा ऐसा नहीं था। प्यारी टप्पेन्स, दुनिया में कोई भी लड़की उसकी बराबरी नहीं कर सकती! जब वह उसे देखेगा----अचानक उसके विचार एक झटके से उभर आए।
"जैसा कि आपने कहा," उसने खुद को संभालते हुए कहा, "यहाँ इस बात का कोई संकेत नहीं है कि वह क्या कर रही है। हाय--हेनरी!"
छोटा लड़का आज्ञाकारी होकर आया। टॉमी ने पाँच शिलिंग निकाले।
एक बात और। क्या आपको याद है कि उस युवती ने टेलीग्राम का क्या किया था? हेनरी हांफते हुए बोला।
"उसने उसे मसलकर एक गेंद बना ली और उसे अंगीठी में फेंक दिया, और 'हूप!' जैसी आवाज निकाली।"
"बहुत ही सजीव वर्णन है, हेनरी," टॉमी ने कहा। "ये लो तुम्हारे पाँच शिलिंग। चलो, जूलियस। हमें वो टेलीग्राम ढूंढना ही होगा।"
वे जल्दी से ऊपर चले गए। टप्पेन्स ने चाबी अपने दरवाजे में ही छोड़ दी थी। कमरा वैसा ही था जैसा उसने छोड़ा था। चिमनी में नारंगी और सफेद रंग की एक मुड़ी हुई गेंद पड़ी थी। टॉमी ने उसे सुलझाया और टेलीग्राम को सीधा किया।
"तुरंत आओ, मोएट हाउस, एबुरी, यॉर्कशायर, बहुत बड़े विकास कार्य हो रहे हैं--टॉमी।"

वे दोनों अचंभित होकर एक-दूसरे को देखने लगे। जूलियस ने पहले बात की:
"आपने इसे नहीं भेजा?"
"बिल्कुल नहीं। इसका क्या मतलब है?"
"मुझे लगता है इसका मतलब सबसे बुरा है," जूलियस ने धीमी आवाज़ में कहा। "उन्होंने उसे पकड़ लिया है।"
"क्या?"
"बिल्कुल! उन्होंने आपके नाम से हस्ताक्षर किए, और वह एक मेमने की तरह जाल में फंस गई।"
"हे भगवान! अब हम क्या करें?"
"जल्दी करो और उसका पीछा करो! अभी! समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है। यह तो हमारी किस्मत ही है कि वह तार अपने साथ नहीं ले गई। अगर वह ले जाती तो शायद हम उसे कभी ढूंढ ही नहीं पाते। लेकिन हमें जल्दी करनी होगी। ब्रैडशॉ कहाँ है?"
जूलियस की ऊर्जा संक्रामक थी। अगर टॉमी को अकेला छोड़ दिया जाता, तो वह शायद कोई कार्ययोजना बनाने से पहले आधे घंटे तक सोच-विचार करता। लेकिन जूलियस हर्शाइमर के साथ होने पर, तुरंत काम शुरू करना अनिवार्य हो जाता था। कुछ अपशब्द बुदबुदाने के बाद उसने ब्रैडशॉ को टॉमी को सौंप दिया, यह कहते हुए कि वह इसके रहस्यों से अधिक परिचित है। टॉमी ने उसे छोड़कर एक ए.बी.सी. उठा लिया।
"हम यहाँ पहुँच गए हैं। एबरी, यॉर्कशायर। किंग्स क्रॉस से। या सेंट पैनक्रास से। (लड़के से ज़रूर कोई गलती हो गई होगी। यह किंग्स क्रॉस था, चारिंग क्रॉस नहीं।) 12.50, वह ट्रेन आई थी। 2.10, वह चली गई। 3.20 अगली ट्रेन है - और वह भी बहुत धीमी।"
"गाड़ी का क्या हुआ?"
टॉमी ने अपना सिर हिलाया।
"अगर आप चाहें तो इसे ऊपर भेज सकते हैं, लेकिन बेहतर होगा कि हम ट्रेन में ही रहें। सबसे अच्छी बात यह है कि शांत रहें।"
जूलियस कराह उठा।
"बिल्कुल सही। लेकिन उस मासूम बच्ची के खतरे में होने के बारे में सोचकर मुझे

बहुत गुस्सा आता है!"
टॉमी ने अनमने भाव से सिर हिलाया। वह सोच रहा था। एक-दो पल में उसने कहा:
"मैंने कहा, जूलियस, आखिर उन्हें उसकी जरूरत किसलिए है?"
"क्या? मुझे आपकी बात समझ नहीं आई?"
"मेरा मतलब यह है कि मुझे नहीं लगता कि उनका इरादा उसे कोई नुकसान पहुँचाने का है," टॉमी ने अपने माथे पर शिकन डालते हुए समझाया, मानो वह अपने विचारों में उलझा हुआ हो। "वह बंधक है, बस यही है। उसे अभी कोई तत्काल खतरा नहीं है, क्योंकि अगर हमें कुछ भी पता चलता है, तो वह उनके लिए बहुत काम की साबित होगी। जब तक वह उनके कब्जे में है, तब तक वे हम पर हावी रहेंगे। समझे?"
"बिल्कुल," जूलियस ने सोच-समझकर कहा। "यह सच है।"
"इसके अलावा," टॉमी ने बाद में सोचते हुए कहा, "मुझे टप्पेन्स पर पूरा भरोसा है।"
यात्रा थकाऊ थी, कई पड़ाव थे और डिब्बे खचाखच भरे थे। उन्हें दो बार ट्रेन बदलनी पड़ी, एक बार डॉनकास्टर में और एक बार एक छोटे से जंक्शन पर। एबरी एक सुनसान स्टेशन था जहाँ केवल एक कुली था, जिससे टॉमी ने बात की:
"क्या आप मुझे खाई वाले घर का रास्ता बता सकते हैं?"
"मोएट हाउस? यहाँ से बस एक कदम की दूरी पर है। समुद्र के पास वाला बड़ा घर, आपका मतलब है?"
टॉमी ने बेशर्मी से सहमति दे दी। कुली के सावधानीपूर्वक लेकिन उलझाने वाले निर्देशों को सुनने के बाद, वे स्टेशन से निकलने की तैयारी करने लगे। बारिश शुरू हो रही थी, और सड़क की कीचड़ में चलते हुए उन्होंने अपने कोट के कॉलर ऊपर कर लिए। अचानक टॉमी रुक गया।
"एक पल रुकिए।" वह वापस स्टेशन की ओर भागा और कुली को फिर से पकड़ लिया।
"देखो, क्या तुम्हें वह युवती याद है जो इससे पहले वाली ट्रेन से आई थी, लंदन से 12:50 बजे वाली ट्रेन से? वह शायद तुमसे मोएट हाउस का रास्ता पूछेगी।"
उसने जितना हो सका, टप्पेन्स का वर्णन किया, लेकिन कुली ने सिर हिला दिया। उस ट्रेन से कई लोग आए थे। उसे किसी एक युवती का नाम याद नहीं आ रहा था। लेकिन उसे पूरा यकीन था कि किसी ने भी उससे मोएट हाउस का रास्ता नहीं पूछा था।
टॉमी जूलियस के पास वापस आया और अपनी बात समझाई। उस पर उदासी का

गहरा साया छा रहा था। उसे पूरा यकीन था कि उनकी खोज नाकाम रहेगी। दुश्मन को तीन घंटे से ज़्यादा का समय मिल चुका था। मिस्टर ब्राउन के लिए तीन घंटे का समय काफ़ी था। वह इस संभावना को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते थे कि टेलीग्राम मिल गया हो।

रास्ता अंतहीन सा लग रहा था। एक बार वे गलत मोड़ पर मुड़ गए और अपनी दिशा से लगभग आधा मील भटक गए। सात बज चुके थे जब एक छोटे लड़के ने उन्हें बताया कि "मोएट हाउस" अगले मोड़ के ठीक बाद है।

जंग लगा लोहे का फाटक अपने कब्ज़ों पर उदास होकर झूल रहा था! पत्तों से लथपथ एक उबड़-खाबड़ रास्ता। उस जगह में कुछ ऐसा था जिसने दोनों के दिलों में सिहरन पैदा कर दी। वे सुनसान रास्ते पर चल पड़े। पत्तों ने उनके कदमों की आहट दबा दी। दिन का उजाला लगभग ढल चुका था। ऐसा लग रहा था जैसे भूतों की दुनिया में चल रहे हों। ऊपर डालियाँ दुख भरी आवाज़ में फड़फड़ा रही थीं और चरमरा रही थीं। कभी-कभार एक भीगा हुआ पत्ता चुपचाप नीचे गिरता और अपने ठंडे स्पर्श से उनके गालों को छूकर उन्हें चौंका देता।

सड़क के एक मोड़ पर उन्हें वह घर दिखाई दिया। वह भी खाली और वीरान लग रहा था। खिड़कियों के शटर बंद थे, और दरवाजे तक जाने वाली सीढ़ियों पर काई जमी हुई थी। क्या वाकई टप्पेन्स को इसी सुनसान जगह पर लाया गया था? यह मानना मुश्किल था कि महीनों से इस रास्ते से किसी इंसान के कदम गुजरे होंगे।

जूलियस ने जंग लगी घंटी का हैंडल झटका। एक कर्कश ध्वनि निकली, जो अंदर के सन्नाटे में गूंज उठी। कोई नहीं आया। उन्होंने बार-बार घंटी बजाई—लेकिन जीवन का कोई आभास नहीं था। फिर वे पूरे घर का चक्कर लगाने लगे। चारों ओर सन्नाटा था, और खिड़कियाँ बंद थीं। अगर वे अपनी आँखों के सामने के दृश्य पर विश्वास करें तो वह जगह पूरी तरह खाली थी।

"ऐसा नहीं हो सकता," जूलियस ने कहा।

वे धीरे-धीरे अपने कदमों के निशान पर चलते हुए द्वार की ओर वापस लौटे।

“आस-पास कोई गाँव तो होगा ही,” उस युवक ने आगे कहा। “हमें वहाँ पूछताछ करनी चाहिए। उन्हें उस जगह के बारे में कुछ न कुछ पता होगा, और यह भी कि क्या हाल ही में वहाँ कोई आया था।”

"हां, यह बुरा विचार नहीं है।"

आगे बढ़ते हुए वे जल्द ही एक छोटे से गाँव में पहुँचे। गाँव के बाहरी इलाके में उन्हें एक मजदूर अपने औजारों से भरा थैला हिलाता हुआ मिला, और टॉमी ने उसे रोककर एक सवाल पूछा।

"मोएट हाउस? वह खाली है। कई सालों से खाली पड़ा है। अगर आप अंदर जाना चाहें तो श्रीमती स्वेनी के पास चाबी है - डाकघर के बगल में।"

टॉमी ने उन्हें धन्यवाद दिया। जल्द ही उन्हें डाकघर मिल गया, जो एक मिठाई और अन्य सामानों की दुकान भी थी, और उन्होंने उसके बगल वाली झोपड़ी का दरवाजा खटखटाया। एक साफ-सुथरी, स्वस्थ दिखने वाली महिला ने दरवाजा खोला। उसने तुरंत मोएट हाउस की चाबी निकाल दी।

"हालांकि मुझे संदेह है कि यह आपके लिए उपयुक्त जगह होगी, महोदय। इसकी मरम्मत की हालत बहुत खराब है। छतें टपक रही हैं। इसकी मरम्मत में बहुत पैसा खर्च करना पड़ेगा।"

"धन्यवाद," टॉमी ने खुशी से कहा। "मुझे लगता है कि यह योजना धराशायी हो जाएगी, लेकिन आजकल घर मिलना मुश्किल है।"

“जी हाँ,” महिला ने उत्साह से कहा। “मेरी बेटी और दामाद न जाने कब से एक अच्छा सा घर ढूंढ रहे हैं। सब कुछ युद्ध की वजह से है। इसने सब कुछ बुरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। लेकिन माफ कीजिए, महोदय, अभी अंधेरा होने के कारण आप घर ठीक से नहीं देख पाएंगे। क्या आप कल तक इंतजार नहीं कर सकते?”

कोई बात नहीं। हम आज शाम को आस-पास घूम लेंगे। अगर हम रास्ता न भटकते तो पहले ही यहाँ आ चुके होते। यहाँ आस-पास रात बिताने के लिए सबसे अच्छी जगह कौन सी है?

श्रीमती स्वीनी संशय में दिख रही थीं।

"यॉर्कशायर आर्म्स नाम का एक रेस्टोरेंट है, लेकिन वह आप जैसे सज्जनों के लिए उपयुक्त जगह नहीं है।"

"ओह, यह बहुत अच्छा रहेगा। धन्यवाद। वैसे, क्या आज कोई युवती यहाँ आकर इस चाबी के बारे में नहीं पूछ रही है?"

महिला ने अपना सिर हिलाया।

"काफी समय से उस जगह पर कोई नहीं आया है।"

"बहुत बहुत धन्यवाद।"

वे वापस मोएट हाउस की ओर चल पड़े। जैसे ही सामने का दरवाजा जोर से आवाज करते हुए अपने कब्जों पर वापस घूम गया, जूलियस ने एक माचिस जलाई और फर्श का ध्यान से निरीक्षण किया। फिर उसने अपना सिर हिलाया।

"मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि इस रास्ते से कोई नहीं गुजरा। धूल देखो। मोटी है। पैरों के निशान का कोई नामोनिशान नहीं।"

वे उस सुनसान घर में इधर-उधर भटकते रहे। हर जगह एक ही कहानी थी। धूल की मोटी परतें मानो अभी भी वैसी ही जमी हुई थीं।

"यह बात मुझे परेशान करती है," जूलियस ने कहा। "मुझे विश्वास नहीं होता कि टप्पेन्स कभी इस घर में आई थी।"

"वह जरूर रही होगी।"

जूलियस ने बिना जवाब दिए अपना सिर हिलाया।

टॉमी ने कहा, "हम कल फिर से इस पर चर्चा करेंगे। शायद दिन के उजाले में हमें और भी कुछ देखने को मिले।"

अगले दिन उन्होंने फिर से तलाशी शुरू की, और अनिच्छा से इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि घर में काफी समय से कोई घुसपैठ नहीं हुई थी। वे गाँव छोड़कर जा सकते थे, लेकिन टॉमी की एक सौभाग्यपूर्ण खोज ने उन्हें बचा लिया। जब वे द्वार की ओर लौट रहे थे, तो टॉमी ने अचानक चीख मारी और झुककर पत्तों के बीच से कुछ उठाया और जूलियस को दे दिया। वह एक छोटा सा सोने का ब्रोच था।

"ये तो टप्पेन्स का है!"

"क्या आपको यकीन है?"

"बिल्कुल। मैंने उसे अक्सर इसे पहने हुए देखा है।"

जूलियस ने गहरी सांस ली।

"मुझे लगता है कि अब बात पक्की हो गई। वो यहाँ तक आ ही गई। हम उस पब को अपना अड्डा बनाएंगे और जब तक वो मिल नहीं जाती, तब तक यहाँ खूब हंगामा करेंगे। किसी न किसी ने तो उसे ज़रूर देखा होगा।"

तुरंत ही अभियान शुरू हो गया। टॉमी और जूलियस ने अलग-अलग और साथ मिलकर काम किया, लेकिन नतीजा एक ही रहा। टप्पेन्स के हुलिए से मिलता-जुलता कोई भी व्यक्ति आस-पास नहीं देखा गया था। वे हैरान थे—पर हिम्मत नहीं हारी। आखिरकार उन्होंने अपनी रणनीति बदल दी। टप्पेन्स निश्चित रूप से मोएट हाउस के

आसपास ज्यादा देर नहीं रुकी थी। इससे संकेत मिलता था कि उसे काबू में करके किसी कार में ले जाया गया था। उन्होंने फिर से पूछताछ शुरू की। क्या किसी ने उस दिन मोएट हाउस के पास कहीं कोई कार खड़ी देखी थी? फिर भी उन्हें कोई सुराग नहीं मिला।

जूलियस ने अपनी कार के लिए शहर में तार भेजा, और वे अथक परिश्रम से प्रतिदिन आस-पड़ोस की छानबीन करते रहे। एक ग्रे रंग की लिमोसिन, जिस पर उन्हें बहुत उम्मीदें थीं, हैरोगेट में मिली, और पता चला कि वह एक अत्यंत सम्मानित अविवाहित महिला की थी!

हर दिन वे एक नई खोज पर निकल पड़ते थे। जूलियस किसी बंधे हुए कुत्ते की तरह था। वह छोटे से छोटे सुराग का भी पीछा करता था। उस मनहूस दिन गाँव से गुज़री हर कार का उसने पता लगा लिया। वह ग्रामीण इलाकों की संपत्तियों में जबरदस्ती घुस जाता और गाड़ियों के मालिकों से तीखे सवाल-जवाब करता। उसकी माफ़ी उसके तरीकों की तरह ही सटीक होती थी और शायद ही कभी उसके शिकारों के गुस्से को शांत करने में नाकाम रहती थी; लेकिन, दिन बीतने के साथ-साथ, वे टप्पेन्स का पता लगाने के करीब भी नहीं पहुँच पा रहे थे। अपहरण की योजना इतनी अच्छी तरह बनाई गई थी कि लड़की मानो हवा में गायब हो गई थी।

और एक और चिंता टॉमी के मन पर हावी थी।

एक सुबह नाश्ते के समय आमने-सामने बैठे हुए उसने पूछा, "क्या तुम्हें पता है कि हम यहाँ कितने समय से हैं?" "एक हफ़्ता! हम टप्पेन्स को खोजने के ज़रा भी करीब नहीं पहुँचे हैं, और अगला रविवार 29 तारीख है!"

"अरे यार!" जूलियस ने सोच-विचार करते हुए कहा। "मैं तो 29 तारीख के बारे में लगभग भूल ही गया था। मैं तो बस दो पैसे के बारे में ही सोच रहा था।"

"मैंने भी यही सोचा था। कम से कम, मैं 29 तारीख के बारे में भूला नहीं था, लेकिन टप्पेन्स को ढूंढने के मुकाबले यह बात मुझे कतई मायने नहीं रखती थी। पर आज 23 तारीख है, और समय कम होता जा रहा है। अगर हमें उसे किसी भी कीमत पर पकड़ना है, तो हमें 29 तारीख से पहले ही पकड़ना होगा—उसके बाद उसकी जान एक घंटे के लिए भी कीमती नहीं रहेगी। तब तक बंधक बनाने का खेल खत्म हो चुका होगा। मुझे लगने लगा है कि हमने इस काम को करने का जो तरीका अपनाया है, उसमें हमने बहुत बड़ी गलती की है। हमने समय बर्बाद किया है और हम आगे बढ़ने में

माहिर नहीं हैं।"
मैं आपसे सहमत हूँ। हम दोनों ही ऐसे लोग हैं जिन्होंने अपनी क्षमता से ज़्यादा बड़ा काम अपने हाथ में ले लिया है। मैं अब ये सब मज़ाक करना बंद करने वाला हूँ!
"आपका क्या मतलब है?"
मैं आपको बताता हूँ। मैं वही करने जा रहा हूँ जो हमें एक हफ़्ते पहले कर देना चाहिए था। मैं सीधे लंदन वापस जा रहा हूँ ताकि इस मामले को आपकी ब्रिटिश पुलिस के हवाले कर सकूँ। हम खुद को जासूस समझते थे। जासूस! यह सरासर बेवकूफी थी! बस बहुत हो गया! मैं इससे तंग आ गया हूँ। मुझे स्कॉटलैंड यार्ड चाहिए!
"तुम सही कह रहे हो," टॉमी ने धीरे से कहा। "काश हम तुरंत ही वहाँ चले गए होते।"
"देर आए दुरुस्त आए। हम दोनों बच्चे 'हियर वी गो राउंड द शहतूत की झाड़ी' खेल रहे थे। अब मैं सीधे स्कॉटलैंड यार्ड जा रहा हूँ और उनसे हाथ पकड़कर सही रास्ता दिखाने को कहूँगा। मुझे लगता है कि अंत में पेशेवर हमेशा शौकिया पर भारी पड़ता है। क्या तुम मेरे साथ आ रहे हो?"
टॉमी ने अपना सिर हिलाया।
"क्या फायदा? हममें से एक ही काफी है। मैं यहीं रुककर थोड़ी देर और छानबीन कर लेता हूँ। शायद कुछ मिल जाए। कौन जाने।"
"ज़रूर। अच्छा, अलविदा। मैं कुछ ही देर में कुछ निरीक्षकों के साथ वापस आऊंगा। मैं उनसे कहूंगा कि वे अपने सबसे प्रतिभाशाली और सर्वश्रेष्ठ लोगों को चुन लें।"
लेकिन घटनाक्रम जूलियस की योजना के अनुरूप नहीं हुआ। उसी दिन बाद में टॉमी को एक तार मिला:
"मैनचेस्टर मिडलैंड होटल में मुझसे मिलें। महत्वपूर्ण समाचार--जूलियस।"
उस रात 7:30 बजे टॉमी एक धीमी गति से चलने वाली क्रॉस-कंट्री ट्रेन से उतरा। जूलियस प्लेटफार्म पर था।
"मुझे लगा था कि अगर मेरे तार पहुंचने के समय तुम घर पर नहीं होते, तो तुम इसी ट्रेन से आओगे।"
टॉमी ने उसे बांह से पकड़ लिया।
"क्या बात है? क्या दो पेंस मिल गए?"
जूलियस ने अपना सिर हिलाया।
"नहीं। लेकिन मुझे यह लंदन में मिला। अभी-अभी पहुंचा है।"

उसने टेलीग्राम फॉर्म दूसरे को सौंप दिया। पढ़ते ही टॉमी की आँखें खुल गईं:
"जेन फिन मिल गई। तुरंत मैनचेस्टर मिडलैंड होटल आइए--पील एडगरटन।"
जूलियस ने फॉर्म वापस लिया और उसे मोड़ दिया।
"अजीब बात है," उसने सोच-विचार करते हुए कहा। "मुझे लगा था कि वह वकील साहब नौकरी छोड़ चुके हैं!"

अध्याय XIX. जेन फिन

"मेरी ट्रेन आधे घंटे पहले आ गई थी," जूलियस ने स्टेशन से बाहर निकलते हुए समझाया। "मुझे लगा था कि लंदन से निकलने से पहले आप लोग इसे देख लेंगे, इसलिए मैंने सर जेम्स को तार भेज दिया। उन्होंने हमारे लिए कमरे बुक कर लिए हैं और वे रात आठ बजे खाने पर आएंगे।"
"आपको ऐसा क्यों लगा कि उसने इस मामले में कोई दिलचस्पी लेना बंद कर दिया है?" टॉमी ने उत्सुकता से पूछा।
"उसने जो कहा," जूलियस ने रूखेपन से जवाब दिया। "वह बूढ़ा आदमी बिल्कुल ही अनिश्चित है! उन सभी की तरह, वह तब तक कोई वादा नहीं करने वाला था जब तक उसे यकीन न हो जाए कि वह अपना वादा पूरा कर सकता है।"
"मुझे आश्चर्य हो रहा है," टॉमी ने सोच-विचार करते हुए कहा।
जूलियस उसकी ओर मुड़ गया।
"आप किस बात पर आश्चर्य कर रहे हैं?"
"क्या यही उसका असली कारण था?"
"बिल्कुल। आप यकीन मानिए, ऐसा ही था।"
टॉमी ने अविश्वास से अपना सिर हिलाया।
सर जेम्स ठीक आठ बजे पहुंचे और जूलियस ने टॉमी का परिचय कराया। सर जेम्स ने गर्मजोशी से टॉमी से हाथ मिलाया।
"आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई, श्री बेरेसफोर्ड। मैंने मिस टप्पेन्स से आपके बारे में इतना कुछ सुना है"—वह अनायास ही मुस्कुराया—"कि ऐसा लगता है जैसे मैं आपको पहले से ही अच्छी तरह जानता हूँ।"
"धन्यवाद महोदय," टॉमी ने मुस्कुराते हुए कहा। उसने उत्सुकता से उस महान वकील को देखा। टप्पेन्स की तरह, उसे भी उनके व्यक्तित्व का आकर्षण महसूस हुआ। उसे

श्री कार्टर की याद आ गई। शारीरिक रूप से बिल्कुल भिन्न होने के बावजूद, दोनों व्यक्तियों का प्रभाव एक जैसा था। एक के थके हुए लहजे और दूसरे के पेशेवर संयम के पीछे, दोनों की बुद्धि तलवार की तरह तेज थी।

इसी बीच उसे सर जेम्स की पैनी नज़र का एहसास हो गया। जब वकील ने अपनी निगाहें नीचे कीं, तो उस नौजवान को लगा मानो दूसरे ने उसे खुली किताब की तरह पूरी तरह पढ़ लिया हो। वह यह सोचे बिना नहीं रह सका कि अंतिम फैसला क्या होगा, लेकिन इसे जानने की संभावना बहुत कम थी। सर जेम्स ने सब कुछ सुन लिया था, लेकिन उन्होंने केवल वही बताया जो वे चाहते थे। इसका प्रमाण लगभग तुरंत ही मिल गया।

शुरुआती अभिवादन समाप्त होते ही जूलियस उत्सुकता से सवालों की झड़ी लगाने लगा। सर जेम्स ने उस लड़की का पता कैसे लगाया? उन्होंने उन्हें यह क्यों नहीं बताया कि वह अभी भी इस मामले पर काम कर रहे हैं? इत्यादि।

सर जेम्स ने अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा और मुस्कुराए। अंत में उन्होंने कहा:

"बिल्कुल सही, बिल्कुल सही। अच्छा, वह मिल गई। और यही तो बड़ी बात है, है ना? अरे! सच में, यही तो बड़ी बात है।"

"हाँ, बिल्कुल। लेकिन आपको उसका पता कैसे चला? मिस टप्पेन्स और मैंने तो सोचा था कि आपने हमेशा के लिए यह काम छोड़ दिया है।"

"आह!" वकील ने उस पर एक तीखी नज़र डाली, फिर अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरने लगा। "तुमने ऐसा सोचा था, है ना? सचमुच? हम्म, हे भगवान!"

"लेकिन मुझे लगता है कि मैं यह मान सकता हूँ कि हम गलत थे," जूलियस ने आगे कहा।

"खैर, मुझे नहीं लगता कि मुझे इतना आगे तक कहना चाहिए। लेकिन यह निश्चित रूप से सभी पक्षों के लिए सौभाग्य की बात है कि हम उस युवती को ढूंढने में कामयाब रहे।"

"लेकिन वो कहाँ है?" जूलियस ने पूछा, उसके विचार अचानक दूसरी दिशा में चले गए। "मुझे लगा था कि तुम उसे ज़रूर साथ लाओगे?"

"ऐसा होना लगभग असंभव है," सर जेम्स ने गंभीरता से कहा।

"क्यों?"

"क्योंकि युवती सड़क दुर्घटना में गिर गई थी और उसके सिर पर मामूली चोटें आई

थीं। उसे अस्पताल ले जाया गया, और होश आने पर उसने अपना नाम जेन फिन बताया। जब—अरे!—मुझे यह पता चला, तो मैंने उसे अपने एक मित्र डॉक्टर के घर ले जाने की व्यवस्था की और तुरंत आपको तार भेजा। वह फिर से बेहोश हो गई और तब से उसने बात नहीं की है।"

"उसे गंभीर चोट तो नहीं आई है?"

"अरे, एक-दो खरोंच और मामूली चोटें; वास्तव में, चिकित्सकीय दृष्टि से, इतनी मामूली चोटें ऐसी स्थिति पैदा करने के लिए हास्यास्पद हैं। उसकी यह हालत संभवतः स्मृति वापसी के परिणामस्वरूप हुए मानसिक आघात के कारण है।"

"यह वापस आ गया है?" जूलियस ने उत्साह से चिल्लाकर कहा।

सर जेम्स ने अधीरता से मेज पर हाथ फेरा।

"निस्संदेह, श्री हर्शाइमर, क्योंकि वह अपना असली नाम बता सकीं। मुझे लगा था कि आप इस बात की सराहना करेंगे।"

"और तुम संयोगवश वहीं मौजूद थे," टॉमी ने कहा। "बिल्कुल किसी परीकथा की तरह लगता है।"

लेकिन सर जेम्स इतने सतर्क थे कि वे इस मामले में उलझना नहीं चाहते थे।

उन्होंने रूखेपन से कहा, "संयोग अजीबोगरीब चीजें हैं।"

फिर भी, टॉमी अब उस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त था जिसका उसे पहले केवल संदेह था। सर जेम्स की मैनचेस्टर में उपस्थिति आकस्मिक नहीं थी। जूलियस के अनुमान के विपरीत, उन्होंने मामले को छोड़ने के बजाय, किसी न किसी तरह से लापता लड़की को ढूंढ निकाला था। टॉमी को केवल इस सारी गोपनीयता का कारण समझ नहीं आ रहा था। उसने निष्कर्ष निकाला कि यह कानूनी दिमाग की एक खामी थी।

जूलियस बोल रहा था।

"रात के खाने के बाद," उसने घोषणा की, "मैं तुरंत जाकर जेन से मिलूंगा।"

"मुझे डर है कि यह असंभव होगा," सर जेम्स ने कहा। "इस समय रात में उन्हें आगंतुकों से मिलने की अनुमति देना बहुत मुश्किल है। मेरा सुझाव है कि कल सुबह लगभग दस बजे मिलें।"

जूलियस का चेहरा लाल हो गया। सर जेम्स में कुछ ऐसा था जो हमेशा उसे शत्रुता के लिए उकसाता था। यह दो प्रभावशाली व्यक्तित्वों का टकराव था।

फिर भी, मुझे लगता है कि मैं आज रात वहां जाऊंगा और देखूंगा कि क्या मैं उन्हें उनके बेवकूफी भरे नियमों को तोड़ने के लिए उकसा सकता हूं या नहीं।
"यह बिलकुल बेकार होगा, श्रीमान हर्षाइमर।"
शब्द पिस्तौल की आवाज की तरह निकले और टॉमी चौंककर ऊपर देखने लगा। जूलियस घबराया हुआ और उत्तेजित था। जिस हाथ से उसने गिलास होठों तक उठाया था, वह थोड़ा कांप रहा था, लेकिन उसकी आँखों में सर जेम्स के लिए चुनौती का भाव था। एक पल के लिए ऐसा लगा कि दोनों के बीच की दुश्मनी भड़क उठेगी, लेकिन अंत में जूलियस ने हार मानकर अपनी नज़रें नीचे कर लीं।
"फिलहाल तो मुझे लगता है कि आप ही बॉस हैं।"
“धन्यवाद,” दूसरे ने कहा। “तो हम दस बजे मिलेंगे?” बड़े सहज भाव से वह टॉमी की ओर मुड़ा। “मुझे स्वीकार करना होगा, श्री बेरेसफोर्ड, कि आज शाम आपको यहाँ देखकर मुझे थोड़ी हैरानी हुई। आखिरी बार मैंने आपसे यही सुना था कि आपके दोस्त आपके लिए बहुत चिंतित थे। कुछ दिनों से आपकी कोई खबर नहीं थी, और मिस टप्पेन्स को लग रहा था कि आप किसी मुसीबत में फंस गए हैं।”
"जी हाँ, श्रीमान!" टॉमी ने याद करते हुए मुस्कुराते हुए कहा। "मैं अपने जीवन में कभी इतनी मुश्किल स्थिति में नहीं था।"
सर जेम्स के सवालों की मदद से उन्होंने अपने कारनामों का संक्षिप्त विवरण दिया। कहानी समाप्त करते समय वकील ने नए सिरे से दिलचस्पी के साथ उनकी ओर देखा।
उन्होंने गंभीरता से कहा, "तुमने बड़ी चतुराई से खुद को मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाला। मैं तुम्हें बधाई देता हूं। तुमने असाधारण सूझबूझ दिखाई और अपना काम बखूबी निभाया।"
प्रशंसा सुनकर टॉमी का चेहरा शर्म से लाल हो गया और उसका चेहरा झींगे जैसा लाल हो गया।
"अगर वो लड़की न होती तो मैं बच नहीं पाता, महोदय।"
"नहीं।" सर जेम्स थोड़ा मुस्कुराए। "तुम्हारे लिए यह सौभाग्य की बात थी कि वह—उह—तुम्हें पसंद करने लगी।" टॉमी विरोध करने ही वाला था, लेकिन सर जेम्स आगे बोले। "मुझे लगता है कि इसमें कोई शक नहीं कि वह गिरोह की ही सदस्य है?"
"मुझे खेद है कि ऐसा नहीं है, महोदय। मुझे लगा कि शायद वे उसे जबरदस्ती वहाँ रख

रहे थे, लेकिन उसके व्यवहार से ऐसा प्रतीत नहीं होता। देखिए, वह उनके पास वापस चली गई जबकि वह वहाँ से भाग सकती थी।"
सर जेम्स ने सोच-समझकर सिर हिलाया।
"उसने क्या कहा? क्या उसने मार्गुराइट के पास ले जाने की इच्छा जताई?"
"जी हाँ, महोदय। मेरा अनुमान है कि उनका मतलब श्रीमती वैंडमेयर से था।"
"वह हमेशा अपना नाम रीटा वैंडमेयर ही लिखती थी। उसके सभी दोस्त उसे रीटा ही कहते थे। फिर भी, मुझे लगता है कि लड़की को उसे पूरे नाम से पुकारने की आदत रही होगी। और जिस समय वह उसे पुकार रही थी, श्रीमती वैंडमेयर या तो मर चुकी थीं या मरने वाली थीं! अजीब बात है! कुछ बातें मुझे अस्पष्ट लग रही हैं - जैसे कि आपके प्रति उनका अचानक बदला रवैया। वैसे, घर पर छापा तो पड़ा ही था।"
"जी हाँ, महोदय, लेकिन वे सब जा चुके थे।"
"स्वाभाविक रूप से," सर जेम्स ने रूखेपन से कहा।
और कोई सुराग भी नहीं छोड़ा गया।
"मुझे आश्चर्य हो रहा है----" वकील ने सोच-विचार करते हुए मेज पर हाथ फेरा। उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने टॉमी को ऊपर देखने पर मजबूर कर दिया। क्या इस आदमी की आँखों ने वहाँ कुछ देखा होगा जहाँ उनकी आँखें अंधी थीं? उसने आवेग में आकर कहा:
"काश आप वहां होते, महोदय, घर का मुआयना करने के लिए!"
“काश मैंने ऐसा किया होता,” सर जेम्स ने धीमी आवाज़ में कहा। वे कुछ पल चुपचाप बैठे रहे। फिर उन्होंने ऊपर देखा। “और तब से? आप क्या कर रहे हैं?”
एक पल के लिए टॉमी उसे घूरता रहा। फिर उसे अचानक समझ आया कि वकील को तो पता ही नहीं था।
"मैं भूल गया था कि तुम्हें टप्पेन्स के बारे में नहीं पता था," उसने धीरे से कहा। जेन फिन के आखिरकार मिल जाने की खुशी में कुछ देर के लिए भुला दी गई बेचैनी फिर से उस पर हावी हो गई।
वकील ने अपना चाकू और कांटा झट से नीचे रख दिया।
"क्या मिस टप्पेन्स को कुछ हुआ है?" उनकी आवाज तीखी थी।
"वह गायब हो गई है," जूलियस ने कहा।
"कब?"

"एक सप्ताह पहले।"
"कैसे?"
सर जेम्स के सवाल एक के बाद एक ताबड़तोड़ निकलते रहे। टॉमी और जूलियस ने मिलकर पिछले सप्ताह की घटना और अपनी व्यर्थ खोज के बारे में बताया।
सर जेम्स तुरंत मामले की तह तक गए।
"तुम्हारे नाम से हस्ताक्षरित तार? वे तुम दोनों के बारे में इतना तो जानते ही थे। उन्हें इस बात का पक्का पता नहीं था कि तुमने उस घर में कितना कुछ सीखा है। मिस टप्पेन्स का अपहरण तुम्हारी भागने की कोशिश का जवाब है। ज़रूरत पड़ने पर वे उसे डराकर तुम्हारा मुंह बंद कर सकते हैं।"
टॉमी ने सिर हिलाया।
"मुझे भी यही लगा था, महोदय।"
सर जेम्स ने उसे गौर से देखा। "तुमने यह सब पता लगा लिया था, है ना? बुरा नहीं—बिल्कुल भी बुरा नहीं। हैरानी की बात यह है कि जब उन्होंने तुम्हें पहली बार बंदी बनाया था, तब वे तुम्हारे बारे में कुछ भी नहीं जानते थे। क्या तुम्हें यकीन है कि तुमने किसी भी तरह से अपनी पहचान उजागर नहीं की?"
टॉमी ने अपना सिर हिलाया।
"बिल्कुल सही," जूलियस ने सिर हिलाते हुए कहा। "इसलिए मुझे लगता है कि किसी ने उन्हें समझदारी से रखा होगा - और रविवार दोपहर से पहले नहीं।"
"हां, लेकिन कौन?"
"वह सर्वशक्तिमान सर्वज्ञानी श्री ब्राउन, बिल्कुल!"
अमेरिकी की आवाज में उपहास का एक हल्का सा स्वर था, जिसे सुनकर सर जेम्स ने अचानक ऊपर की ओर देखा।
"क्या आप मिस्टर ब्राउन पर विश्वास नहीं करते, मिस्टर हर्शाइमर?"
“नहीं, महोदय, मैं ऐसा नहीं मानता,” युवा अमेरिकी ने ज़ोर देकर जवाब दिया। “सीधे तौर पर नहीं। मेरा मानना है कि वह तो बस नाम का मुखिया है—बच्चों को डराने के लिए रखा गया एक फर्जी नाम। इस धंधे का असली मुखिया तो वह रूसी क्रामेनिन है। मुझे लगता है कि अगर वह चाहे तो एक साथ तीन देशों में क्रांतियाँ करवा सकता है! व्हिटिंगटन शायद अंग्रेज़ी शाखा का मुखिया है।”
सर जेम्स ने संक्षिप्त लहजे में कहा, "मैं आपसे असहमत हूँ। श्री ब्राउन वास्तव में

मौजूद हैं।" उन्होंने टॉमी की ओर मुड़कर पूछा, "क्या आपने ध्यान दिया कि वह तार कहाँ जमा कराया गया था?"
"जी नहीं, महोदय, मुझे खेद है कि मैंने ऐसा नहीं किया।"
"हम्म। क्या यह तुम्हारे पास है?"
"यह ऊपर मेरे किट में है, महोदय।"
"मैं कभी इस पर एक नज़र डालना चाहूँगा। कोई जल्दी नहीं है। तुमने एक हफ़्ता बर्बाद कर दिया है"—टॉमी ने अपना सिर झुका लिया—"एक-दो दिन और कोई मायने नहीं रखते। हम पहले मिस जेन फिन से निपटेंगे। उसके बाद, हम मिस टप्पेन्स को गुलामी से छुड़ाने का काम शुरू करेंगे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें कोई तत्काल खतरा है। मतलब, जब तक उन्हें यह पता नहीं चलता कि हमने जेन फिन को पकड़ लिया है और उनकी याददाश्त वापस आ गई है। हमें हर कीमत पर इसे गुप्त रखना होगा। समझे?"
अन्य दो लोगों ने सहमति जताई और अगले दिन मिलने की व्यवस्था करने के बाद, महान वकील ने विदा ली।
दस बजे दोनों युवक निर्धारित स्थान पर पहुँच गए। सर जेम्स भी उनके साथ दरवाजे पर आ पहुँचे। केवल वही शांत दिखाई दिए। उन्होंने दोनों युवकों का परिचय डॉक्टर से कराया।
"श्री हर्शाइमर—श्री बेरेसफोर्ड—डॉ. रॉयलांस। मरीज कैसा है?"
सब ठीक चल रहा है। समय बीतने का उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं है। आज सुबह उनसे पूछा गया कि लुसिटानिया से कितने लोगों को बचाया गया है। क्या यह खबर अखबारों में छपी है? यह तो स्वाभाविक ही था। लगता है उनके मन में कुछ चल रहा है।
"मुझे लगता है हम उसकी चिंता दूर कर सकते हैं। क्या हम ऊपर जा सकते हैं?"
"निश्चित रूप से।"
डॉक्टर के पीछे-पीछे ऊपर जाते हुए टॉमी के दिल की धड़कन तेज़ी से बढ़ने लगी। आखिरकार जेन फिन मिल ही गई! लंबे समय से खोजी जा रही, रहस्यमयी, मायावी जेन फिन! यह सफलता कितनी अविश्वसनीय लग रही थी! और इस घर में, लगभग चमत्कारिक रूप से अपनी स्मृति लौटी हुई, वह लड़की लेटी थी जिसके हाथों में इंग्लैंड का भविष्य था। टॉमी के होंठों से एक हल्की सी आह निकली। काश, टप्पेन्स उसके

साथ होती और उनके इस संयुक्त प्रयास की विजयी समाप्ति में उसका साथ देती! फिर उसने टप्पेन्स का ख्याल दृढ़ता से मन से निकाल दिया। सर जेम्स पर उसका भरोसा बढ़ता जा रहा था। वह एक ऐसा व्यक्ति था जो अचूक रूप से टप्पेन्स का पता लगा लेगा। इस बीच जेन फिन! और अचानक उसके दिल में एक डर बैठ गया। यह बहुत आसान लग रहा था... मान लीजिए कि वे उसे मृत पाते हैं... मिस्टर ब्राउन के हाथों?

अगले ही पल वह इन नाटकीय कल्पनाओं पर हंसने लगा। डॉक्टर ने कमरे का दरवाजा खोलकर रखा और वे अंदर चले गए। सफेद बिस्तर पर सिर पर पट्टियां बंधी हुई लड़की लेटी थी। किसी तरह पूरा दृश्य अवास्तविक सा लग रहा था। यह इतना सटीक था कि मानो इसे खूबसूरती से मंचित किया गया हो।

लड़की ने बड़ी-बड़ी अचरज भरी आँखों से उन सभी को बारी-बारी से देखा। सर जेम्स ने सबसे पहले बोलना शुरू किया।

उन्होंने कहा, "मिस फिन, ये आपके चचेरे भाई श्री जूलियस पी. हर्शाइमर हैं।"

जैसे ही जूलियस आगे बढ़ा और लड़की का हाथ पकड़ा, उसके चेहरे पर हल्की सी लाली छा गई।

"कैसी हो, कजिन जेन?" उसने हल्के से कहा।

लेकिन टॉमी ने उसकी आवाज में कंपन महसूस किया।

"क्या तुम सचमुच अंकल हीराम के बेटे हो?" उसने आश्चर्य से पूछा।

पश्चिमी लहजे की हल्की सी गर्माहट से भरी उसकी आवाज़ में एक अजीब सी मोहकता थी। टॉमी को वह आवाज़ कुछ जानी-पहचानी सी लगी, लेकिन उसने इस धारणा को असंभव मानकर खारिज कर दिया।

"अवश्य।"

"हम अखबारों में अंकल हीराम के बारे में पढ़ते थे," लड़की ने धीमी, कोमल आवाज़ में कहा। "लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन आपसे मिलूंगी। माँ को समझ आ गया था कि अंकल हीराम कभी भी अपनी माँ से नाराज़गी नहीं भूल पाएंगे।"

"बूढ़ा आदमी ऐसा ही था," जूलियस ने स्वीकार किया। "लेकिन मुझे लगता है कि नई पीढ़ी कुछ अलग है। उन्हें पारिवारिक झगड़ों से कोई लेना-देना नहीं है। युद्ध खत्म होते ही मैंने सबसे पहले यही सोचा कि आकर तुम्हें ढूंढ निकालूं।"

लड़की के चेहरे पर एक परछाईं छा गई।

"वे मुझे भयानक बातें बता रहे हैं - कि मेरी याददाश्त चली गई है, और ऐसे कई साल हैं जिनके बारे में मैं कभी नहीं जान पाऊंगा - मेरे जीवन के वे साल खो गए हैं।"
"क्या आपको खुद इस बात का एहसास नहीं था?"
लड़की की आंखें चौड़ी हो गईं।
"नहीं, बिलकुल नहीं। मुझे तो ऐसा लगता है जैसे अभी कुछ ही समय पहले हमें उन नावों में बिठाया गया था। मुझे सब कुछ अभी भी याद है।" उसने सिहरते हुए अपनी आँखें बंद कर लीं।
जूलियस ने सर जेम्स की ओर देखा, जिन्होंने सिर हिलाकर सहमति जताई।
"चिंता मत करो। इसका कोई फायदा नहीं है। अब सुनो जेन, हमें कुछ जानना है। उस नाव पर एक आदमी था जिसके पास कुछ बेहद महत्वपूर्ण कागजात थे, और इस देश के बड़े अधिकारियों को शक है कि उसने वो कागजात तुम्हें सौंप दिए। क्या ऐसा है?"
लड़की हिचकिचाई, उसकी नज़र बाकी दोनों पर पड़ी। जूलियस समझ गया।
"श्री बेरेसफोर्ड को ब्रिटिश सरकार ने उन कागजातों को वापस लाने का काम सौंपा है। सर जेम्स पील एडगर्टन इंग्लैंड के सांसद हैं और अगर चाहें तो मंत्रिमंडल में एक बड़ा पद हासिल कर सकते हैं। उन्हीं की बदौलत हम आखिरकार आपको ढूंढ पाए हैं। तो आप बेझिझक हमें पूरी कहानी बता सकते हैं। क्या डैनवर्स ने आपको वे कागजात दिए थे?"
"हां। उन्होंने कहा कि मेरे साथ उनके सफल होने की संभावना अधिक होगी, क्योंकि वे पहले महिलाओं और बच्चों को बचाएंगे।"
"बिल्कुल जैसा हमने सोचा था," सर जेम्स ने कहा।
उन्होंने कहा कि वे बहुत महत्वपूर्ण थे—कि वे मित्र देशों के लिए सब कुछ बदल सकते थे। लेकिन, अगर यह सब बहुत पहले की बात है, और युद्ध समाप्त हो चुका है, तो अब इसका क्या मतलब है?
"मुझे लगता है इतिहास खुद को दोहराता है, जेन। पहले उन कागजों को लेकर खूब हंगामा हुआ, फिर सब शांत हो गया, और अब ये सारा मामला फिर से शुरू हो गया है - बिल्कुल अलग कारणों से। तो क्या आप इन्हें हमें तुरंत सौंप सकती हैं?"
"लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता।"
"क्या?"
"मेरे पास वे नहीं हैं।"

"तुम्हारे पास वो नहीं हैं?" जूलियस ने शब्दों पर थोड़ा-थोड़ा विराम देते हुए कहा।
"नहीं—मैंने उन्हें छिपा दिया था।"
"तुमने उन्हें छिपा दिया?"
"हाँ। मुझे बेचैनी होने लगी थी। ऐसा लग रहा था जैसे लोग मुझे देख रहे हों। मैं बहुत डर गई थी।" उसने अपना हाथ अपने सिर पर रखा। "अस्पताल में होश आने से पहले मुझे बस यही आखिरी बात याद है..."
"आगे बताओ," सर जेम्स ने अपनी शांत और मर्मस्पर्शी आवाज़ में कहा। "तुम्हें क्या याद है?"
वह आज्ञाकारी भाव से उसकी ओर मुड़ी।
"यह होलीहेड में था। मैं उस रास्ते से आया था—मुझे याद नहीं क्यों..."
"इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आगे बढ़ो।"
घाट पर मची अफरा-तफरी में मैं चुपके से निकल गया। किसी ने मुझे नहीं देखा। मैंने एक कार ली। ड्राइवर से कहा कि मुझे शहर से बाहर ले जाए। खुली सड़क पर आते ही मैंने देखा कि कोई दूसरी कार हमारा पीछा नहीं कर रही थी। मैंने सड़क के किनारे एक रास्ता देखा। मैंने ड्राइवर से कहा कि वह इंतजार करे।
वह थोड़ी देर रुकी, फिर आगे बोली। रास्ता चट्टान की ओर जाता था, और नीचे समुद्र की ओर बड़े-बड़े पीले कांटेदार झाड़ियों के बीच से होकर गुजरता था—वे सुनहरी लपटों की तरह लग रही थीं। मैंने चारों ओर देखा। दूर-दूर तक कोई दिखाई नहीं दे रहा था। लेकिन मेरे सिर के ठीक सामने चट्टान में एक छेद था। वह काफी छोटा था—मैं मुश्किल से अपना हाथ अंदर डाल पा रहा था, लेकिन वह काफी अंदर तक जाता था। मैंने अपने गले से ऑइलस्किन का पैकेट निकाला और उसे जितना हो सके अंदर तक डाल दिया। फिर मैंने कांटेदार झाड़ी का एक टुकड़ा तोड़ा—अरे! वह चुभ गया—और उससे छेद को इस तरह बंद कर दिया कि कोई अंदाज़ा भी न लगा सके कि वहाँ कभी कोई दरार थी। फिर मैंने उस जगह को अपने मन में अच्छी तरह से याद कर लिया, ताकि मैं उसे फिर से ढूंढ सकूँ। रास्ते में ठीक वहीं एक अजीब सा पत्थर पड़ा था—बिल्कुल किसी कुत्ते की तरह जो भीख मांग रहा हो। फिर मैं वापस सड़क पर आ गया। कार इंतज़ार कर रही थी, और मैं वापस चला गया। मैं बस ट्रेन पकड़ने ही वाला था। मुझे शायद कुछ ज़्यादा ही कल्पना करने पर थोड़ी शर्म आ रही थी, लेकिन थोड़ी देर बाद, मैंने सामने वाले आदमी को देखा। मैंने बगल में बैठी एक महिला को आँख

मारी, और मुझे फिर से डर लगने लगा, और इस बात की खुशी हुई कि कागज़ात सुरक्षित थे। मैं थोड़ी ताज़ी हवा लेने के लिए गलियारे में चली गई। मैंने सोचा कि मैं किसी दूसरे डिब्बे में चली जाऊँगी। लेकिन उस महिला ने मुझे वापस बुलाया, कहा कि मुझसे कुछ गिर गया है, और जब मैं देखने के लिए झुकी, तो मुझे लगा जैसे किसी चीज़ ने मुझे यहाँ मारा हो। उसने अपना हाथ अपने सिर के पीछे रखा। "मुझे अस्पताल में होश आने तक कुछ याद नहीं है।"
कुछ देर का विराम रहा।
"धन्यवाद, मिस फिन।" सर जेम्स ने कहा। "आशा है हमने आपको थकाया नहीं होगा?"
"ओह, कोई बात नहीं। मेरे सिर में थोड़ा दर्द है, लेकिन बाकी सब ठीक है।"
जूलियस आगे बढ़ा और उसने फिर से उसका हाथ पकड़ लिया।
अलविदा, कज़िन जेन। अब मुझे उन कागज़ात के बाद थोड़ा काम करना पड़ेगा, लेकिन मैं पलक झपकते ही वापस आ जाऊँगा और तुम्हें लंदन ले जाऊँगा और अमेरिका लौटने से पहले तुम्हें खूब मज़ेदार पल दूँगा! मैं सच कह रहा हूँ—तो जल्दी ठीक हो जाओ।

अध्याय XX. बहुत देर हो चुकी है

सड़क पर ही उन्होंने अनौपचारिक रूप से युद्ध-विधानसभा की। सर जेम्स ने अपनी जेब से घड़ी निकाली। "होलीहेड जाने वाली नाव-ट्रेन चेस्टर में 12:14 बजे रुकती है। अगर आप तुरंत निकलें तो मुझे लगता है कि आप दूसरी ट्रेन पकड़ सकते हैं।"
टॉमी ने हैरानी से ऊपर देखा।
"क्या जल्दी करने की कोई जरूरत है, महोदय? आज तो केवल 24 तारीख ही है।"
वकील के जवाब देने से पहले ही जूलियस ने कहा, "मुझे लगता है कि सुबह जल्दी उठना हमेशा अच्छा होता है। हम तुरंत डिपो के लिए निकलेंगे।"
सर जेम्स के माथे पर हल्की सी शिकन आ गई थी।
"काश मैं आपके साथ आ पाता। मुझे दो बजे एक बैठक में भाषण देना है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।"
उसके लहजे में अनिच्छा स्पष्ट रूप से झलक रही थी। दूसरी ओर, यह भी स्पष्ट था कि जूलियस दूसरे की संगति के अभाव को सहने के लिए आसानी से तैयार था।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि इस सौदे में कुछ भी जटिल नहीं है। बस लुका-छिपी का खेल है, और कुछ नहीं।"
"मुझे उम्मीद है," सर जेम्स ने कहा।
"बिल्कुल। और क्या हो सकता है?"
"आप अभी भी युवा हैं, श्री हर्शाइमर। मेरी उम्र में आप शायद एक ही सबक सीख चुके होंगे। 'अपने प्रतिद्वंद्वी को कभी कम मत आंकिए।'"
उसके लहजे की गंभीरता ने टॉमी को प्रभावित किया, लेकिन जूलियस पर इसका कोई खास असर नहीं हुआ।
"क्या आपको लगता है कि मिस्टर ब्राउन आकर इसमें हाथ बटा सकते हैं? अगर वो आए, तो मैं तैयार हूँ।" उसने अपनी जेब पर हाथ मारा। "मैं बंदूक रखता हूँ। छोटा विली मेरे साथ हर जगह घूमता है।" उसने एक खूंखार दिखने वाली ऑटोमैटिक बंदूक निकाली और उसे प्यार से थपथपाने के बाद वापस उसकी जगह पर रख दिया।
"लेकिन इस यात्रा में उसकी ज़रूरत नहीं पड़ेगी। मिस्टर ब्राउन को सबक सिखाने वाला कोई नहीं है।"
वकील ने अपने कंधे उचका दिए।
"मिस्टर ब्राउन को यह बताने वाला कोई नहीं था कि मिसेज वैंडमेयर उन्हें धोखा देने की योजना बना रही थीं। फिर भी, मिसेज वैंडमेयर बिना कुछ बोले ही मर गईं।"
जूलियस एक बार के लिए चुप हो गया, और सर जेम्स ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा:
"मैं बस आपको सावधान करना चाहता हूँ। अलविदा, और शुभकामनाएँ। कागज़ात आपके हाथ में आने के बाद कोई अनावश्यक जोखिम न लें। अगर आपको ज़रा भी शक हो कि कोई आपका पीछा कर रहा है, तो उन्हें तुरंत नष्ट कर दें। आपको शुभकामनाएँ। अब खेल आपके हाथ में है।" उन्होंने उन दोनों से हाथ मिलाया।
दस मिनट बाद दोनों युवक चेस्टर जाने वाली एक प्रथम श्रेणी की गाड़ी में बैठे थे। काफी देर तक दोनों में से कोई नहीं बोला। आखिरकार जब जूलियस ने चुप्पी तोड़ी, तो उसने एक बिलकुल अप्रत्याशित टिप्पणी की।
"कहिए," उसने सोच-समझकर कहा, "क्या आपने कभी किसी लड़की के चेहरे को देखकर खुद को बुरी तरह से मूर्ख साबित किया है?"
कुछ पल के आश्चर्य के बाद टॉमी ने अपने दिमाग में विचार करना शुरू किया।
अंत में उसने उत्तर दिया, "मैं कह नहीं सकता कि मैंने ऐसा किया है। कम से कम मुझे

तो याद नहीं है। क्यों?"
"क्योंकि पिछले दो महीनों से मैं जेन के लिए भावुक होकर खुद को मूर्ख बना रहा हूँ! जैसे ही मेरी नज़र उसकी तस्वीर पर पड़ी, मेरा दिल उन सभी तरह की भावनाओं में बह गया जिनके बारे में उपन्यासों में पढ़ा जाता है। मुझे यह स्वीकार करने में शर्म आ रही है, लेकिन मैं यहाँ उसे ढूंढने, सब कुछ ठीक करने और उसे श्रीमती जूलियस पी. हर्शाइमर के रूप में वापस लाने के इरादे से आया हूँ!"
"ओह!" टॉमी ने आश्चर्यचकित होकर कहा।
जूलियस ने अचानक अपने पैर खोले और आगे बोला:
"यह तो बस यही दिखाता है कि कोई व्यक्ति खुद को कितना बड़ा मूर्ख बना सकता है! उस लड़की को एक नज़र देखते ही मैं ठीक हो गया!"
पहले से कहीं ज्यादा झिझकते हुए टॉमी ने फिर से "ओह!" कहा।
"मेरा मतलब जेन को नीचा दिखाना नहीं है," दूसरे ने आगे कहा। "वह बहुत अच्छी लड़की है, और कोई न कोई लड़का उससे तुरंत प्यार कर बैठेगा।"
"मुझे वह बहुत खूबसूरत लड़की लगी," टॉमी ने अपनी जुबान संभालते हुए कहा।
"हाँ, बिल्कुल है। लेकिन वो अपनी तस्वीर से ज़रा भी मिलती-जुलती नहीं है। कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता है—ज़रूर मिलती-जुलती होगी—क्योंकि मैंने उसे देखते ही पहचान लिया। अगर मैंने उसे भीड़ में देखा होता तो बिना किसी झिझक के तुरंत कह देता, 'ये एक लड़की है जिसका चेहरा मैं जानता हूँ।' लेकिन उस तस्वीर में कुछ तो था"—जूलियस ने सिर हिलाया और एक गहरी साँस ली—"लगता है रोमांस वाकई एक अजीब चीज़ है!"
टॉमी ने ठंडे लहजे में कहा, "ऐसा ही होना चाहिए, अगर तुम यहाँ एक लड़की से प्यार करके आते हो और दो सप्ताह के भीतर दूसरी को शादी का प्रस्ताव दे देते हो।"
जूलियस में विचलित दिखने का साहस था।
"देखिए, मुझे एक तरह की थका देने वाली भावना हो गई थी कि मैं जेन को कभी नहीं पा सकूंगा—और यह सब सरासर मूर्खता थी। और फिर—खैर, फ्रांसीसी लोग, उदाहरण के लिए, चीजों को देखने के मामले में कहीं अधिक समझदार हैं। वे रोमांस और शादी को अलग रखते हैं—"
टॉमी का चेहरा लाल हो गया।
"अरे बाप रे! अगर ऐसा है तो----"

जूलियस ने तुरंत हस्तक्षेप किया।
"अरे, जल्दीबाजी मत करो। मेरा मतलब वो नहीं है जो तुम कह रहे हो। मुझे लगता है कि अमेरिकियों की नैतिकता के बारे में राय तुमसे भी कहीं बेहतर है। मेरा मतलब ये था कि फ्रांसीसी लोग शादी को एक व्यावसायिक तरीके से करते हैं - दो ऐसे लोगों को ढूंढते हैं जो एक-दूसरे के अनुकूल हों, पैसों का हिसाब रखते हैं, और पूरी बात को व्यावहारिक और व्यावसायिक नज़रिए से देखते हैं।"
टॉमी ने कहा, "अगर मुझसे पूछो तो, आजकल हम सब कुछ हद से ज़्यादा व्यावसायिक हो गए हैं। हम हमेशा यही सोचते रहते हैं, 'क्या इससे फ़ायदा होगा?' मर्द तो वैसे भी बुरे हैं, और औरतें तो और भी बदतर हैं!"
"शांत हो जाओ, बेटे। इतना उत्तेजित मत हो।"
टॉमी ने कहा, "मुझे गर्मी लग रही है।"
जूलियस ने उसकी ओर देखा और आगे कुछ न कहना ही उचित समझा।
हालांकि, होलीहेड पहुंचने से पहले टॉमी के पास शांत होने के लिए काफी समय था, और जैसे ही वे अपने गंतव्य पर उतरे, उसके चेहरे पर फिर से हंसमुख मुस्कान लौट आई।
सलाह-मशविरा करने के बाद और एक नक्शे की मदद से, वे दिशा को लेकर लगभग एकमत हो गए, इसलिए उन्होंने बिना किसी देरी के एक टैक्सी किराए पर ली और ट्रेअड्डुर खाड़ी की ओर जाने वाली सड़क पर निकल पड़े। उन्होंने उस आदमी को धीरे चलने का निर्देश दिया और रास्ते को न चूकने के लिए ध्यान से देखते रहे। शहर से निकलने के कुछ ही देर बाद वे उस रास्ते पर पहुँच गए, और टॉमी ने तुरंत गाड़ी रोक दी, सहज लहजे में पूछा कि क्या यह रास्ता समुद्र की ओर जाता है, और जब उसे पता चला कि रास्ता समुद्र की ओर जाता है, तो उसने बड़े ही शानदार तरीके से उस आदमी को मना लिया।
कुछ देर बाद टैक्सी धीरे-धीरे होलीहेड की ओर वापस चलने लगी। टॉमी और जूलियस ने उसे ओझल होते देखा और फिर संकरे रास्ते की ओर मुड़ गए।
"मुझे लगता है, यही सही रास्ता है?" टॉमी ने संदेह से पूछा। "यहाँ तो ढेरों रास्ते होंगे ही।"
"हाँ, बिल्कुल। उस झाड़ी को देखो। याद है जेन ने क्या कहा था?"
टॉमी ने रास्ते के दोनों ओर फैली सुनहरे फूलों से लदी झाड़ियों को देखा और आश्वस्त

हो गया।
वे एक-एक करके नीचे उतरे, जूलियस सबसे आगे था। टॉमी ने दो बार बेचैनी से अपना सिर घुमाया। जूलियस ने भी उसकी ओर देखा।
"यह क्या है?"
"मुझे नहीं पता। मुझे किसी तरह का डर सता रहा है। मुझे बार-बार ऐसा लग रहा है कि कोई हमारा पीछा कर रहा है।"
जूलियस ने आत्मविश्वास से कहा, "ऐसा हो ही नहीं सकता। हम उसे देख लेंगे।"
टॉमी को यह बात माननी पड़ी। फिर भी, उसकी बेचैनी और गहरी होती चली गई। वह अनजाने में ही दुश्मन की सर्वज्ञता पर विश्वास करने लगा था।
जूलियस ने कहा, "काश वो लड़का भी आ जाता।" उसने अपनी जेब थपथपाई। "छोटा विलियम तो कसरत के लिए तड़प रहा है!"
"क्या तुम उसे हमेशा अपने साथ रखते हो?" टॉमी ने तीव्र जिज्ञासा से पूछा।
"ज़्यादातर ऐसा ही होता है। मुझे लगता है कि आप कभी नहीं जान सकते कि क्या हो सकता है।"
टॉमी ने सम्मानपूर्वक चुप्पी साधे रखी। वह छोटे विलियम से प्रभावित था। ऐसा लग रहा था मानो इससे मिस्टर ब्राउन का खतरा कुछ दूर हो गया हो।
रास्ता अब चट्टान के किनारे-किनारे, समुद्र के समानांतर चल रहा था। अचानक जूलियस इतनी तेज़ी से रुका कि टॉमी उससे जा टकराया।
"क्या चल रहा है?" उसने पूछा।
"वहाँ देखो। अगर यह सबसे बेहतरीन नहीं है तो क्या है!"
टॉमी ने देखा। रास्ते को आधा अवरुद्ध करते हुए एक विशालकाय चट्टान खड़ी थी, जो देखने में किसी भीख मांगते हुए टेरियर कुत्ते से मिलती-जुलती थी।
"खैर," जूलियस की भावनाओं को साझा करने से इनकार करते हुए टॉमी ने कहा, "यही तो हम देखना चाहते थे, है ना?"
जूलियस ने उदास होकर उसकी ओर देखा और अपना सिर हिलाया।
"ब्रिटिश कफ! हमें इसकी उम्मीद तो थी ही—लेकिन फिर भी, इसे ठीक उसी जगह पर देखकर मुझे थोड़ा अजीब लग रहा है जहाँ हमें इसे मिलने की उम्मीद थी!"
टॉमी, जिसकी शांति शायद स्वाभाविक से अधिक बनावटी थी, अधीरता से अपने पैर हिलाने लगा।

"आगे बढ़ते रहो। उस छेद का क्या होगा?"
उन्होंने चट्टान के किनारे को ध्यान से देखा। टॉमी ने खुद को मूर्खतापूर्ण ढंग से कहते हुए सुना:
"इतने वर्षों के बाद वहां कांटेदार झाड़ियां नहीं रहेंगी।"
और जूलियस ने गंभीरता से उत्तर दिया:
"मुझे लगता है, आप सही हैं।"
टॉमी ने अचानक कांपते हुए हाथ से इशारा किया।
"वहाँ उस दरार का क्या होगा?"
जूलियस ने विस्मय भरी आवाज में उत्तर दिया:
"बस यही बात है—पक्का।"
उन्होंने एक दूसरे को देखा।
टॉमी ने याद करते हुए कहा, "जब मैं फ्रांस में था, तब जब भी मेरा साथी मुझे फोन नहीं करता था, तो वह हमेशा कहता था कि उसे कुछ अजीब सा महसूस हो रहा है। मुझे कभी इस पर यकीन नहीं हुआ। लेकिन चाहे उसे ऐसा महसूस होता हो या नहीं, ऐसा एहसास तो होता ही है। मुझे भी अब ऐसा ही महसूस हो रहा है! बुरी तरह से!"
उसने एक प्रकार की पीड़ादायक भावना के साथ उस चट्टान को देखा।
"धिक्कार है!" वह चिल्लाया। "यह असंभव है! पाँच साल! सोचो! चिड़ियों के घोंसले बनाने वाले लड़के, पिकनिक पार्टियाँ, हज़ारों लोग आते-जाते! यह वहाँ नहीं हो सकता! इसके वहाँ होने की संभावना सौ गुना कम है! यह तर्क के विरुद्ध है!"
वास्तव में, उसे यह असंभव लग रहा था—शायद इसलिए भी क्योंकि वह खुद की सफलता पर विश्वास नहीं कर पा रहा था, जबकि इतने सारे लोग असफल हो चुके थे। यह काम बहुत आसान था, इसलिए यह संभव नहीं था। गड्ढा खाली ही रहेगा।
जूलियस ने चौड़ी मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा।
"लगता है अब तुम घबरा गए हो," उसने थोड़ी मस्ती के साथ कहा। "चलो शुरू करते हैं!" उसने अपना हाथ उस दरार में डाला और थोड़ा मुंह बनाया। "यह तो बहुत तंग है। जेन का हाथ मेरे हाथ से कई गुना छोटा होगा। मुझे कुछ महसूस नहीं हो रहा—नहीं—अरे, ये क्या है? वाह!" और उसने शान से एक छोटा सा फीका पड़ा पैकेट हवा में लहराया। "यही तो सामान है। ऑइलस्किन में सिला हुआ है। इसे पकड़ो, मैं अपना पेननाइफ लाता हूँ।"

अविश्वसनीय घटना घटित हुई। टॉमी ने उस अनमोल पैकेट को बड़े प्यार से अपने हाथों में थाम लिया। वे सफल हो गए थे!
"ये अजीब है," उसने लापरवाही से बुदबुदाते हुए कहा, "ऐसा लगता है जैसे टांके सड़ गए होंगे। लेकिन ये तो बिल्कुल नए जैसे दिखते हैं।"
उन्होंने उन्हें सावधानी से काटा और ऊपर से तेलयुक्त परत हटा दी। अंदर कागज का एक छोटा सा मुड़ा हुआ टुकड़ा था। कांपती उंगलियों से उन्होंने उसे खोला। कागज खाली था! वे एक-दूसरे को हैरानी से देखने लगे।
"एक डमी?" जूलियस ने पूछा। "क्या डैनवर्स सिर्फ एक मोहरा थी?"
टॉमी ने अपना सिर हिलाया। वह समाधान उसे संतुष्ट नहीं कर पाया। अचानक उसके चेहरे पर भाव उभर आए।
मुझे मिल गया! सहानुभूतिपूर्ण स्याही!
"आपको ऐसा लगता है?"
"कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है। गर्मी से अक्सर काम बन जाता है। कुछ लकड़ियाँ ले आओ। हम आग जलाएँगे।"
कुछ ही मिनटों में टहनियों और पत्तियों की छोटी सी आग तेज़ी से जलने लगी। टॉमी ने कागज़ के पन्ने को जलती हुई आग के पास रखा। गर्मी से कागज़ थोड़ा सा मुड़ गया। बस इतना ही।
अचानक जूलियस ने उसका हाथ पकड़ा और उस जगह की ओर इशारा किया जहां हल्के भूरे रंग में अक्षर दिखाई दे रहे थे।
"वाह! आपने सही सुझाव दिया! आपका यह विचार बहुत बढ़िया था। यह मेरे दिमाग में कभी आया ही नहीं।"
टॉमी ने कागज को कुछ मिनट और पकड़े रखा, जब तक उसे लगा कि गर्मी ने अपना काम कर दिया है। फिर उसने उसे हटा लिया। एक पल बाद वह चीख उठा।
कागज पर साफ-सुथरे भूरे रंग के अक्षरों में लिखा था: श्री ब्राउन की ओर से शुभकामनाओं सहित।

अध्याय **XXI.** टॉमी को एक खोज प्राप्त होती है

एक-दो पल के लिए वे दोनों एक-दूसरे को मूर्खतापूर्ण ढंग से घूरते रहे, सदमे से स्तब्ध। किसी तरह, समझ से परे, मिस्टर ब्राउन ने उन्हें मात दे दी थी। टॉमी ने

चुपचाप हार मान ली। लेकिन जूलियस ने ऐसा नहीं किया।
"आखिर वो हमसे आगे कैसे निकल गया? यही बात मेरी समझ से परे है!" उसने अंत में कहा।
टॉमी ने अपना सिर हिलाया और उदास स्वर में कहा:
"इसीलिए टांके नए हैं। हम शायद पहले ही अंदाजा लगा सकते थे..."
"छोड़ो इन टांकों की। वो हमसे आगे कैसे निकल गया? हमने तो पूरी जान लगा दी थी। हमसे जल्दी यहाँ पहुँचना नामुमकिन है। और वैसे भी, उसे कैसे पता चला? क्या तुम्हें लगता है कि जेन के कमरे में डिक्टाफोन था? मुझे लगता है कि ज़रूर रहा होगा।"
लेकिन टॉमी की समझदारी ने कुछ आपत्तियां उठाईं।
"किसी को भी पहले से यह पता नहीं चल सकता था कि वह उस घर में होगी - और उससे भी कम उस खास कमरे में।"
"हाँ, बिल्कुल," जूलियस ने स्वीकार किया। "फिर नर्सों में से एक बेईमान थी और उसने दरवाजे पर कान लगाकर बातें सुनीं। ये कैसा रहा?"
टॉमी ने थके हुए स्वर में कहा, "मुझे नहीं लगता कि इससे कोई फर्क पड़ता है। हो सकता है उसे कुछ महीने पहले पता चल गया हो और उसने कागज़ात हटा दिए हों, लेकिन फिर... नहीं, बिलकुल नहीं! वे तुरंत प्रकाशित हो गए होते।"
"ज़रूर वे ऐसा करेंगे! नहीं, आज कोई हमसे एक घंटे आगे निकल गया है। लेकिन उन्होंने यह कैसे किया, यह देखकर मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है।"
टॉमी ने सोच-विचार करते हुए कहा, "काश वो पील एडगर्टन हमारे साथ होता।"
"क्यों?" जूलियस ने हैरानी से पूछा। "जब हम आए तब तक गड़बड़ हो चुकी थी।"
"हाँ----" टॉमी हिचकिचाया। वह अपनी भावनाओं को समझा नहीं पा रहा था—यह बेतुका विचार कि के.सी. की मौजूदगी से किसी तरह तबाही टल सकती थी। वह अपने पुराने दृष्टिकोण पर लौट आया। "यह कैसे हुआ, इस पर बहस करने का कोई फायदा नहीं। खेल खत्म हो चुका है। हम असफल हो गए हैं। अब मेरे पास करने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता है।"
"यह क्या है?"
"जितनी जल्दी हो सके लंदन वापस जाओ। श्री कार्टर को चेतावनी देनी होगी। अब बस कुछ ही घंटों में बड़ा झटका लगने वाला है। लेकिन, किसी भी हालत में, उन्हें सबसे बुरे हालात के बारे में पता होना चाहिए।"

यह काम अप्रिय था, लेकिन टॉमी इसे टालने का इरादा नहीं रखता था। उसे अपनी असफलता की रिपोर्ट मिस्टर कार्टर को देनी थी। इसके बाद उसका काम खत्म हो गया। वह आधी रात की डाक लेकर लंदन गया। जूलियस ने होलीहेड में रात बिताने का फैसला किया।

आगमन के आधे घंटे बाद, थका हुआ और पीला पड़ा हुआ टॉमी अपने प्रमुख के सामने खड़ा था।

"मैं रिपोर्ट करने आया हूँ, महोदय। मैं असफल हो गया हूँ—बुरी तरह असफल हो गया हूँ।"

मिस्टर कार्टर ने उन्हें तीखी नजरों से देखा।

"आपका मतलब है कि संधि----"

"यह श्री ब्राउन के हाथों में है, महोदय।"

"आह!" श्री कार्टर ने धीमी आवाज़ में कहा। उनके चेहरे के भाव नहीं बदले, लेकिन टॉमी ने उनकी आँखों में निराशा की एक झलक देखी। इससे उसे पहले से कहीं ज़्यादा यकीन हो गया कि स्थिति निराशाजनक है।

“खैर,” श्री कार्टर ने एक-दो मिनट बाद कहा, “मुझे लगता है कि हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। निश्चित रूप से जानकर मुझे खुशी हुई। हमें अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करना चाहिए।”

टॉमी के दिमाग में यह बात कौंध गई: "यह नामुमकिन है, और वह जानता है कि यह नामुमकिन है!"

दूसरे ने उसकी ओर देखा।

"इसे दिल पर मत लो, बेटा," उन्होंने नरमी से कहा। "तुमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। तुम्हारा मुकाबला सदी के सबसे बुद्धिमान लोगों में से एक से था। और तुम सफलता के बेहद करीब पहुँच गए थे। यह बात याद रखना।"

"धन्यवाद महोदय। यह आपकी बहुत बड़ी कृपा है।"

"मैं खुद को दोषी मानता हूं। जब से मैंने यह खबर सुनी है, तब से मैं खुद को ही दोषी ठहरा रहा हूं।"

उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने टॉमी का ध्यान आकर्षित किया। उसके दिल में एक नया डर बैठ गया।

"क्या इससे भी कुछ ज़्यादा है, महोदय?"

"मुझे लगता है ऐसा ही है," श्री कार्टर ने गंभीरता से कहा। उन्होंने मेज पर बिछी एक शीट की ओर हाथ बढ़ाया।
"दो पेंस----?" टॉमी लड़खड़ाते हुए बोला।
"खुद पढ़कर देखिए।"
टाइप किए हुए शब्द उसकी आँखों के सामने नाच रहे थे। हरे रंग की टोपी का वर्णन, जेब में रूमाल रखा हुआ कोट जिस पर पी.एल.सी. लिखा था। उसने श्री कार्टर की ओर पीड़ादायक प्रश्न से देखा। श्री कार्टर ने इसका उत्तर दिया:
"यॉर्कशायर तट पर, एबरी के पास बहकर आया है। मुझे डर है कि यह किसी साजिश का मामला लग रहा है।"
"हे भगवान!" टॉमी हांफते हुए बोला। "टप्पेन्स! वो शैतान—जब तक मैं उनसे बदला नहीं ले लेता, तब तक मुझे चैन नहीं आएगा! मैं उनका पीछा करूंगा! मैं—"
मिस्टर कार्टर के चेहरे पर दिख रही दया ने उन्हें रोक दिया।
"मैं समझ सकता हूँ कि तुम कैसा महसूस कर रहे हो, मेरे बेचारे बेटे। लेकिन इससे कोई फायदा नहीं है। तुम अपनी सारी ताकत बेकार में बर्बाद करोगे। यह सुनने में कठोर लग सकता है, लेकिन मेरी सलाह यही है: नुकसान को कम करो। समय दयालु है। तुम भूल जाओगे।"
"टप्पेन्स को भूल जाएं? कभी नहीं!"
श्री कार्टर ने अपना सिर हिलाया।
"तो अब आप ऐसा सोचते हैं। खैर, इसके बारे में सोचना भी असहनीय है—वह बहादुर छोटी बच्ची! मुझे इस पूरे मामले के लिए बहुत खेद है—बेहद खेद है।"
टॉमी एकदम से चौंककर होश में आया।
“मैं आपका समय बर्बाद कर रहा हूँ, महोदय,” उसने बड़ी मुश्किल से कहा। “आपको खुद को दोष देने की ज़रूरत नहीं है। मुझे लगता है कि हम दोनों ने ऐसा काम हाथ में लेकर नादानी की थी। आपने हमें सही चेतावनी दी थी। लेकिन काश, ये सब मेरे ऊपर आ पड़ता। अलविदा, महोदय।”
रिट्ज़ होटल लौटकर टॉमी ने मशीनी अंदाज़ में अपना थोड़ा-बहुत सामान समेटा, उसके विचार कहीं और थे। उसके खुशहाल और सामान्य जीवन में अचानक आई इस त्रासदी से वह अब भी स्तब्ध था। उसने और टप्पेन्स ने साथ में कितना मज़ा किया था! और अब—अरे, उसे विश्वास ही नहीं हो रहा—यह सच नहीं हो सकता! टप्पेन्स

—मर गई! नन्ही टप्पेन्स, जो जीवन से भरपूर थी! यह एक सपना था, एक भयानक सपना। बस इतना ही।
वे उनके लिए एक पत्र लाए, जिसमें पील एडगर्टन की ओर से सहानुभूति भरे कुछ शब्द थे, जिन्होंने अखबार में खबर पढ़ी थी। (अखबार की मुख्य खबर थी: पूर्व सैनिक के डूबने की आशंका।) पत्र के अंत में अर्जेंटीना के एक फार्म में नौकरी का प्रस्ताव था, जहाँ सर जेम्स की काफी संपत्ति थी।
"दयालु बूढ़ा भिखारी," टॉमी ने बुदबुदाते हुए उसे एक तरफ फेंक दिया।
दरवाजा खुला और जूलियस हमेशा की तरह आक्रामक ढंग से अंदर घुस आया। उसके हाथ में एक खुला अखबार था।
"अरे, ये सब क्या है? लगता है इन्हें टप्पेन्स के बारे में कोई बेवकूफी भरा विचार आ गया है।"
"यह सच है," टॉमी ने धीमी आवाज़ में कहा।
"तुम्हारा मतलब है कि उन्होंने उसे मार डाला?"
टॉमी ने सिर हिलाया।
"मुझे लगता है कि जब उन्हें संधि मिल गई, तो वह उनके लिए किसी काम की नहीं रह गई थी, और वे उसे जाने देने से डर रहे थे।"
"अरे बाप रे!" जूलियस ने कहा। "छोटी टप्पेन्स। वह सचमुच बहुत बहादुर बच्ची थी----"
लेकिन अचानक टॉमी के दिमाग में कुछ चटक सा गया। वह उठ खड़ा हुआ।
"अरे, दफ़ा हो जाओ! तुम्हें ज़रा भी परवाह नहीं, धिक्कार है तुम पर! तुमने अपने घिनौने, निर्मम तरीके से उससे शादी का प्रस्ताव रखा, लेकिन मैं उससे प्यार करती थी। मैं उसे नुकसान से बचाने के लिए अपनी जान तक दे देती। मैं चुपचाप खड़ी रहती और उसे तुमसे शादी करने देती, क्योंकि तुम उसे वो समय दे सकते थे जो उसे मिलना चाहिए था, और मैं तो बस एक गरीब इंसान थी जिसके पास खुद को खुश करने के लिए एक पैसा भी नहीं था। लेकिन ऐसा इसलिए नहीं होता क्योंकि मुझे परवाह नहीं थी!"
"यहाँ देखो," जूलियस ने संयमित स्वर में कहना शुरू किया।
"अरे, दफ़ा हो जाओ! मुझे तुम्हारा यहाँ आकर 'छोटी टप्पेन्स' के बारे में बात करना बिल्कुल पसंद नहीं। जाओ और अपनी चचेरी बहन का ख्याल रखो। टप्पेन्स मेरी

लाडली है! बचपन से ही, जब हम साथ खेलते थे, तब से मैं उसे प्यार करती हूँ। हम बड़े हुए और हमारा प्यार वैसा ही रहा। मैं वो पल कभी नहीं भूलूँगी जब मैं अस्पताल में थी और वो उस अजीब सी टोपी और एप्रन में आई थी! अपनी प्यारी को नर्स की वर्दी में देखना किसी चमत्कार से कम नहीं था।"

लेकिन जूलियस ने उसे बीच में ही रोक दिया।

"नर्स किट! अरे वाह! मुझे लगता है मैं कोल्नी हैच जा रही हूँ! मुझे पक्का याद है मैंने जेन को भी नर्स की टोपी पहने देखा है। और ये तो बिलकुल नामुमकिन है! नहीं, कसम से, मुझे याद आ गया! मैंने उसे ही बॉर्नमाउथ के उस नर्सिंग होम में व्हिटिंगटन से बात करते देखा था। वो वहाँ मरीज़ नहीं थी! वो एक नर्स थी!"

टॉमी ने गुस्से से कहा, "मुझे लगता है कि वह शुरू से ही उनके साथ मिली हुई है। मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर उसने डैनवर्स से वे कागजात चुराए हों।"

"अगर उसने ऐसा किया तो मैं हैरान रह जाऊँगा!" जूलियस चिल्लाया। "वह मेरी चचेरी बहन है, और देशभक्त लड़कियों में से एक है।"

"मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह क्या है, लेकिन यहाँ से निकल जाओ!" टॉमी ने भी अपनी पूरी आवाज़ में जवाब दिया।

दोनों युवक आपस में भिड़ने ही वाले थे। लेकिन अचानक, लगभग जादुई ढंग से, जूलियस का गुस्सा शांत हो गया।

"ठीक है बेटा," उसने धीरे से कहा, "मैं जा रहा हूँ। तुमने जो कुछ भी कहा है, उसके लिए मैं तुम्हें बिल्कुल दोष नहीं देता। अच्छा हुआ कि तुमने वो कहा। मैं कल्पना से परे सबसे बड़ा मूर्ख था। शांत हो जाओ"—टॉमी ने अधीरता से इशारा किया—"मैं अभी जा रहा हूँ—लंदन और नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे डिपो जा रहा हूँ, अगर तुम जानना चाहते हो तो।"

"मुझे इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं है कि तुम कहाँ जा रहे हो," टॉमी गुर्राया।

जैसे ही जूलियस के पीछे दरवाजा बंद हुआ, वह अपने सूटकेस की ओर लौट गया।

"बस इतना ही है," उसने धीरे से कहा और घंटी बजा दी।

"मेरा सामान नीचे ले जाओ।"

"जी जी सर। क्या आप जा रहे हैं सर?"

"मैं शैतान के पास जा रहा हूँ," टॉमी ने नौकर की भावनाओं की परवाह किए बिना कहा।

हालांकि, उस अधिकारी ने केवल आदरपूर्वक उत्तर दिया:
"जी सर। क्या मैं टैक्सी बुला लूँ?"
टॉमी ने सिर हिलाया।
वह कहाँ जा रहा था? उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था। मिस्टर ब्राउन से बदला लेने के पक्के इरादे के अलावा उसके पास कोई योजना नहीं थी। उसने सर जेम्स का पत्र दोबारा पढ़ा और सिर हिलाया। दो पेंस का बदला लेना ही होगा। फिर भी, बूढ़े आदमी का यह काम दयालुता भरा था।
"शायद जवाब देना ही बेहतर होगा।" वह लिखने की मेज की ओर बढ़ा। बेडरूम के स्टेशनरी के सामान की हमेशा की तरह अजीबोगरीब स्थिति थी - अनगिनत लिफाफे थे, लेकिन कागज नहीं था। उसने घंटी बजाई। कोई नहीं आया। टॉमी देरी से बहुत गुस्सा हुआ। फिर उसे याद आया कि जूलियस के बैठक कक्ष में कागज का अच्छा भंडार है। अमेरिकी ने तुरंत जाने की घोषणा कर दी थी, इसलिए उससे मिलने का कोई डर नहीं था। वैसे भी, अगर मिल भी जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। उसे अपने कहे पर शर्म आने लगी थी। बूढ़े जूलियस ने उसे बहुत अच्छे से लिया था। अगर वह उसे वहाँ मिला तो वह माफी मांग लेगा।
लेकिन कमरा सुनसान था। टॉमी लेखन-मेज की ओर बढ़ा और बीच वाला दराज खोला। लापरवाही से ऊपर की ओर रखी एक तस्वीर पर उसकी नज़र पड़ी। एक पल के लिए वह स्तब्ध रह गया। फिर उसने तस्वीर निकाली, दराज बंद किया, धीरे-धीरे एक कुर्सी की ओर बढ़ा और बैठ गया, फिर भी हाथ में पकड़ी तस्वीर को घूरता रहा। आखिर जूलियस हर्शाइमर की लेखन-मेज पर फ्रांसीसी लड़की एनेट की तस्वीर क्या कर रही थी?

अध्याय **XXII.** डाउनिंग स्ट्रीट में

प्रधानमंत्री ने घबराहट भरी उंगलियों से अपने सामने की मेज पर थपथपाया। उनका चेहरा थका हुआ और परेशान लग रहा था। उन्होंने श्री कार्टर के साथ अपनी बातचीत वहीं से शुरू की जहाँ वह रुकी थी। "मुझे समझ नहीं आ रहा," उन्होंने कहा। "क्या आपका सचमुच यही मतलब है कि हालात इतने भी खराब नहीं हैं?"
"ऐसा लगता है कि यह लड़का यही सोचता है।"
"चलिए, उनके पत्र को फिर से देखते हैं।"

श्री कार्टर ने इसे सौंप दिया। यह एक लड़के की तरह फैली हुई लिखावट में लिखा गया था।

प्रिय श्री कार्टर,

"कुछ ऐसा पता चला है जिससे मैं बुरी तरह घबरा गया हूँ। बेशक, हो सकता है मैं बेवजह ही अपनी बेवकूफी साबित कर रहा हूँ, लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। अगर मेरे निष्कर्ष सही हैं, तो मैनचेस्टर वाली वो लड़की महज़ एक मोहरा थी। सब कुछ पहले से तय था, नकली पैकेट समेत, ताकि हमें लगे कि खेल खत्म हो गया है—इसलिए मुझे लगता है कि हम उनके पीछे पूरी तरह से लगे हुए थे।"

मुझे लगता है कि मैं असली जेन फिन को जानती हूँ, और मुझे यह भी पता है कि कागज़ात कहाँ हैं। यह तो सिर्फ़ एक अनुमान है, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है कि यह सही निकलेगा। खैर, मैं इसे एक सीलबंद लिफाफे में भेज रही हूँ। मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि इसे बिल्कुल आखिरी क्षण तक, यानी 28 तारीख की आधी रात तक न खोलें। आपको एक मिनट में समझ आ जाएगा कि क्यों। दरअसल, मैंने पता लगा लिया है कि टप्पेन्स की वो चीज़ें भी एक चाल हैं, और वह मेरी तरह ही डूबी हुई नहीं है। मेरा तर्क यह है: आखिरी मौके के तौर पर वे जेन फिन को भागने देंगे, इस उम्मीद में कि वह इस याददाश्त के नाटक का दिखावा कर रही है, और जैसे ही उसे लगेगा कि वह आज़ाद है, वह सीधे उस जगह जाएगी जहाँ कागज़ात छिपे हैं। बेशक, यह उनके लिए एक बहुत बड़ा जोखिम है, क्योंकि वह उनके बारे में सब कुछ जानती है—लेकिन वे उस संधि को पाने के लिए बहुत बेताब हैं। लेकिन अगर उन्हें पता चल जाए कि... हमें कागजात मिल गए हैं, उन दोनों लड़कियों की जान एक घंटे के सौदे के लायक भी नहीं है। जेन के भागने से पहले मुझे टप्पेन्स को पकड़ना होगा।

"मुझे वही टेलीग्राम दोबारा चाहिए जो रिट्ज़ होटल में टप्पेन्स को भेजा गया था। सर जेम्स पील एडगर्टन ने कहा था कि आप मेरे लिए यह कर सकते हैं। वह बेहद चतुर हैं।"

"एक आखिरी बात - कृपया सोहो स्थित उस घर की दिन-रात निगरानी करवाएं।"

आपका, इत्यादि,

"थॉमस बेरेसफोर्ड।"

प्रधानमंत्री ने ऊपर की ओर देखा।

"वह घेरा?"

श्री कार्टर ने रूखी मुस्कान दी।
"बैंक के तिजोरियों में। मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।"
“क्या आपको नहीं लगता,”—प्रधानमंत्री एक मिनट हिचकिचाए—“कि इसे अभी खोलना बेहतर होगा? हमें इस दस्तावेज़ को तुरंत सुरक्षित कर लेना चाहिए, बशर्ते कि युवक का अनुमान सही निकले। हम ऐसा करने की बात को पूरी तरह गुप्त रख सकते हैं।”
"क्या हम ऐसा कर सकते हैं? मुझे पक्का यकीन नहीं है। हमारे चारों ओर जासूस फैले हुए हैं। एक बार यह बात पता चल गई तो मैं उन दोनों लड़कियों की जान बचाने के लिए भी यह बात नहीं बताऊंगा"—उसने उंगलियां चटकाते हुए कहा—"नहीं, उस लड़के ने मुझ पर भरोसा किया है, और मैं उसे निराश नहीं करूंगा।"
"अच्छा, अच्छा, तो फिर हमें इसे यहीं छोड़ देना चाहिए। यह लड़का कैसा है?"
"बाहर से देखने पर, वह एक साधारण, चुस्त-दुरुस्त, कुछ हद तक मंदबुद्धि अंग्रेज नौजवान लगता है। उसकी सोचने-समझने की क्षमता धीमी है। दूसरी ओर, उसकी कल्पनाशीलता के कारण उसे बहकाना नामुमकिन है। उसकी कल्पना शक्ति ही नहीं है—इसलिए उसे धोखा देना कठिन है। वह चीजों को धीरे-धीरे सुलझाता है, और एक बार किसी बात को पकड़ लेता है तो उसे आसानी से नहीं छोड़ता। लेकिन वह लड़की बिल्कुल अलग है। उसमें अंतर्ज्ञान अधिक और सामान्य ज्ञान कम है। साथ काम करते हुए वे दोनों एक बेहतरीन जोड़ी लगते हैं। उनमें गति और सहनशक्ति दोनों हैं।"
प्रधानमंत्री ने मन ही मन सोचते हुए कहा, "वह आत्मविश्वास से भरे हुए प्रतीत होते हैं।"
"हां, और यही बात मुझे उम्मीद देती है। वह उस तरह का संकोची युवक है जिसे कोई भी राय देने से पहले बहुत आश्वस्त होना पड़ेगा।"
दूसरे के होठों पर हल्की सी मुस्कान आ गई।
"और क्या यही लड़का हमारे समय के सबसे बड़े अपराधी को हराएगा?"
"यह—लड़का, जैसा कि तुम कहते हो! लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि मेरे पीछे एक परछाई है।"
"तुम्हारा मतलब है?"
"पील एडगर्टन।"
प्रधानमंत्री ने आश्चर्य से कहा, "पील एडगर्टन?"

"हाँ। मुझे इसमें उसका हाथ दिख रहा है।" उसने खुले पत्र पर हाथ पटका। "वह वहाँ है —चुपचाप, चुपचाप, बिना किसी को पता चले काम कर रहा है। मुझे हमेशा से लगता था कि अगर किसी को मिस्टर ब्राउन को बेनकाब करना है, तो पील एडगर्टन ही वह आदमी होगा। मैं आपको बता दूं कि वह अभी इस मामले पर काम कर रहा है, लेकिन नहीं चाहता कि किसी को पता चले। वैसे, मुझे उससे कुछ दिन पहले एक अजीब सा अनुरोध मिला था।"

"हाँ?"

"उन्होंने मुझे किसी अमेरिकी अखबार की एक कटिंग भेजी। उसमें लगभग तीन हफ्ते पहले न्यूयॉर्क के बंदरगाह के पास मिले एक व्यक्ति के शव का जिक्र था। उन्होंने मुझसे इस विषय पर जितनी भी जानकारी मिल सके, उसे इकट्ठा करने के लिए कहा।"

"कुंआ?"

कार्टर ने अपने कंधे उचका दिए।

"मुझे ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई। करीब पैंतीस साल का एक युवक था, फटे-पुराने कपड़े पहने हुए, चेहरा बुरी तरह से बिगड़ा हुआ था। उसकी पहचान कभी नहीं हो पाई।"

"और आपको लगता है कि ये दोनों मामले किसी न किसी तरह से जुड़े हुए हैं?"

"मुझे किसी तरह लगता है। बेशक, मैं गलत भी हो सकता हूँ।"

कुछ देर रुकने के बाद, श्री कार्टर ने बोलना जारी रखा:

मैंने उसे यहाँ आने के लिए कहा था। वैसे तो उससे हमें कुछ पता नहीं चलेगा जो वो बताना नहीं चाहता। उसकी कानूनी समझ बहुत प्रबल है। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि वो युवा बेरेसफोर्ड के पत्र में छिपे एक-दो अस्पष्ट बिंदुओं पर प्रकाश डाल सकता है। आह, ये रहा वो!

दोनों व्यक्ति नवागंतुक का स्वागत करने के लिए खड़े हो गए। प्रधानमंत्री के मन में एक अर्ध-मनोरंजनात्मक विचार कौंधा। "शायद मेरा उत्तराधिकारी!"

श्री कार्टर ने सीधे मुद्दे पर आते हुए कहा, "हमें युवा बेरेसफोर्ड का एक पत्र मिला है। मुझे लगता है कि आपने उसे देखा होगा?"

"आपका अनुमान गलत है," वकील ने कहा।

"ओह!" श्री कार्टर थोड़े अचंभित रह गए।

सर जेम्स मुस्कुराए और अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा।
"उन्होंने मुझे फोन किया," उन्होंने खुद बताया।
"क्या आपको इस बात पर कोई आपत्ति होगी कि आप दोनों के बीच वास्तव में क्या बातचीत हुई थी?"
बिल्कुल नहीं। उन्होंने मुझे उस पत्र के लिए धन्यवाद दिया जो मैंने उन्हें लिखा था—दरअसल, मैंने उन्हें नौकरी की पेशकश की थी। फिर उन्होंने मुझे मैनचेस्टर में कही गई उस बात की याद दिलाई जो मैंने उनसे उस फर्जी टेलीग्राम के बारे में कही थी जिसने मिस काउली को बहला-फुसलाकर दूर भेज दिया था। मैंने उनसे पूछा कि क्या कुछ अप्रिय घटना घटी थी। उन्होंने कहा कि हां—कि श्री हर्शाइमर के कमरे की एक दराज में उन्हें एक तस्वीर मिली थी। वकील थोड़ी देर रुके, फिर बोले: "मैंने उनसे पूछा कि क्या उस तस्वीर पर किसी कैलिफोर्नियाई फोटोग्राफर का नाम और पता लिखा था। उन्होंने जवाब दिया: 'आप सही कह रहे हैं, महोदय। उस पर लिखा था।' फिर उन्होंने मुझे कुछ ऐसा बताया जो मुझे पता ही नहीं था। उस तस्वीर की असली तस्वीर फ्रांसीसी लड़की एनेट की थी, जिसने उनकी जान बचाई थी।"
"क्या?"
"बिल्कुल सही। मैंने उस नौजवान से कुछ उत्सुकता से पूछा कि उसने तस्वीर का क्या किया। उसने जवाब दिया कि उसने उसे वहीं वापस रख दिया जहाँ से उसे मिली थी।" वकील फिर रुका। "यह अच्छा था, आप जानते हैं - वाकई अच्छा। वह नौजवान दिमाग का इस्तेमाल कर सकता है। मैंने उसे बधाई दी। यह खोज ईश्वरीय कृपा थी। बेशक, जिस क्षण मैनचेस्टर की लड़की के नकली होने का सबूत मिला, सब कुछ बदल गया। युवा बेरेसफोर्ड ने यह खुद देख लिया था, मुझे उसे बताने की ज़रूरत नहीं पड़ी। लेकिन उसे लगा कि मिस काउली के मामले में वह अपने फैसले पर भरोसा नहीं कर सकता। क्या मुझे लगता था कि वह जीवित है? मैंने उसे सबूतों को ध्यान से देखते हुए बताया कि इसके पक्ष में बहुत अधिक संभावना है। इससे हम वापस टेलीग्राम पर आ गए।"
"हाँ?"
मैंने उसे मूल तार की एक प्रति के लिए आपसे संपर्क करने की सलाह दी थी। मुझे यह संभावना लग रही थी कि मिस काउली द्वारा इसे फर्श पर फेंकने के बाद, खोजकर्ताओं को गुमराह करने के स्पष्ट इरादे से कुछ शब्दों को मिटाया या बदला गया

हो।
कार्टर ने सिर हिलाया। उसने अपनी जेब से एक कागज निकाला और जोर से पढ़ा:
"तुरंत आओ, एस्टली प्रायर्स, गेटहाउस, केंट। बहुत बड़ी प्रगति हो रही है--टॉमी।"
"बहुत सरल," सर जेम्स ने कहा, "और बहुत ही चतुराई से किया गया काम। बस कुछ शब्दों को बदलना था, और काम हो गया। और यही एक महत्वपूर्ण सुराग था जिसे वे नज़रअंदाज़ कर गए।"
"वह क्या था?"
"पेज-बॉय का बयान कि मिस काउली चैरिंग क्रॉस तक गाड़ी चलाकर गईं। वे इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने मान लिया कि उसने गलती की है।"
"तो अब युवा बेरेसफोर्ड कौन है?"
"अगर मैं गलत नहीं हूं तो गेटहाउस, केंट में।"
मिस्टर कार्टर ने उत्सुकता से उसकी ओर देखा।
"मुझे आश्चर्य है कि आप भी वहां नहीं हैं, पील एडगर्टन?"
"अरे, मैं एक मामले में व्यस्त हूँ।"
"मुझे लगा कि आप छुट्टी पर हैं?"
"ओह, मुझे इस बारे में जानकारी नहीं दी गई है। शायद यह कहना ज़्यादा सही होगा कि मैं एक केस तैयार कर रहा हूँ। क्या उस अमेरिकी व्यक्ति के बारे में आपके पास कोई और जानकारी है?"
"मुझे लगता है कि नहीं। क्या यह जानना ज़रूरी है कि वह कौन था?"
"ओह, मैं जानता हूँ कि वह कौन था," सर जेम्स ने सहजता से कहा। "मैं अभी इसे साबित नहीं कर सकता—लेकिन मैं जानता हूँ।"
बाकी दोनों ने कोई सवाल नहीं पूछा। उन्हें सहज ज्ञान था कि यह केवल व्यर्थ की बात होगी।
"लेकिन जो बात मुझे समझ नहीं आ रही है," प्रधानमंत्री ने अचानक कहा, "वह यह है कि वह तस्वीर श्री हर्शाइमर की दराज में कैसे पहुंची?"
"शायद यह कभी वहां से गया ही नहीं," वकील ने नरमी से सुझाव दिया।
"लेकिन वो फर्जी इंस्पेक्टर? इंस्पेक्टर ब्राउन?"
"आह!" सर जेम्स ने सोच-विचार करते हुए कहा। वे खड़े हो गए। "मुझे आपको रोकना नहीं चाहिए। आप राष्ट्र के मामलों पर काम जारी रखें। मुझे अपने काम पर वापस

जाना है।"
दो दिन बाद जूलियस हर्शाइमर मैनचेस्टर से लौटा। उसकी मेज पर टॉमी का एक नोट पड़ा था:
प्रिय हर्शाइमर,
"माफ़ करना, मुझे गुस्सा आ गया था। अगर फिर कभी मुलाकात न हो तो अलविदा। मुझे अर्जेंटीना में नौकरी का प्रस्ताव मिला है, और मुझे इसे स्वीकार कर लेना चाहिए।"
आपका,
"टॉमी बेरेसफोर्ड।"
जूलियस के चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कान कुछ पल के लिए ठहर गई। उसने पत्र को कूड़ेदान में फेंक दिया।
"वह मूर्ख!" उसने बुदबुदाया।

अध्याय XXIII. समय के विरुद्ध एक दौड़

सर जेम्स को फोन करने के बाद, टॉमी ने साउथ ऑडली मेंशन में फोन किया। वहाँ उसने अल्बर्ट को अपने पेशेवर कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए पाया और बिना किसी झिझक के खुद को टप्पेन्स का मित्र बताया। अल्बर्ट तुरंत नरम पड़ गया।
“आजकल यहाँ बहुत शांति छाई हुई है,” उन्होंने उदास स्वर में कहा। “आशा है कि युवती स्वस्थ होंगी, महोदय?”
"बात तो यही है, अल्बर्ट। वह गायब हो गई है।"
"आपका मतलब यह तो नहीं है कि बदमाशों ने उसे पकड़ लिया है?"
"उनके पास है।"
"पाताल लोक में?"
नहीं, बिलकुल नहीं, इस दुनिया में तो बिल्कुल नहीं!
"यह एक मुहावरा है, महोदय," अल्बर्ट ने समझाया। "फिल्मों में बदमाश हमेशा अंडरवर्ल्ड में एक रेस्टोरेंट रखते हैं। लेकिन क्या आपको लगता है कि उन्होंने उसे मार डाला है, महोदय?"
"मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा। वैसे, क्या आपकी कोई चाची, चचेरी बहन, दादी या कोई अन्य उपयुक्त महिला रिश्तेदार हैं, जिनके मरने की संभावना हो सकती है?"

अल्बर्ट के चेहरे पर धीरे-धीरे एक आनंदमय मुस्कान फैल गई।
"मैं तैयार हूँ, महोदय। मेरी बेचारी चाची जो गाँव में रहती हैं, काफी समय से बहुत बीमार हैं, और अपनी अंतिम साँस लेते हुए वह मुझे बुला रही हैं।"
टॉमी ने सहमति में सिर हिलाया।
"क्या आप इसकी सूचना उचित कार्यालय में दे सकते हैं और एक घंटे में चैरिंग क्रॉस पर मुझसे मिल सकते हैं?"
मैं वहां जरूर आऊंगा, महोदय। आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं।
टॉमी के अनुमान के अनुसार, वफादार अल्बर्ट एक अमूल्य सहयोगी साबित हुआ। दोनों ने गेटहाउस के सराय में अपना ठिकाना बनाया। अल्बर्ट को जानकारी जुटाने का काम सौंपा गया। इसमें उसे कोई कठिनाई नहीं हुई।
एस्टली प्रायर्स डॉ. एडम्स की संपत्ति थी। मकान मालिक का मानना था कि डॉक्टर अब वकालत नहीं करते थे, सेवानिवृत्त हो चुके थे, लेकिन वे कुछ निजी मरीज़ों को देखते थे—यह कहते हुए उस भले आदमी ने अपने माथे पर उंगली रखी—"बड़े-बड़े मरीज़! समझे!" डॉक्टर गाँव में काफी लोकप्रिय थे, स्थानीय खेलों में दिल खोलकर पैसे देते थे—"एक बहुत ही मिलनसार और खुशमिजाज सज्जन।" क्या वे वहाँ लंबे समय से रह रहे थे? ओह, लगभग दस साल—शायद उससे भी ज़्यादा। वे एक वैज्ञानिक सज्जन थे। प्रोफेसर और अन्य लोग अक्सर उनसे मिलने शहर से आते थे। वैसे भी, वह घर हमेशा खुशनुमा रहता था, हमेशा आगंतुकों का आना-जाना लगा रहता था।
इन तमाम बातों को सुनकर टॉमी को शक होने लगा। क्या यह मुमकिन था कि यह मिलनसार और मशहूर शख्सियत असल में एक खतरनाक अपराधी हो? उसका जीवन इतना खुला और साफ-सुथरा लगता था। किसी भी तरह की कुटिलता का कोई संकेत नहीं था। कहीं यह सब एक बहुत बड़ी गलती तो नहीं थी? यह सोचकर टॉमी को कंपकंपी छूट गई।
फिर उन्हें निजी मरीज़ों की याद आई—"शांत स्वभाव वाले।" उन्होंने सावधानीपूर्वक पूछा कि क्या उनमें कोई युवती थी, और उन्होंने टप्पेन्स का वर्णन किया। लेकिन मरीज़ों के बारे में ज़्यादा कुछ पता नहीं था—वे परिसर से बाहर बहुत कम ही दिखाई देते थे। ऐनेट का सावधानीपूर्वक वर्णन भी किसी को पहचानने में विफल रहा।
एस्टली प्रायर्स एक सुंदर लाल ईंटों से बनी इमारत थी, जो घने पेड़ों से घिरे मैदानों से

घिरी हुई थी, जिससे घर सड़क से दिखाई देने वाली निगाहों से प्रभावी रूप से सुरक्षित रहता था।

पहली शाम को टॉमी, अल्बर्ट के साथ, मैदानों का भ्रमण करने निकला। अल्बर्ट के आग्रह के कारण वे दर्द से पेट के बल घिसटते हुए आगे बढ़े, जिससे खड़े रहने की तुलना में कहीं अधिक शोर हुआ। वैसे भी, इन सावधानियों की कोई आवश्यकता नहीं थी। रात होने के बाद किसी भी अन्य निजी घर की तरह, मैदान भी सुनसान प्रतीत हो रहे थे। टॉमी ने एक खूंखार चौकीदार कुत्ते की कल्पना की। अल्बर्ट के मन में एक प्यूमा या एक पालतू कोबरा का ख्याल आया। लेकिन वे बिना किसी बाधा के घर के पास एक झाड़ी तक पहुँच गए।

भोजन कक्ष की खिड़की के पर्दे ऊपर उठे हुए थे। मेज के चारों ओर काफी लोग बैठे थे। पोर्ट वाइन एक हाथ से दूसरे हाथ में जा रही थी। यह एक सामान्य, खुशनुमा माहौल लग रहा था। खुली खिड़की से बातचीत के कुछ अंश रात की हवा में बिखरे हुए सुनाई दे रहे थे। काउंटी क्रिकेट पर गरमागरम बहस चल रही थी!

एक बार फिर टॉमी को अनिश्चितता की ठंडी सिहरन महसूस हुई। यह मानना असंभव लग रहा था कि ये लोग जैसे दिख रहे हैं, उससे अलग भी हो सकते हैं। क्या उसे एक बार फिर धोखा दिया गया था? मेज के शीर्ष पर बैठे सुनहरे दाढ़ी वाले, चश्मा पहने सज्जन असाधारण रूप से ईमानदार और सामान्य लग रहे थे।

उस रात टॉमी को नींद नहीं आई। अगली सुबह, अथक अल्बर्ट ने सब्जीवाले के लड़के से दोस्ती कर ली और उसकी जगह माल्थहाउस में रसोइए से दोस्ती कर ली। वह यह जानकारी लेकर लौटा कि वह लड़की निस्संदेह "बदमाशों में से एक" थी, लेकिन टॉमी को उसकी कल्पना पर शक था। पूछताछ करने पर, वह अपने बयान के समर्थन में कुछ भी साबित नहीं कर सका सिवाय इसके कि वह आम बदमाशों जैसी नहीं थी। यह बात एक नज़र में ही समझ आ गई थी।

अगले दिन भी यही अदला-बदली दोहराई गई (जिससे असली सब्जीवाले के लड़के को आर्थिक लाभ हुआ), और अल्बर्ट पहली उम्मीद भरी खबर लेकर लौटा। घर में एक फ्रांसीसी युवती ठहरी हुई थी। टॉमी ने अपने संदेह को एक तरफ रख दिया। यह उसके सिद्धांत की पुष्टि थी। लेकिन समय कम था। आज 27 तारीख थी। 29 तारीख को बहुचर्चित "मजदूर दिवस" था, जिसके बारे में तरह-तरह की अफवाहें फैल रही थीं। अखबारों में हलचल मची हुई थी। मजदूर पार्टी द्वारा तख्तापलट की सनसनीखेज खबरें

खुलेआम छप रही थीं। सरकार ने कुछ नहीं कहा। वह जानती थी और तैयार थी। मजदूर नेताओं के बीच मतभेद की अफवाहें थीं। वे एकमत नहीं थे। उनमें से दूरदर्शी लोगों को एहसास था कि वे जो प्रस्ताव रख रहे हैं, वह उस इंग्लैंड के लिए घातक साबित हो सकता है जिससे वे दिल से प्यार करते थे। वे आम हड़ताल से होने वाली भुखमरी और बदहाली से घबरा रहे थे, और सरकार से समझौता करने को तैयार थे। लेकिन उनके पीछे सूक्ष्म, लगातार सक्रिय शक्तियां काम कर रही थीं, जो पुरानी गलतियों की यादों को ताजा कर रही थीं, आधे-अधूरे उपायों की कमजोरी को उजागर कर रही थीं और गलतफहमियों को बढ़ावा दे रही थीं।

टॉमी को लगा कि श्री कार्टर की बदौलत वह स्थिति को काफी हद तक सही ढंग से समझ गया था। श्री ब्राउन के हाथ में वह घातक दस्तावेज़ होते ही जनमत मज़दूर चरमपंथियों और क्रांतिकारियों के पक्ष में झुक जाएगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो लड़ाई बराबरी की थी। वफादार सेना और पुलिस बल के समर्थन वाली सरकार जीत सकती थी—लेकिन भारी कष्टों की कीमत पर। लेकिन टॉमी एक और ही बेतुका सपना पाले हुए था। श्री ब्राउन के बेनकाब होने और पकड़े जाने पर, उसका मानना था, चाहे सही हो या गलत, कि पूरा संगठन अपमानजनक ढंग से और पल भर में बिखर जाएगा। अदृश्य मुखिया का रहस्यमय प्रभाव ही उसे एकजुट रखे हुए था। उसके बिना, टॉमी का मानना था कि तुरंत दहशत फैल जाएगी; और, ईमानदार लोगों को अपने हाल पर छोड़ दिया जाए, तो अंतिम समय में सुलह संभव हो जाएगी।

टॉमी ने मन ही मन कहा, "यह तो एक अकेले आदमी का काम है। अब बस उस आदमी से संपर्क करना होगा।"

अपनी इसी महत्वाकांक्षी योजना को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने श्री कार्टर से सीलबंद लिफाफा न खोलने का अनुरोध किया था। संधि का मसौदा टॉमी का मोहरा था। समय-समय पर उन्हें अपने इस घमंड पर अचंभित होना पड़ता था। उनकी हिम्मत कैसे हुई यह सोचने की कि उन्होंने वह खोज निकाल ली है जिसे इतने बुद्धिमान और चतुर लोगों ने अनदेखा कर दिया था? फिर भी, वे अपने विचार पर अडिग रहे।

उस शाम वह और अल्बर्ट एक बार फिर एस्टली प्रायर्स के परिसर में दाखिल हुए। टॉमी की महत्वाकांक्षा किसी भी तरह से उस घर में प्रवेश पाने की थी। जैसे ही वे सावधानी से आगे बढ़े, टॉमी ने अचानक गहरी सांस ली।

दूसरी मंजिल की खिड़की पर, खिड़की और कमरे की रोशनी के बीच खड़े किसी

व्यक्ति की परछाईं पर्दे पर पड़ रही थी। टॉमी उसे कहीं भी पहचान लेता! टप्पेन्स उसी घर में थी!

उसने अल्बर्ट को कंधे से पकड़ लिया।

"यहीं रहो! जब मैं गाना शुरू करूं, तो उस खिड़की को देखना।"

वह जल्दी से मुख्य सड़क पर एक स्थान पर पीछे हट गया, और लड़खड़ाते कदमों के साथ एक गहरी दहाड़ में निम्नलिखित गीत गाने लगा:

मैं एक सिपाही हूँ, एक हंसमुख ब्रिटिश सिपाही; मेरे पैरों से ही पता चल जाता है कि मैं एक सिपाही हूँ...

यह गाना टप्पेन्स के अस्पताल में भर्ती रहने के दिनों में ग्रामोफोन पर खूब बजता था। उसे पूरा यकीन था कि वह इसे पहचान लेगी और खुद ही इसका मतलब निकाल लेगी। टॉमी की आवाज़ में संगीत का कोई अंश नहीं था, लेकिन उसके फेफड़े बहुत अच्छे थे। उसकी आवाज़ बहुत ज़ोरदार थी।

तभी एक बेदाग़ बटलर, अपने उतने ही बेदाग़ नौकर के साथ, सामने के दरवाजे से बाहर आया। बटलर ने उससे कुछ कहा। टॉमी गाता रहा और बटलर को प्यार से "प्यारे बूढ़े मूंछों वाले" कहकर पुकारता रहा। नौकर ने उसे एक हाथ से पकड़ा और बटलर ने दूसरे हाथ से। वे उसे दौड़ाते हुए ड्राइववे से होते हुए गेट से बाहर ले गए। बटलर ने उसे धमकी दी कि अगर उसने दोबारा घुसपैठ की तो पुलिस को बुला लेंगे। यह सब बड़े ही सलीके से हुआ—संयम से और पूरी शालीनता के साथ। कोई भी कसम खाकर कह सकता था कि बटलर असली बटलर था, नौकर असली नौकर—लेकिन असल में, बटलर व्हिटिंगटन था!

टॉमी सराय में जाकर अल्बर्ट के लौटने का इंतजार करने लगा। आखिरकार वह सज्जन प्रकट हुए।

"तो?" टॉमी ने उत्सुकता से कहा।

"कोई बात नहीं। जब वे तुम्हें बाहर भगा रहे थे, तभी खिड़की खुल गई और कुछ बाहर फेंक दिया गया।" उसने टॉमी को कागज का एक टुकड़ा पकड़ाते हुए कहा। "यह एक लेटरवेट के चारों ओर लिपटा हुआ था।"

कागज पर तीन शब्द लिखे हुए थे: "कल—इसी समय।"

"शाबाश!" टॉमी चिल्लाया। "हम चल रहे हैं।"

"मैंने कागज के एक टुकड़े पर एक संदेश लिखा, उसे एक पत्थर के चारों ओर लपेटा

और खिड़की से बाहर फेंक दिया," अल्बर्ट ने हांफते हुए आगे कहा।
टॉमी कराह उठा।
"अल्बर्ट, तुम्हारा यह उत्साह ही हमारे लिए विनाशकारी साबित होगा। तुमने क्या कहा?"
"उसने कहा कि हम सराय में ठहरे हुए थे। अगर वह बचकर निकल सकती, तो वहां आकर मेंढक की तरह टर्राती।"
टॉमी ने राहत की सांस लेते हुए कहा, "वो पहचान जाएगी कि ये तुम हो। अल्बर्ट, तुम्हारी कल्पनाएं कितनी बहक जाती हैं! अरे, अगर तुम मेंढक की आवाज भी सुन लो तो पहचान नहीं पाओगे।"
अल्बर्ट काफी निराश दिख रहा था।
“हिम्मत रखो,” टॉमी ने कहा। “कोई नुकसान नहीं हुआ। वो बटलर मेरा पुराना दोस्त है—मुझे यकीन है कि वो मुझे जानता था, भले ही उसने ज़ाहिर न किया हो। शक करना उनकी आदत नहीं है। इसीलिए तो सब कुछ आसानी से हो गया। वे मुझे पूरी तरह से हतोत्साहित नहीं करना चाहते। दूसरी तरफ, वे इसे बहुत आसान भी नहीं बनाना चाहते। मैं उनके खेल में एक मोहरा हूँ, अल्बर्ट, बस यही हूँ। देखो, अगर मकड़ी मक्खी को आसानी से जाने दे, तो मक्खी को शक हो सकता है कि ये सब बनावटी था। इसीलिए उस होनहार युवक, मिस्टर टी. बेरेसफोर्ड, की उपयोगिता है, जो उनके लिए बिल्कुल सही समय पर आ गया है। लेकिन बाद में, मिस्टर टी. बेरेसफोर्ड को सावधान रहना होगा!”
टॉमी कुछ उत्साह के साथ रात को सोने चला गया। उसने अगली शाम के लिए एक सुनियोजित योजना बनाई थी। उसे पूरा विश्वास था कि एस्टली प्रायर्स के निवासी एक निश्चित सीमा तक उसके काम में दखल नहीं देंगे। इसके बाद टॉमी ने उन्हें एक सरप्राइज देने का प्रस्ताव रखा था।
लगभग बारह बजे, उसकी शांति अचानक भंग हो गई। उसे बताया गया कि कोई उसे बार में बुला रहा है। वह व्यक्ति एक बदतमीज़ दिखने वाला गाड़ीवान निकला, जो कीचड़ से सना हुआ था।
"तो मेरे दोस्त, क्या बात है?" टॉमी ने पूछा।
"क्या यह आपके लिए है, महोदय?" गाड़ीवान ने एक बहुत गंदा, मुड़ा हुआ नोट आगे बढ़ाया, जिसके बाहर लिखा था: "इसे एस्टली प्रायर्स के पास वाले सराय में रहने वाले

सज्जन को दे दीजिए। वह आपको दस शिलिंग देंगे।"
लिखावट टप्पेन्स की थी। टॉमी ने उसकी सूझबूझ की सराहना की कि उसने यह समझ लिया कि वह शायद किसी नकली नाम से सराय में ठहरा हुआ है। उसने झट से पत्र उठा लिया।
"यह सब ठीक है।"
उस व्यक्ति ने इसे छिपा लिया।
"मेरे दस शिलिंग का क्या हुआ?"
टॉमी ने जल्दी से दस शिलिंग का नोट निकाला, और उस आदमी ने अपनी खोजी हुई चीज़ लौटा दी। टॉमी ने उसे खोल दिया।
प्रिय टॉमी,
मुझे कल रात ही पता चल गया था कि ये तुम ही हो। आज शाम को मत जाना। वे तुम्हारा इंतज़ार कर रहे होंगे। वे हमें आज सुबह ले जा रहे हैं। मैंने वेल्स के बारे में कुछ सुना है—शायद होलीहेड के बारे में। अगर मौका मिला तो मैं इसे रास्ते में छोड़ दूँगा। एनेट ने मुझे बताया कि तुम कैसे बच निकले। हिम्मत रखो।
आपका,
"दो पेंस।"
इस विशिष्ट पत्र को पूरा पढ़ने से पहले ही टॉमी ने अल्बर्ट को पुकार कर जोर से आवाज लगाई।
"मेरा बैग पैक करो! हम चल रहे हैं!"
"जी हाँ।" अल्बर्ट के जूतों की तेज़ आवाज़ ऊपर की ओर सुनाई दी। होलीहेड? क्या इसका मतलब यही था? टॉमी उलझन में था। उसने धीरे-धीरे पढ़ना जारी रखा।
ऊपर की मंजिल पर अल्बर्ट के जूते अभी भी सक्रिय थे।
अचानक नीचे से दूसरी चीख सुनाई दी।
"अल्बर्ट! मैं कितना बड़ा मूर्ख हूँ! उस बैग को खोलो!"
"जी श्रीमान।"
टॉमी ने बड़े ध्यान से नोट को सीधा किया।
"हाँ, बिलकुल मूर्ख," उसने धीरे से कहा। "लेकिन कोई और भी तो मूर्ख है! और आखिरकार मुझे पता चल गया कि वह कौन है!"

अध्याय XXIV. जूलियस हाथ बढ़ाता है

क्लेरिज होटल के अपने सुइट में, क्रामेनिन एक सोफे पर लेटे हुए थे और अपनी सचिव को धीमी रूसी भाषा में निर्देश दे रहे थे।

कुछ ही देर में सचिव की कोहनी के पास रखा टेलीफोन बजने लगा, और उसने रिसीवर उठाया, एक-दो मिनट बात की, फिर अपने मालिक की ओर मुड़ गया।

"नीचे कोई आपको बुला रहा है।"

"कौन है भाई?"

"वह श्री जूलियस पी. हर्शाइमर का नाम बताते हैं।"

"हर्शेमर," क्रामेनिन ने सोच-समझकर दोहराया। "मैंने यह नाम पहले भी सुना है।"

"उनके पिता अमेरिका के इस्पात उद्योग के दिग्गजों में से एक थे," सचिव ने बताया, जिसका काम हर बात की जानकारी रखना था। "यह नौजवान तो कई बार करोड़पति बन चुका होगा।"

दूसरे की आंखें प्रशंसा से सिकुड़ गईं।

"इवान, बेहतर होगा कि तुम नीचे जाकर उससे मिलो। पता लगाओ कि वह क्या चाहता है।"

सचिव ने आज्ञा का पालन किया और चुपचाप दरवाजा बंद कर दिया। कुछ ही मिनटों में वह वापस आ गया।

"वह अपने काम के बारे में बताने से इनकार करता है - कहता है कि यह पूरी तरह से निजी और व्यक्तिगत मामला है, और उसे आपसे मिलना ही होगा।"

"कई बार करोड़पति बन चुका है," क्रामेनिन ने धीरे से कहा। "उसे यहाँ लाओ, मेरे प्यारे इवान।"

सचिव एक बार फिर कमरे से बाहर गए और जूलियस को साथ लेकर वापस आए।

"महाशय क्रामेनिन?" दूसरे ने अचानक कहा।

रूसी व्यक्ति ने अपनी पीली, विषैली आँखों से उसे ध्यानपूर्वक देखते हुए, झुककर प्रणाम किया।

अमेरिकी ने कहा, "आपसे मिलकर खुशी हुई। मुझे आपसे कुछ बहुत महत्वपूर्ण बात करनी है, अगर मैं आपसे अकेले में मिल सकूँ।" उसने दूसरे की ओर इशारा करते हुए कहा।

"मेरे सचिव, महाशय ग्रीबर, जिनसे मेरा कोई रहस्य नहीं है।"

"ऐसा हो सकता है—लेकिन मैंने किया है," जूलियस ने रूखेपन से कहा। "इसलिए अगर आप उसे चले जाने के लिए कह दें तो मैं आपका आभारी रहूंगा।"
रूसी ने धीमी आवाज़ में कहा, "इवान, शायद आपको अगले कमरे में जाने में कोई आपत्ति न हो..."
"अगला कमरा ठीक नहीं रहेगा," जूलियस ने बीच में ही टोकते हुए कहा। "मैं इन शाही कमरों को जानता हूँ—और मैं चाहता हूँ कि इसमें तुम्हारे और मेरे अलावा कोई न हो। उसे किसी दुकान से एक पैसे की मूंगफली लाने के लिए भेजो।"
हालांकि क्रामेनिन को अमेरिकी व्यक्ति की बेबाक और सहज बोलने की शैली खास पसंद नहीं आई, फिर भी वह जिज्ञासा से भर गया। "क्या आपको अपना काम बताने में देर लगेगी?"
"अगर आपको सफलता मिल गई तो यह पूरी रात का काम हो सकता है।"
"बहुत बढ़िया, इवान। आज शाम मुझे तुम्हारी ज़रूरत नहीं पड़ेगी। थिएटर जाओ—आज रात आराम करो।"
"धन्यवाद, महामहिम।"
सचिव ने झुककर अभिवादन किया और चले गए।
जूलियस दरवाजे पर खड़ा होकर उसके जाने का इंतजार कर रहा था। अंत में, संतुष्टि भरी आह भरकर उसने दरवाजा बंद किया और कमरे के बीचोंबीच अपनी जगह पर वापस आ गया।
"अब, श्रीमान हर्षाइमर, क्या आप कृपया मुद्दे पर आ सकते हैं?"
"मुझे लगता है इसमें एक मिनट भी नहीं लगेगा," जूलियस ने धीमी आवाज़ में कहा। फिर अचानक लहजा बदलते हुए बोला: "हाथ ऊपर करो—वरना मैं गोली मार दूंगा!"
एक पल के लिए क्रामेनिन बड़ी स्वचालित बंदूक को घूरता रहा, फिर लगभग हास्यास्पद जल्दबाजी में उसने अपने हाथ सिर के ऊपर उठा लिए। उसी क्षण जूलियस ने उसे परख लिया था। जिससे उसे निपटना था वह शारीरिक रूप से घोर कायर था—बाकी सब आसान था।
रूसी महिला ने तीखी और उन्मादी आवाज में चिल्लाते हुए कहा, "यह तो घोर अत्याचार है! घोर अत्याचार! क्या तुम मुझे मारना चाहते हो?"
"नहीं, अगर तुम अपनी आवाज़ धीमी रखोगे। उस घंटी की तरफ धीरे-धीरे मत बढ़ो। यही बेहतर है।"

"तुम क्या चाहते हो? जल्दबाजी में कुछ मत करो। याद रखो, मेरे देश के लिए मेरा जीवन अत्यंत मूल्यवान है। मुझे बदनाम किया गया होगा----"
जूलियस ने कहा, "मुझे लगता है कि जो व्यक्ति तुम्हारे जीवन में प्रकाश लाएगा, वह मानवता पर एक बड़ा एहसान करेगा। लेकिन तुम्हें चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं इस यात्रा में तुम्हें मारने का इरादा नहीं रखता—हाँ, अगर तुम समझदार हो तो।"
रूसी व्यक्ति दूसरे की आँखों में छिपी कठोर धमकी के सामने सहम गया। उसने अपनी सूखी जीभ अपने होठों पर फिराई।
"तुम्हें क्या चाहिए? पैसा?"
"नहीं। मुझे जेन फिन चाहिए।"
"जेन फिन? मैंने तो उसका नाम कभी नहीं सुना!"
"तुम पक्के झूठे हो! तुम अच्छी तरह जानते हो कि मेरा मतलब किससे है।"
मैं आपको बता दूं कि मैंने उस लड़की के बारे में कभी नहीं सुना।
"और मैं तुमसे कहता हूँ," जूलियस ने पलटवार करते हुए कहा, "यहाँ छोटा विली तो बस पागलों की तरह भड़क रहा है!"
रूसी व्यक्ति का चेहरा स्पष्ट रूप से मुरझा गया।
"तुम ऐसा करने की हिम्मत नहीं करोगे----"
"ओह, हाँ, मैं ज़रूर करूँगा, बेटे!"
क्रामेनिन ने उस आवाज में कुछ दृढ़ विश्वास जरूर पहचाना होगा, क्योंकि उन्होंने उदास स्वर में कहा:
"तो? मान लिया कि मैं जानता हूँ कि आपका मतलब किससे है—तो फिर क्या हुआ?"
"तुम मुझे अभी यहीं बताओगे कि वह कहाँ मिलेगी।"
क्रामेनिन ने अपना सिर हिलाया।
मैं ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता।
"क्यों नहीं?"
"मैं ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता। आप एक असंभव बात पूछ रहे हैं।"
डर लग रहा है, है ना? किससे? मिस्टर ब्राउन से? अरे वाह, ये सुनकर तो हंसी आ गई! तो फिर ऐसा कोई व्यक्ति है भी? मुझे तो शक था। और उसका नाम सुनते ही तुम बुरी तरह डर जाते हो!

रूसी ने धीरे से कहा, "मैंने उसे देखा है। उससे आमने-सामने बात की है। मुझे बाद में ही पता चला। वह भीड़ में से एक था। मैं उसे दोबारा नहीं पहचान पाऊंगा। वह असल में कौन है? मुझे नहीं पता। लेकिन मैं इतना जानता हूं - वह एक खतरनाक आदमी है।"

"उसे कभी पता नहीं चलेगा," जूलियस ने कहा।

"वह सब कुछ जानता है—और उसका बदला बहुत तेज़ होता है। यहाँ तक कि मैं—क्रामेनिन!—भी नहीं बच पाऊँगा!"

"तो फिर तुम मेरी बात नहीं मानोगे?"

"आप एक असंभव बात पूछ रहे हैं।"

"हाँ, तुम्हारे लिए तो यह बहुत दुख की बात है," जूलियस ने प्रसन्नता से कहा।

"लेकिन इससे पूरी दुनिया को फायदा होगा।" उसने रिवॉल्वर उठा ली।

रूसी चीख उठा, "रुको! कहीं तुम मुझे गोली मारने की कोशिश तो नहीं कर रहे?"

"बिल्कुल, मैं करता हूँ। मैंने हमेशा सुना है कि तुम क्रांतिकारियों के लिए जीवन का कोई मोल नहीं है, लेकिन लगता है कि जब अपनी जान दांव पर लगी हो तो बात अलग हो जाती है। मैंने तुम्हें अपनी जान बचाने का सिर्फ एक मौका दिया था, और तुमने वो भी नहीं लिया!"

वे मुझे मार डालेंगे!

"खैर," जूलियस ने प्रसन्नता से कहा, "यह तो आप पर निर्भर करता है। लेकिन मैं बस इतना ही कहूंगा। छोटा विली तो पक्का ही चुना जाएगा, और अगर मैं आपकी जगह होता तो मिस्टर ब्राउन के साथ एक मौका जरूर आजमाता!"

रूसी ने अनिश्चितता से बुदबुदाते हुए कहा, "अगर तुमने मुझे गोली मारी तो तुम्हें फांसी हो जाएगी।"

नहीं, अजनबी, यहीं तो तुम गलत हो। तुम पैसों की बात भूल रहे हो। वकीलों की एक बड़ी भीड़ जुट जाएगी, और वे कुछ पढ़े-लिखे डॉक्टरों को काम पर लगा देंगे, और अंत में वे कहेंगे कि मेरा दिमाग खराब हो गया था। मैं कुछ महीने एक शांत मानसिक अस्पताल में बिताऊंगा, मेरी मानसिक सेहत सुधर जाएगी, डॉक्टर मुझे फिर से स्वस्थ घोषित कर देंगे, और नन्हे जूलियस के लिए सब कुछ खुशी-खुशी खत्म हो जाएगा। मुझे लगता है कि मैं दुनिया से तुम्हें छुटकारा दिलाने के लिए कुछ महीनों का अवकाश सह सकता हूँ, लेकिन यह मत सोचो कि मैं इसके लिए फांसी पर चढ़ जाऊंगा!

रूसी ने उस पर विश्वास कर लिया। स्वयं भ्रष्ट होने के कारण, वह धन की शक्ति में पूर्णतः विश्वास रखता था। उसने अमेरिकी हत्या के मुकदमों के बारे में पढ़ा था जो काफी हद तक जूलियस द्वारा बताए गए तरीकों पर आधारित थे। उसने स्वयं न्याय खरीदा और बेचा था। इस बलवान युवा अमेरिकी ने, अपनी विशिष्ट धीमी आवाज के साथ, उस पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया था।

जूलियस ने आगे कहा, "मैं पाँच गिनने जा रहा हूँ, और मुझे लगता है, अगर आप मुझे चार से आगे गिनने देंगे, तो आपको मिस्टर ब्राउन के बारे में चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। हो सकता है कि वह अंतिम संस्कार में कुछ फूल भेज दें, लेकिन आपको उनकी खुशबू नहीं आएगी! क्या आप तैयार हैं? मैं शुरू करता हूँ। एक-दो, तीन-चार----"

रूसी व्यक्ति चीखते हुए बीच में ही बोल पड़ा:

"गोली मत चलाओ। मैं तुम्हारी हर इच्छा पूरी करूंगा।"

जूलियस ने रिवॉल्वर नीचे कर दी।

मुझे लगा था कि तुम समझदारी से काम लोगे। वो लड़की कहाँ है?

"केंट में गेटहाउस में। उस जगह को एस्टली प्रायर्स कहा जाता है।"

"क्या वह वहां कैदी है?"

"उसे घर से बाहर निकलने की इजाज़त नहीं है—हालांकि घर काफी सुरक्षित है। उस छोटी मूर्ख की याददाश्त चली गई है, धिक्कार है उस पर!"

"मुझे लगता है कि इससे तुम्हें और तुम्हारे दोस्तों को परेशानी हुई होगी। उस दूसरी लड़की का क्या हुआ, जिसे तुमने एक हफ्ते पहले बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए थे?"

रूसी ने उदास स्वर में कहा, "वह भी वहीं है।"

"वाह, बहुत बढ़िया," जूलियस ने कहा। "क्या सब कुछ खूबसूरती से नहीं हो रहा है? और दौड़ के लिए कितनी प्यारी रात है!"

"कौन सी दौड़?" क्रामेनिन ने घूरते हुए पूछा।

"गेटहाउस तक, ज़रूर। मुझे उम्मीद है कि आपको गाड़ी चलाना पसंद है?"

"तुम्हारा क्या मतलब है? मैं जाने से इनकार करता हूँ।"

"अब गुस्सा मत करो। तुम्हें समझना चाहिए कि मैं इतना नासमझ नहीं हूँ कि तुम्हें यहाँ अकेला छोड़ दूँ। तुम सबसे पहले उस टेलीफोन से अपने दोस्तों को फोन करोगे!

आह!" उसने दूसरे के चेहरे पर उदासी देखी। "देखो, तुमने सब कुछ ठीक कर लिया था। नहीं, जनाब, तुम मेरे साथ चल रहे हो। यह तुम्हारा बगल वाला कमरा है? अंदर आ जाओ। छोटा विली और मैं पीछे-पीछे आएंगे। मोटा कोट पहन लो, ठीक है। फर लगा हुआ? और तुम समाजवादी हो! अब हम तैयार हैं। हम सीढ़ियों से नीचे उतरेंगे और हॉल से होते हुए वहाँ पहुँचेंगे जहाँ मेरी कार इंतज़ार कर रही है। और यह मत भूलना कि मैंने हर कदम पर तुम्हारी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा है। मैं अपने कोट की जेब से भी सटीक निशाना लगा सकता हूँ। उन वर्दीधारी नौकरों में से किसी एक को एक शब्द भी कहा, या एक नज़र भी, तो सल्फर और ब्रिमस्टोन कारखाने में ज़रूर कोई अजनबी चेहरा होगा!"

वे दोनों साथ-साथ सीढ़ियों से नीचे उतरे और इंतज़ार कर रही कार की ओर चल दिए। रूसी गुस्से से कांप रहा था। होटल के नौकरों ने उन्हें घेर लिया। उसके होंठों पर चीखने का भाव था, लेकिन आखिरी क्षण में उसका हौसला जवाब दे गया। अमेरिकी अपने वचन का पक्का था।

जब वे कार तक पहुँचे, तो जूलियस ने राहत की साँस ली। खतरा टल गया था। डर ने उसके बगल में खड़े आदमी को सफलतापूर्वक सम्मोहित कर लिया था।

"अंदर आ जाओ," उसने आदेश दिया। फिर जैसे ही उसने दूसरे की तिरछी नज़र देखी, उसने कहा, "नहीं, ड्राइवर तुम्हारी कोई मदद नहीं करेगा। नौसेना में है। जब क्रांति शुरू हुई थी तब वह रूस में पनडुब्बी पर था। उसके एक भाई की तुम्हारे लोगों ने हत्या कर दी थी। जॉर्ज!"

"जी साहब?" ड्राइवर ने अपना सिर घुमाया।

"यह सज्जन एक रूसी बोल्शेविक हैं। हम उन्हें गोली मारना नहीं चाहते, लेकिन शायद ऐसा करना आवश्यक हो जाए। आप समझते हैं?"

"बिल्कुल ठीक है, महोदय।"

मैं केंट में गेटहाउस जाना चाहता हूँ। क्या आपको वहाँ का रास्ता पता है?

"जी जी सर, इसमें लगभग डेढ़ घंटे का समय लगेगा।"

"एक घंटा कर दीजिए। मुझे जल्दी है।"

"मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा, महोदय।" गाड़ी ट्रैफिक के बीच से तेज़ी से आगे बढ़ी। जूलियस अपने शिकार के बगल में आराम से बैठ गया। उसने अपना हाथ कोट की जेब में रखा हुआ था, लेकिन उसका व्यवहार अत्यंत शालीन था।

"एक बार मैंने एरिज़ोना में एक आदमी को गोली मारी थी----" उसने खुशी से कहना शुरू किया।
एक घंटे के प्रसारण के अंत में, दुर्भाग्यपूर्ण क्रामेनिन लगभग मृत अवस्था में था। एरिज़ोना के उस व्यक्ति के किस्से के बाद, फ्रिस्को का एक किस्सा और रॉकी पर्वतमाला की एक घटना भी हुई। जूलियस की वर्णन शैली, भले ही पूरी तरह सटीक न हो, लेकिन बेहद आकर्षक थी!
गाड़ी धीमी करते हुए, ड्राइवर ने पीछे मुड़कर बताया कि वे गेटहाउस में पहुँच रहे हैं। जूलियस ने रूसी ड्राइवर को रास्ता बताने को कहा। उसकी योजना सीधे घर तक गाड़ी ले जाने की थी। वहाँ क्रामेनिन को उन दोनों लड़कियों के बारे में पूछना था। जूलियस ने उसे समझाया कि लिटिल विली असफलता बर्दाश्त नहीं करेगा। इस समय तक, क्रामेनिन पूरी तरह से उसके वश में था। जिस तेज़ रफ़्तार से वे आए थे, उसने उसे और भी ज़्यादा कमज़ोर कर दिया था। हर मोड़ पर वह खुद को मरा हुआ समझ रहा था।
गाड़ी ड्राइववे पर तेजी से दौड़ी और बरामदे के सामने रुक गई। ड्राइवर ने आदेश जानने के लिए चारों ओर देखा।
"पहले गाड़ी मोड़ो, जॉर्ज। फिर घंटी बजाओ और अपनी जगह पर वापस आ जाओ। इंजन चालू रखो और जब मैं इशारा करूं तो पूरी ताकत से भागने के लिए तैयार रहना।"
"बहुत बढ़िया, महोदय।"
नौकर ने सामने का दरवाजा खोला। क्रामेनिन को महसूस हुआ कि रिवाल्वर की नली उसकी पसलियों से सटी हुई है।
"अब," जूलियस फुफकारा। "और सावधान रहना।"
रूसी ने इशारा किया। उसके होंठ सफेद पड़ गए थे और उसकी आवाज बहुत स्थिर नहीं थी:
"मैं हूँ—क्रामेनिन! लड़की को तुरंत नीचे लाओ! समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है!"
व्हिटिंगटन सीढ़ियों से नीचे आ गया था। दूसरे को देखकर वह आश्चर्य से भर उठा।
"तुम! क्या चल रहा है? तुम्हें तो योजना का पता ही होगा----"
क्रामेनिन ने उन्हें बीच में ही रोकते हुए उन शब्दों का प्रयोग किया जिनसे कई बार

अनावश्यक दहशत फैल चुकी है:
"हमारे साथ विश्वासघात हुआ है! सारी योजनाएँ रद्द करनी होंगी। हमें अपनी जान बचानी होगी। उस लड़की को! और तुरंत! यही हमारा एकमात्र मौका है।"
व्हिटिंगटन हिचकिचाया, लेकिन मुश्किल से एक पल के लिए।
"तुम्हें उनसे आदेश मिले हैं?"
"बिल्कुल! वरना मुझे यहाँ होना चाहिए था क्या? जल्दी करो! समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है। उस दूसरे छोटे मूर्ख को भी आ जाना चाहिए।"
व्हिटिंगटन मुड़ा और दौड़कर वापस घर के अंदर चला गया। दर्द भरे पल बीतते चले गए। तभी—चोगा ओढ़े दो लोग सीढ़ियों पर दिखाई दिए और उन्हें कार में धकेल दिया गया। उनमें से छोटी वाली विरोध करने को तैयार थी, तो व्हिटिंगटन ने उसे बिना किसी औपचारिकता के कार में बिठा दिया। जूलियस आगे झुका, और ऐसा करते ही खुले दरवाजे की रोशनी उसके चेहरे पर पड़ गई। व्हिटिंगटन के पीछे सीढ़ियों पर खड़े एक और आदमी ने चौंककर एक आवाज़ निकाली। अब छिपने का सिलसिला खत्म हो चुका था।
"जल्दी करो, जॉर्ज," जूलियस चिल्लाया।
ड्राइवर ने क्लच दबाया और कार झट से स्टार्ट हो गई।
सीढ़ियों पर खड़े आदमी ने गाली दी। उसका हाथ जेब की ओर गया। एक तेज रोशनी चमकी और धमाके की आवाज आई। गोली लंबी लड़की को बस एक इंच से छूकर निकल गई।
"नीचे बैठ जाओ, जेन," जूलियस चिल्लाया। "गाड़ी के नीचे वाले हिस्से पर एकदम लेट जाओ।" उसने उसे तेज़ी से आगे धकेला, फिर खड़े होकर उसने सावधानीपूर्वक निशाना साधा और गोली चला दी।
"क्या तुमने उसे मारा है?" टप्पेन्स ने उत्सुकता से पूछा।
"ज़रूर," जूलियस ने जवाब दिया। "लेकिन वो मरा नहीं है। ऐसे स्कंक को मारने में बहुत मेहनत लगती है। टप्पेन्स, तुम ठीक हो?"
"बिल्कुल, मैं हूँ। टॉमी कहाँ है? और यह कौन है?" उसने कांपते हुए क्रामेनिन की ओर इशारा किया।
टॉमी अर्जेंटीना के लिए निकल पड़ा है। मुझे लगता है उसने सोचा होगा कि तुमने आने से मना कर दिया है। गेट से धीरे-धीरे निकलो, जॉर्ज! ठीक है। हमारे पीछे आने में उन्हें

कम से कम पाँच मिनट लगेंगे। मुझे लगता है वे टेलीफोन का इस्तेमाल करेंगे, इसलिए आगे आने वाली मुश्किलों से सावधान रहना—और सीधा रास्ता मत लेना। कौन है, तुमने कहा, टप्पेन्स? मैं तुम्हें श्री क्रामेनिन से मिलवाता हूँ। मैंने उन्हें उनकी सेहत के लिए इस यात्रा पर आने के लिए मना लिया है।

रूसी व्यक्ति मौन रहा, वह अभी भी आतंक से उग्र था।

"लेकिन उन्होंने हमें जाने क्यों दिया?" टप्पेन्स ने संदेह से पूछा।

मुझे लगता है कि महाशय क्रामेनिन ने उनसे इतनी विनम्रता से पूछा कि वे मना ही नहीं कर सके!

यह बात रूसी व्यक्ति के लिए असहनीय थी। वह भड़क उठा:

"तुम्हें श्राप मिले—तुम्हें श्राप मिले! अब उन्हें पता चल गया है कि मैंने उनके साथ विश्वासघात किया है। इस देश में मेरी जान एक घंटे भी सुरक्षित नहीं रहेगी।"

"बिल्कुल सही," जूलियस ने सहमति जताते हुए कहा। "मैं आपको सलाह दूंगा कि आप तुरंत रूस के लिए रवाना हो जाएं।"

"तो मुझे जाने दो," दूसरे ने चिल्लाते हुए कहा। "मैंने वही किया है जो तुमने कहा था। फिर भी तुम मुझे अपने साथ क्यों रखे हुए हो?"

"आपकी मौजूदगी के लिए नहीं। मुझे लगता है कि अगर आप चाहें तो अभी जा सकते हैं। मुझे लगा था कि आप चाहेंगे कि मैं आपको वापस लंदन ले जाऊं।"

दूसरे ने गुस्से से कहा, "तुम शायद कभी लंदन न पहुँच पाओगे। मुझे अभी यहीं जाने दो।"

"ज़रूर। गाड़ी रोक लो, जॉर्ज। सज्जन वापसी यात्रा नहीं कर रहे हैं। अगर मैं कभी रूस आया, महाशय क्रामेनिन, तो मैं एक ज़ोरदार स्वागत की उम्मीद करूँगा, और----"

लेकिन जूलियस के भाषण समाप्त होने से पहले और कार के पूरी तरह रुकने से पहले ही, रूसी व्यक्ति कार से बाहर निकला और रात के अंधेरे में गायब हो गया।

"हमें छोड़कर जाने में थोड़ी बेचैनी हो रही है," जूलियस ने कहा, जब गाड़ी फिर से चलने लगी। "और महिलाओं को शालीनता से अलविदा कहने का भी उसे कोई ख्याल नहीं है। सुनो, जेन, अब तुम सीट पर बैठ सकती हो।"

पहली बार लड़की बोली।

"आपने उसे कैसे 'राज़ी' किया?" उसने पूछा।

जूलियस ने अपनी रिवॉल्वर को थपथपाया।

"इसका श्रेय नन्हे विली को जाता है!"
"शानदार!" लड़की चिल्लाई। उसके चेहरे पर लाली आ गई, उसकी आँखें प्रशंसा से जूलियस को देख रही थीं।
"एनेट और मुझे नहीं पता था कि हमारे साथ क्या होने वाला है," टप्पेन्स ने कहा। "बूढ़े व्हिटिंगटन ने हमें जल्दी से वहाँ से भगा दिया। हमें लगा जैसे भेड़ों को कत्लखाने ले जाया जा रहा हो।"
जूलियस ने कहा, "एनेट। क्या तुम उसे इसी नाम से बुलाते हो?"
ऐसा लग रहा था कि उसका दिमाग एक नए विचार के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहा है।
"यह उसका नाम है," टप्पेन्स ने अपनी आँखें बहुत चौड़ी करते हुए कहा।
"अरे!" जूलियस ने पलटकर जवाब दिया। "बेचारी, शायद उसे लगता होगा कि यह उसका नाम है, क्योंकि उसकी याददाश्त चली गई है। लेकिन असली और मूल जेन फिन तो हमारे पास है ही।"
"क्या?" टप्पेन्स चिल्लाई।
लेकिन तभी उसकी बात अधूरी रह गई। गुस्से में भरी एक गोली उसके सिर के ठीक पीछे कार की सीट में जा धंस गई।
"तुम सब मुर्दाबाद," जूलियस चिल्लाया। "यह घात लगाकर हमला है। ये लोग बहुत जल्दी हरकत में आ गए हैं। जॉर्ज, इसे थोड़ा धक्का दो।"
कार एकदम से आगे बढ़ी। तीन और गोलियां चलीं, लेकिन वे लक्ष्य से चूक गईं। जूलियस सीधा खड़ा था और कार के पीछे झुक गया।
"गोली चलाने के लिए कुछ नहीं है," उसने उदास स्वर में घोषणा की। "लेकिन मुझे लगता है कि जल्द ही एक और छोटी सी पिकनिक होगी। आह!"
उसने अपना हाथ अपने गाल पर रखा।
"तुम्हें चोट लगी है?" एनेट ने झट से कहा।
"बस एक मामूली खरोंच।"
लड़की झट से खड़ी हो गई।
"मुझे बाहर निकालो! मुझे बाहर निकालो, मैं कहती हूँ! गाड़ी रोको। वे मुझे ही ढूंढ रहे हैं। मुझे ही वे चाहते हैं। मेरी वजह से तुम्हारी जान नहीं जाएगी। मुझे जाने दो।" वह दरवाजे के कुंडी खोलने की कोशिश कर रही थी।

जूलियस ने उसके दोनों हाथ पकड़े और उसकी ओर देखा। उसकी बोली में विदेशी लहजे का कोई निशान नहीं था।
"बैठ जाओ, बच्चे," उसने नरमी से कहा। "मुझे लगता है तुम्हारी याददाश्त में कोई खराबी नहीं है। हमेशा से उन्हें बेवकूफ बनाते रहे हो, है ना?"
लड़की ने उसकी तरफ देखा, सिर हिलाया और फिर अचानक फूट-फूटकर रोने लगी। जूलियस ने उसके कंधे पर हाथ फेरा।
"बस यहीं बैठे रहो। हम तुम्हें जाने नहीं देंगे।"
सिसकते हुए लड़की ने अस्पष्ट स्वर में कहा:
"तुम अपने घर से हो। तुम्हारी आवाज़ से पता चल जाता है। इससे मुझे घर की याद आ जाती है।"
"हाँ, मैं यहीं का रहने वाला हूँ। मैं तुम्हारा चचेरा भाई हूँ - जूलियस हर्शाइमर। मैं तुम्हें ढूंढने के लिए ही यूरोप आया हूँ - और उस खूबसूरत नृत्य के लिए भी जो तुमने मुझे करवाया है।"
कार की रफ्तार धीमी हो गई। जॉर्ज ने पीछे मुड़कर कहा:
"यहाँ पर चौराहे हैं, महोदय। मुझे रास्ता नहीं पता।"
कार की गति इतनी धीमी हो गई कि वह लगभग रुकने लगी। ऐसा होते ही अचानक एक आकृति पीछे से चढ़कर उनके बीचोंबीच सिर के बल कूद पड़ी।
"माफ़ करना," टॉमी ने खुद को छुड़ाते हुए कहा।
उसे अचंभित उद्गारों के समूह का सामना करना पड़ा। उसने उनका अलग-अलग जवाब दिया:
"मैं सड़क के किनारे झाड़ियों में छिपी हुई थी। पीछे-पीछे लटकी रही। तुम्हारी रफ़्तार के बारे में पहले बता भी नहीं सकती थी। बस किसी तरह पीछे लटके रहना ही मेरे लिए मुश्किल था। अब तुम लड़कियाँ, निकल जाओ!"
"चले जाओ?"
"जी हां। उस सड़क पर थोड़ा आगे ही एक स्टेशन है। ट्रेन तीन मिनट में आने वाली है। अगर आप जल्दी करेंगे तो आपको ट्रेन मिल जाएगी।"
"तुम आखिर कहना क्या चाहते हो?" जूलियस ने गुस्से से पूछा। "क्या तुम्हें लगता है कि गाड़ी छोड़कर तुम उन्हें बेवकूफ बना सकते हो?"
"तुम और मैं गाड़ी से बाहर नहीं निकलेंगे। सिर्फ लड़कियां ही निकलेंगी।"

"तुम पागल हो गए हो, बेरेसफोर्ड। बिलकुल पागल! तुम उन लड़कियों को अकेले नहीं जाने दे सकते। अगर तुमने ऐसा किया तो सब कुछ खत्म हो जाएगा।"
टॉमी ने टप्पेन्स की ओर रुख किया।
"तुरंत निकल जाओ, टप्पेन्स। उसे अपने साथ ले जाओ, और जैसा मैं कहूँ वैसा ही करो। कोई तुम्हें नुकसान नहीं पहुँचाएगा। तुम सुरक्षित हो। लंदन जाने वाली ट्रेन पकड़ो। सीधे सर जेम्स पील एडगर्टन के पास जाओ। मिस्टर कार्टर शहर से बाहर रहते हैं, लेकिन उनके साथ तुम सुरक्षित रहोगी।"
"धिक्कार है तुम पर!" जूलियस चिल्लाया। "तुम पागल हो। जेन, तुम यहीं रहो।"
एक अचानक और तेज हरकत के साथ, टॉमी ने जूलियस के हाथ से रिवॉल्वर छीन ली और उसे उसकी ओर तान दिया।
"अब क्या आप मानेंगे कि मैं सच में गंभीर हूं? तुम दोनों बाहर निकलो और जैसा मैं कहता हूं वैसा करो—वरना मैं गोली चला दूंगा!"
टप्पेन्स उछलकर बाहर निकली और अनिच्छुक जेन को अपने पीछे घसीटती हुई ले गई।
"चलो, कोई बात नहीं। अगर टॉमी को यकीन है—उसे यकीन है। जल्दी करो। हमारी ट्रेन छूट जाएगी।"
वे भागने लगे।
जूलियस का दबा हुआ क्रोध फूट पड़ा।
"क्या बकवास है----"
टॉमी ने उसे बीच में ही रोक दिया।
"चुप हो जाओ! मुझे आपसे कुछ बात करनी है, श्री जूलियस हर्शाइमर।"

अध्याय XXV. जेन की कहानी

जेन का हाथ थामे, उसे घसीटते हुए टप्पेन्स स्टेशन पहुँची। उसकी तेज़ सुनने की शक्ति ने आती हुई ट्रेन की आवाज़ सुन ली।
"जल्दी करो, नहीं तो हम इसे चूक जाएंगे," वह हांफते हुए बोली।
वे प्लेटफार्म पर ठीक उसी समय पहुँचे जब ट्रेन रुक गई। टप्पेन्स ने खाली प्रथम श्रेणी के डिब्बे का दरवाजा खोला, और दोनों लड़कियाँ बेदम होकर गद्देदार सीटों पर बैठ गईं।

एक आदमी ने अंदर झाँका, फिर अगली बोगी की ओर बढ़ गया। जेन घबरा गई। डर से उसकी आँखें बड़ी हो गईं। उसने टप्पेन्स की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा।
"क्या आपको लगता है कि वह उनमें से एक है?" उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
टप्पेन्स ने अपना सिर हिलाया।
"नहीं, नहीं। सब ठीक है।" उसने जेन का हाथ अपने हाथ में लिया। "टॉमी ने हमें ऐसा करने के लिए तब तक नहीं कहा होता जब तक उसे पूरा यकीन न होता कि हम ठीक रहेंगे।"
"पर वो उन्हें उतना नहीं जानता जितना मैं जानती हूँ!" लड़की काँप उठी। "तुम समझ नहीं सकते। पाँच साल! पूरे पाँच साल! कभी-कभी तो मुझे लगता था कि मैं पागल हो जाऊँगी।"
"कोई बात नहीं। सब खत्म हो गया।"
"यह है?"
ट्रेन अब चल पड़ी थी, रात के अंधेरे में धीरे-धीरे बढ़ती रफ्तार से। अचानक जेन फिन चौंक गई।
"वो क्या था? मुझे लगा जैसे मैंने खिड़की से अंदर झांकता हुआ एक चेहरा देखा।"
"नहीं, कुछ नहीं है। देखो।" टप्पेन्स खिड़की के पास गई और पट्टा उठाकर शीशा नीचे गिरा दिया।
"क्या आपको यकीन है?"
"यकीन के साथ।"
दूसरे को शायद किसी बहाने की जरूरत महसूस हुई:
"मुझे लगता है मैं एक डरे हुए खरगोश की तरह व्यवहार कर रही हूँ, लेकिन मैं कुछ नहीं कर सकती। अगर उन्होंने मुझे अभी पकड़ लिया तो वे----" उसकी आँखें चौड़ी हो गईं और वह घूरने लगी।
"नहीं!" टप्पेन्स ने विनती की। "लेट जाओ, और सोचना बंद करो। तुम यकीन मानो कि अगर यह सुरक्षित नहीं होता तो टॉमी इसे सुरक्षित नहीं कहता।"
"मेरे चचेरे भाई की ऐसी राय नहीं थी। वह नहीं चाहता था कि हम ऐसा करें।"
"नहीं," टप्पेन्स ने कुछ शर्मिंदा होकर कहा।
"तुम क्या सोच रही हो?" जेन ने तीखे स्वर में कहा।
"क्यों?"

"तुम्हारी आवाज कितनी अजीब थी!"
"मैं कुछ सोच रही थी," टप्पेन्स ने कबूल किया। "लेकिन मैं तुम्हें बताना नहीं चाहती—अभी नहीं। हो सकता है मैं गलत हूँ, पर मुझे ऐसा नहीं लगता। यह बस एक विचार है जो बहुत पहले मेरे दिमाग में आया था। टॉमी के दिमाग में भी यही विचार है—मुझे लगभग यकीन है। लेकिन तुम चिंता मत करो—बाद में इसके लिए काफी समय होगा। और हो सकता है कि बाद में ऐसा हो ही न! मेरी बात मानो—लेट जाओ और कुछ मत सोचो।"
"मैं कोशिश करूंगी।" भूरी आँखों पर उसकी लंबी पलकें झुकी हुई थीं।
टप्पेन्स एकदम सीधी बैठी थी—जैसे कोई चौकस कुत्ता पहरा दे रहा हो। वह खुद पर काबू न रख पा रही थी, फिर भी घबराई हुई थी। उसकी नज़रें लगातार एक खिड़की से दूसरी खिड़की पर घूम रही थीं। उसने संचार तार की सही जगह पर ध्यान दिया। उसे किस बात का डर था, यह बताना उसके लिए मुश्किल था। लेकिन मन ही मन वह अपने शब्दों में दिख रहे आत्मविश्वास से बहुत दूर थी। ऐसा नहीं था कि उसे टॉमी पर भरोसा नहीं था, लेकिन कभी-कभी उसे यह शक होता था कि क्या टॉमी जैसा सीधा-सादा और ईमानदार इंसान उस शातिर अपराधी की चालाकी का मुकाबला कर सकता है।
अगर वे एक बार सर जेम्स पील एडगर्टन तक सुरक्षित पहुँच जाते, तो सब ठीक हो जाता। लेकिन क्या वे उन तक पहुँच पाएंगे? क्या मिस्टर ब्राउन की गुप्त सेनाएँ उनके खिलाफ पहले से ही इकट्ठा नहीं हो रही होंगी? टॉमी की रिवॉल्वर हाथ में लिए वह आखिरी तस्वीर भी उसे तसल्ली नहीं दे पाई। अब तक तो वह शायद हार चुका होगा, संख्या बल के आगे दब चुका होगा... टप्पेन्स ने अपनी अभियान योजना बनाई।
जब ट्रेन धीरे-धीरे चैरिंग क्रॉस में पहुंची, तो जेन फिन अचानक चौंककर उठ बैठी।
"क्या हम पहुँच गए? मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि हमें यहाँ पहुँचना चाहिए!"
"ओह, मुझे लगा था कि हम लंदन ठीक-ठाक पहुँच जाएँगे। अगर कोई मज़ा आना है तो अब शुरू होगा। जल्दी से बाहर निकलो। हम टैक्सी पकड़ लेंगे।"
एक मिनट के भीतर ही वे बैरियर पार कर चुके थे, आवश्यक किराया चुका चुके थे और टैक्सी में बैठ रहे थे।
"किंग्स क्रॉस," टप्पेन्स ने निर्देश दिया। फिर वह उछल पड़ी। जैसे ही वे चलने लगीं, एक आदमी ने खिड़की से अंदर झाँका। उसे लगभग यकीन था कि यह वही आदमी

था जो उनके बगल वाली गाड़ी में बैठा था। उसे चारों ओर से घिरने का भयानक एहसास होने लगा।
"देखो," उसने जेन को समझाया, "अगर उन्हें लगता है कि हम सर जेम्स के पास जा रहे हैं, तो इससे उनका ध्यान भटक जाएगा। अब वे सोचेंगे कि हम मिस्टर कार्टर के पास जा रहे हैं। उनका आलीशान घर लंदन के उत्तर में कहीं है।"
होल्बोर्न क्रॉस करते समय एक जाम लग गया और टैक्सी रुक गई। टप्पेन्स इसी पल का इंतजार कर रही थी।
"जल्दी करो," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "दाहिने हाथ का दरवाजा खोलो!"
दोनों लड़कियां सड़क पर उतरकर ट्रैफिक में आ गईं। दो मिनट बाद वे दूसरी टैक्सी में बैठ गईं और वापस उसी रास्ते पर चलने लगीं, इस बार सीधे कार्लटन हाउस टेरेस की ओर।
"लो," टप्पेन्स ने बड़ी संतुष्टि से कहा, "अब तो काम बन जाएगा। मुझे लगता है मैं वाकई बहुत चालाक हूँ! वो दूसरा टैक्सी वाला तो ज़रूर गुस्सा करेगा! लेकिन मैंने उसका नंबर ले लिया है, और मैं उसे कल एक पोस्टल ऑर्डर भेज दूँगा, ताकि अगर वो असली निकला तो उसे कोई नुकसान न हो। ये गाड़ी इधर-उधर क्यों लहरा रही है----ओह!"
तेज घर्षण की आवाज आई और एक जोरदार टक्कर हुई। एक दूसरी टैक्सी उनसे टकरा गई थी।
पलक झपकते ही टप्पेन्स फुटपाथ पर आ गई। एक पुलिसकर्मी आ रहा था। उसके आने से पहले ही टप्पेन्स ने ड्राइवर को पाँच शिलिंग दे दिए और वह और जेन भीड़ में गायब हो गईं।
"अब बस एक-दो कदम ही बचे हैं," टप्पेन्स ने हांफते हुए कहा। यह हादसा ट्रैफ़लगर स्क्वायर में हुआ था।
"क्या आपको लगता है कि टक्कर एक दुर्घटना थी, या जानबूझकर की गई थी?"
मुझे नहीं पता। दोनों में से कोई भी हो सकता था।
दोनों लड़कियां हाथ में हाथ डाले तेजी से आगे बढ़ीं।
"हो सकता है यह मेरा वहम हो," टप्पेन्स ने अचानक कहा, "लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है जैसे हमारे पीछे कोई है।"
"जल्दी करो!" दूसरे ने धीरे से कहा। "ओह, जल्दी करो!"

वे अब कार्लटन हाउस टेरेस के कोने पर थे, और उनका मनोबल बढ़ गया। अचानक एक लंबा-चौड़ा और नशे में धुत सा दिखने वाला आदमी उनके रास्ते में आकर रुक गया।

"शुभ संध्या, देवियों," उसने हिचकी लेते हुए कहा। "इतनी जल्दी कहाँ जा रहे हो?"

"हमें जाने दीजिए, कृपया," टप्पेन्स ने दबंगई से कहा।

"बस तुम्हारी इस प्यारी दोस्त से थोड़ी बात करनी है।" उसने कांपते हुए हाथ से जेन का कंधा पकड़ लिया। टप्पेन्स ने पीछे से दूसरे कदमों की आहट सुनी। उसने यह जानने की कोशिश नहीं की कि वे दोस्त हैं या दुश्मन। सिर झुकाकर उसने बचपन की एक हरकत दोहराई और हमलावर के चौड़े पेट पर ज़ोर से टक्कर मार दी। उसकी ये गैर-खेल भावना वाली चाल तुरंत कारगर साबित हुई। वह आदमी अचानक फुटपाथ पर बैठ गया। टप्पेन्स और जेन भागने लगीं। जिस घर की उन्हें तलाश थी, वह कुछ दूर था। उनके पीछे दूसरे कदमों की आहट गूंजी। सर जेम्स के दरवाजे पर पहुँचते-पहुँचते उनकी साँसें घुट रही थीं। टप्पेन्स ने घंटी पकड़ी और जेन ने दरवाज़े की कुंडी।

जिस व्यक्ति ने उन्हें रोका था, वह सीढ़ियों के नीचे तक पहुँच गया। एक पल के लिए वह झिझका, और जैसे ही वह झिझका, दरवाजा खुल गया। वे दोनों एक साथ हॉल में गिर पड़े। सर जेम्स पुस्तकालय के दरवाजे से आगे आए।

"हेलो! ये क्या है?"

वह आगे बढ़ा और लड़खड़ाती हुई जेन के कंधे पर हाथ रख दिया। उसे आधा उठाकर पुस्तकालय में ले गया और चमड़े के सोफे पर लिटा दिया। मेज पर रखे एक बर्तन से उसने ब्रांडी की कुछ बूँदें निकालीं और उसे जबरदस्ती पिला दी। एक आह भरकर वह उठ बैठी, उसकी आँखें अभी भी भयभीत और डरावनी थीं।

"कोई बात नहीं। डरो मत, मेरे बच्चे। तुम बिल्कुल सुरक्षित हो।"

उसकी सांसें पहले से ज़्यादा सामान्य हो गईं और उसके गालों की रौनक लौट आई। सर जेम्स ने टप्पेन्स को हैरानी से देखा।

"तो आप मरी नहीं हैं, मिस टप्पेन्स, ठीक वैसे ही जैसे आपका वो टॉमी लड़का मरा नहीं था!"

"युवा साहसी सैनिकों को मारने में बहुत मार पड़ती है," टप्पेन्स ने शेखी बघारी।

"ऐसा लगता है," सर जेम्स ने रूखेपन से कहा। "क्या मैं सही सोच रहा हूँ कि संयुक्त उद्यम सफल रहा है, और यह"—उन्होंने सोफे पर बैठी लड़की की ओर मुड़कर कहा

—"मिस जेन फिन हैं?"
जेन उठकर बैठ गई।
"हां," उसने धीमी आवाज़ में कहा, "मैं जेन फिन हूं। मुझे आपको बहुत कुछ बताना है।"
"जब आप अधिक मजबूत होंगे----"
"नहीं—अभी!" उसकी आवाज़ थोड़ी ऊंची हो गई। "सब कुछ बता देने के बाद ही मैं ज़्यादा सुरक्षित महसूस करूंगी।"
"जैसी आपकी इच्छा," वकील ने कहा।
वह सोफे के सामने रखी बड़ी-बड़ी आरामकुर्सियों में से एक पर बैठ गया। जेन ने धीमी आवाज़ में अपनी कहानी शुरू की।
मैं पेरिस में नौकरी करने के लिए लुसिटानिया जहाज से आया था। मैं युद्ध के बारे में बहुत उत्सुक था और किसी न किसी तरह से मदद करने के लिए बेताब था। मैं फ्रेंच भाषा सीख रहा था और मेरे शिक्षक ने बताया कि पेरिस के एक अस्पताल में मदद की ज़रूरत है, इसलिए मैंने पत्र लिखकर अपनी सेवाएं देने की पेशकश की और उन्हें स्वीकार कर लिया गया। मेरे अपने कोई रिश्तेदार नहीं थे, इसलिए सब कुछ व्यवस्थित करना आसान हो गया।
जब लुसिटानिया पर टारपीडो से हमला हुआ, तो एक आदमी मेरे पास आया। मैंने उसे कई बार देखा था और मैंने मन ही मन समझ लिया था कि वह किसी न किसी चीज़ से डरा हुआ है। उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं एक देशभक्त अमेरिकी हूँ, और बताया कि उसके पास कुछ ऐसे दस्तावेज़ हैं जो मित्र देशों के लिए जीवन-मरण का सवाल हैं। उसने मुझसे उन्हें अपने पास रखने को कहा। मुझे टाइम्स अखबार में विज्ञापन का इंतज़ार करना था। अगर विज्ञापन नहीं छपता, तो मुझे उन्हें अमेरिकी राजदूत के पास ले जाना था।
इसके बाद जो कुछ हुआ, वो अब भी किसी बुरे सपने जैसा लगता है। कभी-कभी मुझे वो सपने में भी दिखाई देता है... मैं उस हिस्से को जल्दी से निपटा देती हूँ। मिस्टर डैनवर्स ने मुझे सावधान रहने को कहा था। शायद न्यूयॉर्क से कोई उनका पीछा कर रहा था, लेकिन उन्हें ऐसा नहीं लगता था। पहले तो मुझे कोई शक नहीं हुआ, लेकिन होलीहेड जाने वाली नाव पर मुझे बेचैनी होने लगी। एक महिला थी जो मेरी बहुत देखभाल करती थी और मुझसे दोस्ती करना चाहती थी - मिसेज़ वैंडमेयर। पहले तो मैं

उनके प्रति इतनी दयालुता दिखाने के लिए आभारी थी; लेकिन हर पल मुझे लगता था कि उनमें कुछ तो ऐसा है जो मुझे पसंद नहीं है, और आयरिश नाव पर मैंने उन्हें कुछ अजीब से दिखने वाले आदमियों से बात करते देखा, और उनके हाव-भाव से मुझे लगा कि वे मेरे बारे में बात कर रहे थे। मुझे याद आया कि जब मिस्टर डैनवर्स ने मुझे पैकेट दिया था, तब वो लुसिटानिया पर मेरे काफी करीब थीं, और उससे पहले भी उन्होंने एक-दो बार उनसे बात करने की कोशिश की थी। मुझे डर लगने लगा, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूँ।

"मेरे मन में एक अजीब सा ख्याल आया कि मैं होलीहेड में ही रुक जाऊं और उस दिन लंदन न जाऊं, लेकिन जल्द ही मुझे समझ आ गया कि यह सरासर मूर्खता होगी। एकमात्र उपाय यही था कि मैं ऐसा दिखावा करूं जैसे मुझे कुछ पता ही नहीं चला और सब ठीक होने की उम्मीद करूं। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि अगर मैं सतर्क रहूं तो वे मुझे कैसे पकड़ पाएंगे। एक काम मैंने एहतियात के तौर पर पहले ही कर लिया था - मैंने ऑइलस्किन का पैकेट फाड़कर उसमें सादा कागज रख दिया था और फिर उसे सिल दिया था। इसलिए, अगर कोई उसे मुझसे चुरा भी लेता, तो कोई फर्क नहीं पड़ता।"

"असली चीज़ का क्या करूँ, इस बात को लेकर मैं बहुत परेशान था। आखिरकार मैंने उसे खोलकर चपटा कर दिया—उसमें सिर्फ़ दो पन्ने थे—और उसे एक पत्रिका के विज्ञापन वाले दो पन्नों के बीच रख दिया। मैंने एक लिफ़ाफ़े से गोंद निकालकर दोनों पन्नों को किनारों से चिपका दिया। फिर मैंने पत्रिका को लापरवाही से अपने अल्स्टर की जेब में ठूँस कर रख लिया।"

होलीहेड में मैंने ऐसे लोगों के साथ गाड़ी में बैठने की कोशिश की जो देखने में ठीक-ठाक लग रहे थे, लेकिन अजीब तरह से मेरे चारों ओर हमेशा भीड़ मंडराती रहती थी और मुझे धक्का देती रहती थी, ठीक उसी तरह जैसे मैं जाना नहीं चाहती थी। इसमें कुछ अजीब और डरावना सा था। आखिरकार मैं श्रीमती वैंडमेयर के साथ एक गाड़ी में बैठ गई। मैं गलियारे में गई, लेकिन बाकी सभी गाड़ियाँ भरी हुई थीं, इसलिए मुझे वापस जाकर बैठना पड़ा। मैंने यह सोचकर खुद को तसल्ली दी कि गाड़ी में और भी लोग थे - ठीक सामने एक सुंदर दिखने वाला आदमी और उसकी पत्नी बैठे थे। इसलिए लंदन से कुछ ही दूर तक मुझे लगभग खुशी महसूस हुई। मैं पीछे झुक गई और अपनी आँखें बंद कर लीं। मुझे लगता है कि उन्हें लगा कि मैं सो रही हूँ, लेकिन

मेरी आँखें पूरी तरह बंद नहीं थीं, और अचानक मैंने देखा कि वह सुंदर दिखने वाला आदमी अपने बैग से कुछ निकालता है और श्रीमती वैंडमेयर को देता है, और ऐसा करते हुए उसने आँख मारी...

मैं आपको बता नहीं सकती कि उस आँख मारने से मैं कैसे एकदम जम सी गई। मेरा बस यही ख्याल था कि जितनी जल्दी हो सके गलियारे में निकल जाऊं। मैं उठी, कोशिश कर रही थी कि सब कुछ स्वाभाविक और सहज लगे। शायद उन्होंने कुछ देख लिया हो—मुझे नहीं पता—लेकिन अचानक श्रीमती वैंडमेयर ने 'अब' कहा और जब मैंने चीखने की कोशिश की तो उन्होंने मेरे नाक और मुंह पर कुछ फेंक दिया। उसी क्षण मुझे अपने सिर के पिछले हिस्से पर एक ज़ोरदार झटका लगा...

वह सिहर उठी। सर जेम्स ने सहानुभूतिपूर्वक कुछ बुदबुदाया। एक मिनट में उसने फिर बोलना शुरू किया:

मुझे नहीं पता कि होश आने में कितना समय लगा। मैं बहुत बीमार और अस्वस्थ महसूस कर रही थी। मैं एक गंदे बिस्तर पर लेटी थी। उसके चारों ओर एक पर्दा लगा था, लेकिन कमरे में दो लोगों की बातें सुनाई दे रही थीं। श्रीमती वैंडमेयर उनमें से एक थीं। मैंने सुनने की कोशिश की, लेकिन पहले तो मुझे कुछ समझ नहीं आया। जब आखिरकार मुझे समझ आने लगा कि क्या हो रहा है - मैं बुरी तरह डर गई! मुझे आश्चर्य है कि मैं वहीं चीख क्यों नहीं पड़ी।

"उन्हें कागज़ात नहीं मिले थे। उन्हें खाली पन्नों वाला तेल से सने चमड़े का पैकेट मिला था, और वे बहुत गुस्से में थे! उन्हें नहीं पता था कि मैंने कागज़ात बदले थे या डैनवर्स नकली संदेश ले जा रहा था, जबकि असली संदेश कहीं और भेजा गया था। वे मुझसे सच उगलवाने के लिए मुझे यातना देने की बात कर रहे थे!" - उसने अपनी आँखें बंद कर लीं।

"मुझे पहले कभी डर का मतलब ही नहीं पता था—सचमुच भयानक डर! एक बार वे मुझे देखने आए। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और बेहोश होने का नाटक किया, लेकिन मुझे डर था कि वे मेरे दिल की धड़कन सुन लेंगे। हालांकि, वे फिर चले गए। मैं पागलों की तरह सोचने लगी। मैं क्या कर सकती थी? मुझे पता था कि मैं यातना को ज्यादा देर तक सहन नहीं कर पाऊंगी।"

अचानक मेरे मन में स्मृति खोने का ख्याल आया। यह विषय मुझे हमेशा से दिलचस्प लगता था, और मैंने इसके बारे में बहुत कुछ पढ़ा था। मुझे इसके बारे में पूरी

जानकारी थी। काश मैं अपना झूठ बोलने में कामयाब हो जाता, तो शायद मेरी जान बच जाती। मैंने प्रार्थना की और एक गहरी सांस ली। फिर मैंने अपनी आंखें खोलीं और फ्रेंच में बड़बड़ाने लगा!

"श्रीमती वैंडमेयर तुरंत पर्दे के पीछे आ गईं। उनका चेहरा इतना दुष्ट था कि मैं लगभग मर ही गया, लेकिन मैंने संशय से मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखा और उनसे फ्रेंच में पूछा कि मैं कहाँ हूँ।"

"मुझे दिख रहा था कि वह उलझन में थी। उसने उस आदमी को बुलाया जिससे वह बात कर रही थी। वह स्क्रीन के पास खड़ा था, उसका चेहरा छाया में था। उसने मुझसे फ्रेंच में बात की। उसकी आवाज़ बहुत साधारण और धीमी थी, लेकिन पता नहीं क्यों, उसने मुझे उस औरत से भी ज़्यादा डरा दिया। मुझे लगा जैसे उसने मुझे पूरी तरह से समझ लिया हो, लेकिन मैं अपना किरदार निभाती रही। मैंने फिर पूछा कि मैं कहाँ हूँ, और फिर कहने लगी कि मुझे कुछ याद रखना ही है—ज़रूर याद रखना है—लेकिन उस पल सब कुछ गायब हो गया। मैं और ज़्यादा परेशान होती गई। उसने मेरा नाम पूछा। मैंने कहा कि मुझे नहीं पता—कि मुझे कुछ भी याद नहीं है।"

अचानक उसने मेरी कलाई पकड़ ली और उसे मरोड़ने लगा। दर्द असहनीय था। मैं चीखी। वह मरोड़ता रहा। मैं चीखती रही, लेकिन किसी तरह फ्रेंच में कुछ शब्द बोल पाई। पता नहीं मैं कितनी देर तक चीखती रहती, लेकिन सौभाग्य से मैं बेहोश हो गई। आखिरी बात जो मैंने सुनी, वह थी उसकी आवाज़: 'यह कोई झूठ नहीं है! वैसे भी, उसकी उम्र की बच्ची को इतनी जानकारी नहीं होगी।' मुझे लगता है कि वह भूल गया कि अमेरिकी लड़कियां अंग्रेजी लड़कियों की तुलना में अपनी उम्र से ज्यादा समझदार होती हैं और वैज्ञानिक विषयों में अधिक रुचि रखती हैं।

जब मुझे होश आया, तो श्रीमती वैंडमेयर मेरे साथ बहुत ही मधुरता से पेश आईं। शायद उन्हें आदेश मिला था। उन्होंने मुझसे फ्रेंच में बात की और बताया कि मुझे सदमा लगा था और मैं बहुत बीमार हो गई थी। मैं जल्द ही ठीक हो जाऊंगी। मैंने थोड़ा हैरान होने का नाटक किया और धीरे से कहा कि 'डॉक्टर' ने मेरी कलाई में चोट पहुँचाई है। यह सुनकर उन्हें राहत मिली।

कुछ देर बाद वह कमरे से पूरी तरह बाहर चली गई। मुझे अब भी शक था, इसलिए मैं कुछ देर तक चुपचाप लेटा रहा। लेकिन अंत में, मैं उठा और कमरे का चारों ओर घूमकर उसका मुआयना करने लगा। मैंने सोचा कि अगर कोई मुझे कहीं से देख भी

रहा होता, तो भी इन परिस्थितियों में यह स्वाभाविक ही लगता। कमरा गंदा और मैला था। वहाँ कोई खिड़की नहीं थी, जो अजीब लग रहा था। मैंने अंदाज़ा लगाया कि दरवाज़ा बंद होगा, लेकिन मैंने उसे खोलने की कोशिश नहीं की। दीवारों पर कुछ पुरानी, टूटी-फूटी तस्वीरें लगी थीं, जिनमें फाउस्ट के दृश्य दिखाए गए थे।

जेन के दोनों श्रोताओं ने एक साथ "आह!" कहा। लड़की ने सिर हिलाया।

"हाँ—यह सोहो में वही जगह थी जहाँ श्री बेरेसफोर्ड को कैद किया गया था। बेशक, उस समय मुझे यह भी नहीं पता था कि मैं लंदन में हूँ या नहीं। एक बात मुझे बहुत परेशान कर रही थी, लेकिन जब मैंने अपनी जैकेट को कुर्सी की पीठ पर लापरवाही से पड़ा देखा तो मेरे दिल को बहुत राहत मिली। और पत्रिका अभी भी जेब में लिपटी हुई थी!"

काश, मुझे यकीन होता कि कोई मुझे देख नहीं रहा है! मैंने दीवारों के चारों ओर ध्यान से देखा। कहीं भी कोई झाँकने का छेद नहीं दिख रहा था—फिर भी मुझे अंदर से लग रहा था कि ज़रूर होगा। अचानक मैं मेज़ के किनारे पर बैठ गई और अपना चेहरा हाथों में छिपाकर 'हे भगवान! हे भगवान!' सिसकते हुए बोली। मेरे कान बहुत तेज़ हैं। मुझे साफ़-साफ़ किसी पोशाक की सरसराहट और हल्की सी चरमराहट सुनाई दी। मेरे लिए इतना ही काफ़ी था। कोई मुझे देख रहा था!

मैं फिर से बिस्तर पर लेट गया, और थोड़ी देर में श्रीमती वैंडमेयर मेरे लिए रात का खाना ले आईं। वह अब भी उतनी ही मधुर थीं जितनी आमतौर पर होती हैं। मुझे लगता है कि उन्हें मेरा विश्वास जीतने के लिए कहा गया था। थोड़ी देर बाद उन्होंने ऑइलस्किन का पैकेट निकाला और मुझसे पूछा कि क्या मैं इसे पहचानता हूँ, और लगातार मुझे एक चालाक लोमड़ी की तरह देखती रहीं।

मैंने उसे उठाया और उलझन भरे अंदाज़ में पलटकर देखा। फिर मैंने अपना सिर हिलाया। मैंने कहा कि मुझे इसके बारे में कुछ तो याद आना चाहिए, ऐसा लग रहा था जैसे सब कुछ याद आ रहा हो, और फिर, इससे पहले कि मैं उसे पकड़ पाती, वह फिर से गायब हो गया। फिर उसने मुझे बताया कि मैं उसकी भतीजी हूँ, और मुझे उसे 'आंटी रीटा' कहकर बुलाना है। मैंने आज्ञाकारी होकर ऐसा किया, और उसने मुझे चिंता न करने को कहा—मेरी याददाश्त जल्द ही वापस आ जाएगी। वह एक भयानक रात थी। मैंने उसके इंतज़ार में अपनी योजना बनाई थी। कागज़ात अब तक सुरक्षित थे, लेकिन मैं उन्हें वहाँ और ज़्यादा देर तक छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकती थी। वे

उस पत्रिका को किसी भी पल फेंक सकते थे। मैं जागती रही और इंतज़ार करती रही जब तक मुझे लगा कि सुबह के लगभग दो बज गए होंगे। फिर मैं जितना हो सके धीरे से उठी, और अँधेरे में बाईं ओर की दीवार पर हाथ फेरा। बहुत धीरे से, मैंने एक तस्वीर को उसके कील से हटाया—मार्गुराइट अपने गहनों के बक्से के साथ। मैं दबे पांव अपने कोट के पास गया और उसमें से पत्रिका और एक-दो लिफाफे निकाले जो मैंने उसमें ठूंस रखे थे। फिर मैं वॉशस्टैंड के पास गया और तस्वीर के पीछे लगे भूरे कागज को चारों तरफ से गीला कर दिया। थोड़ी देर में मैं उसे अलग करने में कामयाब हो गया। मैंने पत्रिका के चिपके हुए दो पन्ने पहले ही फाड़ दिए थे और अब मैंने उन्हें उनके कीमती कवर के साथ तस्वीर और उसके भूरे कागज के बीच में रख दिया। लिफाफों से थोड़ा सा गोंद लेकर मैंने कागज को फिर से चिपका दिया। किसी को सपने में भी नहीं लगा होगा कि तस्वीर के साथ कभी छेड़छाड़ की गई थी। मैंने उसे वापस दीवार पर टांग दिया, पत्रिका को वापस अपने कोट की जेब में रख लिया और दबे पांव बिस्तर पर लौट गया। मैं अपने छिपने की जगह से खुश था। वे कभी भी अपनी ही तस्वीर को टुकड़े-टुकड़े करने के बारे में नहीं सोचेंगे। मुझे उम्मीद थी कि वे इस नतीजे पर पहुंचेंगे कि डैनवर्स शुरू से ही एक नकली तस्वीर लेकर घूम रहा था और अंत में वे मुझे जाने देंगे।

"सच कहूँ तो, मुझे लगता है कि पहले तो उन्होंने यही सोचा था, और एक तरह से यह मेरे लिए खतरनाक था। बाद में मुझे पता चला कि वे लगभग मुझे वहीं मार डालने वाले थे—मुझे छोड़ने की कोई उम्मीद नहीं थी—लेकिन पहला आदमी, जो बॉस था, उसने मुझे ज़िंदा रखना बेहतर समझा, इस उम्मीद में कि मैंने उन्हें छिपाया होगा, और अगर मेरी याददाश्त वापस आ गई तो मैं बता पाऊँगा कि वे कहाँ छिपे हैं। उन्होंने हफ़्तों तक मुझ पर लगातार नज़र रखी। कभी-कभी वे मुझसे घंटों सवाल पूछते थे—मुझे लगता है कि उन्हें तृतीय-श्रेणी की पूछताछ के बारे में सब पता था!—लेकिन किसी तरह मैंने खुद को संभाले रखा। हालाँकि, इसका तनाव बहुत भयानक था..."

"वे मुझे वापस आयरलैंड ले गए, और यात्रा के हर पड़ाव को फिर से दोहराया, कहीं मैंने उसे रास्ते में छिपा न दिया हो। श्रीमती वैंडमेयर और एक अन्य महिला एक पल के लिए भी मुझसे अलग नहीं हुईं। वे मेरे बारे में श्रीमती वैंडमेयर के एक युवा रिश्तेदार के रूप में बात करती थीं, जिसका मानसिक संतुलन लुसिटानिया के सदमे से बिगड़ गया था। उनके सामने अपनी पहचान उजागर किए बिना मैं किसी से मदद नहीं मांग

सकती थी, और अगर मैंने जोखिम उठाया और असफल रही - और श्रीमती वैंडमेयर इतनी अमीर और इतने सुंदर कपड़े पहने हुए थीं कि मुझे पूरा यकीन था कि वे मेरी बात के बजाय उनकी बात पर विश्वास करेंगी, और सोचेंगी कि खुद को 'उत्पीड़ित' समझना मेरी मानसिक परेशानी का हिस्सा है - मुझे डर था कि जब उन्हें पता चलेगा कि मैं सिर्फ नाटक कर रही थी, तो मेरे लिए आने वाली भयावहता बहुत भयानक होगी।"

सर जेम्स ने सहमति में सिर हिलाया।

"श्रीमती वैंडमेयर एक प्रभावशाली व्यक्तित्व की धनी महिला थीं। उनके व्यक्तित्व और सामाजिक प्रतिष्ठा के बल पर, उन्हें आपके दृष्टिकोण के विरुद्ध अपना दृष्टिकोण थोपने में कोई कठिनाई नहीं होती। आपके द्वारा उन पर लगाए गए सनसनीखेज आरोपों को आसानी से विश्वसनीयता नहीं मिलती।"

"मैंने भी यही सोचा था। नतीजा यह हुआ कि मुझे बॉर्नमाउथ के एक सैनिटोरियम में भेज दिया गया। पहले तो मैं तय ही नहीं कर पा रही थी कि यह सब दिखावा है या सच। एक अस्पताल की नर्स मेरी देखभाल कर रही थी। मैं एक खास मरीज थी। वह इतनी अच्छी और सामान्य लग रही थी कि आखिरकार मैंने उससे सब कुछ बताने का फैसला किया। ईश्वर की कृपा से मैं समय रहते जाल में फंसने से बच गई। मेरा दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था और मैंने उसे गलियारे में किसी से बात करते हुए सुना। वह उन्हीं में से एक थी! उन्हें अब भी लग रहा था कि यह सब मेरी तरफ से एक चाल हो सकती है, और इसीलिए उसे मेरी देखभाल का जिम्मा सौंपा गया था ताकि वे पक्का कर सकें! उसके बाद तो मेरा सारा साहस ही खत्म हो गया। मैं किसी पर भी भरोसा करने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी।"

"मुझे लगता है मैंने लगभग खुद को सम्मोहित कर लिया था। कुछ समय बाद, मैं लगभग भूल ही गई थी कि मैं वास्तव में जेन फिन हूँ। मैं जेनेट वैंडमेयर की भूमिका निभाने में इतनी मग्न थी कि मेरी नसें मुझे धोखा देने लगीं। मैं सचमुच बीमार पड़ गई —महीनों तक मैं एक तरह की बेहोशी में डूबी रही। मुझे यकीन हो गया था कि मैं जल्द ही मर जाऊंगी, और कुछ भी मायने नहीं रखता था। कहते हैं कि पागलखाने में बंद एक समझदार व्यक्ति अक्सर पागल हो जाता है। मुझे लगता है मैं भी वैसी ही थी। अपनी भूमिका निभाना मेरे लिए स्वाभाविक हो गया था। अंत में मैं दुखी भी नहीं थी—बस उदासीन थी। कुछ भी मायने नहीं रखता था। और साल बीतते चले गए।"

"और फिर अचानक सब कुछ बदल गया। श्रीमती वैंडमेयर लंदन से आईं। उन्होंने और डॉक्टर ने मुझसे सवाल पूछे, कई तरह के इलाज आजमाए। मुझे पेरिस के किसी विशेषज्ञ के पास भेजने की बात भी हुई। आखिर में, उन्होंने जोखिम लेने की हिम्मत नहीं की। मैंने कुछ ऐसा सुना जिससे लगा कि कुछ और लोग—मेरे दोस्त—मुझे ढूंढ रहे थे। बाद में मुझे पता चला कि मेरी देखभाल करने वाली नर्स पेरिस गई और खुद को मैं बताकर एक विशेषज्ञ से सलाह ली। उन्होंने नर्स के कई परीक्षण किए और उसकी याददाश्त खोने का नाटक साबित कर दिया; लेकिन नर्स ने विशेषज्ञ के तरीकों को नोट कर लिया था और उन्हें मुझ पर आजमाया। मैं कह सकती हूँ कि मैं उस विशेषज्ञ को एक मिनट के लिए भी धोखा नहीं दे सकती थी—किसी विषय का जीवन भर अध्ययन करने वाला व्यक्ति अद्वितीय होता है—लेकिन मैं एक बार फिर उनके सामने अपनी बात रखने में कामयाब रही। इतने लंबे समय तक खुद को जेन फिन न समझने की वजह से यह आसान हो गया।"

"एक रात मुझे अचानक लंदन ले जाया गया। वे मुझे सोहो स्थित घर वापस ले गए। जैसे ही मैं उस पागलखाने से बाहर निकला, मुझे अलग सा महसूस हुआ—जैसे मेरे अंदर कुछ ऐसा था जो लंबे समय से दबा हुआ था और फिर से जाग रहा था।"

"उन्होंने मुझे मिस्टर बेरेसफोर्ड की सेवा करने के लिए भेजा। (बेशक, तब मुझे उनका नाम नहीं पता था।) मुझे शक हुआ—मुझे लगा कि यह एक और जाल है। लेकिन वह इतने ईमानदार लग रहे थे कि मुझे यकीन ही नहीं हुआ। हालांकि, मैंने जो कुछ भी कहा, उसमें सावधानी बरती, क्योंकि मुझे पता था कि हमारी बातें सुनी जा सकती हैं। दीवार में ऊपर की तरफ एक छोटा सा छेद है।"

"लेकिन रविवार दोपहर को घर पर एक संदेश आया। वे सब बहुत परेशान थे। उनकी जानकारी के बिना, मैंने सुन लिया। खबर आई थी कि उसे मार डाला जाएगा। मुझे आगे का हिस्सा बताने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आप जानते ही हैं। मैंने सोचा कि मेरे पास ऊपर जाकर कागज़ात को उनके गुप्त स्थान से लाने का समय होगा, लेकिन मैं फंस गई। इसलिए मैंने चिल्लाकर कहा कि वह भाग रहा है, और मैंने कहा कि मैं मार्गुराइट के पास वापस जाना चाहती हूँ। मैंने तीन बार बहुत ज़ोर से उसका नाम पुकारा। मुझे पता था कि बाकी लोग सोचेंगे कि मेरा मतलब श्रीमती वैंडमेयर से है, लेकिन मुझे उम्मीद थी कि इससे श्री बेरेसफोर्ड को तस्वीर याद आ जाएगी। उन्होंने पहले दिन ही एक तस्वीर निकाली थी - इसी वजह से मुझे उन पर भरोसा करने में

हिचकिचाहट हुई थी।"
वह रुक गई।
"तो फिर," सर जेम्स ने धीरे से कहा, "कागजात अभी भी उस कमरे में तस्वीर के पीछे ही हैं।"
"हां।" लंबी कहानी के तनाव से थककर लड़की सोफे पर वापस लेट गई।
सर जेम्स उठ खड़े हुए। उन्होंने अपनी घड़ी देखी।
"चलो," उसने कहा, "हमें तुरंत चलना होगा।"
"आज रात?" टप्पेन्स ने आश्चर्य से पूछा।
सर जेम्स ने गंभीरता से कहा, "कल तक बहुत देर हो सकती है। इसके अलावा, आज रात जाकर हमारे पास उस महान व्यक्ति और कुख्यात अपराधी - श्री ब्राउन - को पकड़ने का मौका है!"
वहाँ सन्नाटा छा गया, और सर जेम्स ने बोलना जारी रखा:
"यहाँ तक तुम्हारा पीछा किया गया है—इसमें कोई शक नहीं। जब हम घर से निकलेंगे तो फिर से हमारा पीछा किया जाएगा, लेकिन हमें परेशान नहीं किया जाएगा, क्योंकि मिस्टर ब्राउन की यही योजना है कि हम उनका नेतृत्व करें। लेकिन सोहो का घर दिन-रात पुलिस की निगरानी में है। कई लोग उस पर नज़र रख रहे हैं। जब हम उस घर में प्रवेश करेंगे, तो मिस्टर ब्राउन पीछे नहीं हटेंगे—वह अपनी योजना को अंजाम देने के लिए चिंगारी पाने के मौके पर सब कुछ दांव पर लगा देंगे। और उन्हें लगता है कि खतरा ज्यादा बड़ा नहीं है—क्योंकि वह एक दोस्त के वेश में प्रवेश करेंगे!"
टप्पेन्स का चेहरा लाल हो गया, फिर उसने आवेग में आकर अपना मुंह खोल दिया।
"लेकिन एक बात ऐसी है जो तुम नहीं जानतीं—जो हमने तुम्हें नहीं बताई है।" उसकी निगाहें हैरानी से जेन पर टिक गईं।
"यह क्या है?" दूसरे ने तीखे स्वर में पूछा। "कोई संकोच नहीं, मिस टप्पेन्स। हमें अपने जाने के बारे में पूरी तरह आश्वस्त होना होगा।"
लेकिन टप्पेन्स, पहली बार, मानो चुप हो गई थी।
"यह बहुत मुश्किल है—देखो, अगर मैं गलत हुई तो—ओह, यह कितना भयानक होगा।" उसने बेहोश जेन की तरफ मुंह बनाया। "मुझे कभी माफ मत करना," उसने रहस्यमय ढंग से कहा।
"तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारी मदद करूं, है ना?"

"जी हां, कृपया। आप जानते हैं कि मिस्टर ब्राउन कौन हैं, है ना?"
"जी हां," सर जेम्स ने गंभीरता से कहा। "आखिरकार मैं करता हूं।"
"आखिरकार?" टप्पेन्स ने संदेह से पूछा। "ओह, लेकिन मुझे लगा था----" वह रुक गई।
"आपने बिल्कुल सही सोचा, मिस टप्पेन्स। मुझे काफी समय से उनकी पहचान के बारे में नैतिक रूप से यकीन था - श्रीमती वैंडमेयर की रहस्यमय मौत की रात से ही।"
"आह!" टप्पेन्स ने धीमी आवाज़ में कहा।
"क्योंकि यहाँ हम तथ्यों के तर्क के सामने खड़े हैं। केवल दो ही समाधान हैं। या तो क्लोरल उसने स्वयं दिया था, जिस सिद्धांत को मैं पूरी तरह से अस्वीकार करता हूँ, या फिर----"
"हाँ?"
"या फिर इसे उस ब्रांडी में मिलाकर दिया गया था जो आपने उसे दी थी। उस ब्रांडी को केवल तीन लोगों ने छुआ था - आप, मिस टप्पेन्स, मैं खुद, और एक और व्यक्ति - श्री जूलियस हर्शाइमर!"
जेन फिन हिली और उठकर बैठ गई, वक्ता को विस्मय भरी चौड़ी आँखों से देखने लगी।
"शुरू में तो यह बात बिलकुल असंभव लग रही थी। श्री हर्शाइमर, एक जाने-माने करोड़पति के बेटे होने के नाते, अमेरिका में एक प्रसिद्ध व्यक्ति थे। यह बिल्कुल असंभव लग रहा था कि वे और श्री ब्राउन एक ही व्यक्ति हों। लेकिन आप तथ्यों के तर्क से बच नहीं सकते। चूंकि बात सच थी, इसलिए इसे स्वीकार करना ही पड़ा। श्रीमती वैंडमेयर की अचानक और अस्पष्ट घबराहट को याद कीजिए। अगर सबूत की ज़रूरत थी, तो यह एक और सबूत है।"
"मैंने आपको संकेत देने का एक शुरुआती अवसर लिया। मैनचेस्टर में श्री हर्शाइमर के कुछ शब्दों से मुझे पता चला कि आपने उस संकेत को समझ लिया था और उस पर अमल भी किया था। फिर मैंने असंभव को संभव साबित करने का काम शुरू किया। श्री बेरेसफोर्ड ने मुझे फोन किया और मुझे वही बताया जिसका मुझे पहले से ही संदेह था, कि मिस जेन फिन की तस्वीर वास्तव में कभी भी श्री हर्शाइमर के कब्जे से बाहर नहीं निकली थी----"
लेकिन लड़की ने बीच में ही टोक दिया। वह झट से खड़ी हो गई और गुस्से से

चिल्लाई:
"आपका क्या मतलब है? आप क्या कहना चाह रहे हैं? क्या आप यह कहना चाह रहे हैं कि मिस्टर ब्राउन जूलियस हैं? जूलियस—मेरा चचेरा भाई!"
"नहीं, मिस फिन," सर जेम्स ने अप्रत्याशित रूप से कहा। "वह आपका चचेरा भाई नहीं है। जो व्यक्ति खुद को जूलियस हर्शाइमर कहता है, उसका आपसे कोई संबंध नहीं है।"

अध्याय XXVI. श्री ब्राउन

सर जेम्स के शब्द किसी बम की तरह थे। दोनों लड़कियाँ समान रूप से हैरान थीं। वकील अपने डेस्क पर गए और एक छोटी सी अखबार की कतरन लेकर लौटे, जो उन्होंने जेन को दे दी। टप्पेन्स ने उसे कंधे के ऊपर से पढ़ा। श्री कार्टर इसे पहचान लेते। इसमें न्यूयॉर्क में मृत पाए गए रहस्यमय व्यक्ति का जिक्र था।
"जैसा कि मैं मिस टप्पेन्स से कह रहा था," वकील ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, "मैंने असंभव को संभव साबित करने का काम शुरू किया। सबसे बड़ी बाधा यह निर्विवाद तथ्य था कि जूलियस हर्शाइमर कोई नकली नाम नहीं था। जब मुझे यह पैराग्राफ मिला, तो मेरी समस्या हल हो गई। जूलियस हर्शाइमर अपनी चचेरी बहन के बारे में पता लगाने के लिए निकल पड़ा। वह पश्चिम की ओर गया, जहाँ उसे उसकी

खबर और उसकी तस्वीर मिली, जिससे उसे अपनी खोज में मदद मिली। न्यूयॉर्क से रवाना होने की पूर्व संध्या पर उस पर हमला किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। उसके शरीर को फटे-पुराने कपड़ों में लपेटा गया था और पहचान छिपाने के लिए उसका चेहरा बिगाड़ दिया गया था। मिस्टर ब्राउन ने उसकी जगह ले ली। वह तुरंत इंग्लैंड के लिए रवाना हो गया। असली हर्शाइमर के किसी भी दोस्त या करीबी ने उसे रवाना होने से पहले नहीं देखा था - हालाँकि अगर उन्होंने देखा भी होता तो शायद ही कोई फर्क पड़ता, क्योंकि उसने इतनी सटीक नकल की थी। तब से वह उन लोगों के साथ मिला हुआ था जिन्होंने उसे पकड़ने की कसम खाई थी। उनके हर रहस्य को वह जानता था। केवल एक बार वह खतरे से बाल-बाल बचा। श्रीमती वैंडमेयर उसका रहस्य जानती थीं। उसकी योजना में यह बात बिल्कुल भी शामिल नहीं थी कि उसे इतनी बड़ी रिश्वत दी जाए। अगर मिस टप्पेन्स ने सौभाग्यवश अपनी योजना न बदली होती, तो हमारे वहाँ पहुँचने पर वह फ्लैट से बहुत दूर होती। भेद खुल जाने का खतरा मंडरा रहा था। उसने संदेह से बचने के लिए अपने बनावटी चरित्र पर भरोसा करते हुए एक जोखिम भरा कदम उठाया। वह लगभग सफल हो गया था—लेकिन पूरी तरह नहीं।

"मुझे विश्वास नहीं हो रहा," जेन ने धीरे से कहा। "वह तो बहुत ही शानदार लग रहे थे।"

"असली जूलियस हर्शाइमर तो वाकई एक शानदार इंसान थे! और मिस्टर ब्राउन एक माहिर अभिनेता हैं। लेकिन मिस टप्पेन्स से पूछिए, क्या उन्हें भी कभी कोई शक नहीं हुआ?"

जेन चुपचाप टप्पेन्स की ओर मुड़ी। टप्पेन्स ने सिर हिलाकर सहमति दी।

"मैं ये कहना नहीं चाहती थी, जेन—मुझे पता था इससे तुम्हें दुख होगा। और वैसे भी, मैं पूरी तरह आश्वस्त नहीं थी। मुझे अब भी समझ नहीं आता कि अगर वो मिस्टर ब्राउन हैं, तो उन्होंने हमें क्यों बचाया।"

"क्या जूलियस हर्शाइमर ने आपको भागने में मदद की थी?"

टप्पेन्स ने सर जेम्स को उस शाम की रोमांचक घटनाओं का ब्योरा दिया और अंत में कहा: "लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि ऐसा क्यों हुआ!"

"क्या तुम नहीं कर सकते? मैं कर सकता हूँ। युवा बेरेसफोर्ड भी अपने कामों से यह साबित कर सकता है। आखिरी उम्मीद के तौर पर जेन फिन को भागने दिया जाना था

—और भागने की योजना इस तरह बनाई जानी थी कि उसे ज़रा भी शक न हो कि यह कोई साज़िश है। उन्हें युवा बेरेसफोर्ड के आस-पास होने से कोई आपत्ति नहीं है, और ज़रूरत पड़ने पर वह तुमसे संपर्क भी कर सकता है। वे सही समय पर उसे रास्ते से हटाने का पूरा ध्यान रखेंगे। फिर जूलियस हर्शाइमर दौड़कर आता और तुम्हें पूरी नाटकीय शैली में बचा लेता। गोलियाँ चलतीं—लेकिन किसी को नहीं लगतीं। आगे क्या होता? तुम सीधे सोहो वाले घर जाते और वह दस्तावेज़ हासिल कर लेते जो मिस फिन ने शायद अपने चचेरे भाई के पास रखा होता। या, अगर वह तलाशी लेता, तो वह दिखावा करता कि छिपने की जगह पहले से ही लूटी जा चुकी है। उसके पास स्थिति से निपटने के एक दर्जन तरीके होते, लेकिन नतीजा वही होता। और मुझे लगता है कि तुम दोनों के साथ कोई दुर्घटना हो जाती। देखो, तुम्हें काफ़ी कुछ पता है।" यह एक मोटा-मोटा खाका है। मैं मानता हूँ कि मैं उस समय लापरवाह था; लेकिन कोई और नहीं था।

"टॉमी," टप्पेन्स ने धीरे से कहा।

"हां। जाहिर है, जब उससे छुटकारा पाने का सही समय आया - वह उनके लिए बहुत तेज था। फिर भी, मैं उसके बारे में पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूं।"

"क्यों?"

"क्योंकि जूलियस हर्शाइमर ही मिस्टर ब्राउन हैं," सर जेम्स ने रूखेपन से कहा। "और मिस्टर ब्राउन को लूटने के लिए एक आदमी और एक रिवाल्वर काफी नहीं हैं..."

दो पैसे का रंग थोड़ा फीका पड़ गया।

"हम क्या कर सकते हैं?"

"जब तक हम सोहो वाले घर नहीं पहुँच जाते, तब तक कुछ नहीं। अगर बेरेसफोर्ड का पलड़ा भारी है, तो डरने की कोई बात नहीं। अगर ऐसा नहीं है, तो हमारा दुश्मन हमें ढूंढ निकालेगा, और वह हमें बिना तैयारी के नहीं पाएगा!" उसने डेस्क की दराज से एक सर्विस रिवॉल्वर निकाली और उसे अपने कोट की जेब में रख लिया।

"अब हम तैयार हैं। मुझे अच्छी तरह पता है कि आपके बिना जाने का सुझाव देना भी व्यर्थ होगा, मिस टप्पेन्स----"

मुझे तो ऐसा ही लगता है!

"लेकिन मेरा सुझाव है कि मिस फिन को यहीं रहना चाहिए। वह पूरी तरह सुरक्षित रहेंगी, और मुझे डर है कि वह अपने साथ हुई सभी घटनाओं से पूरी तरह थक चुकी

हैं।"
लेकिन टप्पेन्स को आश्चर्य हुआ जब जेन ने अपना सिर हिलाया।
"नहीं। मुझे लगता है कि मुझे भी जाना होगा। वे कागजात मेरी धरोहर थे। मुझे इस काम को अंत तक पूरा करना ही होगा। वैसे भी अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रहा हूँ।"
सर जेम्स की कार को वापस बुलाया गया। छोटी सी ड्राइव के दौरान टप्पेन्स का दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। टॉमी को लेकर क्षणिक चिंता के बावजूद, वह खुशी से झूम उठी। वे जीतने वाले थे!
गाड़ी चौक के कोने पर रुकी और वे बाहर निकल गए। सर जेम्स सादे कपड़ों में मौजूद एक पुलिसकर्मी के पास गए, जो कई अन्य पुलिसकर्मियों के साथ ड्यूटी पर था, और उससे बात की। फिर वे लड़कियों के पास लौट गए।
"अभी तक कोई भी घर के अंदर नहीं गया है। पीछे से भी निगरानी रखी जा रही है, इसलिए उन्हें पूरा भरोसा है। हमारे अंदर जाने के बाद जो भी अंदर जाने की कोशिश करेगा, उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाएगा। क्या हम अंदर चलें?"
एक पुलिसकर्मी ने चाबी निकाली। वे सभी सर जेम्स को अच्छी तरह जानते थे। उन्हें टप्पेन्स के बारे में भी आदेश मिले थे। दल का तीसरा सदस्य ही उनके लिए अनजान था। तीनों घर में दाखिल हुए और दरवाज़ा पीछे से बंद कर लिया। धीरे-धीरे वे खस्ताहाल सीढ़ियों पर चढ़े। सबसे ऊपर फटा हुआ पर्दा था, जिसके पीछे वह जगह छिपी थी जहाँ टॉमी उस दिन छिपा था। टप्पेन्स ने जेन से "एनेट" के किरदार में यह कहानी सुनी थी। उसने फटे हुए मखमली पर्दे को उत्सुकता से देखा। अब भी उसे लगभग यकीन था कि वह हिल रहा था—जैसे कोई उसके पीछे हो। भ्रम इतना प्रबल था कि उसे लगभग किसी आकृति की रूपरेखा दिखाई देने लगी... मान लीजिए कि मिस्टर ब्राउन—जूलियस—वहाँ इंतज़ार कर रहे थे...
बिलकुल असंभव! फिर भी वह लगभग पर्दा हटाने और सुनिश्चित करने के लिए वापस चली गई...
अब वे जेल के कमरे में दाखिल हो रहे थे। यहाँ किसी के छिपने की कोई जगह नहीं थी, टप्पेन्स ने राहत की साँस लेते हुए सोचा, फिर गुस्से से खुद को फटकारा। उसे इस मूर्खतापूर्ण कल्पना के आगे नहीं झुकना चाहिए—इस अजीब और लगातार महसूस हो रही भावना के आगे कि मिस्टर ब्राउन घर में ही हैं... अरे! ये क्या था?

सीढ़ियों पर किसी के दबे कदमों की आहट? घर में कोई तो था! बेतुका! वह घबरा रही थी।

जेन सीधे मार्गुराइट की तस्वीर के पास गई। उसने स्थिर हाथों से उसे हुक से हटाया। उस पर मोटी धूल जमी हुई थी, और दीवार और तस्वीर के बीच मकड़ी के जालों की झालरें बिछी हुई थीं। सर जेम्स ने उसे एक जेब चाकू दिया, और उसने पीछे से भूरा कागज फाड़ दिया... एक पत्रिका का विज्ञापन पृष्ठ बाहर गिर गया।

जेन ने उसे उठाया। अंदरूनी किनारों को अलग करते हुए उसने लिखावट से ढकी हुई दो पतली शीटें निकालीं!

इस बार कोई नकली चीज़ नहीं! असली चीज़!

"हमें मिल गया," टप्पेन्स ने कहा। "आखिरकार...."

वह क्षण भावनाओं से लगभग स्तब्ध था। कुछ मिनट पहले की हल्की-हल्की आवाज़ें, काल्पनिक शोर सब भुला दिए गए थे। उनकी निगाहें जेन के हाथ में पकड़ी हुई चीज़ के अलावा किसी और चीज़ पर नहीं थीं।

सर जेम्स ने उसे लिया और ध्यानपूर्वक उसकी जांच की।

"हां," उसने धीमी आवाज़ में कहा, "यही वह दुर्भाग्यपूर्ण संधि का मसौदा है!"

"हम सफल हो गए हैं," टप्पेन्स ने कहा। उनकी आवाज़ में विस्मय और लगभग अविश्वास का भाव था।

सर जेम्स ने भी उसके शब्दों को दोहराते हुए कागज को सावधानीपूर्वक मोड़कर अपने पर्स में रख लिया, फिर उन्होंने उत्सुकता से उस अंधेरे कमरे के चारों ओर देखा।

"क्या यही वह जगह थी जहाँ हमारे युवा मित्र को इतने लंबे समय तक कैद रखा गया था?" उन्होंने कहा। "सचमुच एक भयावह कमरा। आपने देखा होगा कि यहाँ खिड़कियाँ नहीं हैं, और दरवाज़ा कितना मोटा है। यहाँ जो कुछ भी हुआ होगा, वह बाहरी दुनिया को कभी सुनाई नहीं देगा।"

टप्पेन्स कांप उठी। उसके शब्दों ने उसके मन में एक अस्पष्ट भय पैदा कर दिया। क्या पता घर में कोई छिपा हुआ हो? कोई ऐसा जो दरवाज़ा बंद कर दे और उन्हें चूहे की तरह पिंजरे में मरने के लिए छोड़ दे? तभी उसे अपने इस विचार की निरर्थकता का एहसास हुआ। घर पुलिस से घिरा हुआ था, और अगर वे वापस नहीं लौटे तो पुलिस बिना किसी झिझक के अंदर घुसकर पूरी तलाशी लेगी। वह अपनी मूर्खता पर मुस्कुराई - फिर चौंककर ऊपर देखा तो पाया कि सर जेम्स उसे देख रहे हैं। उन्होंने

हल्के से सिर हिलाकर उसे इशारा किया।
"बिल्कुल सही, मिस टप्पेन्स। आपको खतरे का आभास हो रहा है। मुझे भी। मिस फिन को भी।"
"हां," जेन ने स्वीकार किया। "यह बेतुका है - लेकिन मैं कुछ नहीं कर सकती।"
सर जेम्स ने फिर सिर हिलाया।
"आप भी—हम सभी की तरह—श्री ब्राउन की उपस्थिति महसूस कर रहे हैं। जी हां,"—जैसे ही टप्पेन्स ने हरकत की—"इसमें कोई संदेह नहीं—श्री ब्राउन यहां हैं...."
"इस घर में?"
"इस कमरे में... क्या आप नहीं समझते? मैं मिस्टर ब्राउन हूँ...."
अचंभित, अविश्वास से भरे हुए, वे उसे घूरते रहे। उसके चेहरे की हर एक भाव-भंगिमा बदल गई थी। उनके सामने खड़ा व्यक्ति बिलकुल अलग था। उसने एक धीमी, क्रूर मुस्कान बिखेरी।
"तुम दोनों में से कोई भी इस कमरे से ज़िंदा नहीं निकलेगा! तुमने अभी कहा था कि हम कामयाब हो गए हैं। मैं कामयाब हो गया हूँ! संधि का मसौदा मेरा है।" टप्पेन्स को देखते हुए उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई। "क्या मैं तुम्हें बताऊँ कि क्या होगा? देर-सवेर पुलिस अंदर घुसेगी, और उन्हें मिस्टर ब्राउन के तीन शिकार मिलेंगे—तीन, दो नहीं, समझ रहे हो? लेकिन सौभाग्य से तीसरा मरा नहीं होगा, केवल घायल होगा, और वह हमले का पूरा ब्यौरा दे पाएगा! संधि? वह मिस्टर ब्राउन के हाथों में है। इसलिए कोई भी सर जेम्स पील एडगर्टन की जेबें तलाशने के बारे में नहीं सोचेगा!" उसने जेन की ओर रुख किया।
"तुमने मुझे मात दे दी। मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूँ। लेकिन तुम दोबारा ऐसा नहीं कर पाओगे।"
उसके पीछे एक हल्की सी आवाज आई, लेकिन सफलता के नशे में चूर होकर उसने अपना सिर नहीं घुमाया।
उसने अपना हाथ जेब में डाला।
"युवा साहसी लोगों को मात," उसने कहा और धीरे से बड़ी स्वचालित बंदूक उठाई। लेकिन, ऐसा करते ही, उसने महसूस किया कि किसी लोहे की पकड़ ने उसे पीछे से जकड़ लिया है। रिवॉल्वर उसके हाथ से छीन ली गई, और जूलियस हर्शाइमर की आवाज़ धीमी और लड़खड़ाती हुई सुनाई दी:

मुझे लगता है कि तुम सामान के साथ रंगे हाथों पकड़े गए हो।
के.सी. के चेहरे पर खून दौड़ गया, लेकिन उसने अद्भुत आत्म-संयम दिखाया, क्योंकि वह अपने दोनों अपहरणकर्ताओं को बारी-बारी से देख रहा था। उसने सबसे देर तक टॉमी को देखा।
"तुम," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "तुम! मुझे पता होना चाहिए था।"
यह देखकर कि वह कोई प्रतिरोध नहीं करेगा, उनकी पकड़ ढीली पड़ गई। पलक झपकते ही उसका बायां हाथ, जिस हाथ में बड़ी अंगूठी थी, उसके होठों तक उठा...
"'अवे, सीज़र! ते मोरिटुरी सैल्यूटेंट," उसने कहा, अभी भी टॉमी को देख रहा था।
फिर उसका चेहरा बदल गया, और एक लंबे, ऐंठन भरे झटके के साथ वह एक ढेर की तरह आगे की ओर गिर पड़ा, जबकि हवा में कड़वे बादाम की गंध फैल गई।

अध्याय XXVII. सेवॉय में रात्रिभोज

30 तारीख की शाम को श्री जूलियस हर्शाइमर द्वारा कुछ मित्रों को दी गई रात्रिभोज पार्टी खानपान जगत में लंबे समय तक याद रखी जाएगी। यह एक निजी कमरे में आयोजित की गई थी, और श्री हर्शाइमर के आदेश संक्षिप्त और स्पष्ट थे। उन्होंने सबको खुली छूट दी थी - और जब कोई करोड़पति खुली छूट देता है, तो आमतौर पर उसे वही मिलती है!
हर तरह के बेमौसम व्यंजन उचित मात्रा में उपलब्ध कराए गए। वेटर बड़ी सावधानी से पुरानी और शाही वाइन की बोतलें लेकर आए। फूलों की सजावट मौसमों की परवाह किए बिना की गई थी, और मई और नवंबर के बीच के अंतर वाले मौसमों के फल भी चमत्कारिक रूप से एक साथ सजे हुए थे। मेहमानों की सूची छोटी और चुनिंदा थी। इनमें अमेरिकी राजदूत श्री कार्टर, जिन्होंने बताया कि वे अपने साथ एक पुराने मित्र सर विलियम बेरेसफोर्ड को लाए थे, आर्चडीकन काउली, डॉ. हॉल, वे दो युवा साहसी, मिस प्रूडेंस काउली और श्री थॉमस बेरेसफोर्ड, और अंत में, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, विशिष्ट अतिथि के रूप में मिस जेन फिन शामिल थीं।
जेन के आगमन को सफल बनाने के लिए जूलियस ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। एक रहस्यमय दस्तक ने टप्पेन्स को उस अपार्टमेंट के दरवाजे तक पहुँचा दिया जहाँ वह उस अमेरिकी लड़की के साथ रह रही थी। यह जूलियस था। उसके हाथ में एक चेक था।

"सुनो, टप्पेन्स," उसने कहना शुरू किया, "क्या तुम मेरा एक काम करोगी? ये लो, और जेन को आज शाम के लिए अच्छे से तैयार कर दो। तुम सब मेरे साथ सैवॉय होटल में डिनर पर आ रहे हो। देखा? कोई कसर मत छोड़ना। समझे?"
"ज़रूर," टप्पेन्स ने नकल करते हुए कहा। "हम खूब आनंद लेंगे। जेन को कपड़े पहनाना बहुत सुखद होगा। मैंने आज तक जितनी भी सुंदरियाँ देखी हैं, उनमें वह सबसे सुंदर है।"
"बिल्कुल सही," श्री हर्शाइमर ने पूरे उत्साह से सहमति जताई।
उनके उत्साह ने टप्पेन्स की आंखों में क्षण भर के लिए एक चमक ला दी।
"वैसे, जूलियस," उसने विनम्रता से कहा, "मैंने अभी तक आपको अपना जवाब नहीं दिया है।"
"जवाब?" जूलियस ने कहा। उसका चेहरा पीला पड़ गया।
"तुम्हें याद है—जब तुमने मुझसे शादी करने के लिए कहा था," तुप्पेन्स लड़खड़ाते हुए बोली, उसकी आँखें झुकी हुई थीं, ठीक उसी तरह जैसे प्रारंभिक विक्टोरियन युग की नायिकाएँ होती हैं, "और तुमने 'नहीं' सुनने से इनकार कर दिया था। मैंने इस बारे में अच्छी तरह सोच लिया है—"
"जी?" जूलियस ने कहा। उसके माथे पर पसीना आ रहा था।
टप्पेन्स अचानक मान गया।
"तुम बड़े बेवकूफ हो!" उसने कहा। "तुम्हें ऐसा करने की प्रेरणा कहाँ से मिली? मुझे उस समय साफ दिख रहा था कि तुम्हें मेरी जरा भी परवाह नहीं थी!"
"बिल्कुल नहीं। मेरे मन में आपके लिए अत्यंत आदर, श्रद्धा और प्रशंसा की भावना थी, और आज भी है।"
"हम्म!" टप्पेन्स ने कहा। "ये तो वो भावनाएँ हैं जो दूसरी भावना के आते ही तुरंत धराशायी हो जाती हैं! है ना, बुढ़िया?"
"मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम क्या कह रहे हो," जूलियस ने कड़े स्वर में कहा, लेकिन उसके चेहरे पर शर्मिंदगी की एक गहरी लालिमा छा गई।
"अरे!" टप्पेन्स ने पलटकर जवाब दिया। वह हँसी और दरवाज़ा बंद कर दिया, फिर उसे खोलकर गरिमा के साथ बोली: "नैतिक रूप से, मैं हमेशा यही मानूंगी कि मुझे धोखा दिया गया है!"
"यह क्या था?" जेन ने पूछा जब टप्पेन्स उसके पास वापस आई।

जूलियस।
वह क्या चाहता था?
"सच में, मुझे लगता है, वह तुमसे मिलना चाहता था, लेकिन मैं उसे मिलने नहीं देने वाली थी। आज रात तक नहीं, जब तुम राजा सुलेमान की तरह शान से सबके सामने आओगे! चलो! हम खरीदारी करने जा रहे हैं!"
अधिकांश लोगों के लिए 29 तारीख, जिसे बड़े धूमधाम से "मजदूर दिवस" कहा जाता है, बाकी दिनों की तरह ही बीता। पार्क और ट्राफलगर स्क्वायर में भाषण दिए गए। लाल झंडा गाते हुए, बेतरतीब जुलूस सड़कों पर लगभग बिना किसी उद्देश्य के घूमते रहे। जिन अखबारों ने आम हड़ताल और आतंक के शासन की शुरुआत की आशंका जताई थी, उन्हें अपने सिर छुपाने पर मजबूर होना पड़ा। उनमें से कुछ साहसी और चतुर लोगों ने अपने ही सुझावों का पालन करके यह साबित करने की कोशिश की कि शांति कायम हो गई है। रविवार के अखबार में प्रसिद्ध के.सी. सर जेम्स पील एडगर्टन की अचानक मृत्यु की एक संक्षिप्त सूचना छपी थी। सोमवार के अखबार में दिवंगत व्यक्ति के करियर की प्रशंसा की गई। उनकी अचानक मृत्यु का सटीक कारण कभी सार्वजनिक नहीं किया गया।
टॉमी का हालात का पूर्वानुमान बिल्कुल सही निकला था। यह सब एक अकेले व्यक्ति का धंधा था। अपने मुखिया के चले जाने से संगठन बिखर गया। क्रामेनिन रविवार की सुबह तड़के ही इंग्लैंड छोड़कर रूस लौट गया। गिरोह के लोग घबराकर एस्टली प्रायर्स से भाग निकले और जल्दबाजी में कई ऐसे दस्तावेज़ पीछे छोड़ गए जिनसे उनकी पहचान पूरी तरह से उजागर हो गई। साजिश के इन सबूतों के साथ-साथ मृत व्यक्ति की जेब से मिली एक छोटी भूरी डायरी, जिसमें पूरी साजिश का ब्यौरा था, के सहारे सरकार ने आखिरी समय में एक बैठक बुलाई। लेबर पार्टी के नेताओं को यह मानना पड़ा कि उनका इस्तेमाल मोहरे के रूप में किया गया था। सरकार ने कुछ रियायतें दीं, जिन्हें सहर्ष स्वीकार कर लिया गया। अब शांति स्थापित करनी थी, युद्ध नहीं!
लेकिन मंत्रिमंडल जानता था कि वे कितने बाल-बाल एक बड़े हादसे से बचे थे। और श्री कार्टर के दिमाग में पिछली रात सोहो स्थित घर में घटी वह विचित्र घटना पूरी तरह से छपी हुई थी।
उस बदहाल कमरे में प्रवेश करते ही उसने पाया कि उसका जीवन भर का मित्र, वह महान व्यक्ति, मर चुका था—उसने अपने ही मुख से विश्वासघात किया था। उसने मृत

व्यक्ति के पर्स से अशुभ संधि का मसौदा निकाला और वहीं, बाकी तीनों की उपस्थिति में, उसे राख में बदल दिया... इंग्लैंड बच गया!

और अब, 30 तारीख की शाम को, सैवॉय होटल के एक निजी कमरे में, श्री जूलियस पी. हर्शाइमर अपने मेहमानों का स्वागत कर रहे थे।

सबसे पहले मिस्टर कार्टर पहुंचे। उनके साथ एक चिड़चिड़े स्वभाव के बूढ़े सज्जन थे, जिन्हें देखते ही टॉमी का चेहरा शर्म से लाल हो गया। वह आगे बढ़े।

“हा!” बूढ़े सज्जन ने उसे गुस्से से देखते हुए कहा। “तो तुम मेरे भतीजे हो? दिखने में तो कुछ खास नहीं हो—लेकिन लगता है तुमने अच्छा काम किया है। तुम्हारी माँ ने तुम्हें अच्छे से पाला-पोसा होगा। चलो पुरानी बातें भूल जाते हैं, है ना? तुम मेरे वारिस हो, तुम्हें पता है; और भविष्य में मैं तुम्हें भत्ता देने का प्रस्ताव रखता हूँ—और तुम चैल्मर्स पार्क को अपना घर समझ सकते हो।”

"धन्यवाद महोदय, यह आपकी बहुत बड़ी कृपा है।"

"जिस युवती के बारे में मैंने इतना कुछ सुना है, वह कहाँ है?"

टॉमी ने टप्पेन्स का परिचय कराया।

"हा!" सर विलियम ने उसे देखते हुए कहा। "लड़कियाँ अब वैसी नहीं रहीं जैसी मेरे जवानी के दिनों में हुआ करती थीं।"

"हां, वे एक जैसे ही हैं," टप्पेन्स ने कहा। "उनके कपड़े शायद अलग हैं, लेकिन वे खुद बिल्कुल एक जैसे हैं।"

"खैर, शायद आप सही हैं। तब भी नखरीली थीं - अब भी नखरीली हैं!"

"बस यही बात है," टप्पेन्स ने कहा। "मैं खुद भी बहुत नखरीली और शरारती हूँ।"

"मुझे यकीन है," बूढ़े सज्जन ने हंसते हुए कहा और बड़े ही खुशमिजाज अंदाज में उसका कान खींच लिया। ज्यादातर युवतियां उस "बूढ़े भालू" से डरती थीं, जैसा कि वे उसे नाम से पुकारती थीं। टप्पेन्स की चंचलता उस बूढ़े स्त्री-द्वेषी को बहुत भाती थी।

फिर संकोची आर्चडीकन आए, जो अपने बीच मौजूद लोगों को देखकर थोड़े हैरान थे। उन्हें इस बात की खुशी थी कि उनकी बेटी को प्रतिष्ठित माना जा रहा था, लेकिन वे घबराहट और आशंका के साथ बार-बार उनकी बेटी की ओर देखने से खुद को रोक नहीं पा रहे थे। लेकिन टप्पेन्स ने सराहनीय व्यवहार किया। उन्होंने पैर नहीं बांधे, अपनी जुबान पर लगाम रखी और धूम्रपान करने से साफ इनकार कर दिया।

इसके बाद डॉ. हॉल आए, और उनके बाद अमेरिकी राजदूत आए।

"चलो बैठ ही लेते हैं," जूलियस ने अपने सभी मेहमानों का आपस में परिचय कराने के बाद कहा। "दो पैसे, क्या तुम...?"
उन्होंने हाथ के इशारे से सम्मान के स्थान की ओर संकेत किया।
लेकिन टप्पेन्स ने अपना सिर हिला दिया।
"नहीं—यह तो जेन का स्थान है! जब कोई इस बात पर विचार करता है कि उसने इतने वर्षों तक कैसे धैर्य बनाए रखा है, तो उसे आज रात की दावत की रानी बना देना चाहिए।"
जूलियस ने कृतज्ञता भरी नज़र से जेन को देखा, और जेन शर्माते हुए अपनी तय सीट पर बैठ गई। पहले वह जितनी सुंदर दिख रही थी, अब पूरी तरह सजी-धजी जेन की सुंदरता उसके सामने फीकी पड़ गई थी। टप्पेन्स ने अपना काम बखूबी निभाया था। एक मशहूर दर्जी द्वारा तैयार किए गए गाउन का नाम "टाइगर लिली" रखा गया था। यह गाउन सुनहरे, लाल और भूरे रंगों से सजा था, और इसमें से लड़की का गोरा गला और उसके सुंदर सिर पर सजे सुनहरे बाल उभर रहे थे। जैसे ही वह अपनी सीट पर बैठी, सबकी निगाहें उसकी प्रशंसा पर टिक गईं।
जल्द ही रात्रिभोज पूरे जोश में आ गया, और सर्वसम्मति से टॉमी से पूरी और विस्तृत व्याख्या करने को कहा गया।
"तुम इस पूरे मामले में हद से ज़्यादा सतर्क रहे हो," जूलियस ने उस पर आरोप लगाया। "तुमने मुझे बताया था कि तुम अर्जेंटीना जा रहे हो—हालाँकि मुझे लगता है कि इसके पीछे तुम्हारे कुछ कारण रहे होंगे। तुम और टप्पेन्स दोनों मुझे मिस्टर ब्राउन के रोल के लिए चुन रहे हो, यह सोचकर तो मुझे बहुत मज़ा आ रहा है!"
श्री कार्टर ने गंभीरता से कहा, "यह विचार उनका अपना नहीं था। यह सुझाव एक माहिर व्यक्ति ने दिया था, और ज़हर भी उसी ने बड़ी सावधानी से डाला था। न्यूयॉर्क के अखबार में छपे एक पैराग्राफ ने उन्हें यह योजना बनाने के लिए प्रेरित किया, और उसी के सहारे उन्होंने ऐसा जाल बुना जिसमें आप लगभग जानलेवा रूप से फंस गए थे।"
"मुझे वो कभी पसंद नहीं आया," जूलियस ने कहा। "मुझे शुरू से ही लगता था कि उसमें कुछ गड़बड़ है, और मुझे हमेशा शक था कि उसी ने श्रीमती वैंडमेयर को इतनी चतुराई से चुप कराया था। लेकिन जब मुझे पता चला कि टॉमी को फांसी देने का आदेश उसी रविवार को उससे हमारी मुलाकात के तुरंत बाद आया, तब मुझे समझ

आने लगा कि असल में वही सारा दोष उसी के हाथ में था।"
"मुझे तो ज़रा भी शक नहीं था," टप्पेन्स ने अफसोस जताते हुए कहा। "मैंने हमेशा सोचा था कि मैं टॉमी से कहीं ज़्यादा चालाक हूँ - लेकिन उसने निस्संदेह मुझे बुरी तरह हरा दिया है।"
जूलियस सहमत हो गया।
"इस यात्रा में टॉमी ने कमाल कर दिया! और, चुपचाप बैठे रहने के बजाय, उसे अपनी शर्म दूर करने दो, और हमें इसके बारे में सब कुछ बताने दो।"
"सुन सुन!"
टॉमी ने बेहद असहज होकर कहा, "बताने के लिए कुछ नहीं है। मैं बहुत बड़ा बेवकूफ था—जब तक मुझे ऐनेट की वो तस्वीर नहीं मिली और मुझे एहसास नहीं हुआ कि वो जेन फिन है। फिर मुझे याद आया कि वो कितनी ज़िद से 'मार्गुराइट' शब्द चिल्ला रही थी—और मुझे वो तस्वीरें याद आ गईं, और—बस, बात खत्म। फिर मैंने सारी बात पर गौर किया कि मैंने कहाँ-कहाँ खुद को बेवकूफ साबित किया।"
"आगे बढ़ो," श्री कार्टर ने कहा, क्योंकि टॉमी ने एक बार फिर चुप्पी साधने के संकेत दिखाए।
"मिसेज वैंडमेयर वाली बात सुनकर मैं तब से परेशान थी जब जूलियस ने मुझे इसके बारे में बताया था। देखने में तो ऐसा लग रहा था कि या तो उसने या सर जेम्स ने ही यह चाल चली होगी। लेकिन मुझे पता नहीं था कि किसने। इंस्पेक्टर ब्राउन द्वारा उससे वह तस्वीर हासिल करने की कहानी सुनने के बाद, दराज में वह तस्वीर मिलने पर मुझे जूलियस पर शक होने लगा। फिर मुझे याद आया कि सर जेम्स ने ही नकली जेन फिन का पता लगाया था। आखिर में, मैं कोई फैसला नहीं कर पाई और मैंने तय किया कि किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना है। मैंने जूलियस के लिए एक नोट छोड़ा, अगर वह मिस्टर ब्राउन हों, जिसमें लिखा था कि मैं अर्जेंटीना जा रही हूँ, और मैंने सर जेम्स का नौकरी का प्रस्ताव वाला पत्र डेस्क के पास रख दिया ताकि उन्हें पता चल जाए कि यह एक असली चाल है। फिर मैंने मिस्टर कार्टर को अपना पत्र लिखा और सर जेम्स को फोन किया। उन्हें अपने भरोसे में लेना हर हाल में सबसे अच्छा होता, इसलिए मैंने उन्हें सब कुछ बता दिया सिवाय उस जगह के जहाँ मुझे लगता था कि कागजात छिपे हैं। जिस तरह से उन्होंने मुझे टप्पेन्स और एनेट का पता लगाने में मदद की, उससे मैं लगभग निहत्थी हो गई, लेकिन पूरी तरह नहीं। मैंने उन

दोनों के बीच मेरा दिमाग खुला हुआ था। और फिर मुझे टप्पेन्स से एक फर्जी नोट मिला—और मैं समझ गया!

"आख़िर कैसे?"

टॉमी ने अपनी जेब से वह नोट निकाला और उसे मेज पर बैठे सभी लोगों को दिखाया।

"लिखाई तो उसकी ही थी, लेकिन हस्ताक्षर देखकर मुझे पता चल गया कि ये उसकी नहीं है। वो अपना नाम कभी 'ट्वोपेंस' नहीं लिखती, लेकिन जिसने कभी उसका नाम लिखा हुआ न देखा हो, वो आसानी से लिख सकता है। जूलियस ने लिखा था - उसने एक बार मुझे उसका लिखा हुआ एक नोट दिखाया था - लेकिन सर जेम्स ने नहीं देखा था! उसके बाद सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा। मैंने अल्बर्ट को तुरंत मिस्टर कार्टर के पास भेज दिया। मैंने जाने का नाटक किया, लेकिन फिर वापस आ गई। जब जूलियस अपनी कार में तेज़ी से आया, तो मुझे लगा कि ये मिस्टर ब्राउन की योजना का हिस्सा नहीं है - और शायद कुछ गड़बड़ होने वाली है। जब तक सर जेम्स रंगे हाथों न पकड़े जाएँ, तब तक मुझे पता था कि मिस्टर कार्टर मेरी बात पर कभी विश्वास नहीं करेंगे।"

श्री कार्टर ने खेद व्यक्त करते हुए बीच में कहा, "मैंने ऐसा नहीं किया।"

"इसीलिए मैंने लड़कियों को सर जेम्स के पास भेज दिया था। मुझे पूरा यकीन था कि वे देर-सवेर सोहो वाले घर पर पहुँच ही जाएँगी। मैंने जूलियस को रिवॉल्वर से धमकाया, क्योंकि मैं चाहता था कि टप्पेन्स यह बात सर जेम्स को बता दे, ताकि वह हमारे बारे में चिंता न करें। जैसे ही लड़कियाँ नज़र से ओझल हुईं, मैंने जूलियस को लंदन के लिए तेज़ी से गाड़ी चलाने को कहा, और रास्ते में मैंने उसे सारी कहानी बता दी। हम सोहो वाले घर पर समय से काफी पहले पहुँच गए और बाहर मिस्टर कार्टर से मिले। उनसे बात करने के बाद हम अंदर गए और एक कोने में बने पर्दे के पीछे छिप गए। पुलिसवालों को आदेश था कि अगर उनसे पूछा जाए तो वे कहें कि घर में कोई नहीं गया था। बस इतना ही।"

और टॉमी अचानक रुक गया।

कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया।

"वैसे," जूलियस ने अचानक कहा, "जेन की उस तस्वीर के बारे में आप सब गलत हैं। वह मुझसे ही ली गई थी, लेकिन मुझे वह फिर से मिल गई।"

"कहाँ?" टप्पेन्स चिल्लाई।

"श्रीमती वैंडमेयर के बेडरूम की दीवार पर लगी उस छोटी सी तिजोरी में।"
"मुझे पता था कि तुम्हें कुछ मिला है," टप्पेन्स ने नाराज़गी भरे लहजे में कहा। "सच कहूँ तो, उसी से मुझे तुम पर शक होने लगा। तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया?"
"मुझे लगता है कि मुझे भी थोड़ा शक था। यह एक बार मुझसे छूट गया था, और मैंने ठान लिया था कि जब तक कोई फोटोग्राफर इसकी एक दर्जन प्रतियां नहीं बना लेता, तब तक मैं किसी को नहीं बताऊंगा कि यह मेरे पास है!"
"हम सबने कुछ न कुछ छुपाकर रखा था," टप्पेन्स ने सोच-विचार करते हुए कहा। "मुझे लगता है कि गुप्त सेवा में काम करने से ऐसा ही हो जाता है!"
इसके बाद जो विराम आया, उसमें श्री कार्टर ने अपनी जेब से एक छोटी सी, जर्जर भूरी किताब निकाली।
बेरेसफोर्ड ने अभी कहा है कि मैं सर जेम्स पील एडगर्टन को दोषी नहीं मानता, जब तक कि उन्हें रंगे हाथों न पकड़ा गया होता। यह बात बिल्कुल सही है। वास्तव में, इस छोटी सी किताब में लिखी बातों को पढ़ने से पहले मैं इस चौंकाने वाली सच्चाई पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया था। यह किताब स्कॉटलैंड यार्ड के पास जाएगी, लेकिन इसे कभी भी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया जाएगा। सर जेम्स का कानून से लंबा जुड़ाव इसे अनुचित बना देगा। लेकिन आप, जो सच्चाई जानते हैं, मैं आपको कुछ ऐसे अंश पढ़ने का प्रस्ताव करता हूँ जो इस महान व्यक्ति की असाधारण मानसिकता पर कुछ प्रकाश डालेंगे।
उसने किताब खोली और उसके पतले पन्ने पलटे।
"...इस किताब को अपने पास रखना मूर्खता है। मैं यह जानता हूँ। यह मेरे विरुद्ध दस्तावेजी सबूत है। लेकिन मैंने जोखिम लेने से कभी परहेज नहीं किया। और मुझे आत्म-अभिव्यक्ति की तीव्र आवश्यकता महसूस हो रही है... यह किताब केवल मेरे मृत शरीर से ही ली जाएगी..."
"...बचपन से ही मुझे एहसास हो गया था कि मुझमें असाधारण क्षमताएं हैं। केवल मूर्ख ही अपनी क्षमताओं को कम आंकता है। मेरी बुद्धि औसत से कहीं अधिक थी। मैं जानता था कि मैं सफलता के लिए पैदा हुआ हूं। मेरी शक्ल-सूरत ही मेरे खिलाफ थी। मैं शांत और साधारण था—बिल्कुल साधारण..."
"...जब मैं छोटा था, मैंने एक मशहूर हत्या का मुकदमा सुना। बचाव पक्ष के वकील की शक्ति और वाक्पटुता ने मुझे बहुत प्रभावित किया। पहली बार मेरे मन में यह

विचार आया कि मैं अपनी प्रतिभा को इस क्षेत्र में लगाऊं... फिर मैंने कटघरे में खड़े अपराधी को गौर से देखा... वह आदमी मूर्ख था - वह अविश्वसनीय रूप से, हद से ज्यादा बेवकूफ था। उसके वकील की वाक्पटुता भी उसे बचाने वाली नहीं थी। मुझे उसके प्रति असीम घृणा महसूस हुई... फिर मुझे यह एहसास हुआ कि अपराध का स्तर बहुत ही घटिया है। ये वही निकम्मे, असफल लोग, समाज के आम निकम्मे लोग हैं जो अपराध की ओर भटकते हैं... अजीब बात है कि बुद्धिमान लोगों ने कभी इसके असाधारण अवसरों को नहीं पहचाना... मैंने इस विचार पर गौर किया... कितना शानदार क्षेत्र - कितनी असीमित संभावनाएं! इसने मेरे दिमाग को चकरा दिया..."

"...मैंने अपराध और अपराधियों पर लिखी मानक पुस्तकें पढ़ीं। उन सभी ने मेरी राय की पुष्टि की। पतन, बीमारी—कभी भी किसी दूरदर्शी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर चुना गया पेशा नहीं। फिर मैंने विचार किया। मान लीजिए कि मेरी सर्वोच्च महत्वाकांक्षाएँ पूरी हो जाएँ—कि मुझे वकालत का पेशा मिल जाए और मैं अपने पेशे के शिखर पर पहुँच जाऊँ? कि मैं राजनीति में प्रवेश करूँ—मान लीजिए, कि मैं इंग्लैंड का प्रधानमंत्री बन जाऊँ? तब क्या होगा? क्या वह सत्ता होगी? हर मोड़ पर मेरे सहयोगियों द्वारा बाधित, उस लोकतांत्रिक व्यवस्था की बेड़ियों में जकड़ा हुआ जिसका मैं मात्र नाममात्र का मुखिया होऊँगा! नहीं—जिस सत्ता का मैंने सपना देखा था वह निरंकुश थी! एक निरंकुश शासक! एक तानाशाह! और ऐसी सत्ता केवल कानून के बाहर काम करके ही प्राप्त की जा सकती थी। मानव स्वभाव की कमजोरियों का फायदा उठाना, फिर राष्ट्रों की कमजोरियों का—एक विशाल संगठन को संगठित करना और नियंत्रित करना, और अंत में मौजूदा व्यवस्था को उखाड़ फेंकना और शासन करना! इस विचार ने मुझे मदहोश कर दिया..."

"...मैंने महसूस किया कि मुझे दोहरी जिंदगी जीनी होगी। मुझ जैसे व्यक्ति का ध्यान आकर्षित होना स्वाभाविक है। मुझे एक सफल करियर बनाना होगा जो मेरी असली गतिविधियों को छुपा सके... साथ ही मुझे एक व्यक्तित्व भी विकसित करना होगा। मैंने खुद को प्रसिद्ध के.सी. की तरह ढाला। मैंने उनके तौर-तरीकों, उनके आकर्षण को दोहराया। अगर मैंने अभिनेता बनना चुना होता, तो मैं अब तक का सबसे महान अभिनेता होता! कोई भेस नहीं—कोई मेकअप नहीं—कोई नकली दाढ़ी नहीं! व्यक्तित्व! मैंने इसे ऐसे अपनाया जैसे दस्ताना! जब मैं इसे उतार देता, तो मैं खुद होता, शांत, सहज, बाकी सभी लोगों जैसा एक आम आदमी। मैंने खुद को मिस्टर

ब्राउन कहा। ब्राउन नाम के सैकड़ों लोग हैं—सैकड़ों लोग बिल्कुल मेरे जैसे दिखते हैं..."
"...मैं अपने झूठे करियर में सफल रहा। मेरी सफलता तय थी। मैं दूसरे में भी सफल होऊंगा। मुझ जैसा आदमी असफल नहीं हो सकता..."
"...मैं नेपोलियन की जीवनी पढ़ रहा हूँ। मुझमें और उनमें बहुत कुछ समानता है..."
"...मैं अपराधियों का बचाव करने का अभ्यास करता हूँ। एक आदमी को अपने लोगों की देखभाल करनी चाहिए..."
"...एक-दो बार मुझे डर लगा है। पहली बार इटली में। एक भोज का आयोजन था। महान मनोचिकित्सक प्रोफेसर डी---- भी उपस्थित थे। बातचीत पागलपन पर आकर रुक गई। उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग पागल हैं, और किसी को पता नहीं चलता। उन्हें खुद भी इसका पता नहीं होता।' मुझे समझ नहीं आया कि उन्होंने ऐसा कहते हुए मेरी तरफ क्यों देखा। उनकी निगाहें अजीब थीं... मुझे यह अच्छा नहीं लगा..."
"...युद्ध ने मुझे परेशान कर दिया है.... मैंने सोचा था कि इससे मेरी योजनाएँ आगे बढ़ेंगी। जर्मन कितने कुशल हैं। उनकी जासूसी प्रणाली भी उत्कृष्ट थी। सड़कें खाकी वर्दी पहने इन लड़कों से भरी पड़ी हैं। सभी नासमझ नौजवान.... फिर भी मुझे नहीं पता.... उन्होंने युद्ध जीत लिया.... यह मुझे परेशान करता है...."
"...मेरी योजनाएँ अच्छी चल रही हैं.... एक लड़की बीच में आ गई—मुझे नहीं लगता कि उसे सच में कुछ पता था.... लेकिन हमें एस्टोनिया को छोड़ना होगा.... अब कोई जोखिम नहीं...."
"...सब ठीक चल रहा है। याददाश्त का जाना परेशान करने वाला है। यह नकली नहीं हो सकता। कोई लड़की मुझे धोखा नहीं दे सकती!..."
"...29 तारीख... बहुत जल्द है...." श्री कार्टर रुक गए।
"मैं नियोजित तख्तापलट के विवरण नहीं पढ़ूंगा। लेकिन आप तीनों के बारे में केवल दो छोटी-छोटी बातें लिखी हैं। जो कुछ हुआ है उसके संदर्भ में वे दिलचस्प हैं।"
"...लड़की को अपनी मर्जी से मेरे पास आने के लिए मनाकर, मैं उसे निहत्था करने में कामयाब हो गया हूँ। लेकिन उसके अंदर कुछ ऐसी सहज प्रवृत्तियाँ हैं जो खतरनाक हो सकती हैं... उसे रास्ते से हटाना होगा... मैं उस अमेरिकी के साथ कुछ नहीं कर सकता। वह मुझ पर शक करता है और मुझे नापसंद करता है। लेकिन उसे पता नहीं चलना चाहिए। मुझे लगता है कि मेरा कवच अभेद्य है... कभी-कभी मुझे डर लगता है

कि मैंने दूसरे लड़के को कम आँका है। वह चालाक नहीं है, लेकिन सच्चाई से उसकी आँखें मूंदना मुश्किल है..."
श्री कार्टर ने किताब बंद कर दी।
"एक महान व्यक्ति," उन्होंने कहा। "प्रतिभाशाली, या पागल, कौन कह सकता है?"
सन्नाटा छा गया।
तब श्री कार्टर उठ खड़े हुए।
मैं आपके लिए टोस्ट दूंगा। यह संयुक्त उद्यम अपनी सफलता से पूरी तरह से सिद्ध हो चुका है!
यह प्रशंसा की लहर में झूम रहा था।
श्री कार्टर ने आगे कहा, "हम कुछ और सुनना चाहते हैं। उन्होंने अमेरिकी राजदूत की ओर देखा। मैं आपकी ओर से भी बोल रहा हूँ, मुझे पता है। हम मिस जेन फिन से वह कहानी सुनाने के लिए कहेंगे जो अब तक केवल मिस टप्पेन्स ने ही सुनी है—लेकिन इससे पहले हम उनके स्वास्थ्य के लिए दुआ करेंगे। अमेरिका की सबसे बहादुर बेटियों में से एक के स्वास्थ्य के लिए, जिनके प्रति दो महान देशों की ओर से आभार और कृतज्ञता व्यक्त की जानी चाहिए!"

अध्याय XXVIII. और उसके बाद

"वह वाकई एक शानदार टोस्ट था, जेन," श्री हर्शाइमर ने कहा, जब उन्हें और उनके चचेरे भाई को रोल्स-रॉयस में वापस रिट्ज़ होटल ले जाया जा रहा था।
"संयुक्त उद्यम वाला?"
"नहीं—तुम्हारी ही तो हो। दुनिया में कोई और लड़की नहीं है जो इसे तुम्हारे जैसा निभा सकती थी। तुम सचमुच अद्भुत थीं!"
जेन ने अपना सिर हिलाया।
"मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा है। दिल से मैं बस थका हुआ और अकेला हूँ—और अपने देश के लिए तरस रहा हूँ।"
"इससे मुझे एक बात याद आई जो मैं कहना चाहता था। मैंने राजदूत को यह कहते सुना कि उनकी पत्नी चाहती हैं कि आप तुरंत दूतावास आकर उनसे मिलें। यह काफी है, लेकिन मेरे पास एक और योजना है। जेन—मैं चाहता हूँ कि तुम मुझसे शादी करो! डरकर तुरंत मना मत कर देना। बेशक, तुम मुझे तुरंत प्यार नहीं कर सकतीं, यह

असंभव है। लेकिन जिस पल मैंने तुम्हारी तस्वीर देखी, उसी पल से मैं तुमसे प्यार करता हूँ—और अब जब मैंने तुम्हें देख लिया है, तो मैं तुम्हारे लिए पागल हो गया हूँ! अगर तुम मुझसे शादी कर लो, तो मैं तुम्हें परेशान नहीं करूँगा—तुम अपना समय ले सकती हो। हो सकता है कि तुम मुझे कभी प्यार न करो, और अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम्हें आज़ाद करवा दूँगा। लेकिन मैं तुम्हारा ख्याल रखने और तुम्हारी देखभाल करने का अधिकार चाहता हूँ।"

"मुझे यही तो चाहिए," लड़की ने उदास स्वर में कहा। "कोई ऐसा जो मेरे साथ अच्छा व्यवहार करे। ओह, आप नहीं जानते कि मैं कितना अकेलापन महसूस कर रही हूँ!"

"बिल्कुल, मैं ऐसा ही करूंगा। फिर मुझे लगता है कि सब कुछ ठीक हो गया है, और मैं कल सुबह आर्कबिशप से विशेष लाइसेंस के बारे में बात करूंगा।"

"ओह, जूलियस!"

"खैर, मैं तुम्हें किसी तरह से दबाव में नहीं डालना चाहता, जेन, लेकिन इंतज़ार करने का कोई मतलब नहीं है। डरो मत—मैं तुमसे यह उम्मीद नहीं करूंगा कि तुम मुझे एक ही बार में प्यार करने लगो।"

लेकिन एक छोटा सा हाथ उसके हाथ में आ गया।

"मैं तुमसे अब भी प्यार करती हूँ, जूलियस," जेन फिन ने कहा। "मैंने तुमसे उस पहले पल से ही प्यार करना शुरू कर दिया था जब कार में गोली तुम्हारे गाल को छूकर निकल गई थी..."

पांच मिनट बाद जेन ने धीरे से कहा:

"जूलियस, मैं लंदन को अच्छी तरह से नहीं जानता, लेकिन क्या सेवॉय से रिट्ज़ तक की दूरी इतनी लंबी है?"

"यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कैसे जाते हैं," जूलियस ने बिना किसी झिझक के समझाया। "हम रीजेंट्स पार्क के रास्ते जा रहे हैं!"

"ओह, जूलियस—ड्राइवर क्या सोचेगा?"

"जितनी तनख्वाह मैं उसे देता हूँ, वो जानता है कि उसे स्वतंत्र रूप से सोचने की ज़रूरत ही नहीं है। अरे जेन, मैंने सैवॉय में रात का खाना सिर्फ़ इसलिए खाया था ताकि मैं तुम्हें घर छोड़ सकूँ। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं तुम्हें अकेले कैसे पकड़ पाऊँगा। तुम और टप्पेन्स जुड़वाँ बच्चों की तरह एक-दूसरे से चिपकी हुई हो। मुझे लगता है कि एक और दिन ऐसा चलता तो मैं और बेरेसफोर्ड पागल हो जाते!"

"ओह। क्या वह----?"
"बेशक वो है। दिमाग से कान तक।"
"मुझे भी यही लगा था," जेन ने सोच-समझकर कहा।
"क्यों?"
"टप्पेन्स ने जितनी बातें नहीं कहीं, उन सब से!"
"यहाँ तो तुमने मुझे हरा दिया," श्री हर्शाइमर ने कहा। लेकिन जेन केवल हँसी।
इसी बीच, यंग एडवेंचरर्स एक टैक्सी में एकदम सीधे बैठे थे, बेहद अकड़े हुए और असहज महसूस कर रहे थे, जो विलक्षण मौलिकता की कमी के साथ, रीजेंट्स पार्क होते हुए रिट्ज होटल लौट रही थी।
उनके बीच एक भयानक बंधन सा छा गया था। उन्हें ठीक से पता नहीं था कि क्या हुआ है, लेकिन सब कुछ बदल गया था। वे चुप हो गए थे—जैसे लकवा मार गया हो। पुरानी दोस्ती पूरी तरह गायब हो गई थी।
टप्पेन्स को कुछ भी कहने को नहीं सूझा।
टॉमी भी समान रूप से पीड़ित था।
वे एकदम सीधे बैठे थे और एक-दूसरे की ओर देखने से परहेज कर रहे थे।
अंततः टप्पेन्स ने हताशा में एक बड़ा प्रयास किया।
"काफी मजेदार था, है ना?"
"की अपेक्षा।"
एक और सन्नाटा।
"मुझे जूलियस पसंद है," टप्पेन्स ने फिर से व्यंग्यात्मक लहजे में कहा।
टॉमी में अचानक जीवन की नई ऊर्जा आ गई।
"तुम उससे शादी नहीं करने वाली हो, समझी?" उसने तानाशाही लहजे में कहा। "मैं इसकी मनाही करता हूँ।"
"ओह!" टप्पेन्स ने विनम्रता से कहा।
"बिल्कुल, आप समझते हैं।"
"वह मुझसे शादी नहीं करना चाहता—उसने तो सिर्फ दयालुतावश ही मुझसे शादी का प्रस्ताव रखा।"
"ऐसा होने की संभावना बहुत कम है," टॉमी ने उपहास उड़ाते हुए कहा।
"यह बिलकुल सच है। वह जेन के प्यार में पूरी तरह डूबा हुआ है। मुझे लगता है कि

वह अब उसे शादी का प्रस्ताव देने वाला है।"
"वह उसके लिए बहुत अच्छी रहेगी," टॉमी ने तिरस्कारपूर्ण लहजे में कहा।
"क्या आपको नहीं लगता कि वह अब तक देखी गई सबसे प्यारी प्राणी है?"
"ओह, मुझे ऐसा लगता है।"
"लेकिन मुझे लगता है कि आप असली कीमत को प्राथमिकता देंगे," टप्पेन्स ने विनम्रता से कहा।
"अरे यार, टप्पेन्स, तुम्हें पता है!"
"टॉमी, मुझे तुम्हारे चाचा पसंद हैं," टप्पेन्स ने जल्दबाजी में बात बदलते हुए कहा। "वैसे, तुम क्या करने वाले हो, मिस्टर कार्टर का सरकारी नौकरी का प्रस्ताव स्वीकार करोगे या जूलियस का निमंत्रण स्वीकार करके अमेरिका में उसके फार्म पर अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी करोगे?"
"मुझे लगता है कि मैं पुराने जहाज पर ही रहना पसंद करूंगा, हालांकि हर्शाइमर का यह कदम बहुत अच्छा है। लेकिन मुझे लगता है कि आप लंदन में ज्यादा सहज महसूस करेंगे।"
मुझे समझ नहीं आ रहा कि इसमें मेरी क्या भूमिका है।
"हाँ," टॉमी ने दृढ़ता से कहा।
टपेंस ने उसकी ओर से नज़र चुरा लिया।
"पैसा भी तो है," उसने सोच-समझकर कहा।
"कौन सा पैसा?"
"हममें से प्रत्येक को एक-एक चेक मिलेगा। श्री कार्टर ने मुझे ऐसा बताया है।"
"क्या तुमने पूछा कि कितने का है?" टॉमी ने व्यंग्यपूर्वक पूछा।
"हां," टप्पेन्स ने विजयी भाव से कहा। "लेकिन मैं तुम्हें नहीं बताऊंगी।"
"दो पेंस, यही सीमा है!"
"मज़ेदार रहा ना, टॉमी? मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी कई रोमांचक कारनामों का आनंद लेंगे।"
"तुम तो कभी संतुष्ट नहीं होती, टप्पेन्स। फिलहाल के लिए मुझे काफी रोमांच मिल चुका है।"
"खैर, खरीदारी करना भी लगभग उतना ही अच्छा है," टप्पेन्स ने स्वप्निल भाव से कहा।

"पुराने फर्नीचर, चमकीले कालीन, भविष्यवादी शैली के रेशमी पर्दे, पॉलिश की हुई डाइनिंग टेबल और ढेर सारे कुशन वाला सोफा खरीदने के बारे में सोचें।"
टॉमी ने कहा, "कसकर पकड़ो। यह सब किसलिए है?"
"शायद एक घर—लेकिन मुझे लगता है कि एक फ्लैट होगा।"
"किसका फ्लैट?"
"आपको लगता है कि मुझे यह कहने में कोई आपत्ति है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है! यह हमारा है, बस!"
"मेरी जान!" टॉमी चिल्लाया, उसकी बाहों में कसकर लिपटा हुआ था। "मैं तुमसे ये कहलवाना ही चाहता था। जब भी मैंने भावुक होने की कोशिश की है, तुमने मुझे जिस तरह से दबाया है, उसके लिए मैं तुम्हारा एहसानमंद हूँ।"
टप्पेन्स ने अपना चेहरा उसकी ओर उठाया। टैक्सी रीजेंट्स पार्क के उत्तरी किनारे पर अपने रास्ते पर आगे बढ़ गई।
"तुमने अभी तक असल में प्रस्ताव नहीं रखा है," टप्पेन्स ने कहा। "हमारी दादी-नानी इसे प्रस्ताव नहीं कहतीं। लेकिन जूलियस जैसे घटिया प्रस्ताव को सुनने के बाद, मेरा मन करता है कि मैं तुम्हें माफ़ कर दूं।"
"तुम मुझसे शादी करने से बच नहीं पाओगे, इसलिए ऐसा सोचना भी मत।"
"कितना मज़ा आएगा," टप्पेन्स ने जवाब दिया। "शादी को कई नामों से पुकारा जाता है, एक सुरक्षित ठिकाना, एक शरणस्थल, एक गौरवशाली उपलब्धि, एक बंधन की अवस्था, और भी बहुत कुछ। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मैं इसे क्या मानती हूँ?"
"क्या?"
"एक खेल!"
"और वो बहुत ही शानदार खिलाड़ी भी है," टॉमी ने कहा।
www.freeclassicebooks.com